

# পিরানদেক্লোর গল্প





# পিরানদেল্লোর গল্প

## CHANN

সম্পাদনা করেছের কুজান্দের করে

অনুবাৰ করেছেন কামাকীপ্রসাৰ চটোপাধাহ

নাক্ষাপ্রসাল চড়োপ হীরেন্দ্রনাথ দশু কিতীপ রার কমলা রার বৃহদেব বস্থ



সিগ্ৰেট প্ৰেস : কলিকাভ



新年 不明明 30KE ব্ৰহাণত বিদ্যাপকুষার ৩৩

निक्रमंडे दशन

> गर अगवित स्थाह प्रतिकादी वाक्ष्मक श कवि

সভাজিৎ বার 43144

Britge wälnig. শ্রন্থ প্রেম

रवान रक्षत्र

41fecersus

রবালার হ*ত্*রহার হের

रामको साहेकिः ब्याकंत्र गडेनकामा है। मर्बच्य मध्यक्रिक

লাম ডিন টাকা

. vienting \$5 অক্ষণট ছাপিয়েক্তৰ



# Sept.

न्हेंचि नि	वानस्त्र	n		***	
केनि	বসুবা	74:	ৰুম্বদেশ বস্থ	***	
क्रुक्र हैं	क्षनादनद्	•••	बुकासन राष्ट्		>8
কণ্ঠ(ব্যর	গাহ্বান	•••	शैद्रक्षमां वह	***	•
নয় সভা		•••	क्यमा दृहि		86
নাছি		٠	কাৰাকীপ্ৰসাধ	<b>ट्रो</b> शशाह	18
राहेमा			কিতীশ রায়		W
শেৰা			क्यमा होड	***	R
ভা বেশ		•••	ক্ষলা রাহ	***	>+6
-	दक काल		কামাকীপ্রসার গ	<b>ह्यानाका</b>	>10

CHILLY CHILLY





( 2006-1200 )



## न्दिकि निवानकुरका

गांकिकरण नामूक्तरनिक चार सूरेकि निवानरस्का-जीवा क्रुक्त আবুনিক ইভালিয়ান গাহিত্যের চুই চ্ছাবনি। কিছ ছ'লনের প্রতিভার वकार गण्या पट्या शानुस्पर्यतिक शीत, इस, डेक्ट्रीस, बानवस्य : भिराज्याता नाम, क्ष्म, जिन्देखित, इस्टाबर । स्थान स्टाम भिरासामामा रथम दायम माहिकारकात वरकी शतम, क्यम मामकार निवस साहित मरागगरन, किस गर्दनीह विस्तृत किनि क्याना स्टब्स करवन नि. राज्यनश्रीका कालाहान कीर सामाई मानाका ना। यह सामा व्यतिक गण्डामब्दक्त बरकारे, निवासरहरक्षा कार माहिकाकीसम व्यवक करबन कारावकांत्र त्याकरन, किंद्र क्रैंक क्रवाँडे जागरका मा. स्वाद १व (गरे) क्वाप्त (भारतके अक्कि कान्यकारक किमि मात्र विरविद्यान '(राष्ट्ररहा' । काराजबीत कारक रियथ क'रत किनि शक (जना बनरजब, त्वरा प्रक्र-वेशकार मद कारत की व व्यक्तिका, बहुकार का बारवाई विक्रिक क्र'रव प्रोत्रका । फारानर नविश्वत बक्राम क्रेकामियास 'त्यारकेक' सारवेक त्वे देश्त्राकावाण किनि क्षत्रविद्याक करणन । केवरवाल-कारविद्याव राणा-राणा महार कीर निक्रम मक्तार केलाविकात जाबारको बीर नारेरकर चकिनम क'रत राजारमा, बनिकेरक रखें। मार्था क्षाम अवसे मारेरकर प्रमा प्रमानिक-गरवहन वाकान क्वारम् (मार्टक वाहिरकर वक्य-बांगा कींत्र गंगात भक्तमा। देखातान-क्रमार सांबाद्यक स्थान कींत्र शांकि व्यवानक नांग्रेजनंत्रकारणेरे ल्योकारह । किंद्र करतान क्या गाहित्याक चीव विशव व्यक्ति त्याकी काम विक्री कार्यक केलाविक

ক্ষাৰ পূক্ৰ ব'লে জীকা। জীকা ক'ৰে আৰু হোটো পা চিনি দিখেছেন, ইভালিয়াল-এ জীব সৰ্বা আন্তাৰ্জন প্ৰিচনটি চুঠা এন এজনত ('বছৰে বাচি দিখেন কম্ম একটি পাই') নাবে খানেকজনি বক্তে প্ৰকাশিত হ্ৰেছে। জীব হোটো গলেন সূক্তে নাভালি পাঠিকের প্ৰাথমিক পরিচর ঘটালো এই বইকের উক্তেম।

ध-बहेरबर शह कंडि ट्यंटकडे निजानास्त्रात वन श्रवी का बांध। शबीद रमनातर्भ शक्किन शक्किन शक्किन कर्मा स्थापन स्थापन चाकान अहन त्वत्र, त्यम 'करहको। कमनात्वर'छ, क्यांमा रा चछन क्छानात यक्ष करत, स्वयन 'छ। सन्' शरह। क्थामा किक्का, क्थामा विकासन बीका शामि, कवाना वा अकड़े इर्बक चलका। कियु दशमा शका चार किंदू नत्र। नितानरंग्रहात राष्ट्रियक बीयरनद विरक काकारम और विक्रित विवास क्षाप्तत अकी। बोक्पिय बाह्य । ভিনি বিবাহ করেছিলেন বুনাবছলে, পাত্রী জার পিতার নির্বাচিত-विवारक पूर्व क्लाटक जिनि क्रांट्स सरकानि । बान्नडा कीवम क्रिक দ্ৰিন ছবেই কেটেছিলো, কিছ ভারপর পিতার বাবসা কেন नकाव किमि वार्षिक होमाठीनिएक नक्टलम बांबा हटनम स्त्राटमत अकी ताद रेक्टन गडीति निष्ठ, अश झायत नात क्षेत्र नूर्व राजा वधन की व बी मनः मेहार चाक्रमान चमावृतिक मृष्टि ववामन । (बार्शव वीशम नक्त रामा पारीर अधि प्रशीत मासक-वहे मासाहत **काफनाय निवानत्वरक्वारक वहरतव नाउ वहत्र क्वान निर्वादिक द्रकान** क्रमार्थ हर । कीट सम्बेश सन बीटक क्रेमान-माटायम विकास मीडाटक পাধলো না, নিৰেকে তিনি সহ কয়লেন তাগোর এই আছাত, এই দীৰ্য मित्रे बाना। बहरबर नंद्र बहुद स्मारता स्वृत्त माकि जिमि स्वरक्त मा, निरमत केनामां नर्व इनवंकी बीद होटल कुटन क्लिन। वहे न्यरबंदे किनि कारत्र कानक करवन कांव गरश कानम शाक्सके (क, कांव রী বাকে নক্ষেত্র করে আরু তিন্দ্রিক্তিক আছে ক্রেক্তর, ও জুরের
মধ্যে লোকজন ৮ এই ডিব্রা ক্রমে পভীরভারে তীর নক্তর ক্রমার বাবি
হরে পাঞ্চল বাবি ক্রান্তবের মধ্যে এই ব্যক্তিক্তপভার গ্রহার উত্তরে
পাঞ্চরা বাবে তীর নাইকে, পরে, উপভাবে। ১৯১৮ সালে উত্তরিকী
য'বে তীকে বৃত্তি বিলো, কিন্তু ভাই ব'বে লীখনে তীর কুর কির অনো না। পের ব্রব্রে তীর বৃত্তর পতীর সম্বীর বিক্তান সভা ভারে
করের তীকে বলকে 'চিনে বৃত্ত'—এই সবার তীর নাইকে করের
সক্ষ পালাভা ভূতবের নগরভাবিক গৃহতারা রাহারাকের ক্রীবন ভিনি
কাটাকেন, টাকাকভি নব হেলেকের পিথে দিরেছিলেন—সংলাবের
বাবন কিছুই তীর ছিলো না। বুত্ব বলকেন 'হোটেলের বররী আহার
নারি, আর সপ্রতির মধ্যে ভাষার টাইপ্রাইটার।'

এ-কথা বনে ভাগতে হবে বে পিয়ানবেয়ে বাল ইডালিয়ান নহ, আডদিনিলাল। ছাত্রভীয়নে ভার্থনির বহু বিশ্ববিভাগরে ভাইটে জিরির
ভঙ্গ তিনি প্রবন্ধ নির্যাহিন লাবিনির বে বিশ্ববিভাগরে ভাইটে জিরির
ভঙ্গ তিনি প্রবন্ধ নির্যাহিন নির্দিশিক গোষার বিশ্বরে, এবং
ঐ তাবার লোখা করেবট্ট নাটকও প্রীর আছে। এই ছোটো বইট্ট
পাঁচেও বোঝা বাবে বে তার নাছিতা নিনিলির গাভে ভরপুর। জীবনে
বর্ণনাই বেখানে বেবেছেন, নিনিলির নীল আকাপ, উজ্জন হোরু,
নিনিলির অক্ত সরল আবেগপ্রথম নানবক্ষতি কবনো তিনি কুলতে
পাবেল । ইথরোপের হিশেবে নিনিলি আনাবের লেশের বাভাই
পাইনের পাতা লেখা, তাই এই গাছগুলিত ববিভ কোনো-কোনো
চরিত্র বনে হর বেন আবাবেরই আগন অন। পেই বাহিন্তা, সেই
কুলছোর, সেই আছ্বাহী আহতে লাবে, 'বাহিন বু' ভাইবেল আ্রার্যাহারী
ব্রেবেশ্বর চাবি। সরজ হুবের প্রপারে বাছ্ছুবি নিনিলির প্রতি একটা
গাইন কেন পিরাব্যবাহার বালী চিত্ত বিশ্রশাহ।





#### -

मध्य प्रतिमं जात्तव विषय क्षेत्र ह'त्याः, त्यतिम त्याक्तहे राज्जीनित्या ठाव कारी बीटक स्कार्क करनाह :

ভাবে। তো, আবাৰ সভিজাৰ নাৰ কিছু কিনা নত। আবাৰ নাৰ আসলে কারোকিনা, কিছু উনি আবাকে কিনা ব'লে ভাকতেন, আছ সেই থেকে আবাৰ নাম কিনাই হবে গেছে। আছা—কাৰি ভাগো-বাছণ ছিলেন উনি, ঐ ছাঝে না উন্ত ছবি—'

ব'লে দিনা বড়ো একটি কোটোপ্রাক্তের বিকে আঙ্কুদ ভুদানা। বার্ডোদিনো দেবলো, তার ভাবী স্থীর প্রথম স্বামী দিনোর কোদিরো তান্দেবি তার দিকে তাকিরে বৃহ কেনে টুলি ভুদারেম।

প্রায় নিজের অভাজে, বার্জেলিনো বৃত ভরনোকের অভিবাহনে 
প্রভাজনে নিজের বাধাটি অর্থেন নিচু ক'রে ক্লেছিলো।

তাদেরি হিলেন একজন বিখ্যাত স্থাত। তিনি গত হ্যার গরে তার চনিটি দেবাল খেতে নামিরে রাখবার কথা তার বিধবা শ্রী দিনা সাজারির একবারও মনে হরনি। কেনই বা হবে। তার কাছে নিনার ক্লডাকরা তো কন নত। তার নান স্থান, বাড়ি বর, স্থাব্য স্থাব্য আসবাবদার স্ব তো তিনিই তার জাভ ক'রে গোহেন।

ভাষী বিতীয় স্বামীয় ক্ষপ্ৰতিত তাৰ কিছুমাত্ৰ লক্ষ্য মা ক'ৰে কিছা ক্ষাহের বলেছে, 'আমি অবস্তু নাম বহল কয়তে চাইনি, কিছ উমি হা কল্ডেন, ভাৱ উপত আৰি আৰু না বলতে পাৰকুম না। তুমিত আমাকে ঐ নাৰেই ডেকে, কেমন ৮ কিছু মনে কয়বে না তো চ' বার্জেনিবো বতনত থেকে বলৈছে, 'না-- ইকে--না--ভা ভো ট্রিকট্র' মেরানের বাজা ছবিটি বেকে সে বেন আর চৌর্ড কেবারত পারেনি--ভালোক তারই বিকে তার্কিত্তে বৃচকি বেনে টুলি কুলে অভিবানন ভালাজেন।

তিন নান পৰে বধন আশ্বীৰ বন্ধুবা নিনা আৰু তাৰ শ্বামীকে তাৰেছ হানিমুন-বাত্তাৰ ভূপে বিতে কৌননে এলো, তথন নিনাৰ বিহা নথী অৰ্জেনিয়া নোডা বামীৰ বিকে তালিকে একটি অধ্যা বীৰ্ষান কোন বৰুলে, 'কোবা বাৰ্জাবিয়না—কিনাৰ ক্ৰমো প্ৰেৰুৰ সাকু…'

'বেন, বেচারা বেন হ' তার স্বাধী ব'লে উঠলো। জন্মণাকের ব্যৱস হরেছে, দিনার স্থিতীয় বিবাহের ঘটকাদি বলতে গেলে তিনিই করেছেন, ভাই এ-বিবের কোনোরকম স্যালোচনা ক্রনেটে তার রাগ হ'তো। 'বেচারা হবার কী হরেছে হু বার্জেনিনো তো বোকা নহ, কেনিস্ট্রুত

'है।), (क्षित्रहिट्ड,' रशरम चट्डनित्रा।

'দেখো ছুবি, খাজেনিনে। একেনাছে আবৰ্ল আমী হবে। কেনিন্তি,র কৰাই বা কী—বনি একটু থা ক'বে ওয় সৰ কাজ ও ছাপিতে বের করতো তাহ'নে দেখের একজন আবৰ্ণ নিক্ষক হ'তে গারতো। ভা ছাড়া ও এমন মন-খোলা ভালোনাছল—"

 त्राच्या नार्विणित्ना—नायात हेरण, विकाद्धकारात चार चणिककार त्राच्याच्या

ট্রন হার্ডনার আপে আনসেননে-বৃত্তা থোকে বংগহিসের, 'বার্ডে-নিনের একটু মেবাছনো কোরো--একটু বছ-টহ কোরো অকে ।' নিনা তার প্রথম হানিকৃতে আপে একবার হোবে এসে পেতে, বেশ-রবারে সব বছত তার জানা—সে সবছটা পথ বার্ডেনিসাকে প্রায় হেনেবাছকের বাতো হাতে বার নিরে প্রপো। পেব পর্বন্ধ পার্টি বধন বোরে পৌছনো, সে ছারীকে বন্ধনে, 'ভূবি কিছু তেবে। না—আমি সব ক'রে নিজি।' কে-বুনিটা ভাগের বানপ্র পোহাজিলো তার বিবন্ধ

কৌশনের বাইরেই হোটেল ডিটোরিরার বাস্ আপেন্স করিছিলো। ছাইভারকে চিনতে পেরে সিনা তার বিকে তাকিরে একটু বার্থা নামলা।

जाकिए त्म बनाल, 'रहारहेन किरकेदिश ।'

'श्रम्ब (हारोजि) (सर्था। (हाई किनेमाँ, ठावर-नावववा क्रेमाँ, अरक्तार महरक विकास, व्यक्त वक्क पुर एपि महा- है वहँव चारत के राज चानाव क्षवा हास्त्रित क्षत्र अन्हारोहरूके केंद्रिकाय। ...(ठावावक क्षेत्र कारणा मानार, राज्यां)

হোটেনটা নিমাৰ আৰু বাড়িনাড়ি নাগলো। তাকে বে কেট টিনাডে পেরেছে এবন মনে হ'লো না, কিছ নে স্বকারেই টিক চিনাডে পারেছে। ঐ তো বুজো 'পিয়ো', হ'ুবছৰ আগেই এই লোকই আন্তেই আক্রাডি করেছিলো। নে তালের লোভনার এব ১২ নার খবে নিছে পৌলা— কেব বজো বর্জী, ভালো ক'রে সাকানো, কিছ নিনার দেশব প্রথম হ'লো না।

'निरमा, केंनिन नवत का कि वानि चारक है' निरमा क्वड जिस्क स्वतिरह

সোলো, দে কাকে দিনার মনে শব্দসা যে ব' বছর আলে জীব্রুক ট্রিক এই বন্ধনই ব্যাহিলো। ওঁব অন্ত বোডসাথ একটা স্বর ট্রিক করে থেকেছিলো থবা, বিদ্ব উনি চেরেছিলেন তেতলার এক্ ১৯ নবর স্বর। 'গুনহো, গুলানেই আবর জালো বাদবো। গোলবাল কর, হাজ্ঞাবেশি। ঐ একটা হব----

निरम्भ। किरत आर एक नगरन ए अम् ३३ वाणि चायह निर्मा पहरण-माहराव मरक। शक-कानि निरम स्टान केंद्रामा। प्रेम राज्ये रा

ৰলা বাহলা, বাৰ্জেদিনো তাৰ আনক্ষেত্ৰ অংশগ্ৰহণ কয়তে পাৰেনি।
'কী পো, বৰটি তালো লাগছে না তেতিবাৰ চু' দিনা জিবলৈ কৰলে। উনামভাবে বাৰ্জেদিনো জবাৰ বিলো, 'ৰন্ধ কী—ভোৱাৰ তালো লাগনেই হ'লো…'

ভারণৰ—দিনা বৰন কাঁপড় ছাড়তে প্রবার পিছনে গেলো—দে ব্যৱর বাটটির দিকে তানিরে ভাষতে লাগলো বে এবানেই, এই বিছানার তার বী তার প্রথম বিবাহিত রামি কাটিয়েছে—ফাটিয়েছে তার প্রথম বানী সিনোর ভাষেকির সঙ্গে ৷—আর অনেক বুর ব্যাহত, তার প্রীয় বাছিল পেরালে বোলানে। ছবিটি বেকে, সিনোর ভাষেত্রির মুভি ভার চোবের সাম্যান কেনে উঠলো—বুচকি বেকে তার দিকে ভাষিত্রে তিনি টুলি কুলাক্রম।

হানিবুনের সময়টা ভারা বে ভবু সেই একই বিশ্বাবাছ জনো ভা নর, সেই একই বেজার্গার থেলো, সেই সর মুখাই কেনে কেরালো, সেই সর বাছসর, সেই সর চিত্রশালা, সেই সর সিজে, এবল কি সেই সর সামান— (बवारन दुरवारन के सहय चारत, निमा छात्र किमिन्त नहत्र विराहित्या। बार्किनियां कृति नाकुर पर्कारक माकुर-निकृतको ता दूर हुछै बकाल नाबाहर मा तर तारे दायेर पानीय केनारान, परिवास, कहि, हेका-पतिका नाम नाम पहनत्त्र क्यांच क्रमांच कर बाबान छात्र मानाक। जिलाक ज्ञांच कराज मां त्व कांव वावकारत कांव करून चांवी मान मान की प्रकृष वर्षाक्छ। श्राठारका स्कृत संबद्ध छात्र विरव करविक्रणा, कथम त बनाय त्यान विके, विकेष बांद्य ना. बादन ना. के बाह्यकीरे छाटन নিকা-বীকা দিয়ে ৰাজৰ করেছে, দে তার প্রথম সামীয়ই তো পট্ট। या-किष्ट छात्र चाएक गरहे कि चैद कांक त्वारक्टे ता नांव नि---धमन कि. ওঁৰ খেতে ভিন্নভাবে ভাবৰার কি অঞ্চল করবার শক্তিও ভার লোপ পেৰে সিৰেছিলো।

সে যে আবার বিয়ে করেছে ভাও ভো সিলোর ভাছেরিয়ই উপরেব। তিনিট তাকে শিধিয়ে গেছেন যে অঞ্চল জীবনের ওপ্রবা হয় যা, कीविएत क्षत्र कीवन, बाद मुख्य क्षत्र मुखा। क्षत्र क्षा मान क'राई দে বার্ডোলিনোকে স্বাধীরূপে গ্রহণ করেছিলো—স্বার কোনো কার্থে নৱ। বাৰ্জোলিনো বহি ভাকে ভালোবাদে ভাহ'লে ভার মভামত মেন निरम्भे हनार रह--चाड छात्र मारनहे निरमाद छारपदिर हैक। पनिकाद অভ্যাৰণ কৰা। তিনিট কৰ্তা, জীবন-বুৰের তিনিট সাহৰি।

किस-कोराजर यह यजिसकार राज शाकीमाना काराना-অতি সামার কিছও কি সিনা তাকে দিতে পারে না--একটি চবন, अक्ट्रे चावड, जाद क्षेत्र वारी जारक वा-गर निविद्य प्राप्त जा स्ट्रेस या जानाश ? अपन किंदू, या के कुछ पाश्चरत कड़ के स्वरक निमारक ভবনতার মতো ব্যক্তি বিভে পারে ? কিছু কথাটা উল্লেখ করতেও ভার নজা, আৰু বিজ্ঞান কৰবাৰ কথা দে তো ভাৰতেই পাছে না।

হানিক থেকে কিন্তে এনে একট কথান্যাশিত ছাল্যান্য পেলো ভারা।

निरमात त्राका-विनि कारमत विरमत कोमानि करत्रहिरमन की। बादा (गरकन)

তে নিজে বৰণ বিৰব। হৰেছিলো তথন এই বোডার ছী অর্জেননিরা ভার পদ্ধ বে কত করেছিলো তা কি সিনা ভূমতে পাবে। নেও ছুটে পোলো স্থাবে নাখনা বিতে, সাহাব্য করতে। কিছ গে কুমতেই পায়নে না বে ঘারীর বৃদ্ধার নশ দিন পরেও অর্জেননিরা অনন গোভাজার হ'রে আহে কেন।

'कर की शहरह राजा (छा ह' किएड जान राज कांच चानीएक विनाहक करान।

ৰীৰ বোৰণক্তিৰ মতাৰে বাতোলিনো লক্ষাৰ লাল হ'লো।—'মাৰে— বাই বলোনা, ওৰ বাৰী তো মাৰা লৈছে।'

'ভছ যামী ; তা ব্রেছে তো কী জ্বেছে গ বাপের ব্যবি যামী, ভার ক মাবার---'

'छा श'रनहें तो, छाहे रान कि द्वार श'र तहे हैं

বাংগর বছনি, কিন্তু নাগ তো নৱ। জিনা জোর ক'বেই বসনে। দিনার কথাই ঠিক। অর্কেনিরা লক্ষ্য করেছিলো যে দিনার মুখে বার বার তার বত স্বামীর কথা তনে অনে বার্জেদিনোর বেরা ব'বে

গোছ। শে তাই ছাবছ ছাবছ ভাৰ ব'বে তার বন ভোলাবার চেটা কবলে। তার ছাব বাংলালিনোকে এবন গতীরভাবে বিচলিত করলে যে এই গ্রাহবার, প্রাবশাদে সন্ধা কাটারে উঠে, সে তার বীর ক্রাইছ

'क्षि--क्षिक कि क्षातानि।'

त भारता किङ्कू समारत श्रहाता, किङ्क मिना खार्रक सोनी विराह गरेन केंद्रता, कर गरक भारतार कुमना । याचन क्या, केनि विराह्मन बीत मुख्य क्या तमार विराह नार्वामिदना समाना, केनि खबराना बुरका

### श्मिम-वहें (का र

তা হাত্যা---আমিও কি কালিনি । ইয়া, কেলেছি নাইকি, কল কেলেছি--কিছ দেব পূৰ্বত নিজেকে সামানে নিজেছি আনি। কিছ আর্কেনিয়া কী কলছে । কেলেই নিজেছে আন কালছে আন কালছে—বেন জীবন ভাবে ও কালবেই। জানি, জানি, কলৰ বেলি কালা।

কাৰণে বান্দ্ৰ আৰু, কৰাই খোল কৰাই আছে বাপ হলো বত না বিষ্কি চুক্তৰ । কৰাই তানে বাডোনিনোৰ আছে বাপ হলো বত না বীৰ উপৰ, তাৰ চেৰেও বেশি বাপ হলো বীত ঐ বত সামী, ঐ নিবোছ আফেরির উপায়। লোকটা এবলো বেবাল বেকে অফিবে ভার নিবে মৃতকি হোল টুলি ভুলে আছে, এবলো ভার ইক্ষার, ভার নতাবতের বপ

ক'বে রেখেছে ভার স্ত্রীকে !

ক ছবি ! ক চিবছৰ হানি ! আৰ নছ হয় না ! বেখানেই নে বাছ, জুণ্ডার নতো দেশে আছে ভার পিছনে । কৈ ভো, ভার ঠোবের নাবনে, হেনে হেনে টুপি জুলে বেন বলছে :

'এবার তোরার পালা---ছাত পা ছছিতে বেশ মারান ক'রে নাও। এ-মর একজালে মারার আপিশ-মর ছিলো, এবন ডোমার কেনিয়ন্ট্র ন্যাবরেটার হরেছে। জীবিতের জন্ম জীবন, স্তের জন্ম বৃদ্ধা। ছবে থাকে। শাস্তিতে কান্ধ করে। বি

হয়তো লে পোৰার বরে চুকেছে, কেবালেও বিনোর তাকেরির মুক্তি
মুখের জুর হাসিটি নিত্রে উপছিত !

'এলো, এলো। ভাষণৰ, ভালো তো ? আবার স্ত্রীকে কেমন লাগছে তোবার ? আবি ভাকে ছবিকা বিবেছিলাব কিনা, জলোঁ। জীবিকের ভক্ত জীবন, দুতের কন্ত দুয়া।'

না, আৰু বহু হব না ৷ বাছিছ প্ৰতিষ্ঠি কোণ ঐ বাছুছটা জ'নে আহে ৷ বাজেলিনো এবন যে নিৰ্বিবাদী বাছুছ লেও অহিন হ'বে উঠকো, ছটকট কয়তে লাগলো, ত্ৰীৰ কাছে যনের ভাব কুম্বোবার ক্লেটা আহ ভার ক্ৰম र'ला मा।

থেষ পৰ্বন্ধ বনৰ তাৰ কুকোৰার চেটাই লৈ হেছে বিশে। চেটা কাৰ্যনা থাগছাকা- হ'তে, অনুত হ'তে, বাতে তাৰ স্ত্ৰীৰ পূৰোনো অভ্যেসকলি নাহা থাব। কিন্তু এবাতেও লৈ সকল হ'লোঁ না ।

'তোৰাৰ চাল চলন টিক বঁচ নতেটি হ'তে উঠছে,' ইবং শাননের ছ'বে দিলা বললে। উনিও বক্ত বেহিগেনি ছিলেন-শাহা আলোবাইব বেচাৰা।'

লিগপিত্তই বার্জেলিনো বৃষ্ণতে পারলো বে তার বাপছাছা ব্যবহার লিনা মনে কলে উপভোগই করেছে। তার এনসন কারলান্তি নিনাকে মিল সেই নাছবটিত কথাই মনে করিতে বিজ্ঞে, বাবেন কে বীর মন খেকে মাত দিতে চার।

(बारोह विके असी कवि कार गांव असा।

শেষতার বাব্য একটা ভাল তার মান এলো।
বার্যির নগতে, ত্রীর সাক প্রকল্পন করবার ইন্ধা তার ততটা ছিলো না, ঘতটা
ছিলো অভিহিন্যের উত্তেজনা। সেই নাছাবের উপারেই তার আহলেন
দেনায়ত্ব তার আহলেন। সেই নাছাবের উপারেই তার আহলেন
দেনায়ত্ব তার আহলেন অন্তিজ্ঞ নার নারবার ইলো যে এই
ছুই,মির অনি একাজই তার বিজ্ঞেন করি। নে তারবাত পারবানা না বে
কার্যুটি আর্তনিসিরাই তার অবচ্চতন মনে একটু একটু ছ'রে ছুলিকেছিলো। যান প্রকলি, তবন তাকে তার পড়াছানো যোক
ছাত করবার আনক ক্রেটাই আর্তনিসিরা করেছে, ল'রে বার্য্য হরবার্ছ।
ছচনী আর্তনিসারা এবার চালেন সির্বেট চাল ছাড়ালো। ইলিকেবিজ্ঞানিকার প্রবার চালেন সির্বেট চাল ছাড়ালো। ইলিকেবিজ্ঞানী
করাত রুগে তার বুল কেট রাজে, কির বার্তানিসিরোক্ত অবেক আলো
বেলাই লৈ ভাগলাকে নারবার, কিরা তারক ভালক ভালেক ভাবেত আন্তানী।
ল আলোবানা নির্বারির ব্যার্ট আনক্রিজরা।

এর পরে বা হ'লো, আতে বে বিনার্থি কী হাত প্রাক্তে পাতে, বার্ডেলিনো বিন্দু ডা কেবে পোলা না। বেছালা ডালোমাছব। ভার গ্রুছ অভিনারিট্র বে এক ন্যক্তে নালার হ'লো ডাতে একটু হতাপর হ'লো গে। বনে হ'লো গে কেন একলা হ'লো, একটু গারেই অছলোচনার ভার নালার বাবে গে ববল একলা হ'লো, একটু গারেই অছলোচনার ভার নালার তার গোলার। বাবে পোলা। হাঁহাং ভার চোলা বংলা বে বিছানার বাবে বেকের উপর একটা চকচকে জিনিল পাছে আছে। হোই গোনার একটা লকেট, নিল্ছাই অর্জেনিরার গলার। সে গেটা ফুডিরে নিরে অর্জেনিরার অপোলা করেতে লাগিলো। নাডাচালা করতে করতে ভার অর্জেনিরার অপোলা করেতে লাগিলো। নাডাচালা করতে করতে ভার উট্ডের করেতে ভার করেতে লাগিলো। নাডাচালা করেতে করতে ভার উট্ডেরে করেতে ভার করেতে পার্লিটের কুটা পোলা বুলে। নিম্নের চোলাকে বেলাকি করা চিব্লিটের কুটাটা পোলাবিটের না নিম্নের চোলাকে একটা ছবি বুল হোটো ক'রে গোলাই করা; নিম্নের



কোসিবো তামেরির লেই ছবি, তিনি বুচকি ছেলে তার দিকে তাকিরে

हेलि करन चारका।



## ACRASI AMMICAL

'छातिमा कि अवास बारक ?'

বাইলারের গাঁহে তথনো কেবল দাই কিছু এবই বারো সে গাঁগার পর্ক করার চাণিবছে। পা থেকে নাথা পর্বন্ধ ছেলেট্রকৈ সে একবার দেখে নিলো। ছেলেট্ট তার নোটা লোটের করার কান পর্বন্ধ ছুলে বিবেছে, বীতে নীল হয়ে করে গাঁহে তার হাত। এক হাতে একটি ছোই নোবো বাগা, অভ হাতে একটা গুলোনো আটালো কেন্স নিয়ে কর হোত উপরের নিভিতে বাঁলিয়ে বর্গরের নতে। সে বাইলাবের বিক্ত তাহিছে।

বাটেলাবের চোবের উপর নোটা (বাটা কুল, দেখে যনে হর তার গাল থেকে লাভি কোট নিরে কেউ বালীভাবে গুবানে বদিরে হিলেছে। দেই কুল কুলে দে ক্লিগাগেদ, ভবনে, 'তেরেদিনা গু তেরেদিনা কে গু' ছোলাট নাখা ভার্দনি দিরে এক টোটা বিভিন্ন তার নাক বেকে বিজেনিলে। তারপর করার বিলে, 'তেরেদিনা—গারিক। তেরেদিনা (' বাটলারের রুখে বিশ্বর নেশানো বিজ্ঞান হাদি কুটে উঠলো — 'ভাই, তার নার বৃথি তেরেদিনা—ভব্ই তেরেদিনা গুলার কুমি ক্লেক্ট্রানা

তে। প্রেপেটির বুগে বিরক্তির বেখা কুটলো, বোঁথ ক'রে একটা আওয়াত্ব বেকলো তার নাক দিরে।—'যে বাড়িতে আয়ে বা বেই বলো বেধি। তাকে গিয়ে বলো বে বিচুক্তো এগেছে—তাহকেই ক্রের।' किंद अनेन का एके नाकि रावे । नानार्व किंता नाक्तर अनरमा विद्रावीय त्यार रक्षरमानि चांड---

'बार बार्बी-बानि र्' विकृतका छाटक रावा निर्म ।

ও আগনি তাঁর বোল-পো বৃধি গু' চাকরটা তত্নি নগৰানে বোজা হরে বাঁড়ালো। 'আজে না কেউ বাড়ি নেই । একটার আগে কিরমেন বনে হর না। আজ আগনার-স্বাপনার ইবের **অর্থ্য-রুল্নী** কিনা স্বাপার ভারতির আগনার কী না হলেক-স্বাপরতো বোল না গু'

বিচ্চো একটু অগ্রন্থত হ'বে বলনে, 'বা-নানে--ভবা ট্রিক আনায়
আখীন বর।--আনি--আনার বাব বিচ্চো বোনাজিনো--ভানার
নাম কননের বে চিনবে। তর সত্তে দেবা করতেই আবি বেশ বেকে

এর পরে বাটনার ভাবলে যে 'আফো'-'আগনি'গুলো ব্যবহার না করাই টিক হবে। রারাখরের পালে হোট অভকার একটা যতে নিক্তোকে সে নিজে গোলো। পেবানে কার উচ্চ নাসিকাক্ষবির শব্দ আগছে। 'বোলো একালে—আমি আলো নিকে আগছি।'

ব্যেকি থকে নাক ভাকাৰ দৰটা আনহিলো, বিচ্চান সেবিকৈ ভাকালো, কিছু নাসিকাজানিৰ উৎসটি আবিভাৱ কৰতে পাবলো না। তথন দে রায়াব্যার বিকে ভাকিবে কেবলো—বাবৃটি আর বর বিলে ভিনার প্রস্তুত করছে। ভোভাবন্তর গান্ত দে আজন চ'লো, রাখা বিবাহিন আর গা বহি-বহি করতে সাগলো ভার। সূত্রাল থেকৈ দে বলতে পোনে কিছুই বাহনি, বেনিনা খেকে এক রাম্ভি এক বিন কাষ্ট্রির একটার একে শিক্তিকে।

বাইলার আনো নিত্রে এলো। যতের এক সেরাল থেকে আরু এক দেরালে বড়ি ফুলিরে বিত্রে একটা পরণা ঘাটালো ক্রেছে, তার আড়ালে এককণ নাক ভাকিরে যে পুর্কিলো বে আবো বুলের বড়ে नित्रक्षित्र चरत र'रन डेंडरना : 'रक र'

লোমিনা, ৬১ । দিনোর বোৰা ভিচিনো এবেছেন।

बाबूरन हैं रिटेंट रिटेंट विकृतका रन्तरम, 'र्यानाफिरना ।'

দিনোর বোনাজিনো একেছেন-নালানের বন্ধ-ন্যার ছুই দিনা পাছে পাঁড়ে বুর্জিক ৷ কটা নাজনে তোর কানে কবনো বার বা। আমি জো আর এক হাতে কর করতে পারি ন। আমাকে একন পারার

তেওঁ নাৰ অপৰ্যতে দুৰ্গ প্ৰথম কৰিব নাৰ্যক্তিয়া পিছনে তেওঁ আৰি কেলেই কাহি-----ৰ উপৰ কে এলো না এলো ভাও কি আবাকেই কেবতে হবে বৈ

বাটনারের এই ব্যুনির উভতে পোনা, গোনো আনেকখন গ'বে আছ-বোচা ভাঙার সভে তাল রেখে হাইরের এচন্ড শখ, তারগুর হঠাৎ একটা তীর আছ্বাসিক জনি। রাপে গছগঞ্জ করতে করতে বাটনার চ'লে গোনা।

বিহুজ্যের এবটু হানি পেলো। এখি বিরে বাইনারকে নে অনুসরণ করলে—আবো একটা আবো অকনার বর পার হ'বে উজ্জন আলো-জনা বিশান বাবার বাবে প্রায়ে নে পৌছলো। কী ভ্রম্মর, কী অবকালো, ঐবিন লেবলৈ পাতা। বিহুজ্যে। মুখতার আভাবিশ্বত বাবে। বানিক পারে পোই লাক ভাষার পারে আবার তার চোধ এনে প্রসাল পরায়ার উপার।

নগদের তদার রাগনিনটি নিবে বাটনার একবার ৩-মুরে ক্রাইন,
একবার এ-মরে আগতে: ববনো নোরিনার উদ্দেশ্যে, ক্রাইনী নার্যুটির
উদ্দেশে তার বকরবকর চলেইছে। বার্যুটিটি নিক্তাই নায়ুল সোক,
আকদের উৎসারে ক্রাই তাকে আনা হার্যুচ—কে অধিনাত এ-কর্মা
৬-কর্মা ভিগমেন ক'বে বাটনারকে অভিন্ন কর্মার (নিক্তাইক ভাকে অন্যান কর্মার বালারক অভিন্ন কর্মার বিশ্বাস্থা ক্রাইনা

राज्यारे जात्ना, राहेनावटक चार शिक्टित काम तहे । अ-क्यांच जात्क बामारना रहकाह रूप रूप, विक्रतकाहे रक्टरतिनाह कांदी चांदी। क्रिड क्वांठी नमाछ ता वन केश्नांड त्यांचा ना. त्यन त्य खाता अन्यवा क्ष्मान कार नाम प्रशास नमचीन नास्त्रीत ना प्र'त स्त्रीनात्त्र छेनात बाक्टर मा--- ट्राहें।हे कि कारन र विषक्त जबामा द्रा छात दराहें।हैं शास ब्लाबनि, एउ बाडेनास्टर जार कवि की बाविक, की बावुद्ध। ভার বিবে ভাকিরে বিচ্ছে। বনে বনে ক্বাটা ভাবভেও ক্রায় (पन म'रत (गरमा) (न. (करवनिवाद कावी वाबी। कर अरू नवरव चार भारक चार चांचमस्यदम मचन क'रमा मा. तम किशासम क'रह (क्नारमा, 'किङ बान कारता मा--किङ---धडे वाडि---वाधिके काह ह' राष्ट्रमात कांडाकांडिएक करार जिला, 'कांबाएसके सक्कन असारत चाहि, चानारमाहे।' चार विकृत्का र'रन र'रन नांचा नांकरक नांगरना । ৰী কাণ্ড। সৰ ভাহ'লে সভিয় । -- ভেবেসিনার কণাল বলেছে। মে राजारमार । এই व दीजियाचा कहामारक माछा त्रवाक वाहेमात्र, के नत, नार्ज़ीं, के त्व त्याविमा न'एक न'एक मान क्वाकित्व प्रवृत्तक-वता नवाहे जाव'रन रक्टबनिमाद काक्ब, रक्टबनिमाब क्याब खर्फ बरन। थ-थ कि विशान कहाक हार ?

ক্ষত ভিশাৰণ করতে হুবেণ্টু
নিনিনার কথা আবার তার মনে পড়লো। একটা আম্বন্ধ চিনকোঠার
তেবেনিনা তার বা-বেন নিরে থাকতো। পাঁচ বছর আলে, সেই স্থাব্য
চিনকোঠার বা-মেরের না থেকে বরবার দশা হরেছিলো। বেরেলি তার
আছা। সে, বিচুক্তো, সে-ই আবিহার করেছিলো। তেরেসিনার করেছি
কর্মার বিভাগ সে বন সরছই গান গাইতো, সাইতো পার্নির বজা,
নিজের প্রতিভা সে নিজেই আনতো বা। তার গানের বায়ে কর্মারী
ভিত্ত উৎসার ছিলো—পান বিরে সে নিজেকে স্থানিরেছে, তুলে
থেকেরে তার মুখ্যে, তার মুখ্যের মুববা। তার বা, বাবা—বিশেষ পাঁরে

e(30)

ভার বা—নিরভর নাবা দিয়েকে, তবু বিচুজ্ঞান প্রাণণণ চেটা ছিলো থেমন ক'বে নেই হুঃখ একট্টও লামন হবে। তেরেলিবার নাপ নারা প্রেলা—এর পর সে কি ভাকে আগ করতে পারে ৮ সে নিঃম ব'কে ভাকে হেডে লাবে সে ৮ ভার তে। ছোটোখাটো একটা র্চাকরি আহে বিউনিসিগ্যাপাটির ব্যাতে সে বাশি নাখার।

विक्रकात बरन दान देवर त्यात्रना आमहित्ना, त्यन त्म चाकान-मानै कार्राक्षरमा—सांक्रेग्सा त्यार्थितात क्षेत्रकाक कात्म शाक्षेत्रात क्या যদে হয়েছিলো ভার। যদে পতে বেলিন ছিলো এবিল যাস, ওবের हिमरकाठीय जाननाहि राम क्रायत मरहा बानिकहै। क्रेंकन मीन चाकानरक बरहाक । तार्वे चानमात बारत द'रन एकंटबरिना अकी। সিসিলির ক্সর ভনগুন কর্ছিলো। সেরিন ভাষের কথার ছিলো উদ্ধান আবেগ। তেৰেদিনার বন ভালো ছিলো না, বিচ্চোর বা বাবা किছতেই वह विष्कृत था, बाद अहे का मिहिन छात्र निष्कृत राग--। विक्राकांत्रक अन्त बातान नामहित्ना एवं मान कुनएक-कुनएक कार्य ভার কল এসেছিলো। ও গান তেরেদিনার হবে তো আগেও ভৰেছে, কিছ ও-রক্ষ দে আরু কথনো গাছনি। দেছিন ভাছ ৰন এমন নাঞ্চা খেৰেছিলো ৰে পাৰের দিন<del>ই—তেৰেনিনাকে কি</del> ভার रा-एक किছु मा व'रम-- ठाउ अक वहुरक, ताई व्यारक्षत कक्षांक्रीहरक ता নতে ক'বে অনের চিলকোঠার নিতে এনেডিলো। এইভাবে আরম্ভ ছালো (अररिमात मार्गेडनिक)-चार अत शहर ह' बहुद ब'रह विकास जात বাইনের আছ স্বটাই তেরেসিনার পিছনেট বছচ করেছে এটা পিছালো ভাড়া করলো, বরলিপি কিনলো, এবন কি ভন্তাবজির হাতেও বছুভাবে वक्ष-वक्ष किंदू केंद्र विरमा। की जारमाहे हिरमा राहे विस्तान। তেবেদিনার তবিশ্বংকে উজ্জন হতে আঁকডেন ভার ওলাল-ভোরেদিনার ইকা হতো বভিৰতা ভি'তে নেই ভবিছাতের বিকে তেবে পাঁড়ে। আর

ভাৰই নক্ষে-নক্ষে বিচুজোর অভি ভাৰ কঁও জালোবানা, কড কডজতা ! কড খংগৰ স্বাই হ'লনে বিলে ভাবা দেখেছে !

ভিত্ত তেরেদিনার বা, বার্থা-বানি হতাপতাবে বাখা বেড়েছে। জীবনে
আদার অন্তর তার অবেকবার বরেছে, অবেকবার ব্রহেছ—ভবিত্ততের
উপর আর তার আহা বেই। বেরের কবা তেবে তার আপতা হোতো
—বেছে বে এই হুবে বেকে তাব পাবার অন্তও নেবছে এটাও তার
ভালো লাগতো না। বেব তো—এই হুবেই তো বেব গা-সঙ্গা হ'রে
পেছে। আর বুড়ের বতো এই বে বছা-বেবা, এর কত কটিন বুবা বে
বিহুজোকে বিরে বেতে হছে, তাও বানি জানতো।

বিষ্ণ হ'লনের একজনও তার কথার কপাত করলে না। একবার এক তরণ গারক-প্রকার এক জলদার তেরেলিনার পান কনে বলনে বে এই বেয়েকে সংগীত শিক্ষা সম্পূর্ণ করবার অন্ত নেপন্ন্য-এ না-গার্রানো অবার্থনীয় অগরাধ। বেরন ক'রে হোক নেপন্ন্য-এর শীতকানে একে বেতেই হবে!

নার্থা-নানির আপতি বিকলে সেলো। বিচুক্তো এ নিবে আর হ'বারু ভাবনে না। এক পূরুর্ব-পূজা ভাবে কিছু অধি-ক্ষরা বিকে সিরেছিলেন, নাড়ির লোকের সজে কগড়া ক'বে সে ভা-ই বেচে দিলে, ভারণর তেবেসিলাকে নেপজুস-এ পাঠাকো সংক্ষতিশিকা সম্পূর্ণ করতে।

ভারণর আর তার নদে তার দেবা হরনি। চিট্রপারের বিনিবর হরেছে, বছরিন স্বীক্তবনে ছিলো, তেরেদিনাই চিট্র নিবতে।। ভারণর একবার বর্ষন তার গানের জীবন বছার নতে। ভানে ভানিতে নিবে, নক্ট কার্দোর ভার নার কেটে পছরার পর সব বছো বছো বিক্টোরভরানার সে কারা হরে বাছালো তথন বেকে চিট্র নিবতে। বার্ধা-বানি। বুডোরাছ্বর ভালো ক'বে বিছুই নিবতে পারতে। না, আঁবার্বাকা অক্তরে বানিকটা কালা-কালা করা বিছুক্তাক কাছে এনে শ্বেছতো—আর সেই সাক্ষ

खातामिना अर नाहेन करंड विरठा-विरक बामांना करंड निवरांत नवरहे जार ब'एज ना। 'किएका वा वा निवहत नव द्वेक क्या। जारना reret minire mireten l'Armire net min sien mit

নিষ্ণেছিলো বে পাঁচ ছ' বছৰ বিচচো তাকে একেবাৰে ছেডে বাকৰে, আৰু अहे स्थात तम निरक्षत क्रहोत निरक्षत भेष रेखति क'रत स्मार । कृष्यस्महे क्रमाण्य-बानका कराउ नावा तारे। कारेगा नार पहर । अहे नीर বছৰে বিচচ্চোর আন্দীবনা তেৰোদিনার নাবে, তার মা-র নামে নানারকর

क्शब रहे।बाद (ठडें) करतरह : अवित्क विकृतका त्म नव विचा। ध्यमान करतार बार्स शासन मन विदिशक मक्नारकरें राशिरहात. रव वर्षन দেশত চেবেছে ভাকেই দেখিবছে। তারপর ভার ক্ষম করলো, बेफराट कामा किला मा। किंठ अपनि मगर मार्चा-मानि चार

कारशास्त्रित जार प्रिकासार (बाहे) चायुर होका नाग्निएडहिस्सा-ए उपन. ছা ভাৰাতৰ পাছনি। কিছু টাকা তার অভ্যুদ্ধ উবে দিরেছিলো, বাকিটা দে গারের জোরে ছিনিমে নিবেছিলো ভার লোভী আত্মীরদের হাত বেকে। সে-টাকা

क्षम ता एक्टविमारक किविट्ड कार्य : हाइनि. के-हाका ता हाइनि । গহার গান ব'লে বে তার অপমান হছেছে তা নছ—তেরেদিনার পিছনে (क (क) करा बहुत काराक-मार अवन (क) सम्बंध माराक (व व राजिएत के ठीका क'ताह बाका मा-बाकाव किन्नूके व्यक्त बाह मा। अध्यति बहुद्द (म चर्मका करताह, मी-इत चारदा चरतका स्वतान। क्षाराजिमार वाधिक प्रक्रमकार अहे होते द्वांका गाम दे विविधालय পৰ ভাব বালে গেছে, তাৰ আৰু মেৰি কেন্দ্ৰ বাৰা কৰাটা ভানে হেলেড ভালের 'অবিধান অভিক্রম ক'রে দেই পুরোদো **অলী**কারের

क्षेत्रवालन अश्रता कि ब्राट मा १ विकृतका केट्रं रेपकारमा । बरम-बरम त्य-विकारक तम त्याकितका, त्यम ভারই সমর্থনে ভার কপালে করেকী। ব্রেটা-বোটা বেথা কুটলো।
ববকের নতো ঠাঙা হাতে আবার হুঁ বিরে বে অস্থিকুভাবে গা বিরে
বেবে ঠুকতে লাগলো। বাটলার ভার পাশ বিরে বেতে বেতে বর্গনে,
'বী, শীত করছে চু রারাব্যর বাঙ না, ভবানে বেশ আভাবে বাকবে।'
বাটলাবের নবাবি হাকে-ভাবে বিচুজোর কেমন বেশ আভাবে ভাগলো,
ভার সহুপরেশ ভানে একটুও খুলি হুলো না। আবার বানে-বানে ভাবতে
লাগলো। বারাপ লাগহিলো ভার, ভাবনা হছিলো। একটু পরেই
বরজার বেল জোরে বরজ উঠলো। চরকে উঠলো বিচুজো।

গৈবালি যে কোনো বৈৰু ভালো চলতে ভালো বিচ্ছাল।
গৈবিলা, মানাৰ অন্যেহন বালি বালাব ভাৰণৰে ব'লে উঠলো, ভাৰণৰ
তাৰ কোন্তি ছুঁবাতে ব'বে পাৰে চন্নাতে চন্নাতে চুটে বৰজা গুলতে
গোলা। মিচুছো ভাল শিক্ষ-পিন্ধন আন্তিহনো, বে বাবা বিবে বলবে,
ভূমি আগতে কেন টু বোনো গিবে, আনি বালাবকে আগে বৰৱ বিছী।
প্ৰপাব পিচন থেকে একটা ভল্লাছের লাভর কর্তম্ব শোনা গোলা,
'উ-উ-উ: ) ভারণৰ একজন স্তীলোক বেবিরে এলো, মন্ত যোটা, চূল
কলপ। টোব পর্বল নাল বৃদ্ধি বিবে আবো বুবের মধ্যে বপ্যপ ক'রে
বে এলিবে এলো। বিচুছো। বড়ো বালা বুবের মধ্যে বপ্যপ ক'রে
বে এলিবে এলো। বিচুছো। বড়ো বালা ভাবে ভাবে বিবে ভাবালো,
দে-ও কপাল থেকে চেল বেল ক'বে অন্তেনা লোভন্টিকে গোবে বিলে।
নালার এলাছেন,' বিচুছো ভাকে আন্ত-একবার ববচটা আনিবে বিলে।
বোরিনা রঠাবে বেন জেগে উঠে বললে, 'বাট—' পালটা প্রথায় পিছনে
ছুঁক্তে কলে লে ভাব বিশ্বল বেছটিক বহজার বিক্তে এপিরে বিবে

একে তো বাইনার তাকে ওবানেই নবিবে রেখে গেলো, তার উপর দেই কলপ-বাধা বিকট বৃতি । কিছুছোর এতজনের ফার্টীকা বঠাও বহুলাবর আগস্তার পরিপত হলো। ন গী-বানির কর্তবর সে ভবতে পেলো—খাবার করে। সোরিলা থাবার ববে ! একটু পরে বাইনার আর লোহিবা স্থৃতি-মুক্তি ৰহাৰ্থ মূল স্থাতে নিহে তার পাপ বিহে চ'কে পেলো। উজ্জ্বন আলো লগতে ভবিককার বাবে, বরখা বিহে বাখা বের ক'বে সে দেবিকে ভাকালো। নহা সুন্দঙ্গলালা কালো নাছা কোডাই আনকঙালি ভবলোক বাবে আহেব, উল্লেখ কথাবাতি গোলমালের বাতো পোলাছে। বৃষ্টি স্থাপাই ব'বে আলো ভাব। তার ভ্রম্ম থত উন্থেল, ভার মন ওডাই বিশ্বম-বিষ্কৃত্য-সে মুক্তেও পারেনি কথন তার চৌধ আলে ভারে গোছে। একটি দীর্ঘ উজ্জ্বানি তার বুক্তর বাবে বাখার মতে এলে লাগলোলা— অভকারে চৌধ বুক্তে সোলা হ'বে গাঁছিছে। দে বেন দেই আঘাত সামলে নিলে। কার হালি টু তেরেনিনার টু হা ইশ্বম টু গুলানে, ও-ব্যর ব'লে অমন ক'বে লে হালছে কেন টু

একটা চাপা চীৎকার জনে দে চোৰ মুদ্দো। ভার সামনে মার্থানাদি বাঁচিতে। তাকে আর চেনা নার না। নাগার টুলি দে একলো ঘোলে নি, দানি বধনদের টোকটির ভাবে বেন সুমে পড়েছে। এ কী ইতক্ষাড়া বাঁচন মতো চেনায়া মরেছে তার।

'बिक्टका ! कृषि !'

बिहुएका व्याद क्द्रद्भारत र'रम केंद्ररमा, 'बार्बा-बाहि---'

বৃতি ম্বের বিশেষারা হ'বে বলতে লাগলো, 'কী কাঞ' কংল এলে তুনি গু একটা ধবর তো দিতে হব ! তোমার কিছু হরনি তো গু একুপি এলে গু সংজ্যাবেলা গু-ভাই তো--ভাই তো--

'আমি এসেছিলাম---'কী বদৰে কেবে না পেৰে মিচুকো ক্লাম্প্ৰানীয়তা কৰতে লাগলোঃ

যাৰ্থ-মাতি বাছভাবে বললো, তাই তো, মুৰ্কিজ প্ৰলো। একটু বলো ভূদি—পেছা তো কত লোকজন এনেছে—আঞ্চ তেবেদিনার ক্ষরতী, ক্ষরতী উৎসব---একটু---একটু বোলো একানে---

विकृतका वनत्क तको स्त्रात्मा, 'शानि, कृति--कृति तति वाला, चावि जा

हर--- प्रतिहे नहीं । क्यांचरमा छाड मैनांड देन चांग्रेटक-चांग्रेटक रणस्मा, इय नह केंद्रस अम छात ।

'না, না, খোনো খেনো একটু,' বানি ভাৱাভান্তি কৰকে। ভাবি আনো বাহুব কোৱা, কিছ বী কয়নে, বী কাৰে বুবে উঠকে পাঁৱছে না। বিচুজো কানো, 'এখন-এই রাভিকে-খোখাও বাবার জাহগাও নেই আনার বি

্জানা-পরা হাতে বিচুজোকে বলতে ইঞ্চিত কুঁরে বার্থা-বাসি ধেরিরে পেলো, তাকে বাবার হয়ে চুকাত থেকে বিচুজোর বলে ক'লো বেন একটা গলবের কুথ হা ক'বে তাকে নিকতে আগমেছ। বাবার ব্যক্তি হঠাও চুগচাল। ভারণার সে ভনতে পোলো, স্পষ্ট ভনতে পোলো তেরেনিবার নামা, 'আনি একণি আগমিন-এক বিনিটা'

বুজির কানে-কানে কে কো গ'লে বিজেছিলো, অবর্থন ব'কে বাও, বিচ্চজেলে ভাগতে সুবা বিয়ো না। একটানা আনক্ষণ বাক্তক ক'লে নানি কেকবা চুবাতে নিচুজোর বিকে ভাকিরে বাতে বাত ব'বে একটু বানি রাসকো।

বোহিনা ব্যক্তনত হ'বে থাবার টেবিন নাজাতে এলো—ভার এক ব্যুক্তি নমর নেই, থাবার ববে ভিনার আরম্ভ হ'বে গেছে কিনা।

মুখ অন্তকার ক'বে কুলনাধীৰ্ণ গলার বিচ্চো বললে, 'বালি, গে কি আনবে না ? একবার তাত্ত কেবা পাবো তো ?'

একটু চেটা ক'তে অপ্ৰতিভ ভাৰটা কাটিতে উঠে বাসি বললে, 'বাং, তা আসৰে না! একটু একা হ'তে গাবলেই আসৰে—আমাকে তাই বললো তো!

একজনে কেন পরশারকে ভারা চিনতে পারকো। সেই চেনার আনো
আ'লে উঠনো ভারের ইংসিতে, সেই হাসিতে ভর ক'রে সব আড়েইতা,
সব আবেসের আবোলানা লার হ'রে ভারের মন-প্রাণ পরশারকে স্পর্ন কর্মনো। বিচুক্তো ভার চোপ দিরে বললে, 'ডুবি সেই বার্থা-বাসি তো হ' আর বাসির চোপ কলে, 'আহা, এই তো আবার সেই বিচুক্তো।' কিছ মাসি ভার চোপ তত্ত্বনি নাবিরে নিলে, পাছে বিচুক্তো সেখানে আরো ক্সিয়ু গড়ে। হাতে হাত হ'বে বললে, 'থাবে নাক্ষি একন হ'

খাখালে, স্থানৰ বাবে বিচ্নজা বললে, 'বাবো না । বিজে পেরেছে ছোঁ ! 'খালে কোন বানা । এখানে, ভোষাৰ নাখনে ব'লে খারাবন্ধ ক্ষাতে দখ্যা নেই ।' বালি ছব্-ছব্-ভোগে ভাকিরে মুক্তের উপায় বিশ্বের ডিফ কর্যত-কর্যান্ত ভ্রাম্ব ক্টিলকো।

বাটনার এলো এখন কোন নিজে। বিচুকো তীক্ত চোখে লক্য করলো, দেখালা, নানি কেনন ক'বে খাবাডটা ফুলে নেজ। কিছা নিজে নিজে গিলে বনে গড়লো যে অভটা পথ ট্রেনে আনার পত্ত ভারা হাত এখনো तारको । नव्याक नाम वेरक राहेमारक विरम् काथ क्रमाना, पाहेमान-ठाव कवि अस्त दिनवदिशक्ति<del>ত वादा निक्र क'रद अस्के हागरना</del>, कारबाबा अरेडकर, 'बाटक वा रेखा पूरण निम ।' काशान वानि कारक केवाव क्वरण, नवरण की केनाव हरेला। 'विकृतका, चार्वि रहाबारक বিজি।' ক্লডেডার ভার মনে হ'লো মানিকে চুবু ধার।

कांत्र शास्त्र (बहे बाबाद एक्ट्रा इ'ला बाद बाहेमानक स्वतिहर शास्त्र). নে তন্ত্ৰনি বুৰ ভাড়াভাড়িতে একবার কুলচিক ক'রে নিলে। বানি বুদি क्रोड समाम 'मची (करम !'

अनारक (न मक्क क'रना, बनकें) कादि कारना नागरना काव । गाँउनारक क्या जिल्हा जारत अरफर क्या चार अक्रास्त जा-रकार हा अस्त ভাবে খেতে ভারত করলো বেন জীবনে এর ভাগে নে কথনো খাবার ब्राह्मि। उर, वर्षनि वाद्रेमार এ-यर ७-यर बामा बास्ता कराउ-कराउ कारहत सरकाहि प्रामुख, वथनि छ-वड (बर्क हानि जांड कवाड केव्हनिक चन्नडे (६४ जार कारन अरू (मार्श्साइ, जबनि मानड-जरा प्रक्रीराज गामित गामक (biles मिरके त्म काकिरबाइ-क्वांत कि तम्बा माह्य कांद्र थाता केवन १ मा, का त्वा तमहे, रहा मानित क्रांच तम तम अ-स्वाहे পড়েছে, 'লল্পী ছেলে, এবন কিছু জিগগেদ কোরো না-বোঝাপড়া পরে स्ता ' छात्रनत इ'स्तारे अन्हे स्तान चानाद स्थाल चात्रक करताह । কত কৰা ভাবেৰ ৷ দেশেৰ কৰা, দেশেৰ লোকবেৰ কৰা—নাগি গুঁটিৰে-ৰ টিৰে কণ্ড ৰে জিগপেন কৰতে লাগলো ভাৰ আহ আছ নেই।

'अपने क्रिक बाध, विक्रका ।'

মিচছো বোডলটার বিকে ছাত বাড়ালো, কিছ সেই বছতে বাবার बर्दन क्वला चानाई बरम (मरमा: बनवरन रामनि चालताल, क्रफ नक्षक, अकड़े कारकातम, अकड़े विद्यार-व्यक, रहाड़े वडाडे राम हठार चारमा क'रब केंद्रे काब काच बांबिटक विरम ।

তেৰেদিনা

চুৰৰ বিষয়ে তাৰ বুৰের কৰা টোটের উপর বিভিন্ন গোলো। এ কী ! এ কি কয়।

থা ক বছা।

নেন একটা মুক্তার মধ্যে গে তানিবের বাইলো হাঁ ক'রে। তার মুখ আলা

কনাত, তার চৌধ বিজে আঞ্চন ট্রকরে বেরাছে। এ কি সেই পু এই

তেরোনিনা এই রকম গু তার বুক না, তার কাম নাই, তার হাত নাই
চিকচিক করছে নাটিন, কামরণ করছে হাঁরে। এ কি সতিয়াকার মাহন,

একি সতিয়া পু-নাবী বলাছে গে পু এই বাহের ভিছুই তার নেনা নাই,

না চৌধ, না মুক্তির। কেনক আছো, বিচুক্তো গু তেবারা না

অখন করেছিলো—একন বেল গেরে উঠেছোতো গু বেল, বেল। —আছা,

আনার বেখা হবে। এই তো বা বাইলেন তোনার কাছে। টিক আছো গু

কনতে-বলতে তেরোনিনা মুক্তি আবার খাবার খবে চলে গেলো।

নার্ধা-বানি বিচুক্তোকৈ তার বিনুক্তা থকে ঠেনে তোনবার ছে

कराना ।—'बिकृष्का चांत शास्त्रा ना त्व १' विकृष्का कांत्र निर्देश कांकारना ना ।

নাদি থালার দিকে দেখিতে জোর করলে, 'বাও i'

ষিচুকো ভাব নোবো কৃতকোনো কনাবের মবো হ' আবুল চালিরে দিবে
গভীত নিবাস নেবার চেটা করনে। —'বাবো হ' তার পুতনির কাছে
আবুল নিবের করেববার নাকনো, বেন বলতে চার, আরু নাক্সভিত্য
আব থেতে পারবো না !' তর হ'বে সে ব'বে, রইলো, কুল্লু ক্রম্মের
মিনিট আপোনার কেনা বংল মহ। তারপার অকুটে ক্রম্মি, কী হরেছে
৩ ৫ বী হবরেছ ৮—'

তাৰ চোধে গড়লো বে মাৰ্থা-মানি অভ্যন্ত ইভাগভাবে মাৰা নাড়ছে, নে-ও আৰু থাজে না, অপেকা করছে বেন।

'बाद छ। इत्य मा--मा, बनकर,' छात्र बूटक खाद विद्वाद बटन-बटनहे

विकृत्का जानाइ नगरम ।

বোলা টোবের অভকারে সে বেখতে পেলো ভার ভার ভেরেসিনার বাকধানে অতল গজর। না, না, এ তো সেঁ নর, ভার ভেরেসিনা ভো এ নর। সব চুকে পেছে—অনেক, অনেকরিন আরেই।

बरनर, बरनरुविन बारम-बाद त्म किना दुक्ट भावतमा अरेगात। বাড়ির লোক তাকে এ-কথাই তো বলেছে, দে কিছুতেই বিখান করেনি। বোকা। বোকা। -- আরু এখন-এখনট বা এট বাজিত নির্বাচনত মতো বে ব'নে আছে কেন ! বনি ও-লব কছলোকেরা জানতেন, বনি বাউলারটাও আনতো বে নে, নিচুজো বোনাভিনো, দেছের প্রতিষ্টি ছারু कर क'रत हजिल कड़ी द्वीरन क'रफ कर दूर विरक्त क्यारन अर्माफ জালতে এই বির বিশ্বাস নিতে বে এবনো সে ভার সেই স্বপ্তপ্রদিনীয় जानी बामी, जार'ल के कहालात्कता, के बाहेलांडों। के बाबूर्ट, बंब, (मातिना---अरमन नकेमनाई माथ का-की-का-का शांति कि नहरक পামতো। কী হাসি, কী হাসির উল্লাস, বনি তেবেসিনা ভাকে ব'রে নিয়ে বেতো ঐ থাবার ঘরে, ভদ্রলোকদের সামনে, নিয়ে গিয়ে বলভো, 'দেখুন वार्णनात्रा, अहे (गारकात्रा छाडे बाह्यके, अहे बालक्का-त बाबारक दिरह कराक ठाव ।' मका. काहिना नित्यहें कथा विरहित्ना, किस তথন তো ভাৰাও বাহনি বে নে-বেৱে একদিন এ-ই হবে। এ-কৰাও সভ্য र्ष छ्यानिमार धरे बौरन विक्रकात छ्वाछ्ये नहर शरहरू, अवास পৌছবাৰ পাৰেত্ৰ দে-ই স্থাপিত্ৰেছিল—কিন্তু তেৰেসিনা কভ বৰে, কভ इरत करन अरमरक, बाब ता भएक बारक ताबारमहे. प्रैंक ताहे बारमब बरकाई, इतिवादक भारक ब'रम अबरमा रम बीचि बाकात। बात कि काव কাছে পৌছৰাত ভাৰ উপাৰ আছে ? না, দে-কৰাই আৰ থঠে না। আৰ এই বে তেবেসিনা আৰু একজন কৰকালো ভত্তৰছিলা হয়েছে, ভার कारक जाद तारे मांबाक ठाका क'डा की १ तकडे बदन करवनि त्जा तारे

মগণা টাকা ক'টার বিনিবরে আছ বে কোনো বাবি স্পানাতে এলেছ। हि. हि. वी नका । वी नका । जाद जात शक्ता आह अञ्चलद नव তেরেদিনা বে-টাকা পাঠিরেছিলো সেটা ভার পকেটেই আছে। লাল হবে केंद्रना कात मूथ, नक्यांत दन दन व'दत बादन । क्रिक्ट दक्त-क्षेत्र बुक-नदक्रे এক হাত চুকিরে কৈ কললে, 'মানি, কেই বে ভূবি আবাকে টাকা পার্টমেছিলে, নেটা কেরৎ দিতেও এনেছিলান আৰি। কেন পার্টমেছিলে বলো তো গ প্ৰতিবান গ ধণশোধ গ তেৱেদিনা তো এখন --এখন তো त्र अक्षम "मेरिय"-- चामाद मान हर - मां, किए मां, चम्बद । किए अहे টাৰাটা-এই টাৰাটা কেন-কোন অপরাধে আমাৰ এই মাজি গ ৩-স इत्क (गाह, छ-दिवात चार अक्कि कथा मा--किन अहे हैं।काहे। क्रि दाप नाथ, बानि--नव तबहै, किছू कब चाह्न, এই चाबाद या द्वाब रे 'কী বলছো ভূমি বাছা হ' জল-তরা চোখে মার্বা-মানি ভার করার বাধা দেবার চেষ্টা করলো। ঈদ্ধিতে ভাকে চুপ করতে ব'লে মিচুচ্চে বলতে লাগলো, 'ওটা আমি ধরচ করিনি, নাতি। আমার অস্তর্ধের মধ্যে थामात भाषीतिका--वामि किहूरे बामकुम मा। किहू कमहै उहेरता, আমিও তে৷ ওর পিছনে অর-নর কিছু বংচ করেছিলার ৷…টিক আছে তা হ লে ﴿ - - টাকাটা নাও, যাবি, আৰি চললায়।

'নে বী ! এক্টি! মানি তাকে ব'বে রাধবার **চেনার বাক হয়ে** উটলো। 'একটু বোনো—তেবেদিনার সকে কথা ব'লে বাঙ ! কোরার সংক আবার কো কবার তার কত ইছে, বুকলে না **ঃ এপ্রেটা**'ক্সি, আবি ভোকে বিক্রি!

নিচুছে। বৃচভাবে অবাৰ বিলে, 'বা—কী হবে আৰু। গুৰানে ঐ চুচনোক্তৰ সংক আছে, গুৰানেই বাৰ, গুৰানেই বাৰাৰ গুৰে। আৰি হতভাগা--বাক, গুকে চোধে বেখেছি, কেইকৰ আবাৰ বাকে ार-नर्गन चोराव वानि शास्त्रा श्रां-न्यानि करण्य वानि शेशेष ।भवन्त्र वरण शर्दे ना-न्यानि वसकृष्

बेहाकाव अदे चांकपिक कु मारकावन मन करत शामा चांकिये मानिया हम केरत होता। नामि कारतम तम बिहुत्कात की हैसीह कहि, भाव नाकमा। नामिक कार मारकावात तम हास्तिमा तम कारत त्रारक द्वारक स-त्याता तमाच कन्नति कारत---ना कारतम का सूर चाना चार मा। ।देखाकरें मानित क्रांतिक कम चांचकांच चार करना ना---वर्ड क्षेत्र, कक मार्गाताहरू किंद्रत काह ह्रारव तावा चारिशांच नाम-नात कारताहरू ता। क्षेत्रतं व्यवस्त करें क्षेत्रसं---वर्ड कांत्र तार्वमा चावत, प्रयासक होत केरतम।

নাতি ব'লে কেললো, 'মেরেকে আমি তো আর সামলাতে পারি না, মিচছেন।'

'কেন পারে। না গু' জিগপেদ ক'রেই বিচূজে বাদির চোখে আরেছ উত্তর দেখতে পেলো। এর আদের মুমুর্ত পর্বকও এ-সম্পেহ তার বনে আনেনি। মুখ কালো হ'লো তারি। ৩, তাই!

মানি কেন আৰো ছোট হ'বে, আৰো বুজো হ'বে নিজের হুলের মতলে তদিরে পেলো। হ'হাতে নে বুখ চেকে আছে, আঙুলঞ্জনা ধর-বর ক'বে কাপছে, চোধের জন নিমুতেই আর সামলাতে পারছে না।

কাৰতে-কাৰতে বাদি বলদে, 'ভা-ই ভালো বাছা, ভা-ই ভালো। ভূমি চ'লে ৰাভ। টিক বলেছো ভূমি, ও আৰ ভোষার নৱ। ভবন বদি আবার কথা ভনতে তাহ'লে আর---'

'B44 1'

বিচ্ছোনিচ্ হরে নাসির হুধ বেকে জার ক'রে একখানা হাত গরিছে নিলে। কিছা সে বুধে এত ছাখ, এত বছনা—টোটের উপয় একটি

কোই ঘাটাবো কেন আৰু ব্যাগন্ধি টেবিলের কলা বাকে জুকে নিয়ে বাবার ক্বজ লৈ পা বাজিকেছে, এবন সময় কার বনে পাছলো বে ব্যাগের বাব্যে ক'বে করেকট) কমলালের কেরাসিনার ক্বজ লৈ দেশ থেকে এনেসিনার

'লোনো, মাসি—'-

ব্যানের বুব বুলে স্থানি টাটক। কলগুলি নে টেবিলের উপর চাললো। 'অথানে বারা এলেছে তাবের বুখের উপর এই কলগুলি বলি স্থাতে নারি, ভাহালৈ কেমলু বুর হু'

'পাগৰ নাকি।' যাবি কৌপকোঁশ করতে-করতে আর-একবার তাকে বার্ত্ত বকলো।

ভিক্ত বেংল বিচ্ছান পুৰ বালট তাৰ পাৰতে তাৰে বাধালো।—
'বেগ, ছুজাৰা না। একনি ওব ৰাজেই এনেছিলাৰ, একন প্ৰটানাকেই লগ দিবে বাজি, বালি।' একটা লেছু ছুলে নিয়ে বাজি বাজিক বাজে বছলো। 'কেবন পছ, বালি।' আবাজেৰ কেকেৰ বিষ্কি বছলুছ পাছে। কিছু এব কুজে আবাকে আবাছ কান্টমূল্য ইয়াজনোও লিতে ইয়াছে। বাজি ইয়াছে। আবা না। বাল বোৰো, এ উৰ্দু ভোনাকেই দিবে লোনা।—আবা ভাল, ডকে আবাছ ডক্ত-ছাবলা আনিবো।'
আট্টালে কোন্ট ছুলে নিবে লে বেছিবে বোলো, কিছু নি'ছিকে একেই বালন একটা কৰে অভিমূত হ'বে গছলো। মেশ থেকে অনেক বৃদ্ধে,
বন্ধ অক্রেনা গৃহত্বে নে একটা, নে পবিভাক—এবিকে বাত গভীর হ'বে
আগতেঃ বােছ ক্লুটিছে তার, বান মুটিবেছে গুলোর, নে পদ্যুত্ত, নে
অক্ষাতঃ বাইবের বর্ষার কাছে এনে নেখনো আবোরে বৃটি পদ্যুত্ত ।
এই বৃটির বাবা অক্রেনা রাজার পা বাড়াবার সাহস তার হ'লো না।
গা ইন্দে-টিশে কিবে এলো, এক এফ নি'টি উঠে এনে উপরের বালে
ব'নে ইট্রিত কছাই আর হাতে বাখা রেকে নিশান্ত কাঁহতে লাগলো।
ভিনার হ'বে বাখার পর, নিনা বানিন আবার সেই হোট ব্যাহিত এলো। বেদলো তার বা একা ব'নে-ব'লে কাঁহতে, এনিকে ভবা স্বাই হানি-বালে নিটার বর্ষাক্রন। অবার ব'নে-ব'লে কাঁহতে, এনিকে ভবা স্বাই সানি-বালি বেবের বিকে না-তালিরে কর্ম্ একট্র বাখা নাউলো।
বিনা প্রের বিকে তালিরে গতীর একটি নিবান হেড়ে অফুট বললে,
বিচারা। বেচার।
বিচারা।
বিচারা।
বিচারা।
বিচারা।
বিচারা।
বিচারা।
বিচারা।
বিলার বিনান বিচার কান্ত বাবা বাবা বাংলো।
বিনাল্ভির বিবার বিচার বাবার বাবা বাবালে।
বিনাল্ভির বিবার বিচারা।
বিচারা
বিচার বিচার বিচার বিচার বাবা বাবালে।
বিচারা।
বিচারা।
বিচারা
বিচার বিচার বিচার বাবালিক বাবা

চোগের জল কুকোবার কোনো চেটা না-ক'রে মাদি বললে, 'এই জাখ, এখলো নে তোর জক্তে এনেছিলো ।'

দিনা লাকিৰে উঠে বৰ্গলে, 'ট্যাঞাৰিন লেবু! দিনিদিৰ ট্যাঞাৰিন! দী কৃষ্ণত (' কুখাত ভ'ৱে বে-ক'টা সছৰ চউপট দে কুলে দিলো। বানি আৰ্বাখ্যৰ বৰ্গলে, 'এজলো ভবাবে নিগৰে, ভবাবে নিগৰে।' কিছ দিনা একটুমানি কাৰ-কেন্দ্ৰ কুটে খাবাৰ ববে বিজে টেটিবে নগলে, 'ক্ৰলালেব! ট্যাঞাহিন লেবু! দিনিদিৰ ট্যাঞাহিন!'

-नृक्दस्य स्थ





## ক্তব্যুত আহ্বান

পিরাংগা বাহিনার উপর বারোপুলেখনোর গুরুবর গোকান। গোকানের বাইবে একটি টুল পাতা। পাগুলিনো লোফিকো টুলটার উপর এপ করে বাসে পঞ্চল। গরের মুখ তার লাল, উন্থ টক করে যাখার ঘীন পালের প্রপত্ন পঞ্জির পঞ্জান্ত। করালে যান মুক্ত গোকানের বিকে ভাকিরে পাগুলিনো বারোপুলেখনোকে বিগগেস করণ:

'भाकारन अरम रक्त चानाव स्वतिरह श्राट्स मा कि है'

'तन, भिनि १ मा एका, अहे अन नरन। तन्म १'

'বেন আবার কী ? ভকে আনার ব্যক্তার, তাই : কেন ? উর কাছে আবার এখন জ্বাব বিভি করতে হবে !'

যানে তেজা কমাদাৰ্গ মাধাহ ওপৰ বিভিন্নে বিছে, ইয়াইন উপৰ ভব বিছে
'পাঙলিকোঁ কুঁকে নদল: গালে হাত বিহে মদিন বুখে একচুটো মাটির
বিকে ডাকিছে বইল:

পিয়াৎসা নামিনার স্বাই খনে চেনে। কিছুক্প পরে একট প্রতিটিত লোক ও রাজা দিয়ে যেতে খেতে ভিসংস্যুক্ত

'बरे त भावति तः।'

अवस्थित क्रांच कृत्मेर नरसूराठ' काथ नावित्वं योधनिता विश्वविक क्रांच्या

'पान थान, शर्थंडे हरहरह । चामात्र निरक्त कडरक हरन ना /' चारतकम्बन (गरंक रायुः नरमू--

'नावनि त्व । की शानात्र !

वर्गत त्यांकिया बाराव केमा त्यत्य संगानी अधिक हैत्या केमा पूरा पूर्ण, व्यान राजारमा निरंक कुन निविद्य

भौतिको कारणा तारे ना कि है गारता गुरमध्यमा एकका एकर वास करत । चाहनका स्वाकारमत रक्षक इत्रमुक करत हरक नांश्वनित्वा जारच কাপতে থাকে।

'बाहाबादन बांध, बहुन हरू ना । बाबाह नहीं ह बादना कि वस एकाह ভাতে কী ৰাপু। আৰি কি ভোকে ছবোতে বাই ভোর অভুধ করেছে क्नि, की बारत, क्किन्स बारता है लाक्टोरक अक्कक हुनहान গাকতে দেনা বাবা /

'नासा:, की त्रकाख,' शादा बरव, 'क्वाब क्वाब खिछु करत बर्रते! দিসির বোঁক করছিলে ভাইভো ভাবসুর-

पुत्र एक्डिटिस नेमा कांक्टिस विश्वाद करत माकिएका बरम, 'एकस एक ৰাপু, আৰি হাড়া ৰগতে আৰু কাক অন্তৰ্গ হতে নেই বুৰি 🛉 বুৰি বুলি मानांत कुकुरवार टब्लमेनि एक स्टब्स्ट, मानांत वृत्तित है।भावि... निरमत कामके निरम करवारका गांवा, गरवर क्यांव काबारक वाकरक **SC4 40** 6

গাৰো হানতে হানতে বলে, 'এই বে গিগি এনে গেছে ।'

विति गुरमध्या राजकारन लाकारन रामा हुरू लोका विक्री नांच पूर्ण रायाक गामन बक्रिक क्रिके किक बारक कि जा।

'को त गावनि।'

अधि-अधिनातन मा करतहे नाश्वतित्वा विकासन करन, 'मुद रह बाक् CPS !

ছাজাৰ দিনি পদেখনো ছাখের নাম বাবে, 'বিবান কেববাৰ বাবে তেই कारें ! हेरिकें त्यान विटक ट्रेंटन विटन क्यान पूर्विटन श्रृंक्श क्याफ बार्ष । पूर्व विद्यानात केनात रावे, गाताका कांच बात कांच ! 4/14

হালে ঠোঁট বৈদিয়ে, খূঁৰি শাকিছে লাভকিলে বলে, 'তা তো আনক্ষিত্ৰ বছক লেগেছে, দেশ উৰাজ। অহুখতা কী জনি দু কাৰ্যভাগ মোগ দু কাম্পাৰে তোৰাৰ ক্ষিতলো উপাউপ নাবা বাজে দুকলকে। আনি এদিকে বৈচে বৰে আছি—আনাব কোন কি কছত ভূমি দু আনায় কৰাটা আলে-ভাগে তোৰাৰ ওলতেই হবে।—বলি ও সাবে, ইয় কৰে ক্ষমিত্ৰ কীৰে দু তোৰ ওকুৰ নাক্ষাৰ কাম্প নেই মুখি দু'

'নাইবা থাকৰ তাতে তোমার কি হ'
দিনি পুলেমনোর হাত বাব তাকে আর টেনে নোকানের বাইবে
এনে লোফিকো বস্বনে, 'কথানে কথা হবে না, চল মঞ্চ কোথাও যাই ।'
বাজার ইটিতে ইটিতে দিনি ভিগাপের করবা, 'কথাটা খুব লয়া নর তো হ'

'हैं, খনেক কথা আছে।' ভাছ'লে ব'লে বালি ভাই, খালার হাতে সময় ধুবই আয়।' ভাতো বলবেই সময় নেই। বেশি বাছাবাছি কয়লে কী কয়ৰ ভালে। চু

ট্ট্যাবের জনায় পড়ব, নিজের গান্টি ভাঙবো, অর্থক দিন তা হ'লে বাব্য হয়ে আবাহ হেলাফ্রত করতে হবে ।--ক্রী কোবার হ'

িক এইবানেই। বিভা বুক্তেরার উপর বাড়ি।' ব্যেক্তিকো বৰ্গন, 'চলো সেবানে। ভূমি উপরে গিছে ক্লই বেবে এল, আমি মিটের কলার কোবার লগু বাস বাসব। ভোরার কাঞ্চন্তারা মান গোলা কের কালাপ করা যাবে।'

ভাজার অবাদ হতে হাভার মাকবানে বাঁড়িরে গড়ব। ব্যস্তুর দিবে ভাকিরে বৰল, 'আছা, বাাপারবানা কী বলো তের হ'

একটা দালপ বভাগার কবী করে বাতের কেলো উন্তে প্রায় কালো-কালো আবে পার্কালনো কর্ম, বিনি ভাই, এবার আবার স্থাকে কৌ বভাই বং চোধ কলে করে এল:

ष्टाकार नत्न, 'की शरहरह त्याका नरनहें रकत या। शक्तिरह नक्ष्ट्रक

কে, চনতে ছাৰ্চ কৰো। কী ব্যাপার ঠিক করে বলোতো ?' করেব পা এসিত্রে আবার ডাজারের হাত জড়িবে বরে পাঙালিনো গভীর বহুকের হবে বলুল, 'বেখো আই, বছুভাবে বলছি। তা না হ'লে একট কৰাও বলতাব না। আর তা ভাঙা ভাজারের কাছে তো পেট বোলসা করে বৰ কথা বলা চলে কেবল কি না ?'

'ভাতো ৰটেই। কতরকৰ অক্স বিস্তুধের কৰা লোকে বিধাস করে। আনাবের কাছে বলে—সব গোপন রাধতে হয়।'

'বেশ ভাহ'লে ভাই আহার কথাটা ভোহাকে বলি। বৰ্ষকার কাৰ্যাকীও যেন না জানতে পাতে।'

র ছিব ওপর একটি হাত বেখে গছীবভাবে পাথলিনো আল্ল, 'আকে বলে একেবারে পাথারের মতো নিজম কেমন হ' চোব ছুটো বড় জ্ঞ করে থিপিত কানে কানে পাওলিনো। বল্ল, 'কানো পেঁডেয়ার ছুন্ছটো বেলার।'

গণি অবাক হবে ভিগগেন করে, 'পেতেক্সা গু দে আবার কে গু' নাভিকো ঠেচিতে এঠে, 'আবে তাও আবোৰা, ভাগটেন পেতেক্সা— সই বে জেনাবেল ইয়ননিপ্ কোন্সানিতে-''

যক্তার প্রেংগো বন্দ, 'বাছবটাকে চিনি না তো।'

চনো বা তাৰে ? বেশ কৰা—তাহ'লে তো ভালোই হ'ল। কিছ চনো বা না চেনো, স্পীকটি নট্। একেবাৰে পাৰৱের বতো চুপ---' াঙলিনোর পদা ববে উঠন, করণভাবে বন্দ্, 'কুকুটো সংবার ভাই, কুটো ? একটি এবানে যার একটা লেশানে।'

চারপর চ

য়, কৰাটা বৃধি বৃধ কেলনা হ'ল।' হঠাৎ বাগে বৃধ চোধ গাকিছে গ্ৰমন্ত্ৰিক লোভিকো বিধানেদ কাল, 'বিৰে কৰা বীকে কেলে ভাছেন চাটা পায় একটা বেচনাস্থ্ৰকৈ সক্ষে কৰাক কাছে—সেটা বৃধি কিছু ना । हा जनवान, अहरूर्व प्रशास काम ज्यवदादादक करत । अ करत का आकरा ।

'নেজবাই করে বটে । কিছু আনি কানতে চাই এতে তোৰাত কি এক গেল গু এক নাৰাব্যখা কেন গু'

'बाबाद कि अन राज ! बाबादाबा रक्त हैं

'হাা, এতে ৰাগ কৰাৰ কি আছে গু পেতেয়াৰ স্ত্ৰী তোৰাৰ কিছু হয় নাকি গু'

বেপে কোৰ লাল কৰে দোভিকো বৰ্ল, 'নাই বা হ'ল। সে কোৱা ভাৱী কটে পড়েছে লানো ? বড় বাবের মেহে, তাকে নিৰ্বজ্ঞ বাৰীটা কী বৰ্ষৰ প্ৰভাৱণা কৰছে আনো ? ভৱ আত্মীয় নাই বা হৰুব। এ সব অভাব সেখে বাবে দুৰ্ব লাহীয় আলে বাছ না ?'

কাৰের একটা করী করে দিগি প্লেখনো জিগগেস করল, 'ভা না হয় মেনে নিনুম, কিছ আমি কি কথতে পারি এতে হ'

বাবার। ভারণার রাজির হ'নে কিম্মে বর্ত্তর বছলাটা ভেলিতে একা একা করে বাকে। পরবিধ জাবাল হাকে, আর এ-পথেক বছ সব ভারলা চিকা হেকে পেভেরা চলে বার। একবিদ নর ছবিদ নর, আজ র'বছর চ'ল এই বর্ত্তর চল্লাচা

দিনি পুলেনোর হুংগও হয়, হানিও পাষ। বলে, আহা জোরী। আমি কিছ ক্ষমত বয়তে পার্যন্তি না—আমি---'

পদার কুরটা নর্ম করে বন্ধুর হাত বাবে লোভিকো বলে, 'ভাই দিনি, আন্দ্র মান-চারেক হ'ল আমি ঐ ছেলেটকে—পোডেয়ার ছেলেকে— স্যাচিন পড়াছি। দশ বছর বরুন, প্রথম বর্গে গড়ে।'

शकात कारम, 'छ !'

निनि भूरमध्यम् इठीर शेक्टि, क्वा छात्य माणिरकांव विरव चाकार, समृत, या, या, चारे, च तर काच चारात वांबा हरत या। चारेट्या गीछ

দাৰি পক্ততে বাজি নই।'

আহাত্ত্বক কোবাৰার, ভোরার কি রাবা বারাশ হরেছে, শেষকালে চুবি এই কুমনে ৮ আরাকে কেবেছো কী ৮ আবি কি কুকনিত্র ৮ চুবি কি ভাবহিলে ভোরাকে বিজে-নিচ্চ কিঃ কিঃ কিঃ কাবকেক জ্যোহক। 'खाइ'रव चाजारक किरत कि क्वांस्ट हां छनि, वृक्तिके क्वां-काकात शूरक्रशा चरीत हरत औदिरव काल ।

'বা হওৱা উচিত আৰি ভাই তথু চাই / পাডদিনো লোভিকে<sup>তা</sup> উৰ্থে কোল, 'আৰি চাই বে পেতেৱা দেন একটি কলগোৱেত আৰী হা আৰু দেন বাকি একে ওৱা আঁত একেবাৰে মূখেব সামনে বভাৰ কঠৈ শোৰাৰ বাবেৰ বছৰভাটা বছা কৰে না দেৱ।' পিলি পুলেখনো হো হো বাবে কেনে উঠন, 'কি-কি-কি বলনে ? কি বলন্ধ-নাহা হা হাঃ---পোতেলাকে নিবে কি কাৰো--পোতেলাকে নিবে--নাহাকে জোৱ কৰে বৰে নিবে বাব কৰা বাওলাক---ছাঃ হাঃ হাঃ---'

গাওলিনো লোভিকো উভেভিত হয়ে, ছুঁবি গাভিয়ে নল্ল, 'তা হাস্যে বই কী ছোটালোভ কোথাকার, এদিকে একজনের সর্বনাশ হাত চলেছে আরু ক্ষি - চাসচ্চা——ব্যাপ বেটা তার সাবাজিক কর্তব্য করতে — আরু ক্ষি - চাসচ্চা—একটি মেরের আন্তল্পান এবন কি তার জীবন পর্বন্ধ বিগ্যন—আরু ক্ষি তা নিরে তারাপা করছো! আবাড় কর্ম নার হুই আরু কি তার জীবন পর্বন্ধ কিবলা, আরি তো একরকর ব্যবহুই আছি। এ বিপার ক্ষেকে ক্ষি না উদ্ধান কর। তাংগিল আরি সর্ব্যের জলে মুনে জুনুক্রতা করবো—ক্ষেব্রের আরু।

হানি চাপনার কৌ করতে করতে প্রেকংনো বন্দ, 'আরি কী করতে পারি হ' এখার পার্জনিনা পোতিকো একেবারে রাজার পুরুষাকে বাড়িরে পর্কল—ডাজারের হাতটা শক্ত করে বার বিব্দুজ্ঞানির বন্দতে গাগদ—বাগোর কী জান ? পেতেরা আজ সক্রোক্ষা একে আবার ভাগকেই আর এক রাজের জঞ্জ করিছে পারকে বাজার করতে হবে, জা করিছে পার হবে না। পোত্রাই, বিনি আরাকে বাচাত— ই কুর্বিনীকে করা করে। একটা পর ভূবি কিক্তাই বাথকে বিতে পারকে—একটা পর ভূবি কিক্তাই বাথকে বিতে পারকে—একটা পর ভূবি কিক্তাই বাথকে বিতে পারকে—একটা

त्यांको केनाक-ल्यक्साइ, दश्ताना क्याहि, धवाहे। हिंग इस्तान। ।— याद बांदर बादि कि बादे नमहि—शत्मा, हारणा, यक मादंश हारणा, बातार बयहांको द्वार हाणि एक गाएवें—कित अको केनांव रक्षावारक याद कमरको हरन—अको (कारणा कहर /

ইতিবাতে নিশি প্ৰেনাথলো ভিন্না বুভেনার উপর সেই বাছির ভাছে পৌছে সিরেছে—কোনো বছার হানি ছেপে দে বৰুল, 'বর্মা'ৎ কি রা ভূমি চাও যে আৰু বাজিকটার ভাগণটেন ভার শ্রীর নামে কোনো অহিনার কাল্যা বা বাবাতে পারে। এই ভো গ

'विक स्टन्ट्या---'

'আছা শোনো, আমি এখন ওপরে বাজি। তুনি সোজা সাবোর ওবুলর মোনানে সিরে অপেকা করে।, আমি নিগসিরই ভিরম্ভি।'

'किंद लागात मछनको की बनाला ?'

'ता क्वा कांबाक कांबाक हत्व मां, कृषि गाँडांत क्वांस कांगका करवारंग।'

'बाक्षा, ठठेनठे ठरन अरना छाडे'—बक्स्यदन क्राइ रनाफिरना सन्ता।

বৰ্ণ তথ্য আৰু বাছ-বাছ। কী একটা আৰুকুক ইছা গাছলিনোকে টেনে নিবে চৰ্গ আেটৰ নিকে—বেধানে পেতেছাৰ আহাল 'নেকেছা' এনে নিকৰে। পেতেছাৰ আহাল 'নেকেছা' এনে ভিছৰে। পোতেছাকৈ ওব নেথা চাই, বুৰ বেকে হ'লেও জড়ি নেই। কেনল চোকে নেথা, আৰু ডকে উচ্ছেছ কৰে গালাগান নেথা।—এ বৃট্টো কাল ওকে নেথা, আৰু ডকে উচ্ছেছ কৰে গালাগান কেছা।—এ বৃট্টো কাল ওকে নেথা, আৰু ডকে উচ্ছেছনাৰ নায়ে কালিনাকে ভাজাৰ প্ৰদেশনাৰ সাহায্য পেবে অবেছিল নে ব্যাক্টা কোনা বৃদ্ধীক্ষাৰে ভাজাৰ প্ৰদেশনাৰ সাহা্য পোৱে অবেছিল নে ব্যাক্টা কিনো বৃদ্ধীক্ষাৰে ভাজাৰ প্ৰদেশনাৰ নাহা্য পোৱে ক্ষাৰ্য্য ভাজানীক্ষাৰ কটি আহে খেলে ভাজার একটি মোগুল ভৈত্তি কর্মে বিজেছে। নির্মো-মাম বাজি থেকে যেরিতে ও এবিক ভবিক গরটীকানা কুলে কেডাফিল। এবিকে তব নাননিক উদ্বেধ হৈছেই চলেছে।

ন্দ্ৰ্যা হ'ল। বাড়ি কেবার নাব নেই। যুদ্ধ মুখোর গেছে। যুরছে का पुत्रक्षते। पुत्र पुत्र ज्ञावि वटन तान। त्रवांच निगरंक तारक এবন বে লোডিকোর নিজেরট তার চাট্রিকা পাছে কাঞ্চ সভে কাঞ্চা (बार बात । ब्याबाहरक का कवित तारे, जातक बादा क्ये वित वा (वर्णीन क्या बाल (काल ) (कालाह क्ली) वह नामा, ताहै (का क्य-বিদ। কোনো কৰা চেপে বাখতে পাৰে না, ভাই খব বছৰা খকে নিৰে गांदांचन क्या करत । खड़ा जिल्लाहा तर होलांक (लांक, बहुस्तांड विशा बुरवारमद छनाइ बरमङ क्या विशि हाना बिरक नारव । बाक्यवर नकीर-ভব দছত্তি, এমনকি গভীরতৰ বেলনার নিরাবরণ প্রাকাশকে ঠাট্টার विवद करत कुमारा श्वास्त वादवना । स्वारण श्वास श्रीवाम क्वामा अहे লাতীর অভিন্ততা ঘটেনি অথবা ওদের প্রকৃতি এমনি বুল বে পাওলিনোর মডো নাৰানিধে বভাব বোৰবার কমডাটাই ওবা চারিবে কেলেচে। বাঁভি কিৰে এনেই ওঁ নোজা গিছে বিচানাহ কৰে পড়ক, কাপডজাহা না एएक । तिरमाबाद क्वन वृषयांना त्याक त्याक मान नक्राह । ताहे स्वत काकीरतह रमध्या धनुरही धन शास्त्र दिन करन रहातीत मूथ की बनिन रामाण्डित । कार्य असन असते। केरबरमंत्र वृत्ती-सूत्र स्वरूप मुस्क्रिय क्रामित বেন কুছে থেছে I वद्यागनाव भावनिहमा क्वृत, 'बृहब शनि तारे त्वत १ अक्ट्रे त्याच-काक माछ। छात्रात्र तम्हे बाचानी निरहत हाडेको भरत नाछ। छहा भारत ভোষাকে বেৰ দেখাই। দেখো, ও এনে বেৰ ভোষাই ব্যাহ্বাহ হুব বা বেৰে। क्षांत्रात्र कारमा-क्रिया मन प्रायः। मन ल्याद्याह करत रहराह रहा १ ारपा, तन रिवृत्त वृष्ट स्वरूक मा भारत । चाका, चावि अध्य हरित नान पांचार त्यां रहते। किंद्र का त्यां उन दिव हत चारः। है।, त्यकी क्या। कार्यात वहें त्याचार बदस मानामार क्यांन त्यांनामार त्यां एरमाना किंद्र। नमारन केंद्रीई चारि तरण बार। मरानकोत क्यां एरमाना, म्योडिं।

ত বাতি থেকে থেকবার আগে ছেলেটার ন্যাট্টন বাতার নীল প্রেকিল বিষে বজে বজে অবংর হপের বব্যে হল বনিরে গেল। স্কেলেটার এননিতেই বৃত্তিভত্তি একটু কয়—এই অভাবনীর আভিনারে আরো বেন বৃত্তি ভলিরে গেল। গালনিনো ওব পিঠ চালতে বন্দা, তব কী বে। বাবা এলে বাভাটা কোন। বেবারি কত বৃলি হবে। এ-ভাবে কোবান্টাল করে বান তো বেকিল একলিন বড়ে বড়ো ল্যাট্টন পরিভাবেরও ভূই ছারিবে বাবি। অত গোনতা মুখো কেন। আত তো কৃতি করবার বিন, ভোর বাবা আনহে। করী হেলেটি বছে বাবিন। ব্যবি নবজনো—গাহিনার আচে তো। বন্ধ বন্ধা ট্রিক আছে। নোরোয়ো করিন না কেন।

যাবার আগে আবার একংকা পিঠ চাপক্তে বলে পেল, 'সাবাদ ছেলে আমাদের লোলো t'

ওবে তবে পাথলিনো আবার ভাবতে, 'কিছ সেই ভক্টা। পুলেবলোঁ ঘাটা বোকা বানার নি তো। না, না, দেকি হব। নে একো করে ভাজাবকে বৃতিরেহে ঘাপারটা কত ভকতর। নিতার পালি না ক'লে পুলেবলো ঠকাবে না। কিছ ভক্তী বলি ঠিকবত না,এবে চু'

ৰীৰ অভি ক্যাণটোকে ক্বাবহাৰেৰ কথা তেবে তা গৰ্ববাহীৰ বাবে আনতে গাগল—অপৰানটা কেন ভাই গাৰে বি'বছে। ইয়, অপৰান নৰ তে৷ কী ? গাভলিলো গোভিকোৰ বাতো পোন বে বেৰেকে সেবে বৃত্ত, বাকে পোনে সে বাৰ্ড খাৰ ভাকে কিবা গেতেয়াৰ বাতো একটা নিভাগ ছোটোপোন কথা কৰে বৃত্তি গৰিবে বাবে। কো গাভলিলো সোভি-কোৰ বাতা লোক অপৰেন পাতেন উল্লিট পোক্টে বৃত্তি—বে বেলেকৈ माना अनक्षम गाता द्वारण विरम, कारम त्यारके बाक्त वर्ष त्यान। किरमत गरक किरमत कुमना । त्यांबारमत के का स्मारको कर बीत চাইতে ভালো হ'ক-সেবছে বেদি প্ৰকাৰ। একবাৰ ভাৰের ছুঞ্চনকে পাশাপাপি দেখনে হতো—ভাহ'লে ক্যাপটেনের বুবের ওপরেই বলতে भावक-कारथव वाचा स्वरवह, क्री वरन भाव स्वरू-सारवाबाव কোপানার, ভাকে টেভে কাকে ৷ ভালো করে দেখে নাজ-এবন স্তীকে Dice गएए ना-- कर के सकत बुरबर बाबुदी ! कृति गण, छाहे अ-गव रच विभिन्न कुबराउ भार मा। चाका त्र-गर कवा मा रह द्वारको विभाव. কিছ একটা বেয়ার সচে বিবাহিতা স্ত্রীর কোনো ফুলনা হয় ! বাজিছটা বে কী ভাবে কেটে গেল, চোৰে এক পদক যুদ্ধ নেই। খাব कळकन विद्यामात भएए इंक्रेक्ट्रे कडा चात्र। चाकानका एक क्याकारन इरह चांतरह, रकांद्र करक सिंदि दन्दें। हतार चंद्र बर्ग करें निर्मादा चांद्र काद चानी जानाना चरद लांड । इस्टठा चंद कुर्वादना स्थानानाव सक নিনোরা রাড বাকতেই লানালার কমাল কুলিবে বেখেছে। বিনোরা তো আনে বে কিছুতেই ধর চোবে যুব আগবে না। ভোর হতে না शरकरे-नरत्केज-क्रिको स्वतः चानत्व। अहे त्वत्व काम्राकांकि ना চালিকে ও পেতেরার বাড়ির বিকে চলুল। মনে মনে ওর বুঢ় বার্বা রে अष्ठकान निकारे बामानाव स्थान सामार । तिरव त्रवान स्थान विस्ताब तबें, तकाडी वाचाड वाक वित्व वतन शकन। तबें, तबें, विद्व নেই। গৰ গভৰভিক্তলো শহু, বাডিটার কেবন খেন লোকাল্পক চেহার।। क्री कर गांवाद कुन करन त्यन। त्याका निकि त्वरत केर्ड वाटन माकि -- बरकर बरका नरत हरक र्याटकाव है है करन स्वरत ? नव बृहार्य नोक्न चननारम भावनिहास कोच नी खारक वर्ग, करक वहन भक्क-दास गिकारे ७ पूर्व करवाई। करु करवा ७ जनरक खरवांचा विरक्ष जातान।

বাৰহাত্তে উঠে লোভিকোহ অন্ত সংকেত বুলিছে হাৰতে একটা আলা কয় অন্তান ৷ কোগাঁ বোধ হব বাত ছিল, সবহুই পায়নি।

না, না, হতাৰ হ'লে চদৰে না; আৰো বিজ্বপন অংশকা কৰে দেখা বাক। কিছ এ কী হ'ল। বাছিছে বাকতে পাবছে না কেন; পাবের ভদা থেকে বাট বেন সত্তে বাজে।

পোনো বকৰে পা ছুটো টেনে নিছে ও পাপের একট গানিকে দিকে

চুকল। ভাগ্যিন রাজার ওপর একটা কাকে খোলা হিল—হোটোখাটো একটা বেজোরা, ভোরবেলার ককের বস্থারেরা কোরানে একে

খাজ্যা করার। কাকেচে চুকে একটা বেকের উপর মোডিকো বকে

গড়ল। কাকর দেখা নেই। গোকাল আছে, যালিক কেই। পেছলেই

অভযার বর্ষটাতে চু-একটা কবা পোনা খাছে। ওরা বোর করি একককে

উন্তুকে আওন দিবছে। কিছুকল বাবে একটা গগুল গোহের পোক

পাঙলিনারে করার নিতে এক। লোভিকো ওর বিকে বর্ষটার একট্ট

বিরক্তরাবেই ভাগাল। পরে নিজেকে সারবেল নিয়ে বর্ষটা, 'একটা

কথা---বা, না, না, এক বাপ কবি। গেল করা হয় খেল।

কৰি এল। এক চুকুৰ খেৱে লোভিকো জড়াক করে লাকিছে উঠন— ভিত্তৰ—কী গৱম, বুখটা পুড়ে গেল।'

'की शंग कर ?'

মুখটাকে ব্যৱহা দক্তৰ বিকৃত কৰে লোভিকো আৰ্থনাক কৰে উঠান— 'উঃ' বেজোৱাৰ বালিক এক মাল জল এনে বল্লে, 'একটু জল বান —ফি বছে বালে।'

তর ট্রাইজারের দিনে তাকিরে লোজিলোর ননটা কর্ম্ব করে উঠান— দেবানে কবি পড়ে একাত একটা বাগ করে গিজেছে। কথান ধের করে , একটি কোনা কলে ডিজিরে বুগ করে বাগটার উপর করতে লাগদ। আর বিজ্ঞু না কলেও কোডার উপর কিলে কথানের স্পর্টিটা কেল ভালোই দাগদ। ডিজে কৰাকটা টেবিলের উপর বিভিন্নে বিকে মিরে আ বঁটাৎ আবার কথানের কথা মনে পড়ে সেঁল। ট্রেন অপর বাবটা মেলে। বিবে বেছিলে পঞ্চল ভালে বেকে। বানির বোভ কুবতে না মুরাকেই মুখোর্থি দেখা—কাগটেন পেতেজার সজে।

'ब की, चाननि त्व व चनवरद है'

লোভিকে। পোডেয়ার চোঁগের হিকে ভাকিত্র কুরতে চেই। করন ব্যাপারখানা কী। ঠিক ও বা তব করেছিল ভাই হরেছে। নইলে এই সভালে বাভি ক্লেকে—

ক্যাপ্টেনের চোধ হুটো অবা কুলের মতো লাগ। নিকর হতভাগা আঁবার ওর দ্রীর সাল কাজা করেছে। একে বুন করতেই হুবে। মনের ভাব জোপনা রেখে নল্ল, 'কিছু আগনিত বেং…

'बारि 🕈 बारि बाराव की करनांव 🧨

'আপনিও এড স্কাল-স্কাল-- †'

থি, আৰি এই নকাৰ্যবেদা বেভিছে পাছতি কেন চাই বিগলেন ক্তিটোৰ ? কী বলবো প্ৰোক্ষেত্ৰত বাছিৰ বিজী কেটেছে রাডটা। বং গ্রহণ-গ

'की रनासन-कारना पूर इसनि ह'

বিরক্তির ছবে শেভেয়া কা্ম, 'একবিশ্ও না। আর, ব্যুতে না গেছে আয়াহ দেবাম একেবারে বিষয়ে বাহ।'

शाकिरकात नवक नदीको एक रकेरन केंग्रन। कोई शानि रहरन कहन,

तिह्यू बंदन स्वदरंग मां, किछ डांगडें। कार्य क्षेत्रत १ मानमाव पूर परि मा भारत कार्यक्र मेळ स्मारका की (लाव १)

'ৰম্ম লোকের লোগ আৰি ছিবেছি না কি গু আপনি তো বেল কৰা কন্দেন, মণাই /'

'কেন, এই জো বন্দেন যুব না হ'লে কেলাজ বিগজোৱ, চটে বান। চটে বান কার উপর দু বাত্তে ববি অবোট গরন হব ভাহ'লে সেটা কি অপার লোকের দোর ৮'

'কেন নিজের উপরেই চারী, স্বর ভিছুর উপরেই বাগ হয়। আরি চাই খোলা হাওয়া, চিরটা কাল আহাজে-কাহাজে কার্টিরেছি কি বা ( ছাঙা আবার বাতে সহ না, বিশেষ এই সম্মিকাকে--সারি সারি বারি, লেমান, ফুর্টাবনা--জী-প্রক্র-শবিবার---

পোতিকো নিজের বনে ভাবছে বে বুন আছে করতেই হবে। বাইবে কিছ এবনো দেই নিমানে হালি হেলে নদুল, 'স্ত্রীলোকবের স্থাপনার ভাবো লাগে না বৃদ্ধি চ'

'ব্ৰীলোক চু কেথ নাজ্যত্ব, বেশিব ভাগ সময়ই তো আহাজে কাটাই। বেমেবাছনের বুধ খুব কমই কেথি। এখন তো বুড়ো হার পেছি--এখনকার কথা খালাগ। কিছু বুখন বৌহন হিলু ভখন বেয়েসের ভালো লাসভ বৈকি। ভবে কিনা বাকে বলো উভাব ভালো লাগা এ আমাত্র কথনো ব্যক্তিন। ইচ্ছে হ'ল সেলাব। ইচ্ছে না হ'ল জেলাব না

'छा नरनसङ्क कि समार्क (वेटर डावा वाड है' (क्स) पूर्ण )

'निन्छ । छर देख्य निर्फ क्यो । चानमां द्रावन केन्ट्रो वृषि ह नहस्वदे वद्य विद्य (क्टान्य टक्ट) अक्ट्रे चर्चिका, ननम्ब क्रास्वव प्रविति—सम्, वैक्रवरक्यलम् ह एक्टन ना, निक्त स्कून क्रापि ह' क्रिक्टका दिव वृद्धिक थव विरक्त काविटव स्कून :

भिक्ति नगर १ वनि चारात्र ही वाक्टल--'

আৰৈ বাবুন নশাই, বীৰেৰ কৰা হ'লে না বীৰ বলৈ আবাৰ এইৰ নী চু আনি বসহিসান বীজাতিত কৰা চুঁ এই ব'লে পেতেয়া হো হো কৰে হেনে উঠন।

'बीडा कि बीरमाक सब १

শ্বীলোক্ হবে না ক্ষেত্ৰত সব ব্যবহু মুন্ন, ক্ষরনো ক্ষরেন্। কিছ নান্টার, আপাতত আপনার তো শ্বী দেই। তথাবার বান আপনার এই হথের আইবুড়ো অবছা ক্ষরেনা বাবোচার। শ্রীরা, ব্যবলের কিনা--প্রতেরা লোভিকোর হাতের জিন্তর হাত স্বভিবে অনর্থন বান বেতে
নাগদ। এবিকে সোভিকোর অন ক্রমাগত প্রায় করে চলেছে। বে
কেবল ভাভার পেতেরার হুখের বিক্লে--তর চোখ হুটো ক্রেমন জোলাকোলা। চোখের কোঁলে জানি পভেছে। তবে বি সভিাই ওর ভালো
মুন্ন হুমানি প্রতিক্র এক একটা ক্ষরার ভার-ভিন্নতে হুটার
বাবে আপা হর কোটী নিলোবার বুলি প্রতিকে কলান ক্রিমেনা আবার
প্রবেশন ক্রমানীর ওর মন্টার বির বির্বিক কর্মান ক্রমান ক্রমান প্রতিক্রমান ক্রমান ক্রম

লোভিবাে ভাবছে, 'আনি ধর কৰা হাড়ছি না। ধর কৰে আছে কুছি বাবাে, বেৰাবা পেতেছা—ধন কৰকা কৰেছে কিনা। বৃদ্ধি—শাক্তর বাবে ধনে হব অসুণার না ধনুণার।'

भारतात वान त्यांव वड ७ वृहण्यकः। छत्र मेक्ड मेक्हे स्थितकः प्रवाद निरुष कर्षतः। यह कारता विरुष करून त्यहे।

বোত বৃহতে গিরে হঠাৎ বৃষ্টি পক্স পেতেরার বাড়ির জানগার রিছে। ত বীড়িরে পক্ষ্য হাছর বতো—গরীর বেকে সমস্ত জনপ্রতার কেন বিজ্ঞিয় হয়ে গেরে। জানগার রিকে তাজিরে কেন্দ্র- এ বিষ্ ···चिम--व्यक्त--नीड--नीड-नीडके। स्थान केवरक |

সাভদিনোঁ হাঁ করে দেখতে লাগল। আনন্দের আবংস কর আহ বর বর বাবার বোগাল। পিছন থেকে ক্যাপটেন অকে এতে কেন্দ্র, নইনে তো পড়েই বাছিল। 'বী হরেছে, নানার। অবন করছো কেন গু' জাপটেন আই, বী বলে ভারোর বছলাল দেব। বী বুলিই না হরেছি । 'ক্যাপটেন আই, বী বলে ভারোর বছলাল দেব। বী বুলিই না হরেছি । 'ক্যাপটেন আই, বী বলে ভারোর বছলাল দেব। বী বুলিই না হরেছি । বারা ভারার কারার বিশ্ব বিশ্ব বুলিই বার বরুলে আনারে। বারার কারার কারার

-शेरवस गांव वच.





## 리즘 커퓸

বিবে সিবেও, বৃথলে বন্ধু, বব্ধ সিবেও বাছ্ক নিজম একটা আভাবা চার। বন্ধি পরবাধ্যালা মড়া হয় ভার্কলে তো কথাই নেই—বেণ ভালো আভানা ভার বরকার, ছবে অছকে বাক্রে—নার্বেল পাবরের উপর অক্ষর কাজ করা করর না হ'লে কি চলে। তার উপর বন্ধি ছবিতে বিলোধার বতো পরনা বাকে ভার্কলে তো কররের ওপর আবার বতো একজন বন্ধ শিল্পীর তৈরি একটা বিলাট-পরিটা-কী বলে কর্বাটা দুল্লক হা, একটা বিলাট রুপর বিলাট নাতে বা পাবলে মন ভারবে কেন চুক্তর পাবরের তৈরি মনর—ভার উপর ন্যাটিন ভারার ব্যোলা-ভারত বিলাট করেন ভার বিলাল-বা ভারত বিলাল-বা ভারত বিলাল-বা ভারত বার্কিট করেন বাছর বিলাল বা হিলেন বা-ভারবিকে কুলে করে কোহার রেলিং আর ভারত কুলুর ভারতবারের অন্তে অক্ষরেক বিলাল রেলিং আর

নারা নথাল হাকভাগা গাঁচুনিক কলে কলভানতিরে। পুনিস্কৃতির বুধ

টোধ লাল, কপাল বিবে বনবর করে যাব বছাছে। ক্লেন্সিট চুল করে
বাকতে পারস না, বলে উঠন, 'আঃ বাবেং ; আলাছন করে বাবলো।'

বিবো করি এডখন যুদের উপর বুধ ভাবে কুক্তক করছিল। বছা বিবজিতে লে বাবিশির বাতো বাঁখানো হাককলাকি সম্বেভ কুব ছুলে

পুনিন্দিনি বিবে আবাদ। ভাবেশন, বেন ব্যবেক ক্ষেত্রে বনবিত্র
ভবে বছার ক্ষেত্রে নিক্ষের বভাবত প্রথমণ করল জবু একটি বাত্র করা

ক্রিকে—'পাবা।' के अन्ति क्यात दानं नामशानित जादक कड़ित सा किंदु सक्या हिन तर त्यानस्त दानं।

কৰ্ম্ব শাসেই পৰিবাদি গোকাটি আৰু গোকাৰ নাব্যবকাৰ হোটি কাৰ্যেটিট বুগ বছ নিবে পৰিবাদ কৰেছিল। দিয়ো কৃষ্টি আৰু লকা পা ছুটো কাৰ্যেটিট উপৰ কাক কৰে ছড়িবে নিকিছ আবাদে অনু লোকাৰ কৰা ।
ই্ডিয়োটা পৰিবাদি পৰিচাৰ কৰাৰ অন্তে আগপণে চেটা কৃষ্টিজ—
নাকজনো এককভাবে নাজিবে প্ৰাথমিন বাতে পেজনোকে কেবাৰ প্ৰ ভালো। এক্জিনিন খেকে কেবত-আনা তা নিকেব কৈবি প্ৰাক্তাৰে প্ৰোক্তা ব্যাহিক বাকি ক্ষাত্ৰীত নিকেব কৈবি প্ৰাক্তাৰে প্ৰোক্তা বুলোকাৰা বৃতিকলো কৃষ্টিগ্ৰাৰ পিছন বিকে বহিছে কৰেছে, তবিভাতে যে সূত্ৰ বুলি লে এক্জিনিন্তে পাঠাছে আৰু কৃষ্টিজ পৰিবাদে কৰে নাজিবে প্ৰাথমিন—নিকে এক বাটছে আৰু কৃষ্টিজ আবাৰে বনে বাজে বৰ্দহে এই তেনে ভাবি বিষক্ত বোৰ ক্ষাত্ৰীত ভাব বনে বাজে বৰ্দহে এই তেনে ভাবি বিষক্ত বোৰ ক্ষাত্ৰীত ভাব বনে বাজে কৃষ্টিজ চাপৰাৰ চেটা কৰে, প্ৰবভাব ভাবৰ ভাব ব'লে উঠল, 'বাজে কৰা বাৰ, কৃষি এবাৰ বেকে বাজে কিবা ভাব বলো

निर्विकात्रकाटक रख बनाव किंग, केंडे /

'নোহাই চোনাহ, অন্তত বে বিকটা আহি পরিভাব করেছি নেবিকটার বনে আবার নোহো কোনো না.' বন্দা পনিয়ানি। 'কভবার ভোরার বন্দা যে করেকজন বহিদার আজ এবানে আনবার্ত্ত করা আছে।'

'नाट्य क्या, चातात्र क्यांग इत्र मा ।' कति क्यांय रिज :

বিষক্তিতে আৰু কেটে গকে গলিৱানি বৰ্ণ, 'বিধান বা হয় এই চিট্ৰীটা দেখ। কাল কৰাভাৱ দেৱায়িল কাছ খেকে একেছে এই চিট্ৰ, এই দেখ, লিখেছেন—"এছাশানের, আগবাকে একটা বৰড় দেৱায় আছে। আগাৰী কাল ধেলা আয় এগারোটার সকম—"

'बनारबाडें। क्वरना नारकरें नि' नाना निटव र'रन केंद्रम कृति।

'অনেককণ এগারোটা বেকে গেছে।' মনুদ পদিয়ানি। गरीहजार कहि स्वन, 'क्नारक' दिशन करा नावजार सा । बाव भाषा विविधाना है

পৰিয়ানি পড়ে চৰ্ল, 'আপনার নকে কেবা করতে বাকেন বিনোর। क्य--क्य--की (यम मांबर्ग र' সভি৷ বেদ সাহাব্য করতে দে বুব বাপ্র এমনিভাবে করি বযুগ, 'নাম্টা

নিশ্বর ক্রকাশিরাস ৮'

'क्क--मा. त्वार हड क्यनामिक--क्रैक नक्टल नाहड़ि सा । ''लिमि चार कार पार वानमारक रकारना अकी वाँछ छिति कहाछ स्वराव बार्ड (१व) कराफ शास्त्र । सामाद किए विकास हैफाड़ि हैफाड़ि । की विकास र'न एक बनाव र' शनिवानि रज्ञ । इस्की बाबाव बुरुव छेनव चँटक क्कि चार्ड चार्ड कान, 'क्रिकें) निरमद नाम निरमें राजनि रहा रह र' हामान की क्षेत्रांव क्रिक कराफ वा भारत क्रफांच काव शक्तिकारि स्टेंग्स केंग, 'बेक्कि ।' क्कि ब्याद दीकियाता केंक्किक करत चारण त्याक सनाय मिन. कें. इ'स मा । कहें अनके कथा आवारक बनाट शाहरन मा--क्वाहै। सावि वीकियाना सनवासका बात कवि । मिलाकार हेक्सिहे হ'লে কী বৰুৰ আৰি হভাৰ জানো গতা বদি হভাৰ, ভাহ'লে আৰি चार मनावेदन करनाव स्क्रेटिं स्वयान-त्नाचाक श्रवेताव वारणा कृत्वा भववाय कारना ; बाद क्षण्य अन्त्रा होते नावासकार की बाह्य होहे बारना ! ध्वे त की राम-त्वनित्वारका, हैंह, त्वानित्वारहे।-चावा बरणा ना कार्ये-वैगा, वैगा, बरम नरकाय-व्यक्तिरवाटकान बरकार केरि कि, कार्यात परका एक्सकार्केत अन्त्रेत कार्यात कार्यात एकस्क नाप्रधाय---शहरत, या चारात कांग्रे। कनाम । यदि रहाबाद बरहा अक्ग्रें। क्षाकेरमाठेक पाक्क १०-राष, अन अन मान महा पान । जाताह क्या क्षात रहाताव कारणावे हरत रह. कारणावे हरत। वृति वृत्तिवृत्तिको

গাত গণা বৰ্ণতে কা, তেব না, আনি তোৱাৰ বোগালোক কৰাছ, কিছ তোৱাকে কৰাছাকে ভাছৰ বংগৰ বুটি বৰ্ণা বেছে পাৰে।' গৰিয়ানি এখন কৰাই কোনো বেছাকাই বা কৰে বেছালে কতকভালো কাইন হবি টাভাছিল। তাৰ বাতে কছিল বীজ্ঞাটা একেবাৰে বাৰ্গ। তাৰ বাতে কছিল বীজ্ঞাটা একেবাৰে বাৰ্গ। তাৰ বাতে কছিল বীজ্ঞাটা একেবাৰে বাৰ্গ। তাৰ বাতে কছিল বাজ্ঞান কৰাইন বাৰ্গাল বেছিল বাৰ্গাল বা

ভাজৰে ইডিহান নৰতে পৰিয়ানিব কুন্দাৰ একটোটা বিজেও জন পেটে নেই। তাছাড়া নিৱৰ বজা সানাহাৰ কৰে ক্ৰেহাৰটো একট্ট অহ গোহেৰ কৰা গুৱা ব্যৱহায়। বভনৰ অন্তুত ভাৰনা গুৱা নাখাৱ আৰু ই-বিবৃত্তে পোলাক। পজি গুলুক এক নহৰ আৰু দক্ষ কৰা বাব না। পৰিয়ানি নিজে বছৰ কুন্তক ইউনিভানিটাতে পড়ে একন গুৱা বিজ্ঞা আছে কাজে কাজেৰ বড়া চুক্তে পজ্জান

ট্রিক এবনি দবর বর্জার মুছ ছুটো টোকা পরুল। টুলের উপর নীড়িরে পশিয়ানি তথন তার ক্ষেত্রকোঁ দেবালে নীঙাছিল। তাড়াভাড়ি বাটতে বেবে ছুঁবি পাকিরে শে বনুধ, 'একলোঁ বাবে বা পু'

নক্ষার কোনো লক্ষাই করির কোনা গেল না, লে উভর দিল, আহা, জীয়া আত্মনই না, তারণর না হর বাওরা বাবে: ভূমি থে একেবারে বরাকে দলা জান করলে। এবন ভার্থপর অলুভোর বতো ব্যবহার না করে, জ্বরের সত্তে আবার আলাল করিবে দিলে ভোষার মহাভারত ভঙ্গান্ত হাবে বাবে না।

व्याचिक प्रकानिविद्यात तत्र निकासि तका काम एक ए हो। हो। त्याको हरिता, विक्तुर्य हैतिये। वात नात्का केतत वास्तित वात्म, वक्यो व्यावत्त्वीक निका निजाति द्वीतिक केरण नाविद्य कारणा क्रिस वैविद्या व्याद्य । इस्त नावाद क्यांता नक्यों का स्त्रा नाव्यास्त्र ।। वावा व्याव विकासिक नाव्यास्त्र कारणा वावास्त्र विद्यास्त्र ।।

নিবোৰিৰা কলগাণিত হঠাৎ বেল অভ্যন্ত অধান হয়ে বলৈ উঠা। নিবোৰিৰা কলগাণিত হঠাৎ বেল অভ্যন্ত অধান হয়ে বলৈ উঠা। নিবোৰ কলি চু নিভো কলি চু আপনি কি ভাতৰ চু'

গোলা হরে বাঁড়িছে, যাথার টুপিটা গুলে বন্ধি লগাব হিছে, 'আছর গু হাঁ।--তা আমানৈও ভাছর বনতে পারেন বইকি !'

নিনোবিনা বেন একটু বিবক হ'ল, একটু অগ্রন্থতও ৷ বন্ধুৰে, 'কিছু আনি বে কুননান আপনি আজ্বান আৰু বোকে বাকেন না চু'

না—আবি এবানেই আছি । ব্যাপারটা কী আনেন, আবি এবন বুটি উপতোগ করন্তি।' অত্যাসনতো করি ব'লেই চন্দ্র, 'এবানে একটা চলাহবিশ নিত্রে রোরের নতো একটা অব্দর আরণার এনে চির্কাল কুডেনি করেই কাটাবোর্টিক করেছিলান, তারপকনা

यां हक्ष्मक शांतक्षितम्ब, स्वरक्ष कीच निरम्न किरत प्रमृतम्, 'अस्त की स्वा साव १'

रति विशासन करन, 'वादि छल राव ह'

সিনোরিনা ভাড়াভাড়ি কবাৰ বিলেন, 'না, না, গাঁপনি বাদেন ক্ষেত্রআবিই বাং আপনাকে অনুবোৰ কবাই, আৰ কিছুপৰ এবানে বাকাতে
নাকে-কাৰক-' বাপোনটাকে সভ্যা কৰে কেওবাৰ কৰে বা ভাড়াভাড়ি ব'লে উঠকেন, 'ভাবনান কী বৰুৰ বিলিয়ে কো কেছুন 'ভাজানৰ
পানিয়ানির বিকে কিতে বন্ধানন, 'ভা হোক, একটা উপান করা বাকেই
---আছা, আপনারা কুলনে কুল বিলিই কুল কি বিশ্ব'
আক্রেইয়া, আপনারা কুলনে কুল বিলিই কুল কি বিশ্ব'
আক্রেইয়া, আপনারা কুলনে কুল বিলিই কুল কি বিশ্ব'

विरक्षं स्वति ह'न ना ।

হিয়া, এত থাকি যে এই ক্ষেত্ৰক নিনিট আংগাই উনি আমাংক ভাড়িকৈ দেশৰ লক্ষে নীতিনতো বাছ ক্ষে কিনৈছিলেন,' বাধা বিজে কানি অবৃদ্ধে। গলাভ বছ নানিত্ৰে পনিবানি ব্যবহ দিছে উঠন, 'আঃ, চুণ কৰো না হ' ভাৰণৰ মহিলাবেৰ নিকে বুধ কিবিছে কানুন, 'আণনাবা আৰু ক্ষতক নীছিছে বাকৰেন গুনহুন হ' একটু ইতছভ কৰে বানে চনুন, 'কিছু বালি বান না কৰেন, আমাহ নামে কোনা কয়তে আনাৱ কাৰণটা আনতে গাড়ি কী গু'

সিনোর। কন্যালতি বোকার বলতে কাতে কবাৰ বিলেন, 'ব্যাপারটা কী কালেন দু আবার বেবে বার বাক্তরা ছিল সে ছেলেটি হঠাৎ বারা সিবেছে।'ছ বছু এক সত্তে ব'লে উঠন, 'আহা হ'

নিনোরা ব'লে চন্চান, 'বুবাডেই পারছেন আবার বেরে কত বড় আবাডটা পোরছে। ট্রন্থ বিজে আগে। নিকারে নিজেছিল, দেবানে একটা আক্রিটেক্ট হয়'। বোধ হয় ববরের কাগতে পাঁডেও বাকনে। কেন্দ্রেইন নাম বিল ক্ষ্যিতা সরিনি।'

्यूरणकर नाथ स्था चुरगाया राज्यान । कि वैग्री, वैग्रा, नरकृष्टि नरके, नामिसामि नक्न, कानरक निरम्हिन क्यूरकर कृति बर्डेड निरक्---

निरानात नाव। रिट बन्हरून, 'रंग शास्त्र खपरम-प्ता के छाउ भारत्य गार-वेह, व बान मिर्ट डिम्मान ह'न वह क्वाहरू परेमा परे--रहरूक भावारत्य त्य नगर्यं भाषीहरू हिन। क्वाह गोग भावार नग्य-दिवस कर वस्त्र काहे हरूकन-बी बाव वात्तर नंद भारतिकाद गिर्ट मनान नहिरान्य। वास् रा नद क्या, वस्त्र हणिएकक-मारा भावार रहरूक गोवक कृतिका-

त्यदेश नाम करेगांच मत्त्र मत्त्रों मनिशानि त्यकाकृष्ण कारम मांच स्रदेश वाकिनायम कामारम ( বা ব'লে ক্ষ্যুলেক, 'ভাবী সামীর স্বভিমভার আন্ত ব্যান্তের ভোটানোতে (ব্যানের পানেরে বাই পোরস্থান) একটা ভালো স্থতিভাঁট তৈরি করাতে চাই। এবন দেখানে সাধারণ রক্ষ একটা করর আছে ভঙ্গ। কেট বী বক্ষ হবে এ বিষয়ে কর নিজের কভজনো বাহনা আছে। আদনারা প্রোব বয় জানেন না, আনার নেরের চেতিং সহতে বাখা খুব পরিকার।' নেরে চোব নাবিধ্যে সন্ধানারকটো বাবা লিক, 'না, না, আদনারা বা-র ক্যা কনকো না। ভগু সমর কাটানোর ভালে একটু আরটু---'

या शैक्तिरको चाहरूकार स्मृतम्, 'क्ष्ट्र चानि (सम. क्षिरहा-क (का ुकारांत (क्षतिः कारमा केरत निवास--

জ্যুৰে একটু খোৰ বিহে বজুল, 'বা, চুণ কৰো। গেবুল, একটা সচিত্ৰ নাদিক পত্ৰে এ'ৰ বানে সিনোৰ কাৰিব গাঁকা কৰবেৰ উপৰকাৰ স্বাধি-দুসাকেৰ একটা ক্ষেত্ৰ গোৰে পাৰাৰ জাৱী জালো সেমেছিল, জাই---

"আগ দেইজন্মই আনাদের এবানে আনা—বোর বলতে বিবা করছে লেখে বা ভাভাভাত্তি কথাটা পের করে দিলেন। বেক্টেই বলতে লাগন, "আমি এই ছেচটার কিছু কিছু করন বলেনা করা ছেবেছি---

'पांका, एर्ट्राको रहम टा।' तारा निरंद कति विकास करम, 'पांक राह्मचा का पांचाव कार्या पांचा कर ग। जारे पढ़क कुक्रसम (पांचा वर्षि कार्या) पांचा पांचा केरे करूप पारि करको। पिक्रमारक सम्मा वर्षिकाय—'

পদিবানি বে কৰাবাৰ্তা থেকে বৃত্তে সৰে বাছে এটা ভাৰ ভালো দাসছিল না। কয়িব কৰা পেৰ হৰাত আগেই নে ব'লে উঠান, 'বাপ কছকে, আবাৰ এই-বছত কোনো ডেচ অছবাৰী স্বভিত্যক তৈতি কয়কে এই বী আগনাৰা হিব কয়েছেল?'

'ना प्रेम का नह' तारती हैनर केरनारिक राज नक्त 'नानि 'विद्विति, तरे शक्त । नानि रक्तीत नर्म गर्मन पुरुष्क रमाती कारक नत्म स्व निरामत क्रींब त्यारण उट्यादम्य सूझ त्या वीस्ताद् कांत्र विराम दिला निर्मा (क्रींब ('क्रींब र'ता केर्राम, 'क्र. क्रूबर त्यादावि व्यानि (क्षांक क्रिंब व्यान क्रिंब (क्षांक क्रिंब व्यान क्रिंब (क्षांक क्रिंब व्यान क्रिंब (क्षांक क्रिंब क्षांक क्रिंब व्याव क्रिंब (क्षांक व्याव व्या

এই অন্তত চেহারার শিল্পীর আছকেজিকতার সিনোরা কনসাগতি একট্ আফর্ক গোর করলেও হাসি চাপতে পারকেন না : পদিবানি আঁকে একল, 'কড়া করকো, আমার বছর বিবরের অন্ত

नानकान कारण नन्तर गर्भ करहरून, सानाव समुद्र निरुद्ध सा ताहे । असन निरुद्ध सामित राजारन राजारन मूँ रह्म भारतन मा ।'

বা তথন বেরেকে বন্দেন, 'আর ভূমিকা না করে তাডাভারি ভূমি বে ফেটা করেছ,নেইটা এবের নেবিরে রাও / বেরে সন্মিতভাবে কাল, বাড-ও মা, আলে নিনোর পনিয়ানিকে

्यार गोव्यक्कार काल, दीक्त वा, चारण रिराना गीनेवानित्क आर्थितके काला करव कुरण क्या वदकात। चारणि दुक्तकरे शादहन, 'इकिक्क देवति क्याद क्या अध्य क्षम मान हरहिष्य क्षमन नितास क्यादिकरे कावकीत कात एस राजदिक्तात। अस चक्क व्यक्किय काल (महे; क्यू के राज्य-अस चरक (

त्वनाद त चडित निरम कित चहुन, किंद चाराने समिद्र नोडबराव केराह क्षेत्रमार र पानित क्षेत्र चात सारत वारण ना । चारण कारण चाति विराम चाता नाचारका चानता र स्कोरण क्ष्रमाचार चानका करनाव नास चाता विराम देख्य स नावना क्ष्रोय किन विराम क्ष्रमान नात चाति राम स्व चाता क्ष्रमान नीडिशन करत क्ष्रमान नाती है। चाति राम स्व चाता क्ष्रमान नीडिशन करत क्ष्रमान नाती है। পৰিয়াৰি ভাষাকাটি ব'লে উঠন, 'বা, বা, খাপৰি ক্ষুত্ৰ। খালা কে পুৰতে পাথছি।'

निरमाधिन। परेल जन्म, 'पृष्ठा ७ जीवरना व्यक्तिक प्रक्रित छैनत जानि रकारना काविनारि कविति । छरत पृष्ठा स्वाप्त करत जीवनारक वात निर्देश वास्त कर्षे शावना जानि करान निरद्धि । जाननार एकर-बात करेंहेड्ड तात सकत करति जानि । जानात तरन वह पृष्ठा जीवनारक स्वाप्त वा जीवराक स्टब्स (बहे, वहर जारनात कारक नवाकुक वरवारे जीवरनात नराम कारत क्षेत्र वितात ।'

'दिवाह र' शनिवासित कर्छ विचय कुटी केंग्रेस ।

'দিনে দিনে আৰো কত কী কৰব !' কল্পি চিৎকাৰ কৰে উঠদ, 'জীবৰের সঙ্গে মুদ্ধাৰ বিবাহ !'

নিনোহিনা একটু নত্ৰ হানি হেনে বৰ্গে, তাঁয়, তাঁবনের নতে মৃত্যুত্র বিবাহ । গুৰু তাই নত্ৰ, এই বিদনতে একটা গুণাক বিত্তে বোজাবারক ক্রেটি । নিনোর বিত্তি বেকা করেছিলেন ট্রান্ড তেমনি, কংকালাই বিত্ত হাতে কাছিলে আছে গুৰু কাপান্তর আছেন কাল বিত্তে কংকালার নানে বৃত্তুনে হাতেই একটুবানি কো বাছে। আহু নেবা বাছেনে নেই হাতে একট বিত্তের আটো। ক্ষমানত্র নিনত জীবন কংকালের বা ক্ষেত্র বিত্তের আটো। ক্ষমানত্র নিনত জীবন কংকালের বা ক্ষেত্র বিত্তির আইন। ক্ষমানত্র নিনত জীবন কংকালের বা ক্ষমানত্র বিত্তির আইন।

চৰংকার। ব্য কৃষ্ণর। এবাবে আনি টিক কুষতে পোনেছি, করি যাব।
বিবে উটান, 'এর নাক আনার কেচের কোনো কুদনাই বর না। অপজনার
ভাবটি প্রক্রোবে ক্র্না। আটে!-'আঙ্কুর বাজিবে নিম্নের-'ক্সমর বৃ
ক্রী উল্লেখিত প্রকর্তার ব্যক্তিক করে নিম্নেরিনা ক্র্নের, 'ইটা, বিষ্কুটা
আলাবা নাই, কিছু ক্রীডো অধীকার করা ক্রমের না বে আন্দর্শন
ভেট্টা বেকেই ক্রী আবার মনে প্রস্কেশিক আছ—'

'व जिता वाचा वावात्म ना ' क्री क्ष्म, 'क्री व्यवसाई व्यवसाई

निवय, यादात्र स्वरुक्त उद्देश्व हाव्यात्र व्याप कारमा की। यात्राद्र स्वत को रुपया स्वरूक अपूर्णिक का कम्बामने व्यापमान्य

নিলোরিনা দোলা হরে বনে আবার চোব হুটো নাবালে।

বা একটু অসহিকুজাৰে ব'লে উঠকেন, 'সভিচ কৰা বলতে কী, ৰেৱে ভাব ইছে বাজা সৰ কয়ছে বাট, কিছু আমার এটা একটুৰ জালো লাগছে না।'

যেৰে তাঁকে নাবা বিবে চুল কৰিছে বিলে। তাৰণৰ পৰিবানিৰ বিকৈ
কিবে বন্ধান, 'কৰেখনিৰ আগে আৰৱ। কৰাগ্ৰাৰ কেবাটিৰ কাছে
সিবেছিলাৰ বাঁব বতাৰত কামতে। তিনি আৰাক্ষে আৰক বিবেৰ বন্ধ কিবা—'

या अच्छी नौपेलियान स्करण बन्दानन, 'अस्त्र विस्तरक काँबरे नाकी

হবার কথা হিল।'
নেরে ব'লে চন্দ্র, 'ভার কাছেই আপনার নাম জানতে পারি। আর
ভার কথাবতাই বিচ করি বে আপনাকেই এই কাছের ভার দেং—'
না, না, রাপ করন', নিনোবিনা।' পদিয়ানি ভারতাতি জবাব বিদ,
'আয়ার বছকে বধন আপনাবা এবাবে পেরেই গেরেই—'

त रक्कांव मिरक वार्गाविक । गरिसानि कांव हाक व्हेंबें ब्यांतिक रहरेंब अन्त, 'चारव 'स्पारता, स्पारता । कृति स्तारक स्मित्रे वहें क्यां स्कर्ताहें रहां जिसानियां चार्वाह कराव वारानिरकत है

পতি হাত হাড়িবে বেগার জেটা কয়তে করতে বক্তৃত, উলি খানার ভিজাবৈ নথ বৰ্গে নিয়েছেন। বেতে হাত আহাতে। উনি এসেছেন ভোৱার কাছে। খানার বাংগ করকে নিমোরা, নিমোরিনা, খানাকে কর্মা বেডে হবে। নকরার ( পৰিবাৰি হাত না হৈছে বেল বুঢ় তাবেই আনু, 'কেব করি, এই বুডি ভৈত্তি কৰাৰ তাৰ আমি কিছুকেই নিছিল না। জুবিও নিতে বাজি হজো না। তাৰ বাবে কাজটা আবাবেৰ ছলবেই হাতহাতা হবে—' নিবোৱা বাবা বিত্তে বলে উঠনেন, 'আজা, তাব'লে আপনাবা ছুলবেই কল না কেব ৮ ছুলবে কি বুডিটা তৈত্তি করা বাবে না ৮' নিবোৱিনা তাড়াভান্তি কল্লে, 'আবাবে কতে আপনাবেৰ ববো—' করি ও পানিবালি এক সংস্ক ব'লে উঠন, 'না, না, ভা না,

নেই, নিনোৰিনা। আৰ জাছান্য-নানে, জাছাত্য আমাহ এখন কোনো
নুক্তিয়া নেই। কাজে কাজেই এই বৃতি গড়ার ভার আমাহ গক্ষে
নেবরা অসম্ভব। চারবিকে বে বেখানে আছে নবাইকে বালাখানি দেশুরা
হাত্য আৰি এখন আৰু কোনো কাজেই উপস্কৃত মই। আপনাবের
উচিত এই অবলাখনাইকে কোর করে এই কাজেব ভার-

পদিরানি বৰ্ল, 'বাজে বংল কোনো কল হবে না ভরি। সিবোধা ঘেষন বলেছেন, হয় সেরকম আনবা কুলনে কাজটা দেব আর তা না হ'লে আবি একা এ কাজ কিছুতেই দেব না '

সিনোহিনার পালে সোকার উপর যে তাঁজ-করা কাগজটা হিস কেইটের ফিকে হাত বাড়িছে করি কর্ম, 'বাপ করবেন সিনোহিনা, আপনার জাঁকা ক্রেটা ধেখার জকে আবার ভাষী সোভ হচ্ছে। গুটা ক্ষেত্রার পর বরাজে পারব যে কাজের ভার—'

'অগল্প কিছু সেংবাৰ আশা করকো না,' সিনোরিনা ক্ষানার্থিক কলিত হাতে ভাগজটা বৃগতে ক্যতে কর্তে, 'আবি এবনো টিক পেন্সিনা ব্যক্তই জানি না--তব্ আবার ভাষটা বোভাবার জড়ে ক্ষেত্ৰটা সাইন টেনে ফ্রেনেয়ার্থি ক্যেতি--সের্ব্---

(क्रमें) त्रवात मात्र मात्र अप्ति क्यून केट्रो किश्तात कात क्यूरण,

'কাশভ পরিরেছেন গু'

'ভাৰ বানে হ' নিৰোৱিনা একটু তব পেন্তে জিজানা কথানৈ, 'কেন, কাপত প্ৰাৰমা কেন হ'

'बान कराया । किहुएक्ट्रें सा,' कहि बीचिवरका गर्यय हरड बेंट्स केठेत, 'बीचरमद व्यक्तिबृधि श्रियक नहां [---मा, मा, का, का कबाया हरक नोटर मा। मध, नहां | बीचनरक नहां हरक हरव जिल्लाविना—अन्तर्भ नहां |

নিনোরিনা কননাগতি আমতা আমতা করে বললে, 'দেবন কোনো মত প্ৰকাশ করবার আলে ভেটটা আৰু একবার বেধন ট बनारत क्रि थाव हिरकार करत केंद्रेल, 'हैं।।, हैं।। चाबि स्वरूक नाकि । মাপনি নিজের ছবি এঁকেছেল-জীবনের প্রতিষ্ঠি জীকতে গিরে चानि मिरचर्च दाकान करवरकम । (व्यक्ति बांसरवर कीवरमद रहरा चानमि (इंद (वनि चन्दे । ) छाट्ट कि इटाइ १ दश्य और (क्विहेट কথা আলোচনা হল্ডে, তথন আমরা চলে এগেটি আটের কেরে। चावारवर्ष विक्रव हरक कीवरमद महत्र मुखात विवाह । यसम करकारमब छेनार ্ত্র মধু আৰু অপত্রপ কুক্তর। ঐ আক্রাদিত কংকালের ভীবণ বভিটার পালে चीरानं अस्तिकि अहे उक्त स्थाहे रहकात। श्रीकानि पृति कि दश, बत इस्टाई केठिए वह ? शितादा, जानवाद कि क्या मन्त्र वस्त जिलादिना, वांचा त्वरक ना नवंच कांचांच अठडेक अविदेश याकरव ना । আলার কথা বিবাস করন, এরকর বা হ'লে ট্রক বনে হবে কোনো होतनास्त्राक्षक हिन देखें करहरक-अन्हों वृद्धि कानरक स्त्राक्षा स्वाव अको। नवारता हाम-काणह । चानदा दा वामार्था छाएक एका चाहै करक करन, निरमातिया, चात काहे रनि करक दह काहरेल जीयमार मह ---

विद्वारिया कार्याकृष्टि मात्र कात्र या केट्रे काकारका । विद्यारिया

বৰ্দে, 'আমি নথিছেই অভ্যন্ত ছাৰিত, কিছ আগনায় বত আৰি গ্ৰহণ কাতে পাবছি না। আগনি বা বনহেন, আটো বিদ বেদে তা হছতো নতিঃ—তা নিছে আগনায় নছে আনি তেওঁ করব না। আবার এই ছেন্টাতে আনি কিছু বলবার কৌ করেছি। মত বে কোনো ভাবে এই আঁকলে নে কথা কনা হবে না। আগনায় বতে চন্দ্ৰনা বে কথা আবি বৰ্গতে ভাছিত আ আমানায় বন্ধা হবে না।'

বৰ্গতে চাছি বা আৰু আমাৰ বলা হবে না।'
'তা কেন গু বাপ করবেন, আঁনি কিছুতেই আপনাৰ গছে একবত হতে
পাবহি বা,' কমি বৰ্গ, 'আপনাৰ কুল হছে এইবানে বে আপনি
আপনাৰ দেহটাকে একটা ভপত ব'লে এহণ না কৰে আপনাৰ নিজ্জ ভিনিন ব'লে ভাৰছেন। এই তেবেই আপনি কেচ ভৈবি করেছেন— কামে কামেই বেনন স্থানৰ হওৱা উচিত ছিল, তেবনটি হ্যনি।'
দিনোবিনা আনাৰ বিল, 'না, আটা বে স্থানৰ হবেছে একবা আদি

বদহি না। আগনি এবনি বে কবা বন্দেন দেইটেই দড়িঃ। আরি
বৃতিট্রিতে কোনো প্রপক্ষ প্রকাশ করতে চাইনি। আরি আরার
নিজের বৃতি, নিজের ঘটনা, আয়ার তবিক্ততের কর্ম পদ্ধতি বৃত্তীরে তুলাতে
ক্রেরিঃ। আগনি হয়তো বৃত্ততে পারছেন না--বেখানে ভর্ত্তী তোলা
হবে দেই আরগাটার কবা একবার জেবে বেশ্বন। না, না, অন্তত্ত
নোবানে, আগনি বেরকম বলাহেন, আঁখনের বৃতি দেরকম করা অসত্তব-কর্মি হাত কুটো উপর দিকে কুলে বান্ধ বেভিন্তে বন্ধুন, 'এ গুরু

वानवाद क्यमा—' विषय स्पृत द्वारा निरमादिया जारक कशरत दिरम, 'क्यमा श्वरदार्की गा, स्वयून कांक्यरनाजा, बांव जात नावान बानवारक बाबरकार्षे सरवा'

পদিয়াবি মার করি ঠিক করন বে করাভাব নেরারের সকে ভারা বৃতি তৈরি করার নকর ব্যক্ষা ঠিক করে দেখে। একটু পরেই দিনোরা क्यमानिक कांत्र कींत्र त्याकाक्ष्य स्वरंत यमिशामित है किंद त्यरंग निर्णय मिराना।

নিরো করি মানকের মাজিনবো ই্ভিরোমর পারচারি করে বেডাতে নাগন—পান গেরে-মেরে।

নপ্তাহ বাদেক পৰে কৰ্মভানতিৰো পৰিবাৰি বৃতিটাৰ বাধা তৈতি কৰাৰ ক্ষান্ত ক্ষান্ত নিষ্ঠিং কেওবাৰ কথা সিনোভিনাকে বলতে ক্ষান্তিকেৰ বাড়ি সিৱে উপস্থিত হ'ল।

ক্যাভার বেবারির গলে গিনোরা ক্যালভির বছুক ছিল প্রগান।
ক্যাভারের কৃষ্টে পনিরানি জনেছিল, বে গরিনি দেই জীবন
ন্যাভারের কৃষ্টে পনিরানি জনেছিল, বে গরিনি দেই জীবন
ন্যাভানিকেন্ট্রনর পর বার তিনহিন বৈচে ছিল—নারা বাবার সবর তার
ক্ষাব পৈরিক বিবরশপতি সব সিনোরিনা ক্যালভিকে দিরে বাব।
ভাই এই শ্বতিশ্বভ তৈরি করতে বত চালাই লাঙক, সিনোরিনা তাতে
কার্পন্য ক্ষরেন্দ্রনা।

্ৰুৰ্যাগাৰ খাবো বংগছিলন যে এই বৃথীনাত্ৰ যতে গাঁঃ নিছেত্ৰ কৃথিকাত্ৰ খাত বিবাহন খাত বেগ নেই—নিবোহিনা কন্যাগানিত্ৰ বানহাবৈ ডা খাবো বেতেই চলেত্ৰে। খাতা কোনি, বিন্তি কৃষ্ণে দেখলে হথে হয়, কিছ ও বেগ একটু বাড়াগানি কাছে। প্ৰীক্ষিত্ৰ কৰতে কী কেনে বান হয় পোকেৰ একালটা খাতান্ত বেগি গলীত কৰে ও বেগ ক্ষাপ্ত জালক বাত্ৰ। খাতীকাত কৰাই কীয়া কেই বিবাহনে বাজ্যানিত। খাত্ৰ সহিবিধ নিভাই লে কিছা ভালো হোল—বেকৰ ভাশৰ কেইছে, কোনি বানহাত্ত । বিবাহন বানহাত্ত । বাত্ৰ নিভাই লে কিছা ভালো হোল—বেকৰ ভাশৰ কেইছে কালি বানহাত্ত । বেকেইছিক ভালোভ বানহাত্ত (কেনি বানহাত্ত ) কিছা কিছা বানহাত্ত । বিবাহন বানহাত্ত । বানহাত্ত । বিবাহন বানহাত্ত । বানহাত্ত ।

যা বাসছিলেন কৰ্যাখ্যৰ ভাই হ'ল—গদিবানি ভাবের নিজেবের বাচিতে গিনোরিবা কন্যাখ্যক দেন না। বাছির বাদীর কাছ থেকে ভিনা দি পোউ। পিনচিবানোতে মছুন বাছির টিকানা সংগ্রহ করে পদিবানি দেনিকে অনুসর হ'লো। বে ভিক্ত মহুর বাখার ভিক্তর হিবে নেরেটির দিন কাটছে লৈ কথা ভেবে পদিবানির সদও হবে উঠল বাছিত। বিবের বানেই বিথবা—ভাগ্য বাবা না দিলে ক্ষেত্রছিল পারেই বে আন আনুষ্ঠা আত্মান বাছিল ক্ষেত্র ক্ষিত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষিত্র ক্ষেত্র ক্ষিত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষিত্র ক্ষিত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষিত্র ক্ষিত্র ক্ষিত্র ক্ষিত্র ক্ষেত্র ক্ষিত্র ক্ষিত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষিত্র ক্ষিত্র ক্ষিত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষিত্র ক্ষিত্র ক্ষিত্র ক্ষিত্র ক্ষেত্র ক্ষিত্র ক্ষেত্র ক্ষিত্র ক্ষিত্র ক্ষিত্র ক্ষেত্র ক্ষিত্র ক্ষিত

কত আসা বছুর বিনের কথা তেবে বাগবত এবংগু কত দোকার যুরে যুরে একটি করে আস্থার বিনে বার্কিট্রনে কত আরকে সামিরেছিল—করেকটারিন গরেই তালা কুলনে কথানে থাকরে। বার্ক্তর ইতিক্তে, আগার, আকারকার করানো সেই সন বিনিস্পান বেকা তারে ভালা সামিরেছিল টিক কেনিকারেই গরে আছে—আকরেছ এই একন কুলর বিনে, করু আছি ভাগোর বিন্তুভাল কথা তেবে গমিরারি একটা বীর্ষবাদ বেক্স। বাতানে কসকে আস্করনার্ট্য, হাৰ্যের আলোর বন্যক্রের উক্তশর্থ—হান ভার আনাক্ষে করে করে উর্জিক, নামনেই বন্ধুন বাহিজিতে খোলা আনলার ভিতর বিরে গেখানে নভাগবেদাভার রোভূর এনে পড়েছে, নেথানে আক্ষেক্ষ বিনে খোল নমুর বাহের আলার আন্ধ্রন অবহার ব্যক্তিকো কন্যাগতিকেনে একট্ট গড়েই দেখতে গাবে !

পলিয়ানি বৰন বাছে চুকল জবন ইজেগঞ্জ সামানে বাস বাসবার বামীর একটি হোট কোটোলোক বাকে কুলিয়েকা একটা বাজা-বাচ্চ বাঁকতে বাজ ছিল। জার 'মা পানে' বাস কয়াজার সেবায়িক লাইব্রেটি থেকে বাহ করা একটা করাসী উপভাস পক্তহিলেন।

সন্ধিয় কৰা বলতে কী, ভাৰ বৰ্ষান্তিক হৃথেৰ 'ভালো-বানাৰ' একা বাকতেই নিব্যেকিনা কৰ্নালতি পাছৰ কৰতো বেণি—বিশেষ কৰে বা—ৰ উপস্থিতি ভাৰ কাছে নোটেই বাকনীয় ছিল না। কিছ নিবাৰাৰ বনে বনে কৰ বে বেছৰ বনেৰ বা বোনাকিক চাৰভাৰ, কোনোনিন ক্ষতো বা একটা স্থানীকাৰ কিছিল বন্ধ—ভাই ভিনি কৰনো অংশি একা বাকতে দিকেন না। বেছৰ হুব ভোগেৰ এই লংগ্ৰাছ নিক্ষিভাৰ ভিনি পালে বনে বনে বনে উচ্চতৰ—ক্ষেত্ৰৰ কেটাছ ভূম কুটে কিছু বন্ধকেন না।

 ए बनीव विषय नामि तरथ निरादक छोड़े क्रूरवाण निराक छीड़ तरह तर तरे बराकरे वर्षे कराव कुछ त्रकारचा विमारन निराक्त कानिता विराक नावतः । बीनतम्ब क्षाक्रम नकाक्षणित नरक छीड़ पर्यक्ष भिक्रम मोर्स नावीद मुद्दारकाना मिल करण माराज खारकरे छीएक की क्षम्म युक्त मतरक करविक्त नरनाद कानात्माद करक, का छीड़ त्रवरणा मरंग नरक। तराव का छोड़ क्षारवद नगढ़ बरावक नहराकरे विन कांग्रेरक नराव । तराव का छोड़ क्षारवद नगढ़ बरावक नहराकरे विन कांग्रेरक नराव । तराव का छोड़ क्षारवद नगढ़ बरावक नहराकरे विन कांग्रेरक नराव । तराव का बरावकर्म माराज माराज का नराव तराव तर्मे बनकां का तराव निव युक्त विकास माराज छोड़ कर । त्रका छोड़ युक्त नराविकार त्रवाधि त्यावहै नरंग नरावम।

সিনোরার সাধারণ বৃদ্ধি প্রথম, জীবনের বহু বিবার জীর অভিপ্রজা, তাই তিনি অনেকবার নেরেকে তার মুখবিলাগ সম্বাহ্র সংগ্রহ হতে বালেকে, কিন্তু কোনোই কল হর নি! জুলিবেলা বক্ত বেশি হোরাটিক। বাব হর, মুখব বতা না বেশি, মুখে তোপের ক্রম্ম আনকটাই আক পেরে বংগছে, আর তা হরেছে ব'লেই মুখিল। সমরের সভে লাকে সংগ্রহ বারে বংগছে, আর তা হরেছে ব'লেই মুখিল। সমরের সভে লাকে নিক কোনো বিশেষ বারণা মনের মধ্যে বছমুগত হতে থাকে। এই মুখেতোগের বে আনক ভারই কলে জীবন স্কুল্যুকে তিনা করাহে —এই বংল করাই —এই মুখেতোগের বে আনক ভারই কলে জীবন কুরুল্যুক হতে থাকে। এই মুখেতোগের বে আনক ভারই কলে জীবন বংলিজ্ঞ চন্দা করাহে নার প্রথম এলেছে। তারণার অব্যাহন করার একটা নিজ বিশ্বাম টিক বেনা বারিটা কুলনে নালিবেছিল, টিক তেবলি ভাবে রেকে বেনা বিশ্বমিক জীবন ও উপ্যোগ্যর ব্যৱহাত পারর না, সেই ব্যৱহান্য ব্যৱহাত হৈছে বারিক করাই।

भविशामि (स्था कहात अरुरह (संरथ निरमांश पुर पूनि क्रांसन )

(56)

কাননা বিষে ক্ৰেৰ আলো কৰেৰ বৰো হড়িবে পাক্তৰে । বাইবে জিলা বৰ্গেকে—চাৰণিকে বড় বড় সমুখ্য ক্ষমৰ বাঠ, সহা কৰা পাইকেৰ সাধি সভীৰ নীল বসক্ষে আভাগকৈ আৰু স্পৰ্য কৰছে—বুডাট ভিকাৰী। পনিবাদি কৰে চুক্তভেই নিৰোধিনা ভাড়াভাড়ি উঠে কেচটা বাতে ভব নকৰে না পড়ে ভাব কেটা কৰতে লাগল। পনিবাদি সাবাভ খাবা দিবে বন্তে, 'কুকোজেন কেন ? বিদ না বেখি, ক্ষী আঁকডেন ?' নিৰোধিনা ক্ৰিকত তবে জবাব বিদ, 'সংব বাবে আবজু কৰেটি কি না,

ভাই—'

সিতু হয়ে ছেচটা দেখাত দেখাত পলিয়ানি বলে উঠল, 'চনংকার
আন্ত করেছেন। প্রভিট বেশ ভালো হছে। পরিনির হবি, নর ৮ এই
কোটোগ্রাকটা বেশে এখন জাঁর বুবটা বনে করতে পারছি। আগনার
আঁহাতে বেশ ক্রমা বাছে—কিছ তিনি কি লাভি রাখতেন দু
বেক্টে ভাডাভাডি করাব বিল, 'না, না, লাভি রাখতেন না, অছত

বেরেটি ভাড়াভাড়ি কবাব বিদ্য, 'না, না, বাড়ি রাখতেন না, অস্তব আবার ক্ষমে আঁলাণ হবার পর দেখিনি।'

'ছ', আবাৰও ভাই বনে হচ্ছিল।' পলিয়ানি বল্ল, 'চৰংকার চেছার। ছিল অস্তলোকের—চৰংকার।'

নিলোহিনা তাৰ নিজেৰ কৰাৰ কেব টেনে বৰ্ল, 'কিছ আনি তো আৰ ছবিটা নিৰে একোতে পাবছি না) এই ছোটোঞাড্টেই থেকে বোৱা বাহ না—বাবে, আবাৰ বনে তাৰ বে হবি **উট্টেই** ভাৰ গতে এব কোনোই বিল নেই।'

গদিয়াদি বৰুব, ইয়, আগৰি বা বৰ্গতে ভাজেন ভা আৰি কুবতে পেবেছি। ভিনি আহো বেশি—আবো বেশি—জীবভ ছিলেন আবো বেশি নতীবভ ছিলেন আবো বেশি নতীবভ ছিলেন। বা বৰ্গতেন, আবাহ মেছে গগে বিবেচ কথা-বাৰ্ছা হবাহ বিদ্বাধিন আগে আবেছিকার ঐ ছবিটা ভোলা হয়েছিল।' বিবাহকতা কটো বিবোহিলা বৰুব, 'ভার আহ কোবো ছবিক আবাহ

नास (जी। तन्त्र, चानि स्था और स्था सह तार का सह सी, स्वयात चारण रा तन्त्र रा त्यारण हिन, प्रेम तारे वृद्धिकों चारण थानि राम्यण गारि। किंद्र रा मुंद्रों इसि चीनात करत पूर्ण हार चीने, जनने चार मुंद्रों चार हारित रामि। क्षम चानि महोतीत करते चार करोड़ीन विराह करते चार करोड़ीन विराह करते चार रामिल करात रा रामिल करात हर करोड़ीन चार करात हर करोड़ीन व्यार रामिल करात हर करोड़ीन व्यार रामिल करात हर करात हर करात विराह करात विराह करात विराह करात हर करात विराह करा विराह करात विराह

থাবি হতাৰ হবে পড়ছি।'
বিনোধা এতখন একছাটে পদিয়ানিব বিকে তাৰিকে ছিকেন। তিনি
ইঠাং বলে উঠকেন, 'ছুলিয়া কেখ কেখ, ভূমি মান্তিনিব পুন্থনিব কৰাটা
বৰ্গছিলে না গু বাড়িটা মহিলে নিলে যুক্তিটা কেৱন কেখাবে ভাৰছিলে। বিনোধ পদিয়ানিব অভনিটা কেৱ, তোমাৰ বনে হয় না ভি—

পৰিবানি কক্ষাৰ নাল হয়ে আৰু একটু হাৰ্কণ। আৰু নিজেৰ আকাৰতে গে তাৰ খুতনিটা একটু উচু কৰণ। খেন বিবাৰিনা কন্যাগতি ইচ্ছে কৰপেই বৃহু হাতে তাৰ চিবুকট ভূবে বাৰ বাৰিনিৰ ছবিতে বাৰিন নিজ পাৰে।

ক্লিৰেক। বাহ কৰাৰ বীতিমতো সন্মিত ও বিষত বোগ কৰাইল। বাৰ্থা কুলে নে পলিবানির হিন্দে ভাকাতেই পাবলে না। ভার ক্লাৰ

नित्व अवस्य जात्व क्या यमा या-व किङ्कालक्ष्टे विक्रिष्ट क्य नि ।

কিছু না তেকেই নিনোর। বনাতে লাগলেন, 'আর বোকজোজাও কেব, ক্তিরো তেলার। বারা বাবার কিছুদিব আগে টক এই রক্তরের গৌকই বংবতো না বু'

निर्वादिन अनार नैकियराध मास्क स्वाद स्वरण । नवीर ननार स्वरूत, 'भारता स्वीरणन क्या भारताच्या स्वतिनार ना, ना । हरिस्क मासि स्वाय संस्कृत हा है

निवानि कृतिरक्षात क्यान नाम अक्न इरड स्तृत, या निवारे, र्दाक विरम इतिहा क्रिक छात्मा राबाद ना । किन्द्र बनाव मटक मटक জন্যাস বড়ো নিজের বোঁকে একটু হাত বুলিরে নিল, ভারণর বল্ন, 'দেশন সিনোরিনা আপনি যদি অক্সতি করেন তার'লে আপনাকে একটু সাহাত্য করতে পারি। আপনার কেচ্টার এই কোপে করেকটা कृतिव होत-बागनि किंदू बात क्वारम ना छा ? गाव बागनि वेटक করলে বৃদ্ধে কেলতেও পারেন। সরিনিকে আমার কতটা মনে আছে बाननाटक छा-हे त्रशास हाहे ! পৰিয়ানি চেরারে বলে কোটোগ্রাক্টার নাহাব্যে স্থানিরভাগ দুক ৰাগদত্তের ছবি আঁকতে আরম্ভ করল। পুৰ মন দিয়ে ওর ভূলির ক্রত টানগুলি লক্ষ্য করতে লাগল সিনোরিনা কনসাহতি। তার সময় वन अकात हरद जानाव छेन्द्र रूटव छेठेत । कांक्की वक अर्गाएक লাগল, ভক্ত নতুন নতুন ভুলির টানে লে উজ্বলিত হরে উঠন। পৰিয়ানির ক্ষণিত বেন উৎদাহ পেয়ে ভাড়াভাড়ি এগিয়ে চল্ল। क्लिएका त्नरंप कांद्र कांद्र मत्त्व कांद्र कांग्य होश्यक शाहन मा. ै ब'रम केंद्रम, 'या, त्यब, त्यब। महिनि-अत्बनात क्रिक महिनि। वक्तारबन ना, किन्कू वक्तारबन ना वदा करव--- क्रिक इरवरक--- चार्शनारक অপের বস্তবাদ--বী কৃষর আগনি আঁকতে পারেকঃ ক্রমংকার !'--Gबार (क्टाइ केंद्रेट केंद्रेट शनिशानि स्तुन, क्रिक्क सनाम स्तरन चाननिक अब क्रांड कारना चीकरक नांद्रसम्। बांड नदिनियक बासार वर जाएना बरन चारक किना कारें-विम्तवनंत्र करत स्नातक कृतिहरूलात चक्रमंडे व्यवस्थात क व्य व्यन चानक व्यवहात व्यक्ते वकान कहाक नशिवानि विशा कवन मा ।

নিৰোছিল। কলবালভি ভখনো কেটাৰ দিখেই ভাভিছেছিল, খেন বেখে বেখে ভাৰ খাব খাণ বিটছিল লা। কিছুকণ পৰে নে কাল 'बुटनिके।—हैंग, प्रैक बरबरह, रावनकि हिन प्रिक रहति बरबरहः धः, धाननारक की बंदन राव बक्ताव रादता है

এই সৰম, সরিনির বে কোটোগ্রাছটা বাছল করে জুলিবেছা ক্ষেট, বাঁকবার চেটা করছিল সেটা ইবেছল বেকে নাটতে পাতে গোল-সে তবন পলিয়ানির বাঁকা ছবিটার প্রশংসার বাছ, ফোটোগ্রাছটা নাটি বেকে ভূলতে আর তার ববে রইল না।

খাপনা হবে, যাওয়া কোটোরোকটা মাটিতেই পকে এইল—ছবিটার চোবে বেন বিবাদ কুটে উঠেছে, ও বেন বুখতে পোরেছে বাটি বেঁকে আর কথনো তাকে ভোলা হবে না।

पनिवानि निष्क निष्कृ एतः इतिहा भूग्न सुनिरक्षकाः निरम् अभिरद्ध निष्कः । 'स्क्यान', तन्न सुनिरक्षकः, 'अपन एक्टम अहे पिक्षे रमाफोडीकः स्वाक भटनाटरे इरन मा। सामनाद एकडो। रहरवरे सामि अपन सङ्ग्य सङ्ग्य कवि सोस्यान भटनारः

এই সহয় দে একবাৰ মুখ ভূগে তাকাল। এক পদকে তাৰ বান ম'ল, ঘাটা খেন আগেব ক্ৰেয়ে উদ্ধান হয়ে উঠেছে। দলা কৰানি আনলাব, ভিতৰ দিয়ে কুম্বা ডিলাটি আৰু তাৰ চাৰণালেৰ বাগানেৰ অপূৰ্ব বৃত্তেৰ দিকে তাকিছে কুদিৰেলা কৃত্তিৰ নিৰোগে কেবুল। একদিন ফুখে তাৰ মন আৰাজ্যক্ত ছিল। আৰু এই কুম্বা ডিলোৰ বান্দ্ৰলানো আলো তাৰ মনের পানীরত্তন পর্বক্ত আলোটিকত ক্ষত্তে কুম্বুল, তাৰ মনে হ'ল, ব্লে অক্তৰে এমধানা কৰাৰ এই সামাজ অফিয়ার্ক্তি ক্ষে তাৰ মনে ম'ল ব্লেকা সবিয়ে বিশ্ব বৃত্তিক বিশ্বত লোক মাডিয়ে বিশ্বতে ।

धरे पहित्यकी परेज (पन धर सुद्धि। बातन किया की ता होत्र, तित्वादिका करणाविकि कात (कातवा बात क्षेत्र परेण वा । वहीत कात बावना होत-कातनात्मन बकुमायक नाम त्यक परेज बहुत का केंद्रोद्ध—चनु बहुत बहु, कातव सुद्धि चातवक (पनक्षण कातक पिर হিন্দ, তা থেকে বৃক্ত হয়েছে দে। খোলা জানলা বিবে তার বৃক্তের
নবা তরাজীবনের একটা নিম্মান প্রকেশ করে নব বিষ্ণু তোলগাড় করে
মৃত্যেহে। তর্ব ভিতরে নর, বাইছে, চারপাশের কেন্দ্র জিনিসকে প্রাণহীন বলে নে একজাল জেনে এলেছে, ফেন্দ্র জিনিসের একটুডু স্থানাকর
দে ঘটার নি, তার বৃদ্ধা-বায়ের পাহারার তাকে সাহায্য করকে ব'লে
সেই নব জিনিসকলোও বেন প্রাণ পেরে হৈচে উঠেছে।

পৰিবানি তাৰ বা-ৰ সজে কৰা বলতে বলতে বাড়িটিৰ এবং তাৰ চাৰপাশেৰ দুজেৰ আনগো কৰছে—কৃষিবেভা শুনন, মনে হল, কী বৰুৰ কৰ্মৰ পোকটিৰ ! বা পৰিবানিকে বাড়িব আড়োকটি বৰ যুবে যুবে শেবাতে লাগদেন, মনেৰ বাবো বাড়েৰ বোলা নিছে মেৰেড উাবেৰ পিছন পিছন যুবতে লাগদ। সভি৷ সভি৷ এই আছ-আড়েন৷ পোকটি ভাৰ বৰণ-বোহেৰ বাবা ছুকে পাড়ে ভাকে খাবাৰ জীবন্ধ কৰে ছুক্ল নাৰি চু

বানের এই আফ্রিক ভাবট এত প্রথম হরে উঠন বে বখন তার।

ুশাবার বাংল কারে এল তখন দে কিছুতেই দেই ববের মধ্যে চুকাত
্বারক বাং। কথা করল যে ভার যা আর প্রিরানির মধ্যে কে

করটি দিবে একবার বৃটি বিবিনর হ'ল। আর সে, নিজেকে নামদে
রাখতে পারক না—একেবারে তেওে পরক কারার্ড্রা

ৰে মূৰ্যে নে এজনিৰ বছৰাৰ জেনে গড়েছে সেই ফুৰ্টেই জান চোৰ দিৰে
অধিবাস জল পড়ুছে লাগদ। কিন্তু এবাছে নে কোন আনদ্ধ উপাৰে
বুঁবতে পাছল, বে তাৰ ভাষাও কোবাৰ কেন কালে বেছে—আগেন মতা তাৰ ভাষাৰ অব বুক্তেৰ ভিতৰ মূৰ্যেই প্ৰতিকামি জালিতে ভুল্লদ না, বে সৰ শতি-ছবি প্ৰতিবাহ ভাষাৰ সম্পে-স্কে তাৰ চোখেব উপাৰ জেনে উঠতো আৰু আৰু ভাবেৰ কেবা বিজ্বল না। এটা সে মাধ্যে পাই মুখতে পাৰল, বখন ভাষ যা ভাজাভাজি এসে আগেলাই যতে সেই কাই কৰাছ ভাছে গাছৰা দেবাৰ চেন্তা 'কাংলান বাব লোক আনাত কাংলা। এই বকাৰে বাছৰা আৰু ভাৱ নোটেই ভালো বাইল না। আনক চেন্তা কৰে বাত্ৰ বাব কৰে বাত্ৰ বাবিত্ৰ কেন্দ্ৰ। পশ্চিবাৰ কৰে ভাৱ বাবিত্ৰ কেন্দ্ৰ। পশ্চিবাৰ কৰে ভাৱ বাবিত্ৰ কেন্দ্ৰ। পশ্চিবাৰ কৰে ভাৱ বাবিত্ৰ কৰে। পদি কাৰ্যা কৰে। পদি কাৰ্যা কৰিব ভাছে কোন কৰে। পদি কাৰ্যা কৰিব ভালা কৰিব কিন্দ্ৰ কৰে কাৰ্যা কৰিব কৰিব কৰে। কোন কৰিব কিন্দ্ৰ কৰে আনোচনাৰ বেতে উঠন। বৰ বাবে ক্লিকভাৰ অনাবাৰক অবতাৰ কৰা উল্লেখ কৰে কাৰ্যা কৰিব কৰিব কাৰ্যা কৰিব কৰিব কাৰ্যা কৰিব কাৰ্যা কৰিব কৰিব কাৰ্যা কৰিব কাৰ্যা কৰিব কাৰ্যা কৰিব কাৰ্যা কৰিব কাৰ্যা কৰিব

হবি আঁকা শেখানোর ভার নিতে রাজী হ'ল দে। সিনোরিনাও শিবতে রাজী হলেন। ট্রক হ'লো পরের বিব বেকেই নকুন যাড়িতে শেখানোর কান্ধ আরম্ভ হবে—নাড়িটী বোব হর তাবের ছেকে' নেনার্থ কলে আনক্ষে উত্তর হরেছিল।

আৰ হু'বান পৰে, পদিবানিক ফুঁ ছিংবাতে দিবোঁ করি লোকার উপত্ত ।
পৰা হবে প'ছে ছিল। ফুঁ ছিংবার ভিতত্তে একটা বিবাই ছডিবজ্জকালটি নকোৱার আবন্ধ হরেছে। একটা পুরনো ছতির ওভারতার,
ছু'পারের কাঁকে কেন্টে-পিন্ বিবে এটিছে করি। পাইপ টানতে ।
কানতে নে নাবনে কাঠেক কানো ইুপটার উপত্ত একটা করোনোর নবেন
অনুত করাবাতা বলচিন। এক ভাজার বন্ধব কাছ বিকে বাজাল,
করার কাল কবাবাতা। বন্ধবিধার প্রবাহ কাছ বাকাল কবাবাতা।

जरकाकोत वाबाद वृक्ति छेना अबहे श्रीकृत अबहे कामाध्य हैनि ता नवित निरम्भ तिकास त्या करकाको देनिक—त्याच इत वेतिहर कावर-करनीवान निरम क्वि नारेन केताव कीरक कीरक दर छैनतम विरम्भ कावें क्वरक सरवारतान विरम ।

'আজা শিকারে কি ভোষার না পেলেই চলত না ? বুরতে পারছ, কী একটা বিজ্ঞী গোলবালের মধ্যে ভূমি পড়ে গেছ ৷ কথাকার ভূতের মড়ো करबरक क्रकाबा-कार्डिक बरला ना--जबक सक्की अक्बान काफ काफा चांव किहू नव । बांक्च क्यां वांक्-कृति की क्षेत्रां गतन कवह त्य জীবনের সঙ্গে ভোষার বিরে হবে ? কেখ. রেখ জীবন ভো পাপেই গাঁড়িরে রবেছে, তাকিবে দেখ। কী ছক্তর করে আমি তাকে গড়েছি —বেমন স্থপ তেমনি স্বাস্থ্য। ভূমি বুঝি এই তেবে আত্মসাথা অভ্যতন क्यह, त्र के त्मातक निर्मे निर्मे लागांक निरम क्याल हार ? है।। শক্ষিত বহুর আনত ভবিতে ভোষার গা বেঁলে দে গাড়িয়েছে ভা সভিঃ ভোৰার ক্রে বালতি-বালতি চোখের অল চেলেছে ভাও गणि। क्षि विरक्ष चारक्षेत्र क्या अक्नात न'तम तक्ष मा-एन्डि चांत बर्द मी। दे यन नाट्य बादना बाबा त्वत्क छात्राध---छात्र क्राइ नता अक কান্ধ করো, বেরেটির পিছনে পরসা থবচ করো, ভোষার সর্বস্থ চেলে शंथ। की नगरन १--नागंकक तन ठाकाकि चारको अटक विस বিষ্ণেছ | ভার'লে আরি আর ভোরার ক্রান্ত এবন ক্রী করতে পারি बर्मा १---वाक, वांक, व्यावारक व्याव त्यावारक क्रूटन वा, की विशेष कवि গড়েছ। আহি আঁথেই ভানতার ভোনাছ কী কুলা হবে ? ভানো তো, পৃথিবীটা ভারি বিত্রী জারণা, কাউকে বিশ্বাস করার জো নেই… पूर्वि बारना त्यार इस नव्यक्ति की गरहेरक बारवा ना ? किसि इति बीका निरुद्धन-- (क १ (क बांबार, बीरन, बीरन (वा ! (क लबाटक साम् (विष १ क्याबामिट्रामा श्रीवामि । वा. वा. वा. वी १ व्याभावी अवहे

বোৱালো বনে হজে, না ৫ ঠাটাৰ দীবানা পেরিবে বাজে ৫ বচি ভোষার খবছার খাবি পঞ্চাব ভাছ'লে কী করতান খানে। গুখাবি পলিরানিকে इट्टान अकटल बनलाव---बाब ग्रकारन की क्राइटक करनक १ बागांव हैनंद्र क्यां इक्य--किनि नक्क करवन मां, कीव निरमद नाहन, खीरमहरू चाहि न्डबन विस्त नांडन वां। अधन निवामि चान्यन नांचा व'रन्छ। ভাৰত তো গ লে আনে বে আলে নৱ বৃতি না তৈরি করলে কোমো কালডালেড প্রামো বার মা। এখন মঞ্চার ব্যালারটা শোমো। ভার शिवाद यथ अहे क्रमद नव बिक्तांद केंभद बनाएक विएक निवासि दासी ছিলেন না। স্কালে ভিনি স্টুভিয়োতে চুকেই—কেৰ নি ভাকে ভূমি ?--इवरन, में जिरबारक कुरकरें बेरनद छेनद नाफिरब इ'ठावरते वारनरें के वृष्टिय त वय चानि रेस्ट्रि करदक्षिमान, राहोरक अरकदारत बातान करद हिरम। (कन क्री) करत बर्गा (छा, वस्तु ? साबि (हैडिस वस्तानार, 'सारव গাড়াও, গাড়াও, করছ কী ? আধ নিনিটের মধ্যে ভাকে আমি কালভ भवाकि । नव वाचन वा किक्टएके ।' एक ब्लाहन काउ कवा १ गामांत्रके। की कारता । अपन अडा कीवरनंद नवंद्रश स्वतंत्र काव-नवं, चारित्र धीरम । जाबाद क्षांच (फठो वा हिन, ताहे त-बीरम हान अवठी बगक, तारे जानोहरे जनम छत्र। अहन करबाह । कारक कारकरे कृषि-বেজার নিজের বৃতি তৈরি করার কথা এবন আর উঠছেই না। ব্যাপারটা फेनाहें (शाक---अथन कृति श्रांक बीकाक स्वाप्त हावेरक--वार त्य हाहेर्य क्षायाद काह (बदक नामाक । बादक अबन । बनक नारता বৰু, ভৰু-ভৰু ভোৱাই বিকাৰে বাবাহ কী চৰকাই ডিল ৮'

---क्यमा सास





## माहि

বাবের বিচেপার বাড়াই বড়ি-পাবরের পাহাড় বেরে বৃটি বৃহদ উঠিছিল। পোহার কাঁটা-পাবারে। বৃটকলো পিছলে বাজিল বলৈ হাত আর পা বৃই-ই তারের ব্যবহার করতে হজিল। বুর্ব ভাঙাভাড়ি ওঠার করে বর আর শের হরে এনেছিল ভাই ইগানতে-ইগানতে পিছল পর্যচাকে গালাগানি করছিল ভার। প্রাবের প্রবেশ-পাবের নারকেই হোটো একটা ভূরো। তার চারপাশে একখন বেরে গয় করছিল। পাহাজের পাশ দিরে ভাবের হুজনের টকটকে লাল চুটো ব্যবহারেই বেরেরা বাড় ভিরিবে চাইল: তরা দেই ছুভাই নরতো? ভাইতো, বেলি আর নারে ভরতোরিটি। আহা ভেচারার। কির এই ব্যক্তার ভারপটা বী হ

ছোটো আই নেনির আর এক পা নর্কার ক্ষরতাও ছিল না। বেরেদের কর্বার ক্ষরার বেবার করে এবং একটু বর ক্ষরার ক্ষরে হয় গাঁড়াল। সাবো কিছ আর হাত বার হিড়বিড় করে নিরে চকুল ইয়ার

যাবার সবর নেনি ব'লে গেন, 'কুইনলান্ত্ আর্থ্য কথা কাছিবুক-সন্দর্ভে আর্মানের ভাই ? হাত ছটো উপত্তে কুমল দে, বেন প্রার্থনা কাল উপত্তে ক্রাইছ।

चाठक के का-द्रशांको स्ट्रार (मात्रत क्षेत्र चार्कनाक करन केंग्रेस) कार्यत्र अक्षम ब्रोह्म करन, 'एक मेरदास अ-सांक है'

'त्केचें हो । क्यारात्मा बाह !' त्व त्यात्म द्वेडिटव स्तृत त्याति । डेस्सी-डटक ब्राटवर कांकाटवर सकि। कांडां सक्काटव त्यतिरक ब्रस्टिव त्यात् । नारह अन् व्यांका श्वरना क्री. नार्टेड राज्यस्थाना र्याना व्यांका स्थाना व्यांका स्थाना व्यांका स्थाना व्यांका स्थाना स्याना स्थाना स्थ

গত এগাতো বাল বতে ব্লী ভার একেবাতে শ্বাপারী। বে-বেরটি কোনে ছিল ভালে বাল দিয়ে এ-সংগাতে শালো হাঁট চেনেনের। বেরটেই বড়। ছেলেওলো বেরন হুবছ তেরনি নোঁরা। বাড়িটাও শব্দর অপোহালো: বেরের কাঁচের বাসনের টুকরো, করের বোনা মার রাখিরাশি ব্যালা, চেরারওলো ভাঙা, খারাবকেলারার বলার ভারণাওলোর গঠ, কে ভানে কভালি বিছানা পাতা হয়নি, বিভানার চাবরগুলোও কুটকুটি হতে একেছে। এর কারণ খার কিছুই নর—বাজা প্রভাবন্ধলা বিছালার উপর বালিব নিয়ে বভাই-ক্লাই থেলে।

পোনো-এক-দিন বেটা বলার বর ছিল তার দেরালের উপরকার তবু একটি ছবি একলো অকত। ভাক্তার নিলোলো লাগিকোলো ভিয়োবা পাবার কিছুবিনের মরোই একটি ছবি তোলা হরেছিল। তবল দে তবল। সেই ছবিটাকেই বচ্চ করে একানে বোলালো হরেছে। ছবিতে তাকে বেখাজিল পরিপারি, এবন কি পৌধিন, বুব ক্তিবাক আর হালিবাদি।

চট্ট কটকট করে ছবিটার কাছে সিত্তে খেটে কেটে নেরেটকে জুলে। ববে বলুন, 'বেখনে তো সিসিনে ।'

নিনিনে' ভার ভাক-নার। খনেক, খনেক বিদ খাগে কাগোড়ে চাইলে বা তাকে ঐ নামে ভাকত। তার বা-র খাছ্রে-ছেলে ছিল নে। খনেক খানা করা হয়েছিল ভার উপর। স্বাই খেবেছিল ভবিত্তত ভার উজন। हारी इंचनरक तारू थान कांगा क्क्टबर नरका ता करक तीन। 'की नडकान रकामाताड ह'

হাতে টুপি নিবে তথনো হাঁপাতে-হাঁপাতে সারো তরতোষিটি বল্ 'ভাজাৰবাৰ, আমাদেব এক ভাই—আহা কোৱা—প্রায় নহত বংসতঃ '

'क्षांकतात क्लांन जात्ना बन्त्क इत्त । वैश्नात्तव नावका स्टब्स् फेंकिंत केठेन जाकातः

নি-না ভাকারবাবু-নে বরতে বংগতে—হঠাং অহার হরে পড়কা কী বে অহাধ\*কিছুই বুবছি নাঃ বংছবুলার এক আভাবলে পরে বংগতে;' এক পা পিছিয়ে তীহণ হেগে ভাকার বন্দ, 'মডেবুলার গুছা তগবান নে ভাবে পথ বার গোলে ভারবাটা প্রায় থেকে পাকা সাত মাইল-

আর দে কী পথ ! 'আজে হাঁ৷ ১লোহাই আপনার, বত পিগগির হয় আল্লম /' অভুনয় কা

বন্দ তরতোবিটি। 'বেটুলির মধ্যে সে'কালো হবে গেছে আর এম কুলোছে বে বেখলে জর করে। হোছাই আপনার, আছুম।'

ৰী ৷ টেটে যেতে হবে নাকি ?' আবাৰ চিংকার করে উঠা ভাকা 'পাৰে টেটে কণ ৰাইল ৷ মাথা বারাগ নাকি ৷ একটা আনবের ব্যক কয়, বয়লে ৫ তোমাকের বছর নেই ?'

প্রা, কুল্লে ( ব্যালানের অভ্য নের )
'আনি সৌকে সিরে এপুনি কোগাড় করার,' আভাভাড়ি তরাভারি উত্তর বিলং 'বাকব কাই থেকে বার করে আনতি !'

ততং হিলও কাৰৰ কাছ থেকে বাহ করে আনাছ।' ছোটো ভাই বেলি কাল, 'আৰি ততকণ ভাড়াভাড়ি বাড়িটা কাৰি। আঠি ।'

এবনভাবে ভাজার তাকার বে পারলে তাকে এবুনি গিলে কেলে :
'আছ হোববার জিনা ভাজারবার' অঞ্জত হতে নেলি ভারাল '

गानाव निरंवत क्यांका नाका हरद (शरक किना करें

াৰ্শ আছিবিত হবে ডাজার বৰ্গ, 'বটে। কৃষি বিবে করতে বাজো। পৰ জা হ'লে এটাকে।' ব'লে ক্ষ মেরেটাকে তার কোলে উলে দিল। তারপর অভ ছেলে-মেরেদের, বারা ভিড় করে বাড়িরেছিল, এক-এক করে তার দিকে

বোহাৰে, বাবা ভিত্ন করে বাঁডিরেছিল, এক-এক করে তার নিক্তে ছুঁছে লিতে বিতে চিৎকার করতে লাগল, 'আর এটাকে,' 'আর এটাকে,' 'আর এটাকে,' 'আর এটাকে'…'সর্গত কোবারার,' শেষে আবার বন্দুল, 'সর্গত কোবাকার ।'

যেন চলে যাবার ক্ষেত্রই লৈ বুবে বাড়াল, ভারপর কিরে এলে ক্য নেকৌকে আবার কোলে নিরে ভালের বন্দান: 'লৌড়ে একটা বাচন কোলায় করে ভালে। একনি নাবো গৈ

ভোগাড় করে আনো। এপুনি বানো।'
তার তাই-এর শিছন-পিছন সিঁড়ি দিরে নামতে-নামতে নেদি
তরতোরিচি আনার হাসতে দাসদ। তার নিজের বরস কৃতি, আর
আন্থনার, বার গলে বিরের ট্রিক হরেছে, বরস বোলো। তারি ছম্মরী
সে। সাতটা হেলেবেরে গ তা-ও মন্তেই নর। সে চার বারোটা, পুরে।
এক ভক্ষন! অবল্প এ-কথা সভিয় বে বীকরবল করল হুটো হাতহাড়া তাহের জীবিক। উপার্ভনের আন কোনো উপারই নেই, কির
হাসির্থে কে-কোনো কাজ করতে সে প্রক্তা। তার হুটো নিদিস
তানো নাগে: হাড়ে চালাতে আর গান গাইডে। কাজ করতে-করতে
সান বীবতে পারে বলে লোকে তাকে 'নাহলা' (কবি ) ন'লে তাকে।
পার বীবতে পারে বলে লোকে তাকে 'নাহলা' (কবি ) ন'লে তাকে।
পারে বাকরিক। বাকর মানিস্থি ব'লে স্বাই বে তাকে পারুক্ত করতেকলভান্তি সে কানো। সন সম্বর্জই লে হানে, সনাইক্তিই বিলোর তার
হাসি—এনন কি আবাল-কান্তেও। রোলে স্কুতে এখনো তার চাকর।
ভারতি হারি। তার একখনাথ কৌকভানো পার সোনাবির হারে ভ্রম্ব

নিবেৰ জ্গীতে নে ভাৰাতে জানে ৷ নেই চাউনিৰ নাৰ্যে কত মেৰে যে নজাৰ বাবা হয়ে উঠেছে ভাৰ ট্লিক নেই ৷

ভার ব্য সালাক্তর ভাই আছে অছ্যে সে ব্যারন যাহছে প্রভাহ ।
আরো ছুর্জননা হরেছে কুলোর আছে। যেরেটা নিকাই ক্ষোর চর্টে
থানবে—কোরা ছুর্দিন প্ররে এই রবিধারের আছে কী ভারেই না
আগেল। করে আছে। আজাকের বিনে অছত করেক কটার অভাত তো
ভার। একসাকে থাকতে পোতো। কিছ কী করেই বা সে কিছু না-করে
ছুগ্টাপ থাকতে পারে। তা হ'লে বে পাপ হবে। বেচারা জুইরমান্ত্র
আছে। তারও বিরের করা পাকা হবে সিরেছিল—আর একেবারে
হঠাৎ কিলা ভার বাখার এই বাল তেওে পড়ল। বছেলুনার নোপেনের
অবিতে গাছ বাঁকিতে বাহান পাড়ার কাছে বে বাহান হিল। ভার
আপের বিনটা কিল পনিবার। হঠাৎ আকাবটা বেবে ভারি হবে
অব। আই বাবে নিগলিবই বে বুটি হবে এনন বাব হটা, বাটাবানেকের
রব্যেই বেবর্ত অন চাব্যতে প্রভ করবে। বাহারওলোকে ভিজে
আর্থাতে কেনে বাবতে চাই না। বাহার-প্রভা বার্থাও।

দ্বে-নেরেরা ক্যাবলো করু কর্মিয়া তালের ছেকে'লে আনেল বিকে গাহাডের গালের ক্যাবে নিরে খোলা হাডাবার কাকে কান্তের। খে-সব গুকুবরা গাছ থেকে বাধার গাড়মিল, দে-বলে ক্ষেত্রীকার নারে। ভরতোমিটিক মিল। তালের নিকে কিছে রে ক্যানার, ইচ্ছে কলে তোলবাত খেলেকের করে দিবে খোলা হাড়াতে পার।'

केवाद क्षेत्रनान्त् बाक रज्न, 'बादि शारण नाते, किन्द शासकात सकृति गीठिन नजारण बासारक विरक्त कृति हो

'ना, क्ष्यू चाथ-विराज करक के शिरतरंत्र शांद्य,' 'नाकी चाव विराजह करक रवाहका रायन चांत्र निवा शाव, रावे विराजद रादवा ह' বাৰ অধিকাৰ, সংক্ৰা কেই। প্ৰথমৰা নিজেবৰ কাল কৰে প্ৰো দিনৰ দে নাইৰে পাছ তা কেব বে পাৰে না তাৰ কোনো সকত কাৰণ নেই। আৰু সন্ভিত্তি, এবিকে বিনে তো'বৃত্তি হ'ল না, এবন কি গাৰেও না।

'ওক বিদে আৰু বিদ্যা এই হিংলৰে আপনি নাইনে লেকেন পু' চিংকার করে উঠন কুইনলাকুত লাভ। 'বেপ, তালোঃ কিছু কাজ আমি কহবো না। আমি পুক্ষেত্র পোলাক পরি, ক্ষেত্রেলের নামরা তো আর পরি নাঃ একদিনে পাঁচিন স্বাহল এই হিংলৰে আনার আম বিনের নাইনে চুকিরে দিনা আমি চক্ষ্যবাই

নে খনক গেল না, তাৰ ভাইবেৰ কৰে নাত পৰীক আপোকা কৰে।
বইন। একদিৰে আৰু দিবা এই হিসেবে বেবেৰেৰ সকে ধোলা
ভাচাৰাৰ কাৰ কৰতে তাবা বাজী হৰেছিলো। ইাছিছে দেবতে আৰু
অপোকা কৰতে কৰতে আৰু বাজী হৰেছিলো। ইাছিছে দেবত আৰু
অপোকা কৰতে কৰতে আৰুবাৰী তাৰ বিবঞ্জি বাব পোল তাই কাছাকাছি এক আজাৰলে নিত্ৰে দে ইইন মুনিছে। স্কীবেৰ নে বাবে নিতেছিল
কোৱা সকৰ তাকে কোন কোকে নিত্ৰে যাব।

নাত্ৰ পেন বৰে ভাষা নাধাৰ-গাছ ঠেডিবেছিল ব'লে কল পছাই ব'লো নাবেছিল। বেৰোৱা তাই প্ৰভাগ কৰল সভাৱ দিকে পিছু বেশি কাজ কৰে, বাকী বাকটা দেখাকেই কাটিয়ে পাৰেব দিন বাত খাকতে উঠে প্ৰায়ে কিবে বাগে। এ প্ৰভাগে কৰাই বাকী হ'ল। ভাবেছ ক্ষতে লোপেন এক গাঁবলা বৰণ্টী পাৰ কৰেব বোভনা বহ বিল আনিছে। বাক্ষাতে কাজ বেশ হৰ্মাৰ পৰ ধানাবেৰ খোলা ক্ষয়িত ন্ত্ৰী-গুলৰ সমাই ভাৱে পড়ল। শিশিবে 'তৰ্মন পড়কলো ভিজে, বেজ স্বাভি-স্থিতাই এক পদলা বৃটী হাম সেহে।

'नासना, चावारवर नान रनानाथ !' चाव रसनि नारवर नर नान रवेरद उन्हन : डेन्डेंड अरनारवरना रहरव কথনো ঢাকা পরছে, কথনো বেব বৈকে বেরিছে আগছে, কথনো পাল, কথনো কালো দেই বেব। চাকট বেন ভার কুঞার বুব, ভাবে ব্যোহর আনক আরু কোনার বাভো কবনো বেন হাসহিল, কথনে আসহিল কালো হরে।

ভূইবলাবৃদ্ধ ভাল নেই আভাবনেই পাঁচে ছিল। ভোর হবার আগে তাকে আগাতে দিবে বাবে। পেখল নে আরে কেইন ভূবে পাঁচ ব্যৱহে আর তার বরজ করিব হলে উঠেছে লালে। হবে।

লাগিতের গোকানে বঙ্গে নেলি ভরতোরচি এই গলটাই বলছিল। গাইট ভনতে ভনতে উত্তেখিত হতে নাগিত তার কুত্রির কাতে বানিকটা কোট কোল। হোট একটুবানি কত, বাবা বারাবার বতো বিদ্ধুই নব। সেই যুক্তে ভরতার দেবা গেলো কুনোকে, সচে তার বা আর বিতা বুর্নিবা—কলে লোকটার অসাববানতা স্থতে অভিযোগ করার সবল পর্বন্ধ সে পেল লা। কুইরলাক্ষ্ম ভাকর সক্ষেই নিতা বুরিবাট বিবের উপ কুরেছিল। কোটি তথন কুঁপিরে কুঁপিরে কাঁগছিল নিজের গোড়াকপালের করা ভেবে।

বেয়েট তাৰ ভাবী খাবীকে বেখবাৰ খন্তে ব্যক্তবুসাহ বাবে ব'লে বাহনা বাহন। বহু কঠে নেলি নিবছ কহল তাকে। বেয়েটকে কথা বিদ নাহের আগেই তাকে বেখাত গাকে—বেহন কঠেই হোক জাকে নিহে আগবাধ বাবহা কাবে তাবা। নেই বৃহত্তে ব্যক্তকুত্তি সারে। একে জানাল ছাজ্যাব বাহনা বাহন। আই বৃহত্তে ব্যক্তকুত্তি সারে। একে জানাল ছাজ্যাব বাহনা বাহন। খাব এক বৃহত্তিত কে বেরি করতে ভালী নাহ। বৃৎসাকে একপানে নিহে নিহেকেনি তাকে অনুনাহ করে বজ্য বৈর্থ বাহে অন্যোক্ত করণানে নিহে নিহেকেনি তাকে অনুনাহ করে কল্য বৈর্থ বাহে অন্যোক্ত করেনে হাত্তির আনোই সে কিবাৰে, তাকে কত্ত করাই না তার বলাব আছে— राष्ट्रिक क्या बाकाते। स्टब्को स्वीत बातक शह विटा वांगा नमा काकार मिरकारमा कीस्टमर धानाडे त्यार तरफ निरहडिन. रविक मागाव बाद कांत्र अक्लाटन क्रिया गारवा, क्रम नाटन ट्रावित। निक्त पंडरकड, बननाई बाद बाहारबद बाहात-छ्या विदार बाह्यदि-উপত্যক। ক্ষুদ্ৰের গোডাগুলো চলতে, যাবে বাবে বানিকটা ক্ষিত্র वक सारमा-नाव देखवित बर्फ दासीत वानर्कना गाफान सरहरू। चानक शुरव नकुछ दावा बांब, कडेकाडे मीन छात्र प्रका प्रका काले, बनानाई चार चारकविडा शास्त्रह किएक शास्त्र माना बदरवद विश्व-मनुष्य वह চোখে পতে, বাধাৰ গাছের হজোখলো কিছ ইতিবধাই পাছলা হতে मान्य करवाह । कारबंद कारबिटक विशव निवक वच नावारक হতে। ৰাজানে-উদ্ভে-জানা বেছ। কিছু ৰাজান পাকা নকেও জনত शहम । (कारन (कारें) बारक नावदकरना । बारन बारन बुरनाव हाका কৰিবন্যা বাজের ওপান থেকে ভাকই আর নীলক্ষ পাৰির পরিকার ভাক কানে আনে। পছ জনে বছৰটা তবে কান বাতা কৰে উঠন। 'जादि भाकि कारनाबाद। जादि भाकि।' इकाद दिख केंद्रेन काकाद। वक मुझेरक टा क्रांत बहेन कारनाबाडोगर गांवाव किरक। नवुव কাপড়ের ছাডাটা কাঁব বেকে ক্রমণ সবে বাগুরার ভার মূবে রোচ এসে

পঞ্চল। তবু দেবিকে ভার খেরাল নেই। खादा क्रुंखांहे नाहन दावाद करक स्कूल, 'बार्गान कर गारक मा।

श्रावदा का बरवड़ि र

निरक्षत्र करक कांकारतर चलके चन किन ना-किंद्र राका-कांकांकोत क्या (बारके हर का शाम । के गांको। बनवाद बीहरत बरहादे छात्र বিয়াশতে বাকা বরকার।

खारक कृतिहरू जावाद करक ह'कारै नद क्रम । स्मानत क्यारे खाता शाहन: त्रव चात्र रहती की रूपन चत्र स्टब्ट् अनाव; चांव नामाव

. (30)

সাহেছ কৰা তো ননাই ভাচে, এ-ছব তো ভিছুই ক্লেমি—এক বছৰ অন্তৰ ভাগেৰ ভাগো কলল হব। আৰু কলনাই ; কলনাইছের কৰা না-বলাই ভালো—এ-বছৰের গোড়ার কুৰাণা কেপে ভাষা বাড় বছ হবে গেছে, বছ হতে পালোও। চাৰীয়া আৰুই বিষে বে ভাবের লোকসাল পুৰিবে নেবে বে সামাও নেই, সে অকলের প্রভ্যেকটা আৰুই গাছকেই বীনেক বোলে গ্লেম্ব

ধী-এক বোগে গবেছে...

'বী ক্ৰম্বৰ কৰিছাৰ' বাবে বাবে বাবা কাঁকুৰি বিবা আজনায় শুৰ্
বক্ষতে সাগদ ।

ইপটা হাঁটবার পার বলার বাবো বাবা কাঁকুৰি বিবা আজনায় শুৰ্
বক্ষতে সাগদ ।

ইপটা হাঁটবার পার বলার বাবো বন কবা বেব হল। এখান বাবে
আনেকটা পাব বোলা চলে গেছে—পুল শাবা বুলোর ঢাকা। বাজরের
ব্বের পাবের বাছে চাবী ছাঁজনের লোহার নাল লাগানো বুটের বাব
বিশাতে লাগদ। নিজের বানেই লারলা গান বরল—কিন্ত খাবদ চট
করে। কোনোনিকে অনবানবের বেবা নেই। রবিবার ব'লে চাবীরা
বাই উপরের আনে করেছে। কেট বা বিবেজি বাবে, কেট বা কেনাকটা
নারবে, কেট বা করবে ছাতি। ব্যৱস্থার ব্যৱস্থা ক্রম্বন ক্রম্বন
কাঁহে কেটবা করবে ছাতি। ব্যৱস্থার ব্যৱস্থা ক্রম্বন ক্রম্বন
কাঁহে কেটবা করবে ক্রম্বন বাবে বাবে কর্মাক ক্রম্বন বাবে ক্রম্বন
কাঁহে ক্রম্বন ব্যব্ধ একা রেবে করাই চলে ক্রম্বন

चात्र मणिहे तथा तम तमे हुर्नकार चाणायतम द्राव्हांकुत गात्य अवना नत्य चारह त्य, मारा चात्र तमि तस्त्रमी चार्काकुत नित्वहित प्रिम त्यांन पर्वा । तमि कीवन स्ट्राल्ड, कुर तस्य चात्र क्रमात्र तम तमे क्षेत्र चाि करहे निवान विद्या । वस्त्र प्राच्या चात्रक नात्मत चानमा विरव ताम च्यम चात्र सूच नाक्षत्र, तम्बूच त्यांना पाल्ड काममा विरव ताम च्यम चात्र सूच नाक्षत्र (तम्बूच त्यांना पाल्ड वर्षण चाल स्ट्र मा। नवक्षत्र आचा स्ट्राल्ड त्यांको चात्र त्यांने वाह मा। तमेको आचा स्ट्राल्ड त्यांना वाह्या গরহিল। বাদ জনলে বনে হর বেল রৈগে গর্জন করছে। এক টুকরো বাদ ভার কালো কোঁকজানো চুলে আইকে বিজে রোকে রক্ষক করছে।

তাকে বেখে কৰেক মৃত্যুক্তি কভে তাবা ভিনাজন বৰজাৰ বৰকে বীড়াক।
কেন আতাকে অবল হবে গোছে। বজৰতী আন্তাবকেৰ বা বেঁথে বেজের
উপার বৃত্ত ঠুকে নাকের ভিতর বিজে বন্ধ করতে বাগক। তারপার
সাবো তরতোহিটি বরপাপার লোকটির কাছে বিজে নজেহে বজুল,
'ক্ইবলা। ক্ইবলা। এই দেখ ভাকার অসেছে।'
নেনি জানোনার্কীকে বন্ধনাথার তাকের কাছে বীধনার জভে নিবে
গোল। বেলালে একটা বাল, বেন আবেকটা কছর চারা—সাধারণাত বে-

शाशकारक अवादम द्वार हाथा वह अक्री कावि-नाहाविम तम त्वहारमह

बोक्ट कालांबाड (क्ट्री चाव-अक्वाड क्वा ड'व ।

হাপানি থানিরে কোনো বছনে চোধ বেলুল দে। আততে তরা তার চোধ হুটো উপটকে লাল, চার্টিকে কালো বেখা। বীক্ষম বুখটা হাঁ করে দে বছকর পথ করতে লালল, বনে হ'ল তার বর বুলি পলার কাহে এলেই বর হুলে বাবে।

'चावि---व'रत (त्रनाव---

हरन शा बरन ।

না, না,' খাওঁ বাবে ভাড়াভাচি কৰাৰ বিদা সাবো। 'এই বেগ ভাড়াৰ ভোষাকে বেখতে এসেছেন। আৰৱা তীকে নিবে এসেছি। তীকে কেবতে পাছে।'

বৃষ্ধু আৰু কাতৰ বাবে কাল, 'বাবে---নিবে চন--ত বা, বাবো--/ বহু কঠে ইাপাতে-ইাপাতে কৰাজলো লে বন্দ। ছটো টোট এক কৰতে পাৰল বা।

'सिह्नारे, किहारे चारता बिटा गारता। चारता अन्ते अहत आसहि।

और करबा,' करबंदर बानान गाँदा।

তোষাকে স্বামি কোনে কৰে নিয়ে বেতে গারি জুইবলা, তার পালে ভাড়াভান্তি এনে সুঁকে পড়ে নেলি কল্ল। তার পোরো না—ভূমি সেবে উঠবে।

পেদির পর তলে ক্ইলান্ত আচ বীবে-বীবে বাধা দিনিতে ইকটনে চোধে বিহতাথে তার বিকে তাকিরে হইল। বলে হ'ল এখনে তাকে চিনতে পারেনি। তারপর হাত বাড়িরে তার তাই-এর কোবরে বাবা বিকের লাল ক্যান্টা মুঠো করে বছল।

'বারে কে--ভূবি নাকি গু

हैं। हैं।, पानि । पानि (समि । किंदू (कर ना । (केला ना क्हेरक). (केला ना !--(काँगाव किंद्रहें क्वनि !

বোদীর মুক্তর উপর পে হাত বাবল। আরু ছ'পিনে-ছ'পিরে শাগদ কারতে, বিভ পরা বিত্ত হোলো বর বেছল না। করেব মুর্ত বর্ত কিবল ক্রেটা করে লৈ অতার বিজ্ঞান হবে বাবা বাবদানি বিল, শেনটার কুক হাত বাহিত্র নেশির বার্ডটা বরে নিজের কারে টোলে আনন। 'আবারের একট বিনে বিত্তে হবার করা হিলো--' লে বল্ল। জার গলাবেকে হাতটা বৃদক্তে-শুক্তে নেশি উত্তর বিল, 'কির্মুই—একট

कांत्र गणा त्यांच शाको पृत्राक-पृत्रत्य तानि केवत्र सिम, 'निकाहें—अर्थ मत्य चाचात्यत्र वित्व श्रद, जात्क त्यांचा कृत तार्वे हैं

ইতিমধ্যে ভাজার রোখনে পায়ীকা কয়ছিল। অন্তর্জার্কি প্রাাওসেঁ সে বিবাহে তার কোনো সন্দেহ হবল লা। 'আছা বল তোং' লে এর করল, 'ভোনো পোকা-ভাজতে কানভাজে ব'লে কি বলে পজতে চ'

জাত ৰাখা নাড়ল। 'পোড়া ৰাজ্ড ह' এই ভয়লে নাহো।

নেই ছুই নিবৰত চাৰীদেৰ ভাজাৰ ভাৰ সাধানতো বাগণাচটা বোধান। কিন্তাই কাছাকাছি কোনো আনোবাৰ চ্যাখাৰ্স বোগে বৰ্তেহে খাব ভাৰ স্বভাৰতী কোনো বাগাৰ কেনা ব্যৱহা। অসংখ্য নাছি কলে ातरक कोड केनकं। त्यहें बाहिक्दमात बरदा अकड़ा केरक अटन काक्स त्यह से द्वारंगत कि वृक्तिरव विरवहत ।

ভাজারের বোঝাবার সরত্র আচ বেরাদের বিকে বুধ ভিরিবে মইল।
ভারা কেই জানলোক না বে বৃদ্ধার বাহনাট নারাকণ নেবানেই ব্যরহে।
এতো হোটো বে প্রার বেবাই বার না। সে আর কেই নর—ভারের
কেইবানে বলে-বার হোট একটা নাছি। এবনিতে মনে বর বৃত্তি চুলচাপ
নাস বাহে কিছু কাছে শিল্প ভালো করে লভা করনে এটাবে পঞ্চে
নাবে নাবে সে ভার হোট ভ'ডটা বার করে চুলতে, নর তো নাবনের
পাছেটী বলে বর বৃত্তি চুলচাপ করে করার করে কেন্তের।
ভারতার ব্যরহার করার করিছে করিছার করে কেন্তের।
ভারতার করার করার ব্যরহার করার করিছার করিবানের করিবানার

ভাজার তবনো কথা বলছিল, হঠাৎ নাছিটাকে জুইরলান্ছ দেখতে পেল। এক বৃষ্টতে দেখিকে তাকিনে বইল লে।

একটা বাছি--কুবতো এটাই, কুবতো মন্ত্ৰ—কে আনে গু এবন জান বাদ প্ৰচাহ বাট কাল বৰ্ষন বলে-বলে আবছিল ব্যোপেনের বালানের বোলা হাড়িত্রে কডকণে তার ভাইতা আনুবে, একটা বাছি তবন আরি বিষক্ত করেছিল ভাকে--কোটাই ভি গ

হঠাৎ ৰাছিটাকে সে উড়ে যেতে দেখন। চোথ কিছিছে সে লকা করতে লাগন কোবাছ নেটা হায়।

তই বা ! সেটা বে বেলির গালে বলল । গাল বেকে নির্নেক গোটা ইই কিপ্স লাক বেকে বুকলির উপর, ডারগর নার্লিকের ক্ষরে বেখানটার কেটে গিয়েছিল, মিক লেখানে বনে পেটুকের যতে। খেতে নাগল । কতার মন বিত্তে সেটাকে বেখকে-বেখতে কুইরখান্ত্র আদ গতীর চিন্তার আহর ক'ল । তারগুর বহু কটে কথাজলো উজারণ করে মুবুরু বারে মার করন, 'একটা রাছি ---একটা নারিব গাল এটা নার্লিকনাই, কেন একটা নাহিব পালে এটা নার্লিকনাই, কেন একটা নাহিব পালের বা পূ' উজারে বল্ল ডাজার। আর কোনো কবা না বলে কুইরখান্ত্র আদ নাহিটাকে লেখতে লাকন।

অধিকে আজাবের কর্মার নেদি এবন করার মুবাছিল গে নাছিলাকে আজাবার কোনো ক্রেইছি করন নাঃ আজ আর গুরুল নাঃ আজাবার কেনাগত করা বাল নাকে, একে লে বুলি হরে উঠেছে। কারণ নোল পাধরের মুতির মতো নিন্দাক হরে তার করা ওনতে, তার নাম্বর নাম্বর নাম্বর কিবলার বিকে। কনে মুবের উপরকার নাম্বিটাকে লে লকাই করাই নাঃ কী বজা। এবারে সভিন্তি তারের বিরে হবে এক স্বোক্তান তার তলল তাই-এর নিটোল বারা আর বিল অবিভাগ সেবে একটা গভীর কর্মা আর ভোঁতা নিবেবে তরে উঠেছিল তার বল—কেবলি বলে হজিল এই কুমার জীবন অকমারে কো তার বল—কেবলি বলে হজিলা এই কুমার জীবন অকমারে কো তার বলক বার বিরিবার কেবলা হছে।

পেনে এক নবৰ নৈদিন বনে হ'ল কে নিছু একটা ভাকে কাৰ্ডাছে। হাত ভূলে নাছিটাকে লে ভাজিতে দিল, ভাৰণৰ বৃত্তনিও কোনটা কেটে নিমাছিল স্থোনটা জীপতে লাগদ। ভাৰণৰ দিকে কিতে নেখন একস্ট্ৰতে ভাৰ নিকে লে ভাজিতে আছে। কৰু লোকটিব বীতৰন ট্ৰেট ছুটা এক বিজ্ঞী বালিতে কুঁকতে উঠাতে লেখে ভাৰ একটু অধান্তিই হ'ল। কিছুকৰ ভাষা প্ৰশাহৰত বিকে ভাজিতে হবঁদ। ভাৰণৰ, কে নিজেৰ অনিজ্ঞানতেই ভাল ব'লে কেলদ, 'ছই বাছিটা-

त्वित वृष्ण मा । ठाउ वृष्पत छेनद पूर्ण नाइ व्यव सम्बद्ध 👫 स्वारत हैं 'क्षे राष्ट्रिके...' बॉक चानाद स्वत ।

'(नाको १ त्वाचार १' चांचवित्र शर बाकाइडर विरण धावित त्वांन नार करता'

'ছব যে ভবানটার--বেবানটার ভূমি ববছে। --এটা যে বাছি-আরি কেবলুম ভটা বাছি--' বলে লাভ বীক্ষপ্রভাবে হালতে লালন। ভাজারকে নেখি ভার পুতনির লাটা ভারতাটা বেবাল।

'ववानोव नी शहर स्त्म का ? शैरंग बनाइ-..?

বাবসাচী আলোঁ করে পরীকা করে ভাজার বেন কেন জরই পেরে সেল। ভারপর আবো অলো পরীকা করবার জ্যেই বেন মিরে সেল বাইরে। সাবো চলুল ভাবের সিয়নে।

তাৰণৰ কী হ'ল ? গজীৰ উৎকৰ্তাৰ কালতে-কালতে জুইবলাৰ্ছ আৰু
অনেকৰল অপোকা কৰে বইল, কিছ কিছুই আনতে লাবল না।
অপাঠ ভাবে লে ভাবতে লাগল বাইবেকাৰ কৰাবাৰ্তা। হঠাও যুৱজাৰ লাবো বাবে চুকে জুইবলাৰ বিকে না তাকিবাই বকাবাৰৈ বুলে ভাভাভাজি আনাৰ বেটিৰে পোল। লে বিক্ৰিক কৰছিল, হা জনবান।
আবাৰ কোলি---আবাৰ কোট কোল--

তা হ'লে সভিছে ভাই ৷ তারা তাকে কুকুরের বডো কুকুরে বুখে একা কেলে চলে সেল ৷ কোনো রক্তর কুকুইতে তর দিয়ে উঠে কুবার লে ডাকল, 'লাভো---সাবো---'

নৰ চুপ। কোখাও কেউ নেই।

নিজেকে আৰু নে কছাই-এব উপর কর বিবে বাজা রাখতে পাবদ না, বেকের উপর পড়ল আছকে। প্রাবেহ এবিকটা বে কী বকন নিজৰ হরে পেছে সেটা বাতে লক্ষ্য করতে না হর কেজতে কিছুকণ নে বজের বিছানার বুব প্রজে পড়ে বইন-কী করের ভ্রমতা। হঠাৎ কার সংলহ র'ল সকল বাপারটাই একটা ছবেল নায়কো দু অবের বোরে সে কয় কেবছে না তোঁ দু কিছ কেবাকের বিকে মুব কিরিবে আবাত সেই বাছিটাকে সে কেবছে পোন, একই জারগার আবার এসে বাসেতে।

क्रिक, क्रिक १ करें एका क्यांत्यने तरावाद को। !!! बारव बारव कांक द्वारि कोंकों एक करत दन इनावा, सब एका कांक नांसरमा भा कूंग्रों एका कृषित नाता करन करन क्रोनकी शक्तिकांत करत एक्ट्रात !

—কামাক্ষরবাদ চটোপাব্যাদ



## শাইমা

বিষয়ৰ হাত থেকে চিট্টিটা হিনিয়ে নিয়ে নিনোৱা নামফুনি অভিন নিখান কেলে বৰ্লুলন, 'বাচা গেল।' হোৰ থেকে কৰে চিট্ট এনে পৌছৰে নিনোৱা ভাষেই দিন জন্মিলেন। এটিয়ো বোহিকে জনি ব'লে দিলেছিলেন্ একনিনিয়ার ছেলেগুলে হ'লেই খেন সম্ব বৰ্ষ দিয়ে চিট্ট লোগ। এ সেই চিট্ট।

ভাষাভাছি পান্নেটা পরে তিনি চিট্ট গড়তে ছ্বৰ করণেন। জাহাই টেনিপ্রাম করে আগেই জানিরেছিল বে নেরে খুন কট পেনেছে, বালিও ভবের কোনো কারণ ছিল না। এবন চিট্ট গড়েই বোরা গেল গতিটে বিগাছের সন্থানার ঘটছিল। এবন কি পের গর্বত রাজীবিভার বিশেষক প্রকাশ ভাষাকও ভাষতে হয়েছিল। মোহি লারও লিখেছে যে পাছে বর্জক-শাভবিক ভাবনা বাড়ে ভাই আগে নব করা সে জানারনি। এবন পরজ আ করা, ভাষণ ভালোভ-মান্ত রাগারিটা তো চুকেই গেছে। ক্ষরেশাক করেছে বে প্রকাশ করে বাগারটা তো চুকেই গেছে। ক্ষরেশাক করেছে বে প্রকাশ করে করা নারেক একবা নারেক করা করা করে। করার বেকার করা করা করা করা করার বিশ্বতার করা করা করা করা বাজের প্রার্থকী করা আর বিশ্বতার করা করার করা করা ভারতিই।

'কি কথাই নিগৰছে, হিন-ভোগা ক্তো গৰতে হাজেনি, নিরেট মুখ্য কোথাকার।' বাত চিঠি গড়েন নিমোরার তত বিরক্তি বাড়ে। কটাই কতে এবিক ভাবিক ভাবিতে দেকেন। হাতের কাছে কাউকে পোনে নেন নানার বাল নিষ্ঠিতে দেব।

'लाकड़ि की नित्बत्क तक । त्याकाव बाहेबा त्यातक त्याक ब'त्य प्रमात

া। কেন তে বাঁপু হোকের সোক কী লোভ কাল দু নাইছে দেশি
দিনে, এই তেওঁ পোন্দিরী হান্ত দিনটো। ভালো নাইকে বিজ্ঞ ভালো
টে রাথবার কোন্ত বার্ত্তীনাটানি, এবিকে আবার সোভানিন্দী। পান্দর
কোন্ত তো হান্ত পেতে বিধিয় তান নিরোহল। বি হি বি, এরনিনিন্দার
লোলে একও হিনা। নিনিন্দি বেকে একটা গোনো ভূত বাবে কর
হলেকে বুকের হুব বিত্তে নাহুক্ করতে। ভাকে নিরে ও কোন্তী বোকের
ভারে কেককে কোন সন্ধার দু চাবাতে বেবেকে বুনিন্দর্গ পরিবে বিক্সেই
ভালে আর নার্স হ্যা না। বা নোবো, লাবিল করে আহতে ভালনের
াবের বহনা বারনা। বুবা কোবাত। শাহাক্তর দ্যাহাকের
বাবের বহনা বারনা। বুবা কোবাত। শাহাক্তর দ্যাহাক্তর গ্রাহনের
বাবের বহনা বারনা। বুবা কোবাত। প্রাহাক্তর দ্যাহাক্তর প্রাহনের

क्ष्मा क्षेत्रिक माधारमा इव नि तमन । चाथ (बाल-क्षेप्स व्हारमा ।वि १

গলোর মানজনি এনে চুকলেন। এ নানিশটা তাঁর প্রাভাবিক। এইমাজ ানী ও বাঁবুনিকে বকে এসেছেন।

াৰ কিছুতে এত হোৱাক দেখাও কেন বলো তোণ কানোইতো চায়ার এ বাড়িতে কাজের কবনো কাবাই নেই ে

টে, বেগ আছু বা হোক ৷ বলি আমার কাজটা তেখে দেকেং?
নাম্ম স্বত্ত বা আমাহে ব্যৱহৃত তেখার ভই সাবের আমাই-বাবালীয়
বিটা পালে সময় কাটাতে পার ?

विनिवाद क्या निरम्ट दृषि !

'नास्कृष्टे स्वया ।'

দিনোর নাজ্জানি কৰে কই, কৰে কুই। বিদ্যা বাবাৰেত কৰা কুলে দিয়ে ডিটি পাসতে কুক কয়দেন। পড়া দেব হ'ল। ঠাক করে চিটিটা বাবে প্রতে পুরতে বন্ধকেন-'বেল হরেত। বেবনটি চাই টেক কেবনি একটি বাই পাক্ষা বাবে।' দিবোর, বানজন্মি আরই একক 'অন্তঃকালা' বাবে। এ বেল হঠাৎ আলোহ বনকানি- ঠা নিজেব চোকাই বিদ্যান বাধ। ব্যবদা করে উনি যে প্রচুর কর্ম করিছেছেন উর বারণা কর এই প্রেরণালয়। একটু করিবানের করীতে নিনোরা বন্দন্ত, দ লোকটাকে জনি গ

'छिका मान्द्रवाद दर्ग ।'

'िखाद तो ? धरे नाने कावताद ?'

'চূণ কৰে।।' 'ঙই লোক ক্যাপাৰার স্বারটার বৌ হ'

चर द्यान कार्याचात्र मुनात्रमात्र द्या चारक त्यारकामा तककि ।'

'त्मनवामात करवतीत तो त्वकारमः...'

'আবার একটু বৃত্তিরে বলতে লাও তো। বেরে মান্তবের বৃদ্ধি আর কত হবে গু ভগবান তোনাবের বাধার মন্তিভের বরলে গোবর পূরে বিরেছেন। আন্তর্ভালের নাবান্তিক ব্যবহার---'

অবাক হতে নিমোর৷ জিগুগেন করলেন, 'এর মধ্যে আবার নারাজিক অবস্থার কথা এল কী করে ৮'

'আনে বৈ দি, বছাবাজো আনে। এই বারানা, আরবা বাবা বাবার বাব লোবে কেনে বাকে বলে বুকের বক্ত জন করে ছুটো গরনা জনির্বাচ, আনাবের সাবনে এখন কী রবেছে জানো গু একটা জনিভিক্ত সংকটনৰ অবিশ্বত। নাধার চকচে কথাটা গ'

'की ता नगरहा जात नावाकुष्ट देनहें हे

তা কো বলবেই। সাবে বলি তোবালের নাবার বোবার পোরা। । রাগে গঞ্জ গঞ্চ করতে করতে সিনোর অস্টিকুভাবে একটা চেরার টেবে প্রীর সোবের কারে সিরে বসকেন। চাকরের। পারে আড়ি গেতে কথা তবে কেলে নেই তথে কর্তা গলা নাবিরে বল্পতে কল করকেন— 'নাকরেরাকে কটির কারবানা থেকে ভাড়িরেরিকানে কেন আনো। গু ভর রাখ্যার কনকাগরবের ভূত মুক্তিক্র বলৈ। !

'बर्फ चीड 'काबीड मारहड बाबाडे त्यादिएक की काबाद बरका त्या र एन त्यस निएक संबदना ना ट्यांबाव को जावानिक वेकिसोप शास र निरमात स्थीत करत क्रिकेट फेंडरबन, 'क्का न मानाव करते। क्या प्रमाण দেৰে কি না গ ৰোৱিত্ব ভাতে বেতে বিবেচি কেন-এট জো গ প্ৰথমত যোগি চৰংকাৰ ছেলে ভাই--বিজীয়ক ভোগি সোলাভিন্ট জাই। বিবেটা चारां ग्रीतिन गरेंड अस सकर बाल त्यावित ब्रांगडे इस विविधितांत । বে সৰ সকুৰেৰা আমাৰ কৰিখানাগুলোৰ কাম কৰে ভাৱা আমাৰ এও राजित करत तक्त बारता। यहे वृद्धि तहे तहा बानार तक्यन करत। যাক গো লে সৰ কথা—এছিছোৰ সঙ্গে এ ব্যালাৰটিৰ কোনো ছোগ নেই। चानि रमहिमान किला राक्टबार क्या । क्रीर कारबाना (बटक निवार তো তাকে ছাডিছে। হতভাগা বেকার হবে ক্যা ক্যা করে ববে বেডাল। ठावभव रावे मा वाकावाकि कर क्वन-क्वमि करवन, छात्रभव गानांगानि। अबन चाबि त्व क्वा बनाए हाई ता होन और: चाबि नक्तां मक्ति-किंद बादारता का बन्द दल अन्ते। नर्शर्व बारह । जारे चावि क्रिक करवड़ि ता बाक्सबाद तोक्रेस्क चानित्य त्वर----अक्डे। पार्डकाम क्रिकि corb शामित्र तक ceita-coulen शिरक (बारकी) ঘাৰাৰ নাচিব লাগীবভি ককত।

নিনোর বানজনি আরে। অনেক বৃক্তি বিতে বাজিলেন, হঠাৎ থেবে বেলেন। নিবোরের বালের উপর ছিল অনুত একটা আঁচিন। বানীর ফকটা বৃক্তির ভাহে বখনাই হার বাববার লয়বনা হয়, তথনাই নিবোরা এই বিক্তুবিদ্যাকার আঁচিনটার বিকে বিরুদ্ধিতে ভাবিরে বাকেন। এই ভাজিবোর বৃদ্ধির বিতে নিবেক্যান নিবোরের কথা অনিরে বার, তিনি বাজে বৃদ্ধিত ওক্ত কংলন। তিন ব্যানবরের অনেক আবেই আলোকার বৃদ্ধিত এইক বালেনেক

किमिटक बरका क्वांति काम त्यन चामान महत्र हाना करत है

নিনি একাবারে কোঁটোয়ান ও চাকর। বাবে কোট নেই, শাইনের হাক; ভটোনো। নিনি এনে বয়মার কাছে বাকান। বর্তার কাছে কন গড়নে নিনি বাত করে করে হালে—ভটা তার কভাব। এর বৃদ্ধির উপর প্রবাদ কেই নিনোরের কেবন একটা আহা করে গেছে।

তিকা বাকরোর বৌ কোবার বাকে জানিস পূ'
'আছে হাঁয় তর, ব্রেটি'—লিসি বন্দ্রন। একটা বোকাটে হাসিতে ধ্র

'বাজে হা। জন, বুৰোই'—নিনি বল্লে। একট বুৰচোৰ উত্তাসিত হতে থঠে।

ট্রিক সেই বৃষ্কুর্জে নিসির বৃদ্ধিত্ব ভারিক করার রজ্যে অবস্থা নিনোবের ছিল না। 'কী বৃক্তদি, হতভাগা গু' তিনি চেচিতে উঠলেন। নিসি একন একটা সক্ষম ভব্নি করল বেন কর্ডা ভাব নিঠ চাগতে

विराम भारति । विराम काम काम काम काम हम्मूर ।'

'बगरम अन्मि अवारम चान्रक, चर नरक कवा चारह ।'

কিছুপণ গাবেই গিনোর তার চাকরের অন্তুত তৎপরতার প্রমাণ পোলেন। তিনি ও গিনোরা তখনও বাঙরা বেদ করেননি, এবনি সহব বাঙরার বাবে এবটি বেলে একে চুকন। কোলে তার চুমানের পিত। এ আর কেট নম—তিভা নাকলোর বৌ আরিছিল।

সিমোরের পারের কারে পড়ে বেরেট বসতে লাগন, 'কর্চাবারুর বরার দারীর। মাপনার রাজ কুট বিদ, একবার চুবন করি? ক্রিট্রি আর বি বোরগোড়ার বাঁড়িরে বেকে সব দেবার। ভারিট্রেট্রী নামনে বাঁড়িরে দিনি, রবে তার মাকশবিস্তুত মাজাবের হানি।

निरामा बोक्सिस सूच स्टब्स रहवां सूढे केंक्स । और संग्रंथ आविकार कित रहम क्यां स्टब्स्स, विश्वक शहाइन रुवसि । अ केर्स्स किस शक प्रशिद्ध सिराम, वरकात विरम काविरद्ध टीविरत केंद्रमान, 'रारहांच वर्गाद क्यांन रवरण । मिनि, कृति रारहां या । अविरम करमा । अरम की गरमह परमा दावि हैं আরিটিরা ভবনও ইছি কেন্তে বনেই আছে। "নিনি বনছিল ভিত্তা ভিত্তে আগছে, আগনি ভাকে জেন বেকে হাড়িতে আনছেন।"

কৰা তলে নিৰোৱ লাকিৰে উঠকেন। 'ৰাড়াঙ, বেখান্ধি ৱাদকেনটাকে ট নিনি ততকৰে নিট্টান বিবেছে।

নক্পভাবে সিনোরার বিকে তাকিরে আরিচ্চিত্র আছে আছে উঠে গড়াল, কব্লে, 'ভার্লে কবাটা সন্তিয় নয় গু'

খনদ কটে ভাজে বোঝানো গৈল বে, সিবোর নান্যানির এ বিবার গোনো হান্ত নেই। ইছে খাবলেও তিনি ভিরাকে হানিবে খানতে গারেন বা। সিনোর ওকে বুবিত্তে বলকেন, 'বেব, খাবার কটিন গারধানা থেকে ভিরাকে খানি হানিকে হিছেছি বাট, কিছ মুনি ছো নিজেই সেখেই ওর কতা খাপরার খানি বুব মুক্তে নবে গেছি। সমেছি কেন গুলোরা বিকে ভালিতে। প্রেলেবেলার মুনি খাবার বাহিজেই বাহ্ব হরেছ। এবনিকার মুনি ধেলার সালী হিলে। এ সর কথা কি

দিনোর কথা বলছেন, এদিকে দিনোরা জীক দুইতে আরিছিয়াকে পথে করে বেবছেন। ভাবছেন। ইয়া, বাইব গোলাকে ভাকে বানাবে 'ভালো, লাক করানে নোনাকি চুল বাবা গাবে নানেও জীক চভানে—
পোলা, লাক করানে গোলাক। জীন বেন করনার চোবে ভার পারতে সভা
ক্রেয়াকা করি কেবকে গালাক।

বৰ কৰা কৰে আমিজিয়া বেন আকান থেকে গৰন। নিজেই শিক্তীকৈ কৰে ক্ৰোত্তৰ সাধাৰ বৰ্গ, 'আমাহ খোলা—ভাৱ দী হবে চু আৰু কে ক্ৰেবে হ'

শিক্ষীকে বুকে চেলে কোৱা আবার কাবতে করু করলো। আছা আবার, কুমনি নে, তোর বাবা আব দিয়ে আবাত না।" অবকরা চোকে নিবোরার বিকে ভাকিতে অনুনি, 'কর বাবা করে বেকেইনি, আবানের খোৰৰ লোনাকে লেখেইনি ।'

্ৰিনসিনিয়া ভোকে বে ৰাইনে বেৰে ভাই খেকে কিছু ৰয়চ কা ভোৱ ছেনেকে দেধবাৰ লোক চেৰ নিনৰে i'

'দিনোৰা এবদিনিয়াৰ কাছে আমি তো গুলি হয়েই বভাৰ, কিছ বে অনেক নূব নেই বোৰ !'

নিনোর বানজনি ব'লে উঠলেন, 'বৃহ আবার কীরে। এ হ'ল রে দীনারের বুগ। গাড়িতে চেপে বনলেই হ'ল, বেখতে বেখতে বোহ-পৌছে বাবি ।'

আরিভিয়া বন্দে, 'আজে দে তো টিকই। আবি পাডার্গেরে রখ্যা থেয়ে माइव । की चानि, काबाब नव बाहित्व क्लव । वी क्रांक कात-দিন এক পা বেক্টনি। খার তা ছাড়া কড়া তো খানেন খানি খা আৰাহ শান্তভি এক বাভিতে বাকি: বেচাছা বড়ো ৰাছব, ভাকে এক काल बाहे की काइ र किछा बारत बारत बाल श्लाह खानि त्वन छ बा-व स्थाकरना कवि । की करहे एवं शांकि की बनद १ अक्टिक खारा अहे त्यांकी अनिरक नवत नक्षत्वत के पूर्व ता कृषि। किक्रमिन बार ভাৰতি, কাছ হাতে ছেলেটাৰ তাৰ বিৰে কোখাও একটা কাভে লাগি चलारवर मामार : बड़े। चड़े। विक्रि करत कारनायरक हालाकि। ब कार हमारम विश्वविम शत्र चात्र कृत्वेक्तिक बाकरव मा। विरुद्ध संबद्ध किन्ना कर गांव करत यह गांकिरहर्दित । अपन किंद्र शांवि विवेदिक करता विभिन रहा । किरत जारन के बचन राजार बाक्रिका जवनम काका, चारि एथन थरक जी बनाव ? किया दृष्टि कि आज्ञारक काथ कडाएड (सर्व) ध्य गाँ तमाक, ठाकतित क्या कार्यादे कुन्नद्य मा। छत्य निरमाव जर्गनिकार कारक रहि गांति---बाका, जरू काक करा शक, बाक्किट अक्तान रहन *(व*नि ।

'क्बि क्यानो। क्वानि ठाँदे । कामरकत बरवारे दक्काना साम हरूप हरूप ह

क्षातिक्रिया एक कीनाव नाक्ष्म । 'कागरकरे । बाव्हा (याक नावर कि शावर वा कागरकरें कामांच ।' असे नरेल इरल रहता।

চাহেই একটা গদিতে ভয়া বাবে। ইতিহায়ে দিনির কল্যানে বিয়ো ভবৰ গাড়াবর বাট্ট হবে সেকে বে ভিডা হাড়া পেরেছে। ভিডার ঢ়িনা তাবের হোট্ট একতলা বাড়িনার এক কোনার বাঁতে কল্যাক হবে হাড়ন পোরাছেন্ন পাড়ার বেবেরা তার চারবিকে ভিড় করে একে চালা। ববাই একবাজ্যে সিনোর বান্দ্রালয় কণ গাইতে ভক করে বন। 'বী তার বহার পরীর।' বৃদ্ধির বাবাটা বৃদ্ধের উপর বঁুকে চেছে। বাকে বাক্তে এক-আববার হাঁ-ই। শব্দ করছে কেটা বৃদ্ধিত নি বিরভিতে ট্রক বোবা বাজে না। চোবে কেবন কেন ব্যাকের বাটা

তিবৰো আরিচিয়া এনে সোহ গোড়াই গাড়িয়েছে। এই কাছে দৰ্ব পো পোনাই পৰ নিনোৱেৰ ঋণগান এক বৃহুঠে বছ বাহ গোল। বৃদ্ধি ধাৰ মূখ ভূলে পঞ্চনীকেই দিকে ভাকাল। তোপে তাই কী তীয় স্থায় তি। মানক্ৰমি কী গুৱাৰ কৰেছে তলে কাপতে কাপতে উঠে গাড়াল। নাকে জিবলেল কৰল, 'বী কৰাৰ দিনি। গ'

নারিচিরা কাতর বৃষ্টিতে প্রকীদের বিকে তাকাল। তাববানা এই— তাবরা তাই, বৃদ্ধিকে বৃষ্টিরে বলো, এ কাজটা হাড়া আবার পকে চিচিত হবে বা।

গাওড়ির ক্যার উভরে বন্ধ, 'আমি কলেছি ভোনাকে জিগুপেন করে নানাব ('

্তি বেলে টেচিয়ে উঠম, 'কাৰ হবে না, বিস্তৃতে হবৈ না বলে বিজি /: বার একবার অনুসরের বৃষ্টতে পঞ্চনীবের বিকে ভাকিরে স্থারিছিলা প্যান, 'আমি ভো চাইনে বেতে, কিবা---

अनाव इ-अक्कम अरम वृक्तिक रनावारक मानम-रने पनि अ प्रराम

होएए छरन वह रनांकानि हरन। कांको। निरम धरस्य छिनकै वाणिस्य अको। विरक्ष कर।

ওলের মধ্যে একজন এলৈছিল কোলে হেলে নিয়ে। হেলেকে বাই বিচে বিকে নে বলে উঠন, 'কুই বিকু ভাবিননি, তোর হেলেকে আমি বেবন ' এই বেব ব'লে হেলেটার মুখ বেকে' বোঁটাটা বুলে বাই উঁচু করে বচ বিদা। কিন্তি বিবে মুখ্যে কোৱারা মুখে কোনে এবে পাছতে লাগন কাও বেবে স্বাই কেনে গভাগতি।

কিছ বৃদ্ধি সহজে উলবাহ পাত্ৰ নত। পঞ্জীদের কাজন কৰাত কান দি না। গলা কাটিছে চিক্সার করে বৌকে বলুল, 'বাল্ তো আবার মাধ বাল্। আবার কথা না ভূনিস তো তাল হবে না ব'লে রাখছি। আবা শালে তোহ সর্বনাশ হবে।'

আছিল। নোকি অন্যাহ কৌনন-এ—নেগৰুদ-এন ট্রেন খাসতে দেবি নেই
নোকি লোকটা বৈটে, কাৰ ছটো উ 'চু—বোগা পরীব। দেখাদেই মা
হৰ বক্ততেৰ লোক আছে। কীৰ্ বুধ কাকিলোকে আছে। অন্যাহ
কাৰতে কৰতে ওচ বিবৃত্তি বাব গেছে। ক্রমাণত শান্তনেটা নাকে
উপত্র লোকা করে বনবাত কৌন করছে। অন্যাহত পাঁতুনেটা নাকে
উপত্র লোকা করে বনবাত কৌন করছে। অন্যাহত কুলাই হাডভাবে
স্বাহী বিভিন্নে কেমন একটা অহিব ভাব। কোট্ট ক্রমাই ওভাব-কোটে
পাকেটবজো বন্ধকাগাতে ঠালা।

अवस्य खन ककारीड कार्फ नित्व सिन्त्न कडन :

'আছা মণাই, নেগৰ্কনা ট্ৰেটা কৰম আন্তে—বলতে গাঁৱেন 💅 ্ 'বাড়ি চল্লিৰ বিনিষ্ট দেট ।'

'ब्रालम की, प्रचारे। इतके त्वा, जात्म काल रेकानियान जावि चारककारे सालाव !' विक प्रकिर त्यांवारका करत त्यंत्र गर्यक त्य रवकारकाम वक्को व्यक्तात करत गढ़का। वक्को राक्तित वांति तके।
'त्यकारण किया वक्को रावेरत्य वरकारि करत्य हरत। किति क्यम वात त्योंवारण किया वक्को रावेरत्य वरकारि करत्य हरत। वरिक्र क्यम त्यांतिका वांच वांत वहत हुई रॉन त्यांत चारत, चरका विराह त्यांतिका वांच वांत वहत हुई रॉन त्यांत चारत, चरका विराह त्यांतिका वांच वांत वांत हुई रॉन त्यांत चारत, चरका त्यांत वांत्र त्यांत्र वांत्र वां

যোৱি বলে বলে ভাষতে, 'ভ বলে কৰে ভাষত ভালোখানি না। বী কছ
নাগৰ । বাঁছে কৰে বােছ কুছানা ভাৱ বেন ঘাডাৰ—ভাডেই ও আনন্দ
পাব। একটা বিষ্টি কৰা নয়, একটু আদৰ না--সাৱাতন গলেহ।
কৰ্মভাটো, বিৰমুখো। কি সেখেই বে ভাকে বিহে ক্ষরিছিলান, এবন
ভাই ভাষি। বাংক্রভাই বাাপাব।'
নাক্ষের ভাষা ক্রানাট্টা ববিহে প্রেট্ট বেকে একটা বব্রের কার্মভ

টোনে পাছতে গে কাৰ কৰাল। বিশ্বতি বিশ্

(36)

গুৰ গৰেটে-গৰেট। প্ৰজ্যেকট কাৰম আগাখোড়া না গুৰু প্ৰক গৰ বাবাৰ হবৰ হব না। ও বলে, 'কাগজ পঢ়া আহাৰ বিভাৱেৰ গুৰু।' ভাজ্যাৰ বলে ঠিক তাৰ উন্টো কবা। বলে বলে গড়াজনো কৰেই নাকি গৰ বছতেত বোৰ হৰেছে। মোৰি ভাবে পঞ্চাজনা হেটে ও বি লগপড়া জীবনেৰ বাহুৰ্বেৰ ববে ভূবে বাকত ভাহলে দেটা গুৰু কিলাবেহ গক্তে বহু বেলি ভালো হতো না। এবনিদিয়াৰ বহুত নবৰ কাটানোৰ চাইতে বৰৰ কাগজ পড়া খবেক ভালো।

ভিজ্ঞাভা ট্রেন্টা নেপ্রদা খেকে আন্তবে না কি हুঁ বছিব ছিকে তাকিকে জড়াক করে জঠে পঞ্চন: সর্বনাধ, এক কটা উভবে পেছে! ও তাড়াতাড়ি বাজীবের কেন্দ্রার পেট-এর কাছে সিরে দীড়াল। কোবার কেন্দ্রেটা টু কো কিছুলন আগে নিক্তর পৌছে পোছে—কোবার বেল চু বাড়ির ট্রিনানাও তো আলে না। ব্যু আগা বলতে হবে চুটু করে বুঁলে পাওয়া পেল। নাগেল খবে উকি দিভেই পেঠে আহিছিল। তার বাল্লিটি উপর বনে হাগ্ননবনে কালছে। সংগ্রুপ্রার উক্ত বনে হাগ্ননবনে কালছে। বন্ধু দিলে স্বার্থিক প্রবাহার বিহা বন্ধুন্তি স্বান্ধী কালে বাবে।

'वानिकिता ।'

বোরির গলা জনে অনিজিয়ার বড়ে কেন প্রাণ জনঃ জ্বানতে অধীর হরে কালতে লাগদ—প্রার বোরির গাড়ের উপক্ষপ্রতালীর কি ! "আর একট্টু হলেই প্রকেশারে হারিতে বেডার। ভাগ্যিস আনাইখার্ প্রস্থিতিকাঁ।

'বতৰু কৰাই আবাৰ বাড়িক ট্ৰিকাৰটাও তোবাকে বলে দেব নি চু এক টুক্ৰো কাৰলে কিবে বিকেই পাৰতেন ' কান্তাৰ বাডাটা সাবলে, চোধেৰ কৰা বৃহতে বৃহতে আমিটিকা কাল,

चानि का नक्रक बानि ना चारे त्मार इव तननि।

বাছেতাই ন্যাপাৰ। ট্রকানাটা হাতে বাকলে দে-কোৰো পাঁতিকলা তোবাকে বাতি পৌঁছে বিতে পালত। আবাহ কট কৰে একাৰ্য আবাত লোভ না। কপালে ভোগাভি হিল, তা নইলে আব আনি। প্রাটকবেই ব্যেহিন্তৰ বেপায়ন এই গাড়ি কৰন এল টেকত পাইনি।

বোৱার গার্ডিতে বসতে কাতে নাবধান করে বিদ্যু, 'ববহার তোঁবার এই কায়াকাটির ববহুটা এবনিনিরা বেন টের না পার, ভারতে পেলে গার্ডার বাধার বাধারে।'

अदित्या चाव अवकी बरहबुद कांत्रक तांव कहत लक्टल कर कहत विमा दाविक्रिया (बहाती नवीवहारक व्यामक्कर महर्कित करत (कांप विस्त ধ্বছে। মনিৰের বৃদ্ধে একলা এক গাড়িতে পাশাপাশি বলে বাভয়াটা धर कारक खावनीय सामाद । त्कादी मुख्या कत बक्रम् । चरित्रि এ ভাৰটা শিগুগিরই কেটে গেল। নিতান্ত পান্ধাপেতে বেবে, বৈনশিন कीरामद माकीर्ग शकी (बारक कारना कारन व्यादाह नि । व्यान हीमारह रें बंगम चलिका करन माना निक्रिय सांगांव त्याच त्यांची अरक्पांत इक्टबर करब नरकरक । कह कावना किया गर कनिएक (गएक। त्यन गर्वक तात्म त्नीतक च त्यन केन्न तक्षण त्वेत्वतक । व्यथमक त्यात्म वत्म प्रमान नवाल की क्रिके चार दान गाकि कि हुकेहरे ना निमा थान नित्त (व (वेट्ट अटनट्ड क्रोक शुक्रदव क्रांशि। अहे अक नकून वाटका এলেছ । ইল্ছে হ'ল এটিক ভবিক ভাকিছে বেখে, কিছ এক ছাছ ভালে। করে ভাকাতেও পারছে না। রোম হ'ল তীর্বদান, কত লোক পুরিয় क्ट्रांट चार्न । बाहनाहै। कारना करत स्वरूक हरन । का चरनकहिन **रका** शास्त्र । तम नवह भारता नारत । अपने चाह कारना तमें, नाम तमा त्माक ब्राह्मक चाह अकृति का निर्मादिनांत गरक क्षत्र। इस । अब क्रांत्रक केनत नीरबंद हरि कारन कार्क-का ब्यांनारन, का बढि माक्षक्रिक ज्ञाम शरक। त्यांव करत कावनावरमा महिरव विरक्त काव। व्यपन पश्चित मूहर्वको ७ वृद्धानना शिरक कालकान क्रमारक कार मा।

বোরি হঠাৎ জিগুলের করতে, 'জাহাজ হবন বেগজ্য-এর বজরে পৌচন, কেউ ভোরাকে নিডে এগেরিল ৮'

'বাজে হ্যা, একজন বাবু এনেছিলেন। চনৎকার করলোক। আলনাকে তীয় নমন্তার জানাতে আজা করেছেন।'

'बाबा करतरहम ह'

'ৰাজে হাা ৷'

'अञ्चरताथ करत्रदक्षम करना ।'

'আজে আমি সামান্ত লোক-আমাকে কি অনুবোধ করতে পারেন পূ'
এরিবো অধীর হবে বাবরের কাসজের পাতা ওলটাতে সাগদ। ওবং

পাতা ভতি ছাইপাৰ ওবুৰের বিজ্ঞাপন।

'बारक बाबाद किंदू वनहिर्मन ?'

'ना:, ७ किছ नव ।'

चात्रिकिता अक्ट्रें चराक इत्त त्यंत्र। 'गानात्वीत्वक अक अञ्चलाक अत्तरित्यंत दुवेनांत चात्रात्व वैताद चरति त्यीत्व वित्व । व्यरकात

বাছৰ ("
"ডিনিও আমাকে নমকাৰ জানাতে আজা কৰেছিলেন নাকি প'

'entre \$11 1'

ৰোৰি বৰবেৰ কাগজ্ঞ) নামিৰে পাননেটা নাকের উপত্ন আনিত্র কিগ্ণেস করল, 'ভোৱার স্বামী দু ভার ববর কী দু'

আছিছিল। বীৰ্থ নিৰ্বাস কেলে বৰ্গুলে, এবনত হাজা পায় নে। কেব কালাপানিতেই আছে। আপনি জো রোধে বাবেন—আপনি বিদ বাজাকে…'

स्थावि नावा किरव नक्रम, 'के तन वाका-नात्माव क्या बासाव कारक स्थारमा ना रे विक्रिया महत्त्वपद इरव स्कृत्न, 'चानवि बाबाटन इ'वया स्कृताहे तथ न इरव वाटन हे

ারি তেলে বেখনে কলে উঠন, বববের কাগজটা বৃহত্তে জাননা দিয়ে তে কেলে বিল, 'বাজেভাই বাগোর । জুবি তেবেছ তোরার সাধের বিটিকেই তথু বীপাজরে পাঠান হরেছে। কালে বে কবন গাঠার বি কি কৌ। একটিন জারাকেই কলেজা পাঠাব ।

ানিজিয়া অবাধ হতে গোল, কৰাটা ভাত বিখাদ হ'ল না। 'বেথানৈ দ্বলোক্ষেত্ৰত গাঠাত নাকি হ'

ৰ অজতা বোৱিৰ অবস্থ মনে হয়। চেঁচিৰে গুঠে, 'কুমি চুপ কৰো তো হ' নে মনে ভাবে নিনিনিতে নান মনোভাৰ এমন মজাগত বে গুৰানকার হাটোনোকবের মধ্যে আছ্মসন্থান জাবানো অবাবা ব্যাপার। গুর নটা লাম বাধ।

াড়ি ভিয়া শিস্টিনার মোরির বাভির বরজায় এসে বামল।

দকাও খাট, উপরে লাল রঙের চাঁলোরা খাটানো। লেল লাগানো ালিলের উপর গা এলিছে—এবলিলিরা ভবে আছে। ভর রও বেন দালি হবে গেছে—প্রদূরের পর ক্লান্ত শ্বীর্ণ কেরাবা।

দালি কৰে গোছে—প্ৰালনেৰ পৰ ক্লান্ত শীৰ্ণ চেকাৰা। নামিচিয়া চুটে বিজে খনে অভিনে বৰল।

নিবোরিনা, নিবোরিনা, এই তে। আমি এনে বোরি। এতা শিশুনির তামার কাছে চলে আনতে পরৰ বয়েও ভাবিনি। এখন কোমন আর ? বে কট হরেছে না ? কী রোগাই হবে গেছ। কোন মার না। কী করবে লে, নাই ভাগাবের ইছা। বেরেকের কপালে মুখ নিবোহন, ছেহাই গাবে কি ভারে ?'

हारेगीण स्वित्रहत । तम त्यारामा तक ता । त्यार रहा कावहि कार्क्षर द्वान त्यारक रहत । कार्केट त्याराहे विरक्ष किल्ला का स्वाहर तमस्क পাননা ? গুলঅনো তাৰে তীয়া হলেন গ্ৰন্থ আৰু আৰৱা তীৰেন নানী। আহি তীৰেন কুমুখ তাবিল কয়তে। পান খেকে চুল থকাৰা জো নেই। গায়াকৰ তাৰতে হবে কিলে তীয়া বুলি হন, কিলে তীৰেন আঁৱাৰ হবে।

ষ্ঠানা বে হলেন কৰা ; বাঁটা নাবো ? বলাবাছল্য এটিছোকে লক্ষ্য কৰেই এসৰ ৰাজ্যবাদ। সে বেলে বেলে তাৰ বৰবেৰ কাগলটি বুড়ে ঘৰ হেডে পালাল। আমিটিকা কোটাৰি কথান্তত হবে বকুলে, 'আহা পুকৰদেবও তো হৃত্য

কট আছে।'
'আহা কী আমাৰ মুখে কে---বাও বাও আৰ মুঠি কয়। ওবের একট্ উচিত নিকা দেওবা বহুকায়। বত সব এক চোখো---'

ভাষা বনেছ। ওর্বের ভোষার পেটে বরতে হয় না।' ভিযু কি ভাই ? সারাজীবন হাড় জালিতে বাবে। সমত জাতচার ওপর

ছো বৰে গেছে আমাৰ।' পাপের বৰে এরিয়ো বোবির গলা পোনা গেল, মহকণে, আহারং বাড় ।'

शहुर । शहुरुद्धकी (नामा (शन चांड अरुवम (क रनाइ, 'चारक वहे (द चारि की क्वरफ इंटर रक्ना'

ব্যবিদ্যাল হৈ। হো করে হেনে উঠন। আমিছিলাকে অক্সন্ন, 'আন্। কৰু বি আছে। ও কানে বাটো, তালো তলতে পাঁটুল্লী। কাল পলা আন্তর্যাল স্থোপন্ত ও মনে করে বৃধি তাকে আক্ষেত্র। কর্মনিদিনা ইং-নিয়ে ভাকনে, স্থাবনেবিটা।

াবৰে ভাৰতে, বাবংশালা।
ভাৰা বৃত্তি বিটা বুধ কালো কৰে বোৰ গোড়ায় এনে বাঁড়ান। বৃত্ত অঞ্চলিক তাৰ, ভাৰণ গাণেৰ যৰ খেকে বোৰি চোৰ লাল কৰে কৰে বাাহ কেন্তে এনেছিল।

अवनिनिवा स्कूरण, बाबरपविके, अहे नावास्त्व सकून वाली, अकृति अर

সীহল। অংশ খৰ বহু দেখিৰে লাখ তো।' আমিচিলাংক বৰ্তন, 'বা চানটান কৰে আহ। বোঁৱা কানি বেংৰ তো কৃত কেকে আহিন।' আমিচিকা বাৰ্থা বাড়িকে আননিতে বুখ দেখে টেচিকে উঠন, 'বাগ্যে কী কেবাৰা মৰোহে।'

क्रांचा स्टब्ट्स र हारणाह होंबांड व्यवनिष्ठाई श्वर वृथ कांन्ट्र हरव जिरहाईन, छात्र केन्ट्र रावे रव रकेनरम बान खेरबडिम खब्ब स्थापक बान बाव कालिएक विश्व मूर्प निन्ति अक लीह रह करक जिल्लाक । किस हान कराल बार्य कि । छश्या एव निरमातिमारक गरबंद काहिनी किक बना हदनि । धर बाह एउ गरना, एकवि बसाफ बाद । (बास श्रेमान (कांबार कि बाहेकिस बास ना त्नए हैंहिए बारबानाक मर स्माप्त मानम । कामा विकेश की करन अर मा अ त्रवाह । 'नान की छाड़े, श्रांचात बरक इस चरव शिरव मार्ड इ.डी डेमडेंस कराल जात्रज । कार्ड शास थात कि । सहशाह चारि कार्यहें क्रानिक्षमाय । शाखित जब लाक क्रिमांगन कराए मांगन, बाागांद की, की श्रावाद ? चारि कि हार्डे इन करते किह नगरक शादि ? रनवतेव क्या गर नुबट्ड शाहरण । छाद शदद ह'न की कारना ? अकी यह दशकड़ा कन करद राम केंद्रमा, का कारना की, बादि हकहक करद त्याव त्यायन। द्रीक्षांह्री त्वन बच्चा त्मार बनत्ना, हाक बाह्यित विम चामाह बुरंक्ड विरु । चावि एका करव छिठिएक केंग्रेजाय, नजनव, कावरेल चानि गाकि (बार माकिए नक्ष्य: कानाम स्वामा नात्म अस बाका बान किम। भारतर क्षेत्रात शांकि बाजान भए बाका चाराक बाब अरू कामहात मिटब टांग । म्बारन अन्ते द्वार किन वारमत अन वाला निरंत वारक-(कामा Balles Gett) । तारे बाकानातारे बात बात वारे विक्य : राषांकी चारक चारक करर शन र

अवनिनियां अपन श्रुताशृति नक्टर रूप श्राहः। चाविकश्रकः स्रोदाः क्यानाक्षः कानकरि का कारणा नागविन न । स्मृत्न, 'स्टाबक् स्टाटर । अन्य वा हुटहे, गान श्रादक चात्र । त्रदक वीद्यान्यान्य अवक क्षमक्ष्य । या, है। क्रदक वीक्रिय बहेनि स्कन हैं

किंच भागासंत्र त्यानावनि, 'स्थाकन ह चरक अवस्थितह स्वरंग निर्वे, छाड भरतवे सम्बद्ध है

লোচনাটা লেখিবে দিবে এবলিনিবা বন্দুলে, 'লোকন ভ্ৰমাৰে আছে। কিছ ভোৱ ঐ নোবো হাতে কণান্তিটা ছুসনে কেন। মাবলেন্ডিটা, এবিকে এন তো, আক্ৰমত ক্ৰমিনৰ মাধ ।'

চাৰদিকে ব্যবেষধ্যৰ কিছে লেনেৰ হজাছড়ি। বাৰখানে ৰাজাটা হাৰ আছে, ষ্ণটা লালচে, বিবৃত্ত চেহার। বী বিজিনি ক্ষেতে! পাডিতে যে বাজাটাকে নাই বিজেহিল তাকেও হাব বালিবেছে। বুখে বলুলে,'বাং বী নিট ক্ষেতে। ক্ষেত্ৰন লক্ষীটা মতো সুবুজে। কুনি বেখে কিও ছেলেকে কমন ছোৱান কৰে বি। আনার খোলাও ঠিক আননি হিল— ঠিক উট্টুছ ক্ষেত্ৰত একন বহি তকে কেথ—আৱিছিনা হঠাং ক্ষেত্ৰ পোৰা কৰে। খোলাৰ কৰা বলতে পিৰে ওব চোৰ কলে কথা উঠিল, গলা ধৰে এল। 'বাছি কৰাই, এই কলান বলৈ ।' কিবেছ সভে পাণোৰ ববে চলে পোন।

ওৰ বাছে ছিল ভক্ষণি এনে বাজাকে বাই বেৰ; বাজির কর্জারও তাই বভা কিছা এরনিনিবার তো দব কিছু নিরেই ছারীর দক্ষে কণ্ডা বাবালো ভাই। ভাই দে বন্দে, ভিত্ত, দে স্কর্ম ক্লাইলিবালে ভয় বুকের ছব ভাজার বিরে দায়ীকা করিবে কিছে বর্মের।

আরিচিরা হেনে কালে, 'কেন, ডাক্টারের কী সরকার ? কেবছ থা আনার শরীর ? কোলৈঃ বিভ অভূথ বিভূগ করেনি ৷'

বাছনিক বেশবার হতো ভর স্বাস্থ্য। মূখে বোলালি স্বাভা। স্বাস্থ্যের প্রতিমূতি।

এবশিলিয়া কটুবটু করে ধর বিকে ভাকাল। ও কেবেছে আরিভিয়া ইছে

हर पार्चाक क्योंके स्पाइट्स कर विस्ताद कार पार्चीक (Mice गरित प्रकार करका स्मूहत, काकार कार्र, असूनि काकार बिदा स्टो

নারি খাপন বনে বিশ্ববিদ্ধ করতে কাতে ভাজারের বন্ধ বেরিছে গদ।

নকাৰ আনতে আনতে দেই সজো। এবিকে আছিচিয়াৰ বাই কুলে
তে আবাৰ নেই আনেৰ নতে। বাখা। খবিকে বাজাচা বিবেৰ
কোনে, কিছ কিছুতেই বাবে না, বাবেৰ বুকে হুব কেই কিনা।
এহিবোৰ বৈছে হিল ডাক্ডাবেৰ পৰীকাৰ নৰৰ বাছে বাকে কিছু ত্ৰী
চাকে দুৰ কৰে বিজে, বনুদে, 'হা কৰে বী দেকছা দেববাৰ কিছু
নেই। বাধ, নাৰবোৰিচাকে বল এক গ্লাম কল আহঁ একটা চাৰ্চচ

্দের রঙ কটা দেখছি—হ' কটা চুন/ ভাজনারে ঐ এক কথাব।
কটা কথাই জিন চার বার আঙ্কাতে থাকে। বন্ধ জুলো মন।
কানে। বিবাহে মুক্তব্যাস করা ভার পাকে কটকর ব্যাপার। ফ্যাস
ন্যান করে আহিছে আছে তো ভাকিরেই আছে। আরিটিয়া নক্ষার
ন্যান করে আছি

নো বঙ, কটা চুল, কেবল কিলা ; কী বাসের সিরোরা, কটা চুল তো ;
বির বাড়ক বর্লিক গড়ন, অব্দরী—বৃষ্টী ; বাছাটা বেশ কালো—
নিঠ—বাড়ক, কেবল কিলা । কিছ জাক্লা হলেই খেন কালো হাতো।
কো গাইবের হুব কালো। মেথি, একবার কালো করে মেবা বাল ।
নিটিনিয়ার বুক্তিটিয় উপর নিকে কুলে ববে বলার প্রতিকলো উলে
পে কোকে লালল। আবলার অকলনক কাবে কার বুক্তের বোড়ার-লো বুল্কের লালল। আরিচিয়া কো কৃতক্র, সম্পার কর সরক পরীর
টিয়ার বিহলে বাজার। বাজিচিয়া কো কৃতকর, সম্পার কর সরক পরীর
টিয়ার বিহলে বিহলে বাই কুটো চাকতে বাবে ভাজার বাল

উঠল, 'নাইছে কেল—হাত সহিত্তে কেল ব্যাপার বেবে এরসিলিরা বিল বিল করে কেলে উঠন। 'रहरन फेंग्रलन रव. निर्दर्शका, शनरहन रक्त 💅 'পাভারেরে ভতটাকে বেশুন। সম্ভার তরে অভসত ।' 'नका ! नका की ! चारि (व डाकाइ ।' 'नव्या-व्यक्तमा शुक्रस्वत कारह । चार बारमन एका चानारवह निनिनित (मरवाद्यो अवस्थित नेक्टर (मरवादन प्रश्तो कर गर्का नह र<sup>\*</sup> 'का बुरबहि, बुरब निरहहि। मच्छा नदम अक्षे दिनि, दिसन कि ना। क्डि काकारात कारक नका की ? बावेंगे। अबने हिर्म इ'अब (केने) হুব কেল তো এই চাৰচেটার বরে। তোরার খোকার বরুদ কত প সারিভিরা মতি করে চোর ভূলে ভাক্তারের মূর্যের দিকে ভারার। 'बहे बंबान ह'न कारन बरनरह ह' 'লোলে এনেছে ? তার মানে ? কম বিত্তের বল। ছেলে আবার আপন (बार कारण चारत माकि । क्या निरम्न कर । क्षाप्त कराय कर छाए। (मावडी की १' क्ष भरीका करत कांकार करन सांगद गढ़ कांत्रिकिश वर्ग करत (क्रवांट মনে পড়ন। যেন অত্যধিক পরিপ্রায়ে ওর সমস্ত পরীরে অবসায় এসেছে। हि, हि, हि, क्याद वरि । की विकी शानात । नवसूर्य कामा करन अवनिनिवाद स्वाकाहरक द्वारा क्रांस करने थे यारे দিছে দাগদ। 'আৰু, কোদে আৰু বাচুনন, 'দেট ভৱে ইছ বা।' বিছানার ভবে ভবে এবলিনিরা আবার কটবট ভবে ভাকাল। সোনানি ্বল বাৰবানৈ বিধি, ছ'বানের ছ'বালে বোল করে বৌধা ধার। बे लानानि इत्तर रखेनीर यता का निर्द्धान वृत चारत सन चनर त्रवादक। बाबार केन निरंद केनर दाना नाटक वर प्रमाधिक कम-बंबबर नावा । अवनिमिता विवक्तिय छात् वान, 'बाक-कानको। नहिरव ाम मा ? की वृद्धि ! त्वरक त्वरक त्व वृत्विरव नात्व i\*

गरा निरंद र्गाराहरू चारण रनरवनिक। रक्षम क्ष्मक हुनकुक करत एक्ष

शंकारक वृत्र नाकिरत के नात्नत चात नित्त (मन। क चार करनर क्षित्व स्थावीय वानका करकरक । हवश्याय विकास, क्षमय मानवाय-क्रि में बार्य कर विश्वतार वह तारे। का क्रव मा। तार का। क्षानकार बालावर बाजाबा । क्रमन बददाद लविकार विकास धर हक्क नामा राजाह । चाहिकिया प्रथान शिकार । ब'वहर चारशमार सर महें नामक संशाद कवा प्राप्त शास । ताबें क्षावप कर सम्राज्य महा अक বিছানার লোওবা। বর সিনিলির সেই ছোট বাভিটির ছবি চোখের টপর কেনে থঠে। ভিজাকে তথনো বাউপলেশনার বারনি। কড নাৰ করে নতুন সংলার পেতেভিল। আৰু সেই ব্যক্তির কী ছয়ছাভা চেহারা। আসবাব বলতে ছট মাত্র চেরার। শাওটি ও বিশুদে নিরে अरु विद्यानात्र गांवागानि करव (माध्या ।---विक एका गवस बांडेकें। अवस धनमारे वयम कहात। बुद्धि शहाका शक्त्रीत्वत कारहरे बाकाव। माना तकारि, मह नदरन या-हाका परहाका । तारे नक्ष्मै त्यरहो। वि লুখনির বিকে তেমন সকর সেবে। হয়তো এক পালে কেলে রাধ্বে---नित्यत्र राष्ट्रांट वाहेरव नाहेरव नाहा हा रावि शानर उठहेकूरे त्रात् । तका वान्य काम क्यम करविक, तथन शरहर कामा तै की त्वरह ता बीहरन। चाहिकिहार इक द्वेरल केंद्रफ बारन। नारह चानाह क्के क्षेत्र शाह काहे त्याद करत कारबह कम बरक त्याम । निरंबर यमारक त्वाबारक कार । मुक्तिर क्षेत्रका त्वा कारहरे शाकत । बाकिर चनारत होता ता कि द्वारत क्या कहेरत-नदीनहीं नक्ष्मेत बूरवह सेनह इंक्वा चनिता तारन। का नाई तम किवानरे का ना, क्कार क्कार बन्छे। क्षत्र कारमा । किञ्चवित नात मिन्द्रत्य देशियत केनव क्षत्र दांग नरक

বাবে—বুৰাৰ আমিছিলা বা কৰেছে, গাভ-পাঁচ তেৰেই করেছে, ভাতা আন সাধ করে শাভড়ির কথা অগ্রাস্থ করেদি। বাড়ি বলে থাকচে না থেরে মহত হন্ড।

ও দে গাঁভটি আর হেদের বুধ তার্কিছেই রোনে এলেছে—নিছে ছার্থ থাকবে ব'লে নর—একথাটা নিছের কাছে এনাগ করতে গাঁহলে ও বেন বেঁচে বার। যদি লক্তব হ'ত তা হ'লে আরাবের শব্যা ছেড়ে বেবের উপর ভতে পারদেই ও বেন বেবি বৃশিহ'ত। আর সভিাই এত ঐবর্ধ তো ওর জ্বান্ত নর—সবছাই ওই খোলাটির জ্বাভা। ও যদি বাড়ির সাবাভ কুকুটোর মতো নেবের উপর ভতে পার তা হ'লেই থবেই। মুখনি বেচারী আর উভ্যান বুড়ি না কেনা বিভাগ রাভ কাটাবে আর ও করবে বার্মিরি, তাও কি কুববো হয়।

ছ'দিন পাৰে গৰাজি বৰন ভাৰ জন্ম নাগ-এর পোলাক নিবে এল ভাৰন ভার আৰো বন থাৱাপ হবে পেল। এত অজ্ঞার ব্যক্তিত পারবে কোন নজ্ঞার—মতিন নিবেত্ত বিবন, ভাষার উপর অ্কার কুঁচের কাভ, কপোর চিক্তিনি—এ বেন নামেল সাজ। এ পারে ভাকে রাজার কেকতে হবে চ

এরনিগিরা ইতিমধ্যে বিছালা ছেতে উঠেছে। আরিচিয়ার রক্ষণক্ষ বেখে ও রেগে আঞ্চন।

'আহা ভাকাবো বেখ। টিক বা তেবেছিলাব। হোবের হার্যক্ত বেফন কাপক-চোপার পরে তোকেও তাই পরতে হবেছ ক্রাইনা-নাথা বন্ধ-নাপার করা ভনতে চাইনে—বেখানভার বা বিষয় তাই বেনে কলতে হয়।"

সমত বৰা।

আনিচিন্না কটাকে বুলি কৰাৰ কল ভাঙাভাঙি কল্—''বালি কি ভাই
বলেছি বিধি। ভোষাৰ আজা ঠেলতে পাৰি। আমি ভবু বলছিল্য
আবাহ কল্পে এক বাজে বক্ত কৰাৰ কি বৰকাৰ বিদা। আ হাড়া ভূমি
ভো ভালোই দেশে আৰহা—'

নে রাখিন ও তোর নিনিনি নর—ও হ'ল রোব। ভা ছাড়া শোখানট। না ভোকে কেন ব্যক্তিয়কে।

া সভিয়। উদ্দৰ্ভকৈ দাদা নিৰের কাৰা পৰে খাঁচ চুলের নোনান্তি আঙা, য় ডাসা-ভাসা চোধের নীল বাধুরী—আরো দেন বুকেছে। এবনিজিরা বেওকে নিৰে বলি বাজার নেরোর তা হ'লে করীর চাইতে বাসীর কেই রাজার লোকে নক্ষর দেনে বেশি। তা বিক—বাসী নৈ তো বর । বার চাইতে শুরু অহংকারটা প্রাবদ হ'রে প্রঠে—ক্ষমী বাসী তো বার জোটে না।

নিসিনিরা একদিন বেছল বোড়ার পাড়ি চড়ে সচ্ছে নাসী, তার কোলে ।
বাকাঃ বেচারী আরিজিরা নতুন পোশাক পরে এই এখন বাইতে
কেলো। সম্বার ও লাল হতে গেছে, চোখ কুলে চাইডেই পাবছে না।
কালের খোকাটির বিকে একসুটে তাকিতে কাঠি হতে বলে আছে।
বিসিনিরা দেশলে বে রাজার সবাই চোখ কিবিতে নামের বিকে
নিস্তাঃ

মুখ নিচু করে আছিল কেন, কেউ তোকে বাবে ব্যৱহার বা কি 🕆 জাক। কাৰাকার 🏅

হারিটিয়া টেই। ফরে টোগ কুলে তাকাতে। ক্রমে নকুন শহর দেববার হৈছা ওকে পেতে বলে, কজা কেটে বার। এরনিদিরা বেদিকে আঙুল স্থায় দে বিকেই ও ছেলেমাছুকের মতো গোল গোল চোগ কতে বেগে। কী চনংখার, এনল ছলর শহর কথনো দেবিনি।' বাজি কিরে আলবার যনেকজন প্রেড ওর দেই আজ্ঞা ভারটা কটল না। গা ছুটো কাগছে, হাখা বিন্ন বিন্ন করছে, ফানে খেল ভালা কেলেছে। একটা হোটিয়াটো মুক্তক্তর থেকে ও নেন কোনো রক্তরে আদ হাতে করে বেরিরে এলেছে। এ খেল অক্ত এক জনং—ভালর সেই নিনিদির গাঁজানী থেকে একেবারে আলারা। স্বর্থ এক বারাস্থাতে ও খেন গাব স্থানে একে গাছেছে। '-वा (गा वा-की ठवरकात-की क्ष्मद !'

টিক দেই বছৰ্তে ৰোধি ভাব স্ত্ৰীৰ হাতে একটি চিটি বিদ্যালিদিনি খেৰে अप्राप्त । जिल्लासा सार्वकृति जिल्लाहम । चालिकियां व्यवस सामस राहेटन नामम अविनिधा व-चात्राव होका लाग्निवहिन बाल्टबांव विक श का रकरक मिरबरक । क सरमहरू बारव बारव किरक करव बांबे. मा रश्रव माता नहिः त्म ७ कारमाः स्व ७-मारमव होका कारबंद सबस्य हामेरन। हेरियाम ता नाम्मेन हात्व चावितिया तहत्व वित्व त्यात ता ता নালিব করে গেছে হতজাতী বৃদ্ধি তাকে একটি প্রবাধ কর নি এমন কি सुर्गित सामानाम् एकमनात संस्कृत मा। गिरमाता सारता गिरम्रहम---বে এবলিকিয়ার পাঠানো টাকা খেকে অর্থেক টাকা উনি পঞ্জীর চাতে দিবেছেন। স্বায় বলে দিবেছেন লে বেন বৃদ্ধিকে রোজ কিছু খেতে करत एवं मिरक्षत (करके बड़ा करत विशक बड़ी (बरफ शिक्षा) विक वा (क्या के) कारिनिका (यन क्यांट (बंदक कार्यक ठेकारे नार्राह---वृष्टिको एका क्रांका स्मार ना । स्मार निरंगहरून एवं अवनिनिवाद चायीर क्या घरणा हमार शिरवहे अहे त्यानवामहै। ब'न । हिर्दिशमा खेंच कराफ क्रमण्ड अविनिद्या सन्न---

তোবার কি কথনো বৃত্তি হবে না ? কেন কৃষি বাংক ক্ষিত্রত সেলে ? 'আমি কি এই কাপো বৃত্তিটার হেলের বেগকে ক্ষাইটে বাধার দিখি। বিবে কিমেছিলান ? তোবার বা বেধি আবার বাংচাই হোব চাপাছেল ?' 'চাপাছেল না তো কী—একলোবার চাপাছেল। বিনিধি বাংক বাই পাঠাবার কথা কৃষি কেবি ? আমা তোবার আকে এই কাওটা বাঁচা। তোবার তো ভারি বংবাই দেল। হাঁ করে বানীর অল পিজছ়। আবার চোখকে জাকি বেবে ?'

শেব পর্বন্ধ ভার্ত্যে এতার্থ সভালো । মোরি ভার ঘোনার বারে-কারেও ঘেতে পারবে না—আবর করা তো ল্বের করা। এবন অন্তত নাকের কে করে সেকেছে। খোলাকে আবর করলে এরসিনিরা ভারবে বে দানীকে লোহাস করছে। একারিন ভো শারী ব'লেই কেলুল। 'বোকা বৰুন আবার কোলে বাকে তবন তো হারাও নাভাও না। আর বালীর কোলে আবিখোতার অন্ত নেই—বী আবরের বটা।' এ ব্যব্যের কর্মার এরিয়ো প্রবেশ্ব পার বেনন তার রাস্ত্র হব তেমনি।

'গোকা তো তোৰাৰ কাছে কৰনো বাকে না ।'

নে কৰা সন্ধিয়। কোকা ভাৰ বাহ কোনে ছ'বত বাকতে চাৰ বা, ধাৰতে বাকে ভাৰ কেবল ভাৰ ছোট বুটি বাত বাছিছে আমিটিকাছ কাছে বেতে চাৰ। বোৰ হয় এইনিটিনা তবত টিকমনো নামলৈ বরতেই পারে না। হেলে কোলে করার অভ্যেস কেই বলৈ বে একট হয় এ কথা বলে করা ভূস। আগলে ভয় সারাক্ষা তর পাছে থোকট ৩২ লামী ফ্রেসিগোটন ফ্লিকরে বেছ।

वाकित बाहेरत अविनिवा वह अवही स्ट्रांस मा, रंगाक्सम कार्मक्त थड नाम तथा कहा व्यान। या श्रीक की स्टब। श्रीकांक नहिस्तर। बक्क ब्रहारक बतक करन बाद कांक धन किक्के नक्क नह । किक्स नहें। इ दश चर बांक मह, नव कारक चर चक्कि, अवस्थि, निरक्राके द्वार का कारमा मार्ग मा। धर बारना ७ चकरी। छा ब्रह्मका मिता। किस तका चक्र माक्ट मादी क्राम क्रमाद क्रम। अह चक्र माही अह मीरा क्रिकाय-चर बन्छाटि खड़िक । अप्रिट्क छर किस प्रकृतिकार त मरमब मरका मार्कर पति ७ (भएका-अमन क्लि त अस्य कारमाबामान धार नुवरका-का ह'रन धर नुपत्र किछत्ते। अस्त बी-बी कहाका म श्वाकात व्यक्ति अवनिनिवांत वतन विक्रका अत्यक-वाटक त्वाप्त । मानीटक हात प'रम। काक तारे, कर्य तारे, अक्टबरक मिन कारहे—रहन मि त्वें दिवित के कांबाकांके करत ना। त्यांति बादक बादक कका करत क টোৰ দাল। বেখেও কেখেনা। পাবতপক্তে শ্ৰীৰ সভে কৰাবাৰ্তাও বং मा । किছ पंटन करत दर अविशिवाद यन गारन, अवन चाना दन दक्षण विरव्यक्ष । बीयमहारक देशरकात्र कतात्र क्यालाहे अविविद्या हातिर बरमाइ--एन बारमना माध्रव निरक वनि प्रशी का वन का क'रम रक कारक क्षती कहार नारक ना । चाद अहमिनशाद हाहेरक त्यादि निक रा रहान हर जारह। वर नरह वर राहिरक बाकांगरे का खा वित्यवः की विश्व जीवन-नाराष्ट्रां विन धन चालित-चटन वकी। वाति। मारक वारक का रनाकानिके सकता चारन, जारबर नरक सकता चारमाञ्चार छन् बन्छ। अक्ट्रे शानक। इर ।

नित्मात रमनिकिन्निरया तानिकृति सावित क्षकारी। चानस्त्रनी ला

वेक्टनर मुख्री। सहरकर मानाभ चारनाव्याद नवस स्वापि सावि-চেরিকে ব্যবার ব্যবে পার্টিরে বের। স্বব্যেত অনুলোক্ষের ক্রার্ডা ভ্রম্ভ त्रनाव करत कृष्ट्वी त्वनिदय चारन, वाकेटह त्वरक शतकांके क्रिया त्वर । নৰবাৰ বাইৰে ভাৰ অন্ত বাৰ্ডি, নাচেৰ ভনীতে পা কোনে কোনে। शंक क्रमाटक क्रमाटक, क्मन-क्स स्नीतन का जिल्ह जिल्ह सक्रेयक परव अरन अको तक-अब केमब बरन । निनिनिव क्रमदी नानीकि अकि धर कार्ति लाक । बेठियरवा काव क्यांत छवा करव त्यरक :

'जाबाद बाबके। की बरका रहा ? खाबाद बाद रक्तिकितिरायां (खानावस) है আরিচ্চিত্র ঠাইটো ট্রিক বেন করতে পারে না। যথ খরিবে নেছ।

দিনোর রাষ্ট্রিচরি আগর হরের আক্ষেপ করে। '--কী নাম্বই বেখেটিল বাপ-মা-কেলিচিসনিমো। পোডাকপাল चामात ।' वान-मा वध्य अम्ब नामकता मामके। विद्विक्तिम एवम कारक याना क्रिम काम अक्यारम कामायस करता की क्रवरकार कनाम-क्लकृत्वा कृष्टित त्रवात्नात्क कि त्रोवांशा गता । विनवस्त्री त्याते वांडे निवा लाव । कारनावकरव नरनाव डानांवाद नरक व-नदनांडे। निजास पदमाबास नह। सह किस बाट सुरमाहना। साहनहीं पूर्वहें गारावन-बीरमारकद व्यक्ति रक्तिकिमिन्द्रवात्र अक्की मध्याक वर्षमका चाटा की का त्यान ना-चरणन । किस्टू प्रमना । बीरनाक দেখলে ৯ আৰু ট্ৰক বাকতে পাৰে না।

अहे चाविकियात क्यांकारे वह या-बान केरेक्ट्र । तथानरे चिरक কল আলে। বেরেটা ভবু বে বাগছরৎ তা নয়-আরব কারবাও কারে। बावेरवर कक्को किस प्रैक दारबट । है। कका मन रका कि । बावे बारको त्व को व्यवसायन त्रक्या त्व मा बारक, नीव जांचारव बारनाव

--करण निरमरे र'न । ৰুক্ষী বাবুল নিউনো চাউনি আৰু লাশটোৰ বিয়ত কৰি আহিজিয়াই

+ (36)

ভ্ৰাবে বে পাছেনি জা নৰ। হালিত পাৰ বাগত হয়। আইত যোকটা— বহন চাকতে পাৰে না অবচ কলপ নাসিহে চুনটা একমণ ছয়ত বাগবাহ চেটা। বোৰ হয় নাথা বাস্তাপ—আৰ তা ববি নাও হয় ছো বায়াগ হতে বৰ বেলি কেটি কেট।

একদিন আহিছিল। বোরির ছেল্টেন্টেব বরে ইাট-ইাট পা-পা করাছে। থোকার নার হরেছে পিওনিবা। ও নারটা আহিছিলার মূথে কিছুতে আলেনা—এই ছ'বালেও রগু হরনি। ও ভাই নারটা সহজ করে থোকাতে ভাকে নোনিবা। বানিচেটির বৃত্ত্বটি করে বলে: 'ও বানী, কী ভোষার বৃত্তি। নোনিবা নর লো. দি-ভ-নি-বা।'

'क नाम चानात्र मूर्य चारन ना ।'

'আছা বল তো বেধি কেলিচিস্লিনো। ও নাবটা কার জানো ? আবার।' আরিছিলা খোকাকে কোনে নিরে বেবিরে বেতে বেতে বলে: 'ও রবম নাম আবার কাঁনা কি ?'

মুখনী বাবু উলাপভাবে আগন বনে বনে, 'না হ'লেই ভালো ছিল।'
বিভিত্তে বলে বলে গে বীৰ্থবাদ কেলে আরু হতাব আবে রাবা নাডে।
গাপের ববে তথন জোর আলোচনা চলছে। টুকরো টুকরো কবা কালে
আলো : পোবক লক্ষানের অভিচাল-স্বহারাকে প্রিকা, খাহা--আলোকন---লভা গানিতি---গ্রোরাম---ইত্যাবি টুকুলি কথা লে তবেও
লোনে বা, ও শিকারী কিয়ালের মডো বাড়ির ভিতরের বহুজাটার
দিকে মুক্ত বৃষ্টিতে আকিবে বাডে। হঠাব কেলে আনে ককল বহুবে পার্জার
হেলে কুলালো হুকুলে ইবিতরতা বুকের হুব পোবা নিবি বোটালোট
হ্যেছে। তবে বাড়ে বাডি বিভাবা বুকের হুব পোবা নিবি বোটালোট
হ্যেছে। তবে বাড়ে বাড়িরিকার কুম্নির ক্যা মনে গ্রাহ্মের বাড়িরে বাড়ারে বাড়ার বাড

নত। বিবাত খাকে।

এবলিবাৰ কাছে খৰ ছুৰ্তাবনাৰ কৰা জানাতে আন্নিচিকা ভব পাব।

দেশ মন দেশেৰ বৰৱ, নৃথবির বৰৱ জানতে চাইলে বিশ্বক হয়, বাগ কৰে।
বোৰহয় আৰে যে নিজের ছেলের আতি এত বার চান, দো কি পারের
ছেলের তেমন করে বন্ধ নেরে। এবে তার নিয়ো সজেছ আন্নিচিকা
বুকে হাত বিরে তা বনতে পারে। অনন করা খর অতি বহু পানত
বনতে পাররে না—নোনিবার নিজে ভাকালেই বোরা বার বাইছের

যেরে কিছু ক্রাট কোবাও হয়নি—কেমন ছালর বোটাবোটা চেহারা
হরেছে।

দেশে ও যে নিলোরিলাকে ডিনতো আঞ্চলাকভার এবলিলিয়া তা বেকে একেবারে আলালা জীব। আমিজিয়া যে এককালে ওব থেলার নজী ছিল সেকবা একেবারে কেন কুলেই গোছে—এবন ব্যবহার করে থেন ও লানীর চাইতেও অবন, কর্ত্তীকে বৃশি করতে ততো তেইার জারী করে না। নারগেরিটা নামে সেই আলো বিটা নিকের বনার পর বেকে ত্বাভিক্ত সব ভাল বৃশি হরেই করে। থোকাকে বায়ুব করার কার

शायां बरावामा देशनि काम चन्छ बन्छे वित्तर महाक चारता करवनि। श्र कारन अवनिनिवाद पू कर् एक कार- अस्मेरको निवक सः कांडे कर नावाचन क्रहे। निरमाहिमार त्यकाक त्यन मा विनक्तार। सर হবে সায়াকৰ ভই এক কথা---

'बहे त निर्मातिना, बहे त चानि । तन प्रक हरत वारक--कि कार मा। अस बाक करन करत करति अनिविद्यान किए ह्वाफ अस होते। एक त्महें । अकडे। वित्मद पहेंचा वनि । निनिनित स्नांक अट्नाट । निस्टान इन्ह থেকে চিটিখলো নিয়ে আরিকিরা ছটে গেল কর্ত্রীর কাছে:

'तिरमादिना । तिरमादिना र'

'बनि इरवरक की, बाठ टीकारबाकि रकन १ रवन वृक्त कर करत बरगरह ? এরদিলিরার বকুনি ওনে ওর বুকের রক্ত হিম হতে গেল, ভব হরে গাড়ির बहेन । क्रिंड लक्षा त्यव करत जननिनना पथन क्रिडिकरना बारमत जिटत পুরছে তথন ভরে ভরে আরিফিরা জিগগেদ করে: 'লুৎদির কিছু খবং মেই চিটিতে প

'Bit. PROUS COIS COOR WITH WITH I

'আৰ বৃদ্ধি ? আমাৰ শান্তকী ?'

'ताव **भारता चारह** ।'

और नामान कृष्टि क्यांव छटक नव्हें बाक्टल हव । नटक चांव टकाटमा बगर (महें एका ? माहा थ वनि निरमत हाएक किंद्र निवास शहक । निरमत चलकारक विकास त्रव । वाकि द्वारक जान नव प्रक्र अके बाबान करन (44 SCE SCE 45) 1

थ निरक्ष बैनटक खोरनाव न्यास क्रमा करत । क्रम निरम बरवास रहा मामितात गांच गांन स्वन स्टन । साहि क्रैन स्टब्ट्ड ने बार्ज बुट्ड्ड इस हांकारक हरन । कुछवार बाब क्हा दिन बात देवर्ग बरन वाका । बांड क्रुडे राज नवक प्राप्ता । क्युंद्रिक स्का-द्विनिया वाक्य की करत । वा द्विकाव राज ना कारक स्वरंग स्वरंग स्वरंगी कारणा ।

বেদিন লোকিয়াৰ সাঁজবাল পূৰ্ব হাৰেছে লোকিবই আয়াৰ জন এবৰ ছুকে
গত দেখা দিনেছে। বাজিকে বেল উৎসাধেৰ বুৰ। আলা বুজিত সভাবনাৰ

মান্তিভিন্নাৰ সমস্ত পুঁশিতে উঠেছে কৰে। অভয়ালে গেখিনই বে জা
স্বানাশ্বৰ আবোজন বৃদ্ধিল উঠেছে কৰে। অভয়ালে গেখিনই বে জা
স্বানাশ্বৰ আবোজন বৃদ্ধিল একন আগতা ৩০ জুলেও বলে বৃদ্ধিন

নাইবেল বছজাৰ কুটা বাজল। আহিছিলা ভাষণা শিক্ষা অসমেছে।

স্বজা বুলা বৃদ্ধিল গোল। আছ ব্যতো বা গিনিগিল ভাষণ এবাছে।

স্বজা বুলা গোল। আছ ব্যতো বা গিনিগিল ভাষণ এবাছে।

স্বজা বুলা গোল। আছ ব্যতো বা গিনিগিল ভাষণ এবাছে

স্বজা বুলা গোল। আছিল। বুলিছ বলে নেই। বাখাল একটা

১৯৩৬ আখাত নোগে ও বেছিল হলে গড়ি গোল ব্যক্তে উপ বুলাই

শ্বৰ বুলাই বিবাৰতে। বাগে ব্যক্তৰ পানীৰ বহু বহু কৰে বিগাছে, বুল ব্যক্তি

'হারাম**ভাগী। কোপার তোর মনি**ব।'

আমিচিয়ার কারা তানে সিনোর বোরি, এরসিনিয়া আর বামিচেরি
সৌচে বাইরের ববে এক। বোরির কোটের কলারটা ববে বাঁছনি দিতে
বিতে বব্দ—'আয়ার ছেলে মবে সেছে—আনো নে করা হ'
আরিচিয়ার বিকে কিবে বাঁছাতে নে পাগালের মতো ঠেটিরে উঠন।
'বুংলি ববে পোন্ত আর কিববে না। নবাবপুরে কী করনের একন—শক্তি-

**प्रम कत्रवि मा (क्रामद वक्रम (क्राम विवि ?** 

তরে এরনিনিরার বৃধ মুন্দ-বালুল, 'নোকটা পালন হল না কি ?'
নোরি ছোট বাছবাটি—আচনকা ভিডার হাত বেংক নিজেকে বৃক্ত করে
পরীরের সমত দক্তি বিষে তাকে বংজার দিকে বাডা কিন। বাইবের
নিকে আত্মূল কেবিয়ে বনুল, 'বেরিরে বাঙ বনছি। বেরোড আরায়
বাড়ি বেংক ?'

'কুথ নাবলে কথা বনো। আমি কাজো করোরা করিবা। বা বিদ্রুদ্ধ পেছে—আবনে নারা আনার কেই। বা পার্থের ভিমিন্তি করেছে, ছেল পেছে নরে। আনার কী দু আমি শিগনির আফি-না। আনো কোন গল পুছু বি ভারপার এই হারাবজালীকে চুকের বুলি বরে বিশ্ববিদ্ধ করে ৫৩ নিয়ে বাবো। স্পর্কের কাছি হতকাজী বু

হইগোল বৰন পুৰোধৰে চলছে গুৰন একটা কাঁকে বাৰিচেরি গিৰ্মোচ বেবিৰে। ইণিাতে ইণিাতে কিবে এল, সক্তে হুটো পুলিপ। উত্তৰভান গুৰনো বোরি উপাছে—পুলিকে ফলুল, 'বিরে যাও গুকে, যাড় বং বিরে যাও। ব্যৱসাচী বাড়ি বরে খাবার অপনান করতে একেছিল— শাসাতে একেছিল।'

পুলিৰ ছটো শক্ত করে বাকজোকে ববল। ও টোচাজে, 'আহার বৌকে চাই—ওকে আৰি ছাত্ৰৰ না।'

টোটাই পার বাধাবাছি করছে। পূলিনরা ধাব পাইছ ওকে হিচাল টোনে নিজে চলে পোল। বোরি থাকে পিছনে পিছনে খানার যিয়ে ভিটার নামে বালিক কছ করে এল।

ুপথবিদ সিনোর মানজনৈর চিট্ট এল—ব্যাসনতার বছ পরে। চিটিতে এছমবিদ বৃদ্ধা ও নাজনোর বৃতিবাধ অক্সবেদ ববর মাছে, ডিযাত উল্লেখনেট।

বোরি এখনে তেনেছিল লোকটা নোব হব গীপাক্ষ্যুক্তিকে পালিতে এনেছে। পরে ক্ষমন এর কর বা হানপাতাল করেন করবাত করাত পুলিবের কর্তুপক এর পারিব বাকী করবাটা করবাটা করবা বিহেনে। রোকের পুলিক ভিতাকে নিমিনি চালান করে বিল। নাবধান করে বিল—ভিন কর্যুক্ত কর্যুক্ত বাক্তরাকী বাক্তরে, বাক্তরাকি কর্যুক্ত আবার সেই কালাপানিক পারে পাঠাব হবে।

जिकान साटक निर्माद कांड केनात क्रिनित पृक्त गरनार, वह हुई सकेनात गराबारम बाजिक्सिक व्यवद्या त्यावनीय स्टब केंक्र | किन विन कीवन कर. त्यात विकास, माम क्रम नामम क्रम बारव । बीर्ड बीरड तक त्यात तकरहे तम, अन्ते अन्ते नरा च व्यक्तित् रात अन्। बरका नरावात वानावि वयह पनपूर्व जानहीं अधाना जाते वि। अर कार कार बार किय तर्व मा। क्कें किছ समूत्र बांचा मार्क किछ क्वांडा ब्रह्मह बरेत गरम स्व मा । अब क्रांद त्वम चारशब ताहे चवडाहाहे छाता हिम । यक्षत्र हरात गरम गरम अत बुरमत इस छक्तित राम । बारत भरकरे ছেলেটাকে হুৰ ছাড়াতে হ'ল। বাজিতে ভদুহুল ব্যাপার। একটি দিনের লভে ছেলেটির বেখান্তনো করে নি, এখন এরনিদিয়ার ভাছে দে বাক্ষ (क्न । इट्डी बांक ट्वा पुनटकर निर्म मा-नाहाक्न कारण बारेगाड बरक। अरु बृहार्छत्र वृक्ति (सहे—अत्र केनद कानाद शृहवानीत काक, নকুন বিকে গাটানো। আরিচিয়াকেও একটু আবটু তো বেখতে হয় ! अविनिवाद तकाक अरक्वारक विशव्छ शाहक। इसक्व खाबिएक वकरक । সে বেচারী ধবর কাগজ হাতে এদিকে ভবিকে বুর বুর করছে, বুরডে भारक ना की कहात ।

कि क्वाल करन मा कि है

ভাকাৰি বাবো । চোৰে বাবা থেকে নাকি । কৰতে পাজ না এক। কত কাজ সাবদান্তি। সংগাৰের কাজ, খোকার থেকার, এই উপর বহি এই বজাত বেক্টোর কোজত কয়তে হয় তে। আমার নইবে না ব'লে বিজি। বাকি খেকে হ'লা থেকিলে সিতে একটা কোনো অনাৰ আন্তান বা বাদপাৰ্জনে অকে ভাতি করে বাও লে। বুকের, ই। করে ভোবার নীডিয়ে বাবজে হবে না ব'

এটিরে। ৩৫ কথা ওনে অবাক, বন্দ, 'ওকে পাঠাবে অনাৰ আহ্রবে ह' 'ঠায় গো ইয়া। চক্ত বে উপতে পড়তে, সোধাৰ ববে না। বত বাধাৰৰতা ছই দাসীটাৰ কৰে, আৰু আৰি বৃদ্ধি বানে কেনে আসৰি। বাকেৰ পৰ বাত চোৰে পূব নেই, ফুক্টা আঁকদাবাৰ পৰ্যন্ত কৰা পাইনা—নে তো তোবাৰ চোৰে পাকে না ৷ গেঠে ৰেঠে হাক কালি ৷ আৰি বাড়িৰ স্বাই-কাৰ বাঁকী—না ৷ সেবে উঠুক বাজি—তক্ষ সেবে কেবল ৷ ভূক কৰে নেবো—ও গাল বিনেৰ না কৰা পৰ্যন্ত আৰাৰ পাছি কেই।"

শানাৰো বটে, কিছ কাজে গাটাতে পাৰদ না। আছিচিয়াৰ পৰীৰটা বৰ্ম নাৱৰাৰ মুখে তথম একৰিন কৰাৰ কৰাৰ আনিৰে বিদ তব সাত-মানেৰ মাইদে বাৰক অনেকজনো প্ৰদ্ৰা অবছে।

'शाना पाताच वाड् पाताच। मी ठान वाता पाताचि क्रिक्सिक्सिका हु इह तमें नम। एकाद नारेना बाद (गाइ---'

ক্ষ্পি কী ভাবে বাহা পেল লৈ বৰকী পেলে ভ'বন একটু নিভিন্ত হও। বহল—বিশ্ব থেতে না থেবে না ভাবে—ভিত্ন না ভাবতে পাবলে ভ বনকে বোভার কী ভাবে। ভিত্ন ভাবতে পাবে না ভ ? এ বেন একটা কুমুবের বাজা বাবেছে। জাহা বাহাবে, বাবে ভাভানো বাপে কোনো লাৰ হেলেই বাতা পাছেই বাব আছি বাবা পোল। হা ভগৰনে।
বাইনিয়াৰ কট কেট বাবে বা। আলিনিয়া তো নহই। উলটে বহণ
বৈজই হয়—লাভমান বেতে বা কেতে ব্ৰেন্ড হুছ ছবিছে পোল বাবে।
চা তো চটকেই—বাহেত প্ৰাণ। বাহ কাছে তাৰ নিজে হেলে ছাজা
সাতে আই কেট কেই। খন বিজয়ী বাবা পোছে তাতে প্ৰানিনিয়াই
টা বিজ্ঞ হতে পাৰে কিছ ছুল কেন হতে। আটিছিলা নামে বাবে
চাবে, বিবোরা লাইবা ছুল পোল। কিছ এতটুছু তো খন বোবা উচিত
ম লোনিবার উপত্ব আবাহত আনিকটা হাবী বাকতে পারে। পোটে
স বাবেছে বটে কিছ মুক্তে ছুল বিবে বাছ্য তো আমিই করেই। আনাহ
তা প্রবাকেই কটি কট বোবিলা ছাতা।

থাকাকে দেখাজনোর অভি পোহাতে হছে না খনে এবনিদিনা ঘৃথিই ।বছে। কিছু মনে মনে ও বিদ্ধা করেছে লিজনিলাকে বানীর অভ লাগটো হতে বিদ্ধা চল্পরে না—বাবী এখন করে কেন ছেলেটা অব নিজে। ওকে বাড়ি থেকে ভাড়াবার জন্ত ও বুচ সংক্ষা। কেনই বা ওকে থাখনে বুনা আনে বাড়িত্র কাজ, না পাহাবে পোকার আহা হতে। হাছাভা এবানিদিনা চায় ওর ছেলে কেন সভা মাজিত ইভানিয়ান ভাষা সেখে। লোকিক বেছে আহিছিলা জন্মনা নিনিদিন বেছে আহিছিলা জন্মনা নিনিদিন বেছে আহিছিলা জন্মনা নিনিদিন বেছিল আবা হাছাভা থোনা ভাষা আনে না। নাঃ, ওকে বাছতে গেঙলা হবে না। ওকে বাবা বিদ্ধা করেছে বুল কেবাৰ অবোগ গেঙলা। বোহিকেই নগতে বাবা আৰু করে ভাষাভাষ।

মোরি বলে, 'আবি অবেক ভাড়াতে বাব কেন পূ' 'ভাঙন,' জুনি যে। হলে বাড়িন কন্তা। ভাড়াড়া বৰং দেখিতে জুনি বে ঋষ বাখা বেবছে। ব্যৱতে পাত্র বা পূ'

'আৰি • আৰি আবাৰ বৰৰ দেখাতে গেৰ্ব কৰে •'
'ভূবি কি বলতে চাও এটা আবাৰ বল-গড়া কথা • বেখতে গাঙৰা ৬ৰ

হাসভাব এবন বেন বাড়িটা খব নিজেব। একই ছেলের ছুছুটো বা খার একই বাড়িতে ছুছুটো কর্মী—এ ভোষার ভালো নাগতে পারে, খারার কিন্তু ব্যবাভ হবে না ।"

অহিয়া বাবে কথা কাঁটাকাটি করতে সেনে ব্যাপার বারাকাই হবে, হনু
নিজের হবে গুকালাতি করতে হাকে না। 'এলর ছুবি কী বা তা বছর
বানা দেখি ; ধ্যোর করে সবছ দিনিসটা ছুবি বিজিম্বি করে ছুবছ। এবং
অক্সক সন্দেহ করে নাও আছে কিছু ; ছুবি দেখতে পাওলা, আনি
নারাকল কাজ আর পড়াঙ্ডনা নিরে বাজ। আজ বেরের বিকে আরি
কোনো বিন নজর বিরেছি ; বাভিতে বাতে পাজি বাকে, ছুবি বাতে হাবঁ
হও দেলার নিজের হেলেকে পর্যক আরে করা হেকে নিরেছি। আরিছিনা
বেতারির কোনো বােষ নেই—বিছিনিছি ছুবি আকে অবিধান, কচে।
নাক্ষরে ছুবলার বিরেছি, জানোরার বাবীটা ভাকে কি আর আর আক্রার ওর কথাটাও কেবে কেব। সিনিসি কিবে লাবে ও কোন নাক্ষরে দুন্দেরে বাহে বাকে, জানোরার বাবীটা ভাকে কি আর আর কারবে গু অইবানে বাইনা হবে এল ব'লেই তাে নিজের হেলেটি হারাল। বে হেলেকে বাছর করবার অভ ও আপন হেলেকে বিস্কাল বিল তার প্রতিভাবি ওর বাহা বনে বার, তার কার-ছাড়া হতে বিনিজ চুব্, নেটা ছুবি বােষের বসবে ; বুবে নেধ ।'

'বীয় কাছে ও বে ব্রক্তিওলো আওলাকে দেওলো ওর নিজের দেব। বেকেই চুবি করা। নেওলি গোরালিনট রানে কিছুবিন বারে ক্লর বন্ধুতা বেবার করা! বন্ধুতার অন্ধ নে তৈরি হজে। মু, বিজ্ঞানিবাহে হৃত নিনিলিতে এই বে একটা মা-হাড়া বিভব বৃদ্ধুত্ব হ'ল—নিই ঘটনাটা বেল কলাও করে বন্ধুতার বারে স্থান্ত বেবেঃ।

क्याचे करह पकुष्णा यारा पूर्व एउटा । अहाँतिमिता पुष्कि छाउँव शांत बारत या । बत्रक केमाडो सिगकि फोम । सब सब कहारक पहारक पह एवंटन राजिस्त राजन कबूनि व्यक्तिकारण जाव रेका<del>न रङ्कांद राजा बलकरना हुँ एक स्टान दिला।</del>

বিনিট করেক পরে আরিজিয়ার চাপা কায়ার থক পোলা পোলা।

কাত্যকরে তর কর্মীকে কর্ত্যক করে বংলাছে, 'আবার ছাড়িরে দিয়ো না,

বাইনে চাইনে, কেবল ছবুর্নো থেতে দিয়ো—বোলারের এটোঞ্চাটা

বা পড়ে বাকে। আরি এক কোনার পড়ে বাকর। বোহাট্ট তোবার,

আবাকে ছাড়িয়ে বিরো না! আবি কিরে বেতে পারব না, ককনো

পারব না! নোনিলার বোহাট্ট, আবাকে বরা করে বালো। তাড়িয়ে

বিনে আবার সর্বনাশ হবে। আবার কোবাও বাবার পথ সেই।'

অনেকক্ষণ ব্যবে ভাষা আহু অভ্যুব্যরে পালা চন্দ্র। তারপর সহ চুলচাপ।

মোরি ভারবা, অন্নিশিন্নার বন হবতে। ভিজ্ঞেছে। বেকেটাকে পেব পর্বন্ধ

চরতো ভাষালা না।

ভিছুত্ব পর নিনোর বাবিচেক্সি বোরির খবে চুক্স। ভর প্রতিধিনকার ভারিকি চাল খবে পড়েছে। দালি মুখবানার মুক্তমুক্ত চুটো চোগ জনজন করতে।

'বৃধ বাগিয়েছি বলতে হবে।' বনিছেব দাবনেই আনকে হাত কচলাব আৱ কি।'নিনিনির ঐ বাগছক বাইটা—ই বাকে দিরি একটু আগো বেব করে বিরেছেন—আছ রাত্রেই দে আবার বাভিতে আলচে। কাব বরাত বলতে হবে—বিভার আগনা হতে বরা দিরছে। বাইজনো বে নই বেবেলাছক তা কে লা জাবে দু পাঁচ তাতার নিয়ে কাববান-এই কেউ কুলে নিনেই হ'ল। এটি কিছ জারি দেরামা—এইন জচ্ব করে হেন ভাষা বাছটি কুলে থেতে জানে না। ওব ভাববান আনি কেব জবে দিবে কাবী।'

'निरमात वानिक्रकि !'

'stre !'

रक्छात विविक्त कालकरमा पृष्टीत शास्त्र निर्देश रवाहि समृत, 'अकरमा

को करत करि करत रक्ष रकाई

বানিচেরি নিধে বন্দ : ন্যাকভাইত বনিবাদ পান্য করতে নৈদে থানে বানব নবালে গাব্যের অভিন্তা করতে হ'লে বুট করা বনেবাধা কর্তব। এবনত, নকস বাছবের বানিকা নির্বাহের বান্ত ছানিনিটি বাবহা থানা এবোজন। বিভীত বান্তন নরাম ছবোস বিভাগ হলে। সরাকভাবের বাই নাব্য আভিন্তি হ'লে প্রভাগেই বানী ক্রেনার স্বভাগেই বানী বান্তন বান্ত

'নিনোর বাবিচেক্সি !'

, aite | 24 i,

আপনার আজ কী হরেছে বজুন তো গু মাধা-ধারাপ হ'ল নাকি গু অমন করে চাসছেন কেন গু'

—কিতীশ রাহ





## CHAI

গ্ৰচিনাৰ বা ছুঁৰাৰ বৰজা ছুঁৰে ব'লে সেহেন, 'অত বেনি একা বোলো না, উৰ্জেকিত হুৱো না, অহ বাছৰে। সৰ সময়ই ছুবি কৰা বলছ—এক: একাই বেলা কয়ছ'—

হোই বিছাগাটার উপর চারপালে একসারা বালিব সাধিরে হেলান বিরে বর্যতিয়া বলেছিল। ছুক্তর ফুক্তর অনেক পুকুল চারবিকে সাঞ্চান— থেলার উত্তেজনার ভার হলাবে রঙের চুলগুলো নীল সিঙের টুলির কাঁফ বিরে বেরিকে পাক্তেছে। ক্রোথের উপর বেকে চুলগুলো সহিবে সে নার করার জ্বাব হিল, 'না, বা, আবি একা বেলাহি না। নেনিও থেলাহে।'

গর্বাভনার নার্সের হোট বেবে নেনি—সভিচ কথা কলতে কী নেনি
কিন্ধ এতকণ একটি কথাও বলেনি ! বরভিয়ার বা বতনার বরজা খুলে
খরের মধ্যে উ'কি বিবেছেন ততনার ও তরানক ওবা পেরে তীর নিকে
একসুটে তাকিরে বেকেছে। বরভিয়ার খবে বছন দে এসেরে, তাকলর
থকে কু'কটা নেনি বেন ক্যালোকে তেনে বেছিবছে। আতোকনার
সরজার হাতনের কর, বরজা বোলার কায়ার, কায়ার, আতাকনার
না আর তীর কর্মকার কেনেই ব্যালোকে থেকে বাভা নিকে—আগার
নাটির সুবিবীতে কেনে বিবেছে। এতটা নমর নভি সভিট লে বেন
পরীর বালার চিন্ন। তবু একটা বালা ভর বাববার তেনেছে তার মনে—
বহুছোলার নে কেবছে, বা কিন্তু লে বাভ নিয়ে কুঁতে পারকে—
বিক্লুই
সন্ধিন কর।

प्राप्त गरून गरका अन्त्री क्षत्र-सहा ब्रह्म बरक दल औं अन्त्री क्षत्रे नंतरह। अर द्वांते रूप निरंदरह त्न क्षर-त्न ननाव नारह, शास्त्र তলাব, বাজের কাছে বেপ টান পরত : রীতিমত বর্ত্ত হয়। মাধার शिख्य नुस्त्मा वह-केट्ट-बाड्या विवस-अक्टान वन कारणा क्रम्ब कारण ক্ৰমণ পুলে বাজে। চুলগুলো ভবনো ভিজে—বৰভিয়ার বাড়ি আগতে হবে, সেইজন্ত সে আনার আবে নাবা বেকে পা পর্বন্ধ আগাঁলোড়া परन मारक शरिकांत करत अरगरक । मार्गाहिएक अपन कुरक, शरि कीते। रम्बान, नीम बर्डब निरंबद नवमा चांच चक्रांक गय मादि माबि किनिन त्राच त्मिन वर कराव श्राव निरव्यक्ति त्य अवय-अवय ता विक्र कारण करब स्वयंक्त वा क्रमांक्रवे शाक्षित मा। नहीरत मारानव नरान रवपन कायका—स्वित्व बारको-काका-कावाको कारकत गराम क्रिक तमहे तकम अँडि পাছে—কলে হাডটা ভার প্রার কুলে উঠেছিল। ঘরে ঢোকার একটু পরে পুৰ আৰে আৰে, কী বে করছে তা না জেনেই, নেনি তার হাতটা বরভিষার থিকে বাড়িরে বিল। ভারপর বিছানার এক পার্শে বঙ্গে নরম চামরটার উপর হাত বুলোতে বুলোতে হা করে একমনে দরভিয়ার वक्षकामि क्षमण्ड नामन्। দর্ভিয়া বেশ বৃক্তে পারছিল বে এডকণ কোনো কবা না বলুদেও নেমিই সভিঃ বতিঃ খেলছে। নেনি চুপ করে গোল করে সাজানে। গুডুলবলোর বিকে একবনে তাকিরে আছে—তার এই প্রভারতার বনে হচ্ছে বেন পুতুলকলোর সভিঃ সভিঃ আণ স্বাহত ভারা বেন বলেছে এক সালে চা বেতে। বেনির অবস্থা মের্লী পৃত্যুক্তলোকে নাড়িরে চাড়িরে করা বলিবে বরডিরাও আনক পাছিল। এত-निम वहविद्याप मान वर दर कांत्र पूक्तकांना कर् पूक्तके—बान श्राप्त त्मरे-वर् क्टबकी कार्जन हेक्टबान केन्द्र त्मारबन कि कारजन देखनि মাধা, কাচের চৌধ, পাটের চুল-তর্ পুতুল। আৰু বনে হতে আর ওয়া

ল নত্ত, তবের আনি আছে। আফ উননভাবে ভরা আন পেরেছে বে,
। বে কথনত সভাৰ ইতে পারে একবা বয়তিরা কোনোহিন লাবতেও
ারে নি । বাজির একটা বাসীর হোট বেছের অবাক হওলা অবংলা
ারে কলে পুরুদক্রলো বে গতিয়ভার বাছুব হরে বেতে পারে এই রেখে
বি অবাক লাবছিল বরতিরার। নেনিকে আরে। অবাক করে বেবার
তে নে বছ-বছ ভার বহিলাবের মতো কবা করে বাছিল—তার নারের
হুরা বেবন কতরকর কেতাছুবত কবা বলেন, সেই রকন কবা, ভারবানা
ই বেন পুনুদরাই কবা বল্যছে।

া পুৰুলটা ধেৰ্মছ বেৰি চু জ্বৰ নাম কাউক্টেস বৃদ্ধ। উনি নিজেই নিজেষ টেইলাড়ি হাঁকান, লোনা কনালো নিগাৰেট আন আৰ এই বৃষম কৰে তি কু কুলে বৃষ্ণ বৃষ্ণৰ বলেন, 'মরিবিটি টু কুনি বহি আনাকে ছেক্টে টিন্তে বাওঁ, মরিবিদি, ভাষালৈ আনিও বৃধ্ ছেক্টেট্ডেড পালিবে চামার কাছে চলে বাব।'

বিংগি বে কে নেনি তা জানে না। হয়তো কোনো জাছনৰ, বিংধা বিভাগৰ মান্ত কোনো বন্ধু, কিংবা হয়তো তাঁহ সৰ মহিলাবন্ধাই সে ছ। দৰচিয়া অকে ব'লো বিবেছে, নিসট্টো কৌ নাৰে বে প্ৰকৃষ্ণী তাহ ংগে মহিংগির বড় জান। তাই বড়বার কাউন্টোল্ মূব্য কথা ও ওপতে, তেবাইই লেনিয় মনে হছে—বিংগি বোৰ হয় লোনো জাছকঃ। All right, thank you আজা বছাবা।

না, না, অবন করে হোলো না বেনিঃ বিক্টেন্ বেট বন সমর ইংচিছিতে
চথা বলেন—আনার বার কান্তে, সব্-বা-ইরের কাছে। সব সরর
মাজার চড়ে বটুবটু করে যুবে বেড়ান। বর একটা বারাণ আত্যেস আছে
চালো নেনি—গুড়ব বাছুবরের রডো এবনি গা কাঁক করে উনি যোড়ার
চড়ন—এত বিজ্ঞী বেবার। বোড়া বেকে পড়েনও তেবনি। একবার

'আৰ ঐ গ্ৰুক্টাৰ কৰা বনছো ? উনি আৰি নকাৰ—হানিৰে হাগবে 
একেবাৰে বেবা ক্যানেন ৷ উন্ন নাৰ ক্ষেত্ৰ কৰা নাৰিছে। উন্ন কৰা বন্ধ 
শোননি কো !' পদাৰ কৰ বিক্লত কৰাৰ ক্ষেত্ৰ কৰা ৰাবিছে। উন্ন কৰা বন্ধ 
শোননি কো !' পদাৰ কৰ বিক্লত কৰাৰ ক্ষেত্ৰ কৰে বৰ্ষতিয়া ব'লে বেবা 
লাগল, 'ডিঃ, বাৰাৰে বাবা ! ৰাখাটা আবাৰ পেল ! মহিনি ল'লে 
কেয়ে না, আবাৰ নাই ভাবি কুৰ্মণ ৷ একটু পঞ্জীয় হনে কথাবাট 
ক্লোন্য আবাৰ কৰীৰ নিক্ষৰ বাবাপ হলে-নাৰিছিল গতিত স্বতি 
লাগতে পাবাহি না ৷ বাখাটা আহ কেটে বাবাৰ ভোগাড় হবেছে। 
আৰ হাউও বে বুক্ত কুৰ্মণ-পোহাই কোৱাৰ বিবিধি ৷—আৰ একটা 
ক্লোন্য কৰা 'জাব নেনি, ভনা বাবিছু ভালো কৰে কৰা উনৰ কোনি 
ক্লোন্য কাৰেন না ৷ মহিনি বেবন কৰে কথা-বলে উনিক কোনি 
ক্লোন্য কাৰেন কোটা কৰেন ৷ ওৱা কৰেন কৰে কথা-বলে উনিক কোনি 
কাৰে কৰা কাৰে কেটা কৰেন ৷ ওৱা কৰেন কৰে কথা-বলে উনিক কোনি 
কাৰে কৰা কাৰে কেটা বন্ধন ৷ বাবিছ আৰু বাবিছ আছে ৷ 
এ বহু কথা কলে কেটিৰ বাবা সন্তি। বিভাই বছকে প্ৰাম্বণ 
এক বছৰা কলে কেটিৰ বাবা সন্তি। বিভাই বছকে প্ৰাম্বণ 
এক বছৰা কলে কেটিৰ বাবা সন্তি। বিভাই বছকে প্ৰামণ্ড 
এক বছৰা কলে কেটিৰ বাবা গড়িব সন্তি বছকে বাবেছ ৷ 

এক বছৰাৰ বাবাৰ বাবিছ বাবাৰ বাবিছ আছে 

এক বছৰাৰ কলেন কোটা বাবাৰ বাবিছ বাবাৰ বাবিছাই 
কলাৰ কৰা কোটা কলেন বাবিছাই 
কলাৰ কৰা কলাৰ বাবিছাই 
বাবাৰ বাবিছাই 
কলাৰ বাবিছাই

নে অবাধ হবে তাবে । একটা পুতুল নিবাবেট বান্ধ, আন্তর্ভারতটা পুতুল বোড়ার চড়ে কেচাতে বাহ—এ নৰ নতি নালি ? বিশ্ব তই পুতুলটাৰ গালে নেই নতে বাঙরার লগটা তে: ঠিক আছে। কেনি ভাবে, পুতুল-জনো বহি লেক্ষর পাড় দেওবা জাবা পরতে পাবে, বাধার বোভান বিশ্ব বলালে পাতে, নিকের নোজা, বধবলের গাটার, লোনার বোভান লালালে পেটেক্ট চাবভাব জুতো পরতে পাবে, ভাবলে হবতো গতিহেঁ गवा प्राव्यक्क व्यक्त निगारकोव वर्षित, यांच वे तर देशिशिक मा कि, तर म्या व्यक्ति व्यक्त मुख्यक भारत मा, रावे व्यवक्त स्वाक करोक मंदित । स्वत व्यक्त वर्षे प्रविक्ति त्या मा, रावे व्यवक्त स्वाक करोक हरते वैदेख । स्वत व्यक्त वर्षे प्रविक्ति त्या मा कर व्यक्ति स्वत हरावे द्वावे द्वावे द्वावे व्यक्ति स्वत । स्वत वर्षे प्रविक्ति वर्षे प्रविक्ति । स्वत वर्षे प्रविक्ति प्या प्रविक्ति प्रव

ে বীতিষত চিন্তাৰ বৰ ।
বৈতিষা বলছে, 'ভইটা ? তীৰ, ভটা দেব না তোৱাৰ । একটা হাত
নিবে বেচাৱা বক্ত কুগছে—আবাৰ কাছনিতে ভবে বাকা ওব ভাবি
বেকার । দেব নেনি, আমি চোৱাকে—আমি চোৱাকে নিক্টোন
কটাকেই বিয়ে বিলাব ।—না, না, না, ভবেও তো দেববা চলুকে না ।
ত নিকর তোৱাকে কাছ বেকে লালিতে বাকে—নিক্টোন কটিব বাতা
এত ছবঁ, পুডুল আমাৰ হব না—কতা কড়া কথা নকে, আমা ভাও বকে
ইংবিভিছে, ভূমি ভাৱ একটি বৰ্ণত ব্যৱহা । আমা ভূমি এইটে নাও ।
এই নাম মিমি, ভূমি কিন্তু ভাকে সব সময় কিনেজি' বাকে ভাকৰ ;
নি বাৰ্ণকেন বিনা) বাৰ্ণনেন কী তা বেগত তো প্ৰ মাম মাৰ্লকেন
মিন । বুলি কিন্তু অন্ত ক্ষেত্ৰ ভাই বাহৰ । হোভ স্বভাকের
মিন সময়ে এই ভাকেৰ ব্যৱহা ভাই, প্ৰেক্তলাকের সময় ভাকেলেট
টাইই আমি বিষ্টা—আমা—নাৰ ভাইডা—ক্তৰেল—আম্ব ভাইডা
একবাকে অনুব্ৰবানি ব্যৱহা নাৰে না—বা ব্যৱহাৰ ঘটট ছোট

এই সময় বাব ভূকালন বয়তিয়ার যা—গিছনে পিছনে ভূকন বেনিব যা। বয়তিয়া বন্দ ব্য ছোট তখন তাকে হুব দেবার ক্ষান্ত নেনির যা এ বারিকে চারবি নিরে এবেছিল, এখন বরতিয়া খেল বড় হারে পোচে, তত্ত্ব এবানেই সে রারে গেছে। বরতিয়ার বার পালে ওছ নিজের যা ইণিছিলে—বেনি একমার বুব ভূলে তাকাল বারের বিক্লে) ওর বান হ'ল, এই ভূকার গোপানে, বাখার নার্বদের টুলি আল্লান্ত পারে লালা এব্যরহারীর করা এখন্—এই স্বাদ্ধর বার্কিটার যতে ভালিত বার্কি বেনির নার্বাহর বাবের নার্বাহর বাবেল বার্কিটার বার্কি ভালিত কেই, তুর্ব নালান্ত বার্কিটার বাবেল বার্কিটার বার্কটার গরা পুরুপটা নেনিকে পেওয়ার কোনো বাবে হয় না। আর মেনি পুরুপটা নিরে করমেই বা কী। বাজিতে অনেক ভাল করতে হয় নেনিকে। এর গাবার সব কাল ক্ষত্তী করে। কেন্দ্রগুলার সবর পর্বন্ধ নেই ক্ষেত্রিয়ার। যাবারে কিবে এনে বালি এর বাবা লেখে সব ঠিক ঠাক গোছার নেই— তারানে করই বুজিনে গভতে হয় ওকে।

বাবা ? কোখাৰ ভাৰ বাবা ? এই মুহাওঁ নেনির বনে হ'ল তার বাবা খেন অন্ত এক আনতের বাছব। বাবার কথা মনে করতেই ওর কেমদ প্র ছয়, আরা হয়। বাভাল হয়ে কেবে গোভ রাত্তে, এনে বক বক করে, গুমু-ভারু ওকে বারে, কী তীব্দ কোরে যে ওর চুল বারে চান লাগার। মন্তের কাছে বা পার ভাই ছুঁত্বে ওকে বারে আর ঠেচার, 'ভার কলে দুই মরলি না কেন্দু গ'…

গৰ্গ ছোট আইটি নাবা গেছে—তার বদলে নেনি দেন ব্যেনি ভাই
নিবে বাবা ভাকে রেজ গোটা দেৱ। তার যা বধন ব্যতিবাদে বুব
দেবার চাকরি নিল ভবল নেনিই বেখত ভার হোট ভাইটিক।
গাগার একটি বেছে বানে করেকটা নিবার বননে নেনির ভাইটিক।
গাগার একটি বেছে বানে করেকটা নিবার বননে নেনির ভাইটিক।
গাগার একটি বেছে বানে করেকটা নিবার বননে নেনির ভাইটিকে
বানে ভাইটিক বারা বার। ও বুবাটেই গারেনি বে সে ব্যেক্
গোছে—তাঁভা, জাকানে, বরা বেছটাকেই কোনে করে আনককপ মুরে
বিভিন্নিয়া। নেই খেলে ভার বাবা এই বক্ষম উল্লেখন, অবাহ্ন হয়ে
গোছে—ভাইটিকগোতে নিবির বা আনকাল ক্ষমের কাছে বানেই না,
এই বক্ষ বাভিন্নিয়ালয়ের বারে বিলিয়ালয় নারি একটা বিভাগ বারা বনকে প্রমা
বিভাগনে বিল্লিয়ালয়ের বার্নি করেছে। বার্নির বারা বনক প্রমা
বার্নির বার

নেৰি কৰাৰ বা বৰ্গহে, 'বা বা, বিশ্ব বছৰিবা আ বংশ বা.' 'বাত ক্ষম প্ৰকুলটা নেৰিব মতো নেৱেকে আগানি কিছুকেই ছিছে পাছকো না।' ব্যৱস্থান বা কথাৰ কান বিনেদ না। প্ৰকুলটাকৈ বানে, বাৰ্গকে নিবিকে নেৰিব বুকেৰ উপাৰ বেংধ ভৱ বাত হুটো একতা ক্ষমে বিনেদ। নেৰিব বা ব'লে উঠন, 'ছি. ছি. সামাজ অহতাত ক্ষমে নেই বিনাদ। বেংল। বাৰ্বাৰ দিতে হয় তাও জান না। উপাহায় পোনে কী বন্ধতে হয় বানে নেই?'
সতিটো সৰু কুলে গেছে নেৰি। কোনো কৰাই তাহ মুখ বিয়ে বেংল।

मा। बरका कारक मार्नरमातक दम बीकरक बाद बारक-छाउ मिरक একবাৰ সাহস কৰে ভাকাতেও পাবন না নেনি। म्बलिशांत पर त्यांत के प्रथम त्यत्ता कंपाना क्षेत्र वाह कारहेमि । काथ कान् करव नावरमंद निरम है। करव काकिरव चारक, या कुनकरमा प्रिक करद रहतोत रही करामध मान दिनरमह केंक निरह राखरमा चाउ के बरह । कारना निरंक किंदू ना सरध, कारना नंच ना करन त्नीन সিঁভি দিৰে ৰাজ্যৰ লেৰে এল। ছোই ভাঙা ওদেৰ ৰাভি বেখানে বাংশং गारण के जिम काठाब, राजारन किरत जारा छात राम किछी। साम क 'কিৰে পেল। খৰ মৰে হ'ল, বেন ওৰ নিজেব আৰ এতট্টকও জীবনীশক্তি (मधे-मनको (रन वरे प्रमद शृक्तन बर्ग नकातिक हरताह । शृक्तको ভগৰো দেবি বুকের কাছে জীকড়ে ববে আছে আৰু ভাৰতে বাৰ্ণবেদেং बीयनवाजा गवरक अर निरक्षत्र कारना बादना**हें तका-स्वयन** व्यक्तिकार क्षमर्थन वक्षवकानित वर्षा ताहे जीवरनत बानिकते क्रिक्क हरि क क्र त्वचटक द्वारवेटक । शुक्रमाँग त्व नव कवा वटन वित्र वदक्रिका वनक्रिक, 🗸 न्य क्या वरि का कार्ट्य शृक्ति। यदा कार्ट्स क वृक्दन की करत. এট তেবেই মেনি বিশেহার। হরে পড়ছিল। কী বেন কৰাওলো। 'বৰিংগি, বৰিংগি, ভূবি বলি আৰাকে ছেডে পালিতে বাও, ভাচ'লে বাৰিও লম্ব কেন্দ্ৰেকে পালিকে তোমাৰ কাছে চলে বাব /

এবন, এই ভাঙা ব্যক্তিতে বার্ণনেদের সংখে কেবা করাত রভিত্তি ভিতর बागरन मा- अर महिनानकरण्ड क्या (करकड़े क्षात । जाका त्याका बनाटमा निशारको बाह सर्गा बनाटमा शब्दका विदे साह । बाह

रिकाराय द्वासां करक-काम त्यामा ताले ताले त्याचे त्याच

एकमोरक मिरा ७ व (पना कराष्ठ गार्ट अक्या (कांबास किय একবারও হবে হ'ল না। তার হনে হ'ল-বার্ণনেবের একজন লাসীর नरकार, त्म तार्वे वानी बरफ नारत । किंद्र फीड नशरन की करन कवा बनाफ হয় তা তো নে জানে মা, জী হতম ভাবে ছিন কাটানো হাঁহ জ্ঞানেরে দ্বত্তেও ভার কোনো বারণা নেই। নেনি কোরা বহা বিপাদেই পঞ্চল। निकार कांडे परतेश करक स्तिन चार मच्चार शीमा प्रदेश ना-निकार करत छाड़ सकत यह, छाड़ सकत व काड़े यहिमाहित्क त्म स्वारम करत तार बार बिरह जागाड कीय बार । जबार कीर तारे क्या दिशाना, डाडा (बर्डन क्रबाब, चाब कृत्मुब नेका क्यांद नवद (व हेमहोरक क्रियेन करत के नामांकरमा कहराया (महे हेमहे!--वर्धात काबाह हम मानीतमहरू शंचरत है अवस्था नर्बंच मुख्यमोत्र मिर्ट अवसात जाकारण ता शावत করেনি। মার্শনেকের চোধ ছুটো কাচের—কী একটা বিশ্রী পচা জারগার তিনি যে এনে পড়েছেন তা তিনি নিশ্চৰ দেবতে গাবছেন না. কিছ শভ प्रमान कर त्यांक जारू पार्नामासक क्रांच विदान तिन कार प्रातिक দেবছিল আৰু ভাৰছিল, এবানে ও তাঁকে বুলিনে কোবাৰ চ অবতি गडकन ता मुक्कोशिक वितक कार्य त्यादिन, मुस्का कार्यक विता वार्य বেশহছ ভভকৰ বাৰ্ণনেদ বিনি কিছুই কেবতে পাননি বটে, কিছ বৰন ৰে মনস্থিত কৰে উাত বিকে ভাকাৰে তথন ভো তিনি চাৰণাশেত সৰ किङ्क (स्थरक शारतम । स्मिन ग्रेक कडक, अवस नकरक कींव सारक इस शाबान बादना मां इब कांद्र राज्या क्वारक हरन।

বনে পঞ্চল বিহানার তদার তার হোট বাজটার মতে বিলু বরতিয়ার পুরনো দীল বংচর একটা থাবার আছে। বরতিয়ার বা নেশির বংচ ওটা পাঠিতে বিত্তেবিদেন। অনেক বার বেচে কেচে ওটার বঙ্চ কালালে বার পেছে, টি'ডেও পেছে করেক আরগার, তবু ঐ বড় পাড়ি থেকেই তো ওটা এগেছে, একদিন বিলু বরতিয়াই তো ওটা পরতো—হলতে বার্গনেল চিনতে পারবে।

গুডুলটাকে বা নাৰিৱে, একবাৰও ভাৰ বিকে বা ভাকিছে, নেনি নিচু বছৰ বান্ধ থেকে বাধাৰাটী বাব নহদ—ভাৰণার দেটাকে টুবের উপত টেবিল চথ করে লাভাল—টেকাডলো, অছত বে সুব আবগাৰ বেলি টেকা—লেডলো বাতে বাৰ্বালেসের কথাৰ না গড়ে এবন ভাবে লেটাকে গাভক লে। এবাতে বা তবু একটু আৰভ হ'ল—সেংনা হ'লেও পাভকা কে সাজিল বিকাশ কৰিব ভাকি বাছি আবি কাৰ্যাল ভাকি কৰা আৰ্থাটা কে সাজিলাই আছে পাছকাটাক কৰা কৰাক পিছলপাৰ আৰু পুঞ্চলটাকে ও বলাকে গাহবে।

আছে পাছে পৃত্নচাকে টুলের উপর বনাতে দিরে পাছে লাগে ব কাপত ক্রাণ্ড নোহে। হরে বার এই তবে ওর হাত উগপতে লাগদ একখনে ও পৃত্নচার হিচে সাহল করে তাজাতে পারদ। ওটাং এবংলার আর ওর অতে দ্রুগে লে লাতর হার পড়ল-নুথে এল রাখাতুর অনিক্ষরতার হারা। আছে আছে ইন্টু জেঙে বান পৃত্নচাং হোবের বিদে ও তাজাল-নিল্ বরতির। তার বছি-আল এবে বে স্থান্থ জীবন বিরম্ভিদেন, ভাত হবে এনে নেই প্রীক্রিম্পী আর ভোনো ক্রিক্ট ও পেবতে পেল না। নেনিক্ট ববে পারা আনা করে। প্রস্কৃতী জানের বতো তার হারানে বিক্টিয়ার বালিক বালে তার স্থান্থ জীবন, মত বচ্চ ক্রম্ভন বিক্টার জীবন। কির্বান ভি বরে তা। স্ক্রম্ব ব্যব স্কুত্ব বা তার অবকা। তারেছ বালিকে বে ক্রিষ্টু দেই। বিশ্ব ব্যক্তিয়া বালিকিকেন ব্যে বিনের বরে আনক্ষরতা শোশাক বংলাক ভার পুরুষকের কভাব। বার্গকের বিবিশ্বই ভো कड शक्त श्रम (गानाक हिन-अक्डी मान, अक्डी हमाह, अक्डी न्यक तरका, अक्ट्रीय डेन्ड काड़े काड़े कालद झान तरका, बाद अक्टोंड गरान चानाव चानामी डाडांच डिन । क्या और ही करते वा वाना क्या बाद (व तारे अकरे त्यानात्व, अकरे कृत्वा नात्य, अकरे वेनि. अक्टे ट्यनालंडे. ननाइ अक्टे बाद नाद बार्नासन विस कांग्रीरसन ह गनाव बावतेव मार्म महिल्लाव भागास्त्र देखी हाहे अस्ते भावा बनाइ : ब्रावर नावरन नाजरन बेहेक शांवा निरम्न (र शांवम हम छ। (शंबा बाब-कार्ते ब'रास्त्र प्रार्मामात्रव शरक का बार्क---নিসু ব্যক্তিয়ার বাড়িতে ব্যক্তির স্ব জিনিস্ট ভিগ, ছোট জুলার বিছানা, নানারকর কাপড়চোপড় ভরা বাকু—কেখানে বলি প্রবা বাক্তভা ডার্ম'লে বুদি মনে নেনি মার্লমেকের হাসীবৃত্তি করছে পাবত। এবানে, अवारन ता की कराय ? मुख्यकी त्ववार मबस बार्नामामन विश्वामा स्वान ঘৰত কৰেকটা জানাকাশড় দিৰে কেওৱাৰ কৰা বিদ্ বৰ্যভিনাৰ তো ধৰে रक्ता केरिल किया। त्विम त्व त्विम कामी त्वामा बेनकार हाक्रेफ का का नव : फरन पाएक शक्रमकी कहे मा शांव निरम्भ चारक दम प्रार्थमानाव উপৰোধী দেবা বন্ধ করতে পারে, দেহিকেও তো বিস বর্তিয়ার নক্ষর त्रवर्ग केठिल हिम । जोर निरम्द किहूदे (महे-मृक्ट्मर व्यादायन त तिहार की करत है के कई बार्नामहानद ल्लाडेके हामहाद क्रावार देनार নিখোন কেলে কেলে তারপর আঞ্জ বা ক্লালের এক কোপ দিছে गांक करत विरक्त लांदा, कांडाका चांत की ता लांदा ? त्मिन क्रिक क्रमा, मानके ता शुक्रमोहारक मिरत जिल्हा वित्र वर्राष्ट्रशास्त्र मनाव, 'राष्ट्रम, वर शब्द कार्य क्षा बाकाव क्षाणा शब्दकर कारन वाकाव करक वा वा बढ़काड का बाबाटक बिन, बाद का ना वह बाननाड गुप्रम मानवाद साइवे बादन (

(क कारत : कारका दिन वहकिया शुक्रमोति या या वहकात सब्दे कारक विरव (करवन । द्रानि हैन्हीत नावरन वरन नवा अस्की निर्दान रक्त्। मित्कर चारक कारकिएक अकराय हम काकाल-केंग्रेस बाल क्रिक वार्तालय বিনিহ সেই ছোট বৰ্ট বেন ভাব ভাৱা করেব এক কোনে এত कार्त है, कार्ट्स बाहेडी माना वह कहा, बनबरन महिकान निकामा, एव ৰণাবিট নীল নিছের, বাটের ভবিকে আছনা কান দেরাজ, লোনানি हराइड क्रबांत. स्वताल चार्नि--तिन दन निरम्बक त्वराख रान्त. ভার নার নতো ক্লম্মর পোলাক পরে একবনে ভার বানখেয়ালি ছোট ৰনিবটিৰ সেবা করছে। বছনি বাতে না খেতে হয় তার কভে আপে ভাগে ও নৰ কাজ করে রাখছে। নৰ রক্ত ভাবিধে তার কাছে বাকলেও नव सक्य विमारनंद क्रिमिन बाकरमध, वहनाहर का बाद बाकरव मा-चांव कांव करक हरन वन शांदांग-काहे चारंग कारंग गर कांक त्यारं बाबाई कारणा। वृत्तिक स्टब्स् बडे (व कांद्र महिना बहुदा स्वया करा बागत्वम ना, बिदरिंगित गरांग स्वया शत ना, नवागत्वमा त्याकात हरः বেছান ছবে না---নেনিকে নিক্তর এ-সংবহ বৃদ্ধি গোছাতে হবে।

আমার বানের জোগাড় করেছ ?' 'এই এক বিনিটের নথে করে বিক্তি, নিজেডি ?'

পুৰ ভাৱাৰ সংগে সংগে আবাৰ আবেৰ ভোগাত ক্ৰিব্ৰাখনে। কেন আবাকে তথু তথু মনিৰে হাবছ ? একটা ভাৰক্ৰিক্সেই ভোৱাকে বিষে হব ! শিল্পিয় আবাৰ চলোনেট এনে সাক আৰু বিষ্টা। আৰু আবাৰ কালক-ভোগাত-শিশ্যিয় কৰা!

'বোন গোপাকটা পরবৈন বিলেডি ( লানটা ) হলমেটা ( না জাপানী হাডাঙলা গোপাকটা ( কোনটা আনব ( )

'गा, राधनिके । कहे राकेड नाम का कहान ना १ थके बान ना दृति है

আছে জানি, সান ছিল বা বিলোধি—এই বে এলেনি, দেখুব / -- পেনি এককুঠে বাবের কোনের বিনক ভাকিতে আছে বেন কোন আছুব হোওবার ভার কার সভিত্য ব্যবে উঠছে। নার্শালনের নালে সে ভোরে লোকেই কবাবাজী কাছিল—নার্শালনের কবার উচ্চবারে বসুবেন কার্যা, আরু নিকের কবা নিচু বাবে, লানীর ব্যবন হওৱা উচিত।

হঠাৎ বাধা থেকে পা পর্বন্ধ ভার কেশে উঠল—কে দেবল একটা নোটা বিঞ্জী হাত ভার বাধার উপর বিধে একে পুরুলটাকে কটকা বেরে টেলে নিজ। ভার বাধা বৃথে উঠল, খাছে খাছে বাধাটা দে নাবাল, ভারপার বাড় ভিরিব্রে খাড়টোবে লোকটার দিকে একশার তাকাবার সাহল ভার হ'ল।

শিছনে স্থানিত দেনিব বাবা—কৰাকাৰ লাভেৰ বুঠাৰ তাৰ ক্ষমৰ প্ৰকৃষ্টি—নেটাৰ দিকে ভাকাতে ভাৰনাত ভাৰ ৰোটা কৰব টোকে কাৰে একটা নিটাৰ বাবি কৃষ্টি উঠাৰে। ৰাখা নেতে এইবাৰ কে চিংকাৰ কৰে উঠান, 'ক, বলে বলেকা এই বুনি বাকে এইবাৰ লোচিংকাৰ কৰে উঠান, 'ক, বলে বলেকা এই বুনি বাকে এইবাৰ লোচিংকা কাৰ্য কৰিছে। এই কাৰ্য কৰে কাৰ্য কাৰ্য কৰে কাৰ্য কাৰ্য কৰে কাৰ্য কাৰ্য কাৰ্য কৰে কাৰ্য কাৰ্য কাৰ্য কাৰ্য কৰে কাৰ্য কাৰ্য কাৰ্য কাৰ্য কৰে কাৰ্য কৰে কাৰ্য কাৰ্য কাৰ্য কাৰ্য কাৰ্য কৰে কাৰ্য কাৰ্য কৰে কাৰ্য কাৰ্য

-- क्यमा श्राप्त



## 1 C44

101

১৮৯২ সালের ১২ই কেব্রুরারির রাতে গ্রেজ্যের, করভার। প্রান্তচাকে আউরেলিও আমিনেই এবং জার ব্রী ক্রোরিবার একট হেলের কর হ'ন
—হেলেটির নার হ'ল কনারে। আইনিও করভারা। জুনির হারে
অক্ত অভার্কনা পেল নে পৃথিবীতে—বেশ উভর-নরার ব্যাহা।
বানর হতে সরর সোনোহিল অনেককণ আর নিশাস বত্ত হংগ কোনাক—ভাই মুবিনী-আনোনের সরর লে ভালন না। ভালে কালেই
বারী ভার বাবাটা নিচের বিকে কুলিরে না-ভাল। গর্হত কেপ ভিছুমণ
বার বার লাগাদ—ভারণ, পৃথিবী-আনোনর পথে কালা দিরে বার:
করাটাই সম্বৃতি ৮

২৮৬১ সালের ১০ই কেজবারি থেকে ১৮৬২ সালের ১০ই বার্চ অর্থাৎ এই তেরো বাসে বাজানিক হব কোবা লোক ববল হ'ল পাচবার।
প্রথম ছ'লনের হুব ছিল না বংগাই, তাই তাবের জবাব বেটুছা হ'ল।
ছতীরানির বেলার ভাবের একটু অক ববল হিলা অস্থানির সার।
প্রায় ছুটার গারন অলে একটুও ঠাঙা জল না নিরীক্রেই লৈ বাজানিক
কলে বিরেছিল। কলে, ও তীববভাবে প্রতে বাছি অবলে বাট, কিছ
বার্গার কলে বিলেম ভার বাবে ভার আর্থা ইন্সা করাকে বাট, কিছ
বার বর্গনে বিলেম ভার বাবে। চতুর্ব নার্গারী ছবলে বিছানা বেবের
নানিকে কেলে বিরেছিল যোটে ভিনবার। আর নোটে একবার নার্গের
কোনে নারবার বর্গর নির্দিষ্ট বিরে সভিত্রে গাঞ্চেছিল বিচে। একবার

পড়ে বিশেষ কোনো কতি হাবি বাজ্যটার—পেহবার বাজের হারটা কেন্দ্রে সিবেছিল করু। বত্ত বিশেষ কার বাবে হ'ব, ভত্তিনে ক্যাবো আহুবিও ভাল্ডার

বার ত্রুব্ভসার সাহায়ে বিভ্যাল যেকে বাদ্যকাল গর্বত্ব পৌছতে বে দব অহবের নিজি সাহারণত ভাঙতে হয়, তার দব কটিই পার হ'ল। ন' বছর বরলে এই লবছে প্রশান বিবাদ নিরে দে ছলে পরতে এক। বর্ষের প্রছে লাভ রক্তর রাজিবোর উল্লেখ আছে—ছলে বাবার করেছ নি আলে কল্যবো আভানিও এই লাত রক্তরে এক হক্তর প্রায় অকরে অকরে পালন করে কেন্দ্র। সমুদ্রের বাবে একটি উল্লাখ হেলেকে পেয়ে, তার বাপ লেপজ্ব বেকে বে নছুন পোশাকটা কিনে এবেছিলের, দেইটে বুলে ভাকে পারিরে বিবে নিজে তুল নাবিক ইলিয় পরে বাছি কিরে এল। কিছ হার হো় এত ভালো কাজ করার পরিবাদ হ'ল খারিকতে এলে বাবার কাছে অকর্বান্য, বোকা, গাবা ব'লে গানি বাতবা আর কানের উপর এবন জ্যান্তে টান বে আর একট্ হ'লেই কোরার কান স্কটো বাধা বেকে ছলে আবিছিল আর কী।

হংল কুসাৰে। আন্তনিও এত বন বিচা পঢ়াওনে। আৰু বৰ্ষচটা স্তৰ-কৰে দিল যে বছৰ বোলো বছলে তাৰ বছাবোগেৰ লক্ষ্য দেবা পেল। De Grasia নামে বছটাতে ও বেদিন পড়ল।—

'Si quis diacrit grataim perseverantiae none esse gratis datam, anathena sit' দেই দিন বৰ্ষ স্বাচ গভীৰ শিকা এখন ও নাত কৰাল। হোমান ক্যাবদিক বৰ্ষে বলে বে ওপনান বাদে উদ্ধান ক্যাবদিক বৰ্ষে বলে বে ওপনান বাদে উদ্ধান ক্ষাত চাব লৈ লোক ভালো কী মুক্ত বিচাহ কৰেন না; ভালো কাৰ্য্য কৰাৰে কৰে বিচাহ কৰেন না; ভালো কাৰ্য্য কৰাৰে কৰে ভালো কৰি ভাকে বাদ কৰেন।

तिके देशांगक बरमहरून ठावे

কানো যায়বিও করেল স্থান্ত বাহ এই আই নিয়ে কটান কিছাৰ মা বাইল। চারণার হঠাৎ একবিন রাজে দেখা বেলা, করু পার্ট পারে একটা বাতি হাতে লে ভবিটারির ভিতর মূহে কোনেছে। হল টোন নান, কেন মার হরেছে, টোকের দুটি নাবাহের নায়ুকের বাতা বার, বী এক মারুত যাতার অল অল করছে। বী বাগাপার দু ও একটা চাবি ইলাছে। লোকে কনা ভিজানা কর্মা বিনের চাবি, তথন লে কবাব বিল, অধ্যবনারের চাবি। বেখা গোল, লে একেনারে উলাল হয়ে গোছে। নেহাৎ ভাগোর জোরে ক্লো কিভার হয়ে প্রায় নান বালেন বার যার অবভার সেকে গৌবালা ও বিচে উঠল।

বৰণ ভালো হয়ে উঠন তৰন বৰ্ষে ভৱ আৰু একটুও বিধাস বৰ্ষণ লা। তথু তাই নয়—বৰ্ষণ না আৰো অনেক কিছু। নাথা খেকে চুল-ভলো সৰ উঠে কেল, কথা নলার শক্তি কর হ'ল, চোণের দুষ্ট প্রায় অর্থেকটা কর, আরো অনেক কিছু। আগের কথা কিছুই আর সে বাংকরতে গাঁহল না—আর এক বছর কাটল তার ভড়ের মতে! পেরীয়ে শির্মান্তার চুল কেওবার ব্যবহা করে অনেক করে লে ভালো হয়ে উঠন। বাইশ বছরেবক কিছু বেলি বর্ষান লাই ক্রেলেন্দ্র্যাইভিয় গাঁল করে নেপল্য বিধানিয়ান্তে সাহিত্য ও বর্গনের ভটাকে বনার অবং নেপল্য বিধানিয়ান লাই বাংকাল ভালের বুটি করার করে পড়তে পেল। এই ব্যবহাই তার বাংগা ভটি টাব, চোণের বুটি করার করে করা, আরু হেনেবেলার নেই গড়ে স্থান্তারীর কনে নাভাই বাঙা।

১৮৮৭ নালের অট্টোবর নালে বে নালারির বিত্র বিভাগরে স্বকারী।
শিক্ষকের পর্যাবী হ'ল—আকরের কবা, গেকেও সেল চাকরিট।
বানবন্দিত কার অস্তাত করম বিভাগে প্রকেশ বাব বিশেব নেই।
বিশি হোট হোট হেলেরা ভাবের বান্টারকে পর্যক্ষ না করে, আর নাটারক
শীব্যুটিয়ার করে ক্রিকারতা বেবকে না পান, ভার'লে ফ্লাব মর্মে

इ.सा बाका बर्टा कुमार द्वारमात्र अस्ते । तारि सा मा । आस्ट्रास र'न ठाउँ-कारिकाचे बाकीत ब्राटन करनतन कि मारका बाबाव नारका वा व'रण (रक्तानीय क्लारे बाहरे चहरताम स्ट्रांट नामानक) रामाधिक गाउँ पार्टिक क्लोंडे क्लोंडे क्लाफ्ट क्लाफ्ट क्लाफ्ट वावनिश्चरक क्य वांगांक्य क्यक मा । त्यकारम माराहत विद्यारम्य ्यारक्तर स्वारका नवकि चटक करन थ करनड साहेर्ड रका करवार कार नित्तन । एक चाँदें नव, जिनि क्नेरवाटक कांग्रहे वाकिएक अरून कांग्री-তাপি করে থাকতেও অনুরোধ করলেন। रगाएं। रगनि मांगीदि कांच निरंतिहरून (वन (वनि वहामहै। सावा-প্ৰাৰ বে জাৰ কোনো বিশেষ ভিত্তি ভিল তা নছ-চাকৰিট জোগাড कारकिरमान भागीराहानीय अवस्था स्टीवरदेश माखाद महाय-माबादनीह ও কাৰ নিতে গেলে তে প্ৰীকা বিতে হয় তা ভাকে দিতে হয়ন। थर चार्ण, किमि क्रबटम चाक्रिकारक नरहेक हात पुरव त्रकारकम। टाइ गढ़ वह रहत काक कररहिरक्त (करमादार तक स्थाप्त कालाक। শারা শ্বীবনে আর বারো তেরোটা ভরেল সভেছিলেন ভিনি খার राश्वरणांव बाधा थांव नवश्वरणांद्रको क्य केंद्र कावक्रिण । बर्केर्ड किसि पानाक्रम को । अवीरत मारत बोकाका कीत अब कारक क्यां---भक्क नाम (मारक्षित--- नवकारमद मारबड मराभ मिनिएक किमि काव नाम বেখেছিলেন সাভানিন।।

কৰ্মনা আছনিও আনা ক্ৰেছিল বে বলকো বলকৈ হামাৰ চলাব লে এবাৰে একটু নিভিন্ন হয়ে দিন কাটাতে পাবৰে। কিছ হামকে নাছবেছ আনা! বেটুছু বনৰ অবনৰ বাকত দলকো বনকি জীৱ পৰীক জীবনের অবণকাবিনী, পৰৱেছ কাক্ষেক আদিবের বিভিন্ন জীবনারা, বাব জীব ভূষেল বড়াৰ বাহ ব'লে বেচাৰা ক্যানাকৈ অভিন্ন কৰ্মে ভূমতেন। বলকি জীৱ নিষেক্ত অভ্যুক্ত জীবন নিমে বৰ্ম, লাভি,

देशापि निरम् चारनाञ्चा क्यार्क जारनाचानरकन चारनाञ्चा गाउ ब मह रव कीर द्वाकांक किंदू बनार व्यवकान रनक, क्याबार्का स नगात, छ। छिनि नगरछन धकारे । ना कीक करद छहारि बरन, रव कृतिरव, बृत्यंत चनात्वा चीक्रियात छेनद दव कृतकरणा बेरविहरू मध्या नामाल नामाल प्रमेश नड प्रमेश सम बाम बाम साम समाय তিনি। গল বত বড় হত, কন্দ্রো আছনিও তত বেশি বেন তার নিজেং मर्था रोबिस राउ, काला क्यांबर श्रीकरांब क्वल मा । बरमद हातः বা রাভার টোডারা এখন দল্ভির ভরে কল্বোকে আর বিছ বলতে নাছদ পেত না। এমের ছাত খেকে দে বে নিছতি পেরেছিল তা সভি। কিছু অন্ত দিকে, সে ভার নিজের স্বাধীন সভাটকু ছাতির क्लाहिन, पूर्तव हुकित शब चन्नव नवबहेकू ता निरमत पुनिवात कांग्रेटिक का विकास कार किया जा. अपन कि कम त्यार त्य गामान মাইনে পেড, দে টাকাও খাকত না তার কাছে। ছুচার প্রদ দরকার হ'লে সাভানিনার কাছে বরবার করতে হত। পনেরে। বছর বছসেই লাতানিলা এবের সংলাবে কর্ত্রী হরে উঠেছিল-পুর গোপনে क्षणक्या रहतात मुक्क रन छटक मानदान कटक किछ, 'लबमा निर्देश धारे क्षम ना क्म. शवारक राम स्वारक ना । कार्याम **केनिश्व नवना ठा**वेए क्ष क्यायन, चांद्र इकान निरंगु नवना निरंक वाकाम, सानि मानाट চালাৰ কেবল করে ৮

ভাবি সুক্ষরী এই সাভানিনা —কসনো আছনিকা এক ভালো সাগত ছকে হৈ একদার ও বলজিকে বলেছিল, জা বাবটা ছোট করে নিনা বা নিমেতা বলৈ ভাকতে। কালি সে কথা হেসে উন্ভিৱে বিরে বলেছিলেন, 'পাখল নাকি ? নিনা—নিনেতা! গুরু নার হত্তে বহুতান, বুকুলে হে প্রভান!

'Salute, O Satane,
O Ribellione
O Forza Vindica
Della Rassons

नाजान, कासारक बास्तान करि । विद्याह, कासारक बास्तान करि । बानुस्सं वित्र विद्याचारात नरम तृष्ठ स्थापीर कासारक सम्बद्धात स्थि ।'

বহুৰ তিনেক কাউন এই ভাবে। লোকে গ্ৰোক্ষেত্ৰ কসনো আৰ-নিওকে প্ৰাছই বিজ্ঞানা কৰত যে কী কৰে সে ইকাকে। বসৰিব বাতা একটা বিবলুটে লোকেৰ সংগ্ৰে বিনেৰ পৰ বিন নাটাতে পাবছে। একৰ কৰাৰ জনাৰ সে কৰনো বিত না। বাতটা একটু বেকিছে, কীবৰুটি টোৰ ছাটা অৰ্থেকটা বছ কৰে, হতাবাৰ অন্যতিত সে বাত ছাটা ছ'পানে ইছিলে বিত—নাৰাক ছানিত ক্ৰেইছে আৰো কৰণ দেখাত তাৰ কুটা। গে বেশ বুৰুতে পাঁৱত যে বলকো বসকি সবছে আৰু কৰে লোকে চাকেই ববাতে চাইছে যে কত বড়ো একটি অপনাৰ্থ নে।

পঠি কৰা বলতে কী, একটু জোৰ কৰে চেপে বৰলে, কগৰো আছনিও নিজাই খীলাৰ কৰে কেলত বে তাৰ নাতা অপলাৰ্থ আৰু পৃথিবীতে কেই খীলাৰ কৰে কৈলত তাৰ তথালা একটু লাক্ষ্য হিল—আনকানিৰ তেৰে চিন্তুৰ লৈ টিক কৰেছিল বে তাৰ চেন্তেও অপলাৰ্থ পৃথিবীতে আৰু একটি আছে—লে হজে নাছদেব জীবন, অতিসাধাৰণ জীবন। জীবন বৰল এক যাত্তা জগৰাৰ্থ, তথাল চাৰান্তিৰ নাত্ৰ বৰল কৰে। জীবন বৰল এক যাত্তা জগৰাৰ্থ, তথালা চাৰান্তিৰ নাত্ৰ বৰল কৰে। বাছি বে কিবলা জীৱনুছিল ভাল কৰে লাভ কী—বিশেষ কৰে বৰল কৰো বাছ বে অপলাৰ্থ জীবন ভাল কৰেলো দিবে কোনো-কোনো লোভকে আঁছাকে বেৰাৰ্থ জীবন ভাল কৰেলো দিবে কোনো-কোনো লোভকে আঁছাকে বেৰাৰ্থ জীবন ভাল কৰেলো কিবে কোনো-কোনো লোভকে আঁছাকে বিয়োকিতা করে কোনো লাভ কেই—বীক্ষকে বা বুলি জাই করেত কেওয় তালো, কারণ, আরর বৃহতে বা পারলেও কোনো একটা বিশ্বং দক্ষে পৌছনোর এইটা তীক্ষকে আছেই; তাও বলি বা হয়, জীবন বে একলিন পেব করে বাবে তাতে তেও কোনো সন্দেহ কেই—তবে অবং বী সাভ তার সংগো বিবাহ করে।

তাৰ অন্তৰ্গন বিখ্যা হ'ল না। বীৰন একমিন হঠাই সভিাসভিচই বেং হ'ল—কিছ তাৰ নহ। ক্লানে পড়াতে পড়াতে ললকো বলকিছ হঠাই এপোমেনি হ'ল—ক্লান তিনি আছ কিবে সেনেন না।

কৰ্মৰা এই আখাত আখা করেনি—নে একেবাতে কাহিল হতে পদনঃ তার নৰে হ'ল সমক বাড়িটা হঠাও কাল। হতে পেছে— একন কালা যে অবাদ কালো। বাড়িছ কোনো আন্যানগৱেব সংশ্ পত্তিহন কৰ্মান অবলৰ তার আগে কোনো দিন হয়নি—নে ভালত বাঙ একটি পোৰে বাজা বাড়ি তবে আছে। আজ, সেই আন্যানগৱেব নিকে ভাকিয়ে ভাষ্ট বনে, হ'ল যে ঐ জিনিসঞ্জান কান্যাই মতো বেন ভাইই আহীকা ক্ষয়তে যে আহু কথনো দিনৰে কাঃ

এট্রকে নাভানিনার কাষা কিছুতেই থাবে না। প্রথমে কনায়া তাং কায়া থাবাথার কোনো চেরাই করেনি, কেবেছিল, যাই কেন দে না কর্ক, দে কথার কোনো কুলা নাভানিনার বন এখন জীবার কয়নে না। করেক নিন পারে ব্যবহা হেকবানীয়ে বপাট জান্তনিনার অন্ত নাজারেরা ভাষে একবিন বিজ্ঞানা নরকেন, ছোলা সীভানিনার অন্ত নী ব্যবহা দে কুলা—ক্টাম বাণ বালা কেন, আইনত কোনে দেনবান ও পারে বা বাণ একটি পরসাত হেবে বাননি, কাছাভারিয় কথা হেতেই দেবলা বাদ, ব্যবস্থাকিত কোনো আছীব কেই; বেবিটা ভেলেন বাল। কনমো ভাষের কাছারে ভঙ্গামে কথামে বিশ্ব বি हता, बाकरत । दिख्यानीय क्यांदे जाद यह यह वानीदारा गांव विकास करण द्यारमा-विकेट दर्शना त्यम त्य वन्यायमा केरमक प्रमाणुक s'न मा। छात्रा दिन भगको स्टान, की कुन तर टन समृत, का कुकरक না পেরে কনবো অবাক হবে সেল। ভার প্রভাবে অভারটা কোবার गांडानिनात्र गारमध धरे निवात ता क्यांचांडा स्मृत-चान्डादेव क्या धरे त तथ कात बाकार बारकर गरशहें चानन ना, रहर त्याद गनाव কানিৰে বিদ বে ভাৰ সংগে এক ৰাডিতে বাকা নাডানিনাৰ পকে অসম্ভৰ, বত শিগগির সম্ভব তাকে চলে বেতেই হবে। बराक हरत कमरवा क्षत्र करत, 'किन्द शांद रकाशांव ?' 'तिविद्य बुट्टाच बाव'-क्याय विम तालानिमा ।

नगरता चानाड विकास कडन, किंद तर्छ कानारक हरवे ना तक है এ থাৰের কোনো জবাব পাওৱা গেল বা ।

रावयनिम शाद अञ्चात निकास्त्र सादगडे। खादक दृषिता स्तुन-তার বরদ সবে যাত্র পেরিবেছে ভিরিশ, সাতানিবারও হ'ল আঠারো। কাজে কাজেই সে সাভানিনাৰ বাংশর বর্ত্তি মৰ, আর লাভানিনাও जात्र त्याप क्यांव वरणा क्यांचे नत्र। अथात त्य निकारे दुवरण পেরেছে নাভাদিন। চলে বেতে চাছে কেন ? প্রোকেসর কনবো अक्तांत शास्त्र माकूलाव विरक, अक्तांत्र शास्त्र माकूलकामा विरक তাবাল। ভারণর গলার বেন কী আটকে ছিল, নেটাকে গিলে रक्तनात क्रवी कराज कराज काराज मानम-जोड नहुवा की करा गांखानिनारक--विरव--विरव क्यांच क्यां वर्जाहरू ! क्यारवाव वाचा पूर्व केंग्रिक-कांव परन इंग्र ८७ अवृति क्रमान इस्त पास । --ना, निका कांद्र। क्ष्म गरान शिक्षे कादिल । नाः, असक्य करत हरत था, गांकानिमात्र मराम चार अक्नात कारणा करत क्या गरेन कार सांचा (शरक के रावित्क इंटांच वांक्वाव वह नांचनाविते वृत कारको इरत। se (se) 384

नांधानिमांध नररात राखा ठाई अंबर्ड क्या ज्यूम, अन्यास अर्थे मार्थ ता बार कार्य वास्त्य वारत—यदि धारत विता व्य धारते ता कारतात कार्य वास्त्य।

क्नामा और एक्टर बीकियरका कह रनन रह रन निरक्षर नामन रह বাছে। -- বর সভিটে ভার বাবা বারাণ বছে আর নর ভো ভরা সকদে बिर्ण थ्य गर्म अक्टो विद्धे निर्देश ठाँको क्याह । ७ क्यूएक्टे पुन्छ नावन मा त्व नाकामिनाव मत्का अन्त्रे क्ष्यदी वृषकी जात्व रिज करवाद क्या छावएक भावन की करव-धता विटा मा करव अव नाफिरक बाकरम रव आरव रकारमा स्थमाद बडेरन अक्या रम निवानके कारक शावन ना । चाका, तक कि करक शाद त कारक विरव कराते पूर क्यांनर ना पृत्र र'ता जाकामिमा यान कराइ ना १ गता राम की আৰা হ'ল। তাৰে বেখতে কেন্দ্ৰ, তালো করে বেখার ব্যক্ত আয়নাং ভাতে বিবে ও একবার হাডাল-সভ্যিসভিত্তি ও বভটা ধারাণ দেশতে, ভার চেরেও চের বেশি কুৎসিৎ লাগল ওর নিজেব চেছারাকে: টিরফাল রোগে কুলে, আর ভাগ্যের বাহনা ভোগ করে श्रा बूरबर वढ तामेरवर वरका स्नात स्टब निरहरस्-वांवा कर्कि होन, হোৰের বৃষ্টি অর্থক নেই। খাছ্যে, আনবে ভরণুর সাভানিনাকে নিজের भारन कामा करारुदे छोड़ वाचा पुरत श्रम : गांकाविता **फॉर**क विस् कारत ? जब कि नक्षत ? श्र भारात मार्शिननात सामा विदेश राजा। আমৃতা আমৃতা করে অনেক কঠে বিজ্ঞানা করন সভিচ্যতিটেই সে श्राम निरंत कहारक सांधी चारह किया। संख्यम स्टाह रह रह रह 'ताकाविमा अंक्ष्रुंक कथा मा त्यार, दिना मा करव क्यांच विम त्य ता त्र क्षम् शामीरे चारक् का नव-नगरना परि कारक विरव करन कार्यन নে সারাজীবন ভার কারে ছতত বাকরে।

हांड पूरन नांडामिनांड क्यांड नांचा किछ द्यन क्यांचा-किछ कांडा

া কেলো বা ভাৰ বুধ বিত্রে, হোট হেংকা নতো কর কর করে সে দে কেলো। একটু পরে নাবনে নিয়ে সে বক্ষা কচকভার করা ন নাতানিনা ভাকে বলাহে । উক্টে ভারই বরং করক বাকা উঠিত দিব। ভারা বে ভার করে এত বত নাপদ কৃতিতে রেখেছিল তো সে বাবাতো না ৷ এ-বে নভিনতিটে কনক্ষৰ বাানাহ—

তো লে জানতো লা ! কৰে সভিসভিট্য অসক্তৰ ব্যাপাহ—
কেবিল বাবে প্ৰোক্ষেত্ৰৰ কৃষ্ণ বিৰে ভালো কৰে কোনো কৰাই
বলো না !
কাৰত বৰকান্তে একই বাজিতে বাজতে হক্তে—কালে কাৰেই বিৰেটা
ভাতাজিই হৈছে পেল । কেবালিটাৰ নদাই এটাও আলা কৰাইপেন
! ভাতাজিই বিৰেটা চুকে গোলেই জান সক্ষাৰী পৰীৰ বাজা হেছে
বাবে বাজিন পুৰিবীতে বোবে আসাৰে ! কিছু জান এ আলা ভুমাই
কে গোল, ১৮৯২ বালের ১৯ই বার্ড ভাবে বিভিন্ন বিবাহ হ'ল—কাৰত
হব আলে প্রোক্ষেত্রৰ বৰ্ষ সক্তে বে নত জহন কাৰ্যহিল ভাব কলে
ক্ষাৰ পিয়ে বিৰে ক্ষাতে বে বাজী হ'ল না !

ाव करत (आंत्मणव क्षेत्रे प्रथी ह'न राहे किय छात श्वासीय त्वा निम सिम स्वय चारता राज स्वरूप । कहरत पर यहत हुन रखार त्वा निर्मिक अस्य कि नाहिम शास्त्रय पर्यक्ष हुरन गिरद वेककड़ात मार्चु चरताच्य हरन परमा । माराविकारक हांचा चात वेकु रा रखाय वा चूसित वा चरमध रावदाक मात्र वा । स्वाय करत गणामिना स्वरूप मार्चु स्वरूप हांचा वा । छात्र चानमंत्र्य हीएक त्वात द्वितिय चरन वाचरण राज्य हो रहा हो नाहि हिस्स पर्यक्षित । सि छात रोह्मण चरन वाचरण राज्य हो रहा है ने हिस्स पर्यक्ष विद्या प्राणी प्रस्त काल छात्र स्वरूप राज्य होता । स्वरूप स्वरूप । এবিকে বৃদ্ধো বৃদ্ধির অভুপত্নিভিত্ন ভূষোণ নিবে ভূষের ছেলেনের ক बाबाद क्रीकारम करक राम करत । जनारत मा लोगमान चानक र'न छात्र मार्ग चारमत मानवारमत कारमा क्रमात वह मा । वक्षमानेत মুলাই পুৰ চটাপট্ট করলেন, সভকাবীকে বভাৰত সম্ভব বকাৰকৈ করলেন --कारना करा एका ब'नाडे ना नदश व्यास्कारत कराया अपन महत्र कारन ছেজনানীয় মুলাইছের দিকে চের্ছে হাসতে লাগল বে মনে হ'ল বটনাটাং সংগে গুৰু নিজের কোনো সম্পর্কট নেই। সমস্ত ব্যাপার দেখে সাতানিন প্রাক্তিপজিনীর বছাঁটির জ্ঞানে চিট্রি জিলাত বাধ্য হ'ল। জীব ক্ষমতা আগেব क्रांच्य अपन चानको विचि-गांकानिना केट्रक निवन व्याप्तिमहत्व এখান খেকে সহিত্তে নিছে এমন কোনো ভাষণাত চাকরি লিভে খেখানে क्रत लाजवात त्वरे-व्यव मार्थास्य कामा मार्गामा किरा विका-বিভাগের রাজবন্ধীর কোনো বধার। এই চিটির কলে, প্রার ছ'বাদ পর কসলো মন্ত্ৰী-কথাৰে কেবা করার আছেল পোৰে ব্যোমের দিকে বওন হ'ল। हो वि करानेও ভার ছাত্ররা সভিয় সভিয় ভাকে ভালোবাসত--ा विकास काता साथित क'ता (क्यामोर) स्थावे चार चन वह শিক্ষরে কিছ ওর হাত থেকে ছক্তি শেরে ছক্তির নিরোস কেন্ वाहक । गांकानिमाद अहे गुरु तकान नकारमा-नमुख शांद हरार गुरु त्र कादि अक्षय करव शक्त । जानन देवेनिएक ना क्रिकाद जानत्त्र. ceitas de vice minis minte Sessicofestes miste cate स्माद किंद्र ति नव द्वार्थ जतन तमन । कांद्र बाबाद बाबादम पुत বেড়ানোর প্রভাব বে ভারও বজে এত প্রবদ এ অক্তব করে সাভাসিত্র विकिल (बाह करता । निकारिकारमंद बढीद वांभिरम (द कमि कवाद विकास ताहे विकारमञ्ज क्यान्सावरकड भरर ध्यादक्तवरक निर्दाम क्या शंक-किंद्र छक्षांत्राम त्यारकात विराय किंद्रवे कहरू शाहरमा वा । विन- নষ্টি বিত্তে বে পৰ আৰু নাইলেব কোনানি নেজন ছক ভানা পিছ্যিছট ভালের নছুন ননিবলে চিনে নিন । বহি কোনো বিটাইটে বুকো, বান সকতে নানাকৰৰ কনতৰ, ভালের কাকের কানাক কনবাহ আছে নিযুক্ত হক ভাষ্টান অবিভি কৰা ছিল না—নেসাৰ করত সনাই, থাজির করত। কিছু এই বলকের একটা বোলেকোনা লোককে সনান বেকিলে লাভ কী । ভানা বে বুন বেশি আলাভন করত ভা না, তবে ভাজকর ববন কৰা, করে ভাজকর ববন কর, করে কটা বান করত ভালের ভালা আরু একটা ছবিবে ছিল এই বে নকল করতে ভূলা করেরে লোভটা প্রক্র প্রাক্ষিক বালাভা প্রক্র প্রাক্ষিক করতে। লোভটা প্রক্র প্রাক্ষিক করতে। লাভটা প্রক্র প্রাক্ষিক করতে। লোভটা প্রক্র প্রাক্ষিক করতে। লোভটা প্রক্র প্রাক্ষিক করতে। লাভটা প্রক্র প্রাক্ষিক করতে। লোভটা প্রক্র প্রাক্ষিক করতে। লোভটা প্রক্র প্রাক্ষিক করতে। লাভটা প্রক্র প্রাক্ষিক করতে। লোভটা প্রক্র প্রাক্ষিক করতে। লোভটা প্রক্র প্রাক্ষিক করতে। লাভটা প্রক্র প্রাক্ষিক করতে। লাভটা প্রক্র প্রাক্ষিক করতে। লাভটা প্রক্র প্রাক্ষিক করতে।

হয়তো কোনো নাম কানো বনুদে, 'ওনাছন আপনায়া কে বী কণি কয়ছেন আনায় একটু কোন তো ! এত গোলনাল কয়বন না, আনায় কথা ভক্তন । ওনাছেন, 'ও নগাই, আগনি, ইয়া, ইয়া, আপনাকে বনতি, ragions কোবাৰ সময় এবাৰ খেকে বয়া কৰে একটা ব্ল লিকাৰে, বুৰদেন হ'

এর পূব মজার উক্তর দেওবা চনে, 'অনেকতলো থাকাই তালো আেকসার, মুটো 'ঠু' দেওবাই তালো, সভ্তরচন্দ্রর বাগাার কিনা গ' আেকসার একটা বীর্থনিবাল কেনে উক্তর দের, 'তা কেন, তা কেন' আর অত্যান বতো সন্ধাটাকে একবার সাধা করে যাড়টা কুঁজো করে, আর্মক আরু চোও মুটো প্রায় কর করে কেনে। বোরনামর তলার কাচ থেমন পূক প্রোক্তেরতার চনবার কাচও তাই—চনবার কাচের কিন্তর বিব্রে চোও মুটো তালো দেবাই বার না।

বাবা কণি কৰে তাবা বৰন প্ৰোকেন্যকে ভইবসৰ কৰে দীৰ্ঘনিয়ান কেনে 'ডা কো' বলতে পোনে তবন তাবা আহ হানি কেনে বাবতে পাৰে না। গুৱা বে কেন এইবসৰ কৰে তা প্ৰোক্ষেত্ৰ মূৰতে পাৰে না। কোনো বিশ্ব গোলবাল হ'লেই 'ডা কো, ডা কো' এই কবা হুটো বলা গুৱ

১৮৯০ সালের ১২ই অগাক সাতালিনা নিবিলে একট প্র-সন্তান প্রদান করন করন, হেলের নাম হ'ল বলকিনো। শিক্তবের সৌরবের আনাজ বেচার প্রোন্ধরের একেবারে পাগলের বতা হরে প্রেল। রাজ্ঞানিনা কিব প্রেলেকে হব নেবার বতো বক্তি পেল না, তাই বুর্বা, প্রাক্তিন পাহাতে কর্মার একট প্রারে একজন বাইবার আহে প্রেক্তিকে পাটিরে দিন্দের বাইবার বাইব

বাহা ভেদকি খেলা দেবাত ভাষেত্ৰ কৰলো লক্ষ্য কৰেছেন কি?

আছে পদ এক ভাষা কোন দেখিবে চাল-আৰু চামনিকে মনতা বিধে বাছিবে ছাল বাছভাষ দেখে কেই খেলা ? বিধা বাছভাষ দেখে কেই খেলা ? বিধা বাছভাষ দেখে কেই খেলা ? বিধা বাছভাষ দাৰ্থনাৰ কোনোকে কোনো একটা থকা কোনাকে কোনো একটা থকা কোনাকে কোনোক। একৰ আৰহা আনেৰ চেবাছ পদ্ধ একটা কোনা কোনোকৈ! কোনাকি! তালো কৰে লক্ষ্য কলা স্বাহী বাছভাই কিছে নিক্ষা ? কোনা নাৰাভ চাউল কানো আনিককে দিয়ে পাৰ্থনান্দিক আন্যাধিবাতা থকা আৰু বাছে আৰু কৰি একেছ নাম এক কান্ধ খোলাবিবাতা থকা আৰু বাছে আৰু কৰি একেছ নাম এক কান্ধ খোলাবিবাতা থকা আৰু বাছে আৰু কৰি একটা কিছু সংগ্ৰাম কোনাক ভালাবিবাতা বাছভাই আৰু বাছভাই কান্ধ কোনাক ভালাবিবাতা বাছভাই আৰু বাছভাই কোনাক কোনাক কোনাক ভালাবিবাতা কোনাক কোনাক ভালাবিবাতা কোনাক ভালাবিবাতা কোনাক কোনাক কোনাক ভালাবিবাতা কোনাক কোনা

বোজের বাজা সেনিনও বিকেশ সাজে ছ'টার প্রোজ্সের কসমে বর্ষা সময়ে বাজি এসে পৌছল—সাভানিনা বে-বিট্রী থৈতে ভালোবাসে, বিহাতি পাবে ভাই একবাছা কিনে নিয়ে এসেছে ববালে পাবে। সিঁকি-জনো আছে আছে উঠে, পরেট থেকে চানি বার করে, চানি লাগানোর ছিক্রটা আনেক কঠে মুঁলে নিয়ে বরজা খুলে দে ভিতরে চুকল। কিছু যারে সাভানিনা নেই—কোখার, পেল নে ? একন সময় সে তা পোনো দিন বাইছে বোরাই না। বাবার বারের টেমিলে কোনো আহোজন কর। হর্মার, রালায়রে বারা হওলাই কোনো চিক্ট কোনা বাজে না—কিল্ল বিছু হরেছে ভারো আছেন নিকে পোনে, সভালবেলা বি এসে ছিনিলেক্তর ভাইলে বারামার বারা বারিক কর্মান কর। কি কালে বারা নিকে পাবে কালিকা কর করে পাবে নিক ভাইলোক আছিল কর বারা বার্যার বাইবার আছিলে পুরু কালি কোনো বন্ধর আন্তিমিল ভাই করা বাইবার আদিনে পুরু কালে কোনো বন্ধর আন্তিম্বা ভার করে করে বার্যার করে বার্যার বার্যার আদিনে পুরু করেই কোনো বন্ধর আন্তিম্বা ভার করে বার্যার করে করে বার্যার করে করে বার্যার বার্যার বার্যার বার্যার করে করে বার্যার বার্যার

शासामान कियाना काम, शासा गावित क्यांत हा हा लाकामके बाद्ध तथात्व त्यांक निव. गात्मत्र क्यांद्वेत काकारक (कड़ा करन-किंद्र (क्कें स्कारना बनड़रे निर्फ भारत ना। डेनार. कार जिल्हा कारते किसी वर सारवर साम्बादना जिल्हा अपन চপচাপ-বেন তারা নাঞ্জাহে অপেকা করে আছে কবন আবার দেই प्रथमाविषद श्रीयमवाजा एक हत्य । नविनाति श्रहाम नवित्यत्तेव गत्व निरम्ब निर्वास व्यवहात कुमना कमृत्या चार्च गृक कराछ शांत्रम ना। নাভানিনার বাঁজে বেরিরে পড়ল-প্রবাহে এদিক ভবিক ভবে দেশদ বামিক ভাৰণত টেলিপ্ৰাক আপিকে সিত্তে বসফিলোর বাইবার কাচে बक्ते विद्यावे-११क (हेमिक्काव करन । कादशब हवकित वरका धकाव निक्रास्त्रज्ञात्व गांद्य गहरही त्य प्राद त्यक्तान-बाक क्रांच त्यन कर कि विश्वान वे वरेन ना । कीर छात क्षेत्र क्षेत्र (व क्रिकार्यक करार चानाव नवद बाबाबे खबस हा चावाव वाचि किरव तक-बास बास तके আৰা নিছে বে চয়ভো দে বাছিতে এসেই বেখতে পাৰে সান্তানিনাকে। किंद्र शाहातारमंत्र वापय क्यांत्म्बे कार त्य थाया कादम । वक्यांत् बढ़ीर छात्र त्यहान ह"न त्य त्य का क्रांब, त्यल क्रांब त्य चाराह निकि wcs येनार केंग्रेट बार किस्टिंग भारत मा। किस कोश नारम। ভারণর স্কলারে হাতড়ে হাতড়ে শোবার বরে চুকন। স্বাস্থ্য জানতে wie wie bem eren al-weine wet and bemitte ein সাভানিনার কিরে খাসার প্রতীকা করতে লাবন।

বিষ্ণুখন পাৰে, কিনের বান একটা আন্তর্মান ভাকে চকল করে ভূমনা—নানে হ'ন শকটা খেন ভার নমন্ত শন্তীরে ছড়িছে পাছছে: নাখাব কিবর বিবে, পোটেন বাব্যে বিবে, বাঁটুর ভিতর বিবে একন কি পারের ভালার পর্বন্ত সেই লক; বাবে হ'ল শক্ষটা সামোত ভালাই বিকে আন্তর্ম— সাহা শন্তীর ভার কালাকে লাখনা ক্রাকা ক্রিয়া বেন নম ভূমে-ভূমে गतः आह्मः। विक्रुष्ण चारवामः चनदाव चत् वरेण (म.) वारण शिमित्राम मिता पित्रम परित्रक तत्त्वातः वीवित्रः चाह्य कि ना तत्त्रपातः वाह्य कोन्नावः कोह्यः केद्रे तत्तः। अशातः अत्म ता तत्त्वम ता पत्त्वकः चाह्यः नित्रक वाचाः (गत्म—अवके) हेत्यवद्भिकः मादेवे वादाण इत्यः वित्रत अवकार विक्री वाचायाः करतः।

সভাল হঙৰাৰ সংশে সংশে বসনিবাৰ বাইবাৰ ভাছ খেকে টেডিআৰ এল—সাভানিনা সেবাৰে বাৰনি। কসবোৰ দেব আশাকুছ নিবে খেল। কৰেক কটা পাৰে বি এল ব্যোক্তাৰ বাজাৰ আৰু বৰ দোৰ পৰিচাৰ কৰে বিভে। টাজানিব বেৰে, পক্ত সৰ্বৰ্ধ, কক্তবাক বুছি, কলা কৰা বসতে বাবে না।

মনিবকে চোৰে অন্তুভ একটা গৃষ্টি নিয়ে বনে থাকভে লেখে দে ব'লে উঠন, 'পুৰ ভোৱেই আৰু যুব কেডেছে বৃক্তি।'

'त्र अथात्म (महे,' करादा) क्यांच विम्, 'काम (बंदक--अवादम साह तमहे हैं 'मिछा १ की सर्वमान है कि व'रम केंग्रेम ।

त्यांत्मान करता अवनार प्रांच पृत्ते प्रशिष्ट प्रीकृत निम्, चारपर चारक चारक प्रांच प्रांच प्रकृत हमारत—चंत्र हमारा स्थाप प्रांच प्रांच

'নারা রাজ কিরে আনেনি (' এই কথাটা জয়ু তার রুখ বিজে বেয়নোও 'কোন কোন আরণার ভিনি বেতে পারেন, বর্ন তো ('কি নিজানা করম।'

क्वार क्ष्रु त्न अक्डो स्कानार अने क्वन ।

वि क्ष्मू, 'कारि तमि वी, निक्र--वाद, अक्कमात करसक्तन--वी तरम, करस्क्षम निरमी चादन, कारम अक्षमा तमित्र करा राष्ट्र । बादि कार्नि करम तरह अक्षम--अक्षम की इपि बीजहिल है व्याहरूप करा केंग्र, कारमद व्याहोत विरम कार्यित क्षमू 'बाबार ही ! हरि बीकहित ! कान है'

'বাৰি তেবেছিলাৰ খাগৰি 'বানেৰ' স্বৰ্ত্ত হৈছে, বোজ স্বালে সাঞ্চ খাওৱাৰ পৰ উদি তোঁ ভবানেই বেজেন (

ৰ্থটা হাঁ করে শির-বের-করা হাত আছে আছে পারের উপর বুলোচে বুলোচে বে চুপ করে বলে রইল।

বি বন্দে, 'আনি নিচে গিরে জেনে আস্ছি। বেশি দূরে নর এই চো হ'গা। লোকটাকেও আনি চিনি—ছবি বাঁকে, আতে কয়ানী।'

এবৰ কথা তার কানে গেকা কিনা কে আনে। বি নিজেই ভাড়াভাড়ি দেনে গেকা নিচে আর একটু পারেই কিরে এক ইংগাতে ইংগাতে। কোনোরকার দর নিত্রে গে বক্লে, 'বা তেবেছিলার ভাই। দেও কান চলে গেছে--একটু ভাবে---একট সুবরে--আকর্ম নর হু'

চুপ করে বনেই বইল প্রোক্তনর ক্যনো—তার বুবে ভারের কোনে পরিবর্জন ক'ল না। য়ত বাছবের বজা তার বৃদ্ধি। একরনে দে তার পারের উপর চাপত বিতে বাকল। কিছুক্দ বিটা ভার বিকে করণার বৃদ্ধিত তাকিরে রইল, তারপর নিজের মনেই গৃহক্দরী সহছে নিজের বাতার প্রকাশ করতে আরম্ভ করতে, 'একন বোকা কি আর পেনা বার। এত ভালোবালে ভারেত ভার কাছে বিলি বিভিন্তিক্তর নাকতে পারতি, ভারবা—'একারে বনিবের বিকের বিভিন্ত কিরে বর্ত্তু প্রকাশ আর্থনি কর বারাণ করছেন, মন হাণকা করে কেরুন, পারি পারেন। কর্মন আর্বা করছেন, মন হাণকা করে কেরুন, পারি পারেন। করেন বারাণ করছেন, মন হাণকা করে কেরুন, পারি পারেন। করেন বারাণ করছেন, মন হাণকা বারে কর্মন আর্বা কর বারবাল বারবাল করিব বারবাল বারবা

रकर ( की सहर हान करत ? सूरक कर बीतूम ( कर शामक) जारतीय क्यां करूम ( क्यांका हुन करत करन शीकरका वो (

स्मुबादर द्वाडों। क्यांबरणा स्तून, केवाद किए त्यादकात किहरे कान मा-त्य ता मन क्या करमाह त्यके वर्ष बाद बाद माद्रा तरम त्याचा त्या । क्षांच विदर बन त्यांको क्याब त्यात्या मा काव, चरका कार्य मिरक्त प्रथ वाकान कराज देखक ह'न मा वक्षेत्र मिरक रन किईएडरे एक्ट गंकरन मां, कारता कारक अकड्रेक् ममरदश्मा ना माचना त्र चाना करत मा । चरमकतिम छात्र मरम स्रवाह पति क्यांना चळानिक कांबर मार्कामिना बादा बाद किरदा चाद फाएक कारना मा बारम फाइएम की मुखीय द्वार्थ ना एन भारत-मान्न मरनव महत्रकृत कारतन কিছ সেই ছাবের কোলো নাড়াই দে পেল না। যা এতদিন যাকে যাতে খর সরানার দেখা বিড, আজ তা স্তিঃ-স্তিট্ই ঘটল—কিছ আকর্ষ, কোনো হুঃখ, কোনো কই, কিছুই সে বোধ কয়ছে না। সে ভেবেছিল থে এরকম মটলে ভার চারলিকে নমস্ত পৃথিবী ক্ষেত্রে পড়বে, অস্তুত নে নিজে এই আঘাত কিছুতেই সহ কয়তে পারবে না-কিছ কিছুই ছো ভার হ'ল না, কিছু না। কিকে বাকি যানের মাইলে চুকিছে লিছে ভাকে ও নিশিক্ষণাৰে বিদাৰ দিল : সে বেচারা যাবার সময় ববন আরও গোটা কতক সাম্বনার কথা বন্ধ, তথনো চির্কালের অভ্যাস বড়ো, বেন किहूरे इत्रति, अमि जाद कारक गामन, का त्वन, का तम ।

ৰি চলে বাৰাত পত্ৰ, একলা কৰন সে চেতাকটিতে এসে বসন্, কৰন বঠাৰ সে কৃততে পাবল বে একটা আৰুল ভোলবাত বতো ইআপজিও ভাৱ আৰু অৰণিট নেই। ভাক'লে সভিয় সভিয়ই ভাৱ চাৰাইক্ষেত্ৰ পৃথিবী আনে ভেতে পাছছে। কিছু এক আছে বংহাছে ভাৱল এক আছে, বে সে নিকেই বুৰাতে পাঙেনি। চেতাকতলো অৱ টকটাক সাজাক-প্রাপাধিক আক্রাবিটাত ভাই--বিছানাটাত পাতা ভারতে ইক-পদৰ ভবিষ্কতে কাৰ কী কামে লাগনে একলো বু-ছ'বাত বিবে লৈ তাব পা হ'টো বৰতে লাগন, কৰাৰ কামৰ আগন বিকেই লোবে, আগত লোকে—তাব নাম হ'ল দেন ভাব সুবল পৰী। ঠাতা বৰে বাজে—তী এক অমুত বৰুৰের ঠাতা হাজের ভিতর থাকে নামৰ পৰীরে কেন ছেবে বাজে। চেয়ার খেকে লে উঠিতে পারন না, তথু নাম বলে কি বে বৰুর বিবে পোল নেই কথাওলো বিভবিত করে বকতে লাগল, 'হবি আঁকা--ক্ষানী--বোল স্বভাবে তাব কাছে দেও।' ঠাওার ভাব বাজে ভাত লোবে ঠকঠক করে কালতে লাগন— লে তথু চূপা করে বলে আলানা- কেন্দ্র করা আগত আগবে নিজ্ঞা পা বৰতে লাগল, কাল্লি ভিত্ত করা আগত আহে নিজেব কথা পোল ভাব ভাবে নাম্ন ক্ষান্ত করা কাল না। তবু ভিন্তি কথা পোল ভাব ভাবে নাম ক্ষান্ত করা করা করা পান্য ভাব বিবে বাজ

হাঙ্গা-ফলের মতো ভার চোধের সামনে বেন অনবরত বৃর্তে আরম্ভ করদ—আর নেই ঘূর্বিপাকের বিকে তাজিরে থেকে থেক ক্রমণ ভার মাধাজনারম্ভ করন বৃহতে। একবার করানক কীপুনির প্র

ता चकाम करक तकाव त्यान नाज त्यान वाहित्य ।

पूरंग नकांव नवव कांव रांचाव ता चक्रप व्याव केंगळम इरवाहिन, कांवक ताले चक्रप क्यांव महाच्या।

चाडियात रहत नर्गक कालिका कालक त्र कार कायर नामडे बार प्र गांदा (मारामा) किया नाम प्रतास चारण, अवस्थि क्या चार वांदा वानित, अन्त इत्व रह बाद माडेकार बादा दिने क्रशहाद अन्ते बीरमांक कारक राकिएक बरंग कारबर करन वृत्र कारिए कारक राज त छात्र वा बाह्य बाह्यने, त्वंद्रके चाद्र--तहे छात्र वा, मिखाहे त छात्र যা, তাকে ভয়ানক ভালোবালে দেঁ, ভার কাছে দিনের পর দিন, রাজের नव बांक बांकरक हाथ. अबसि करत जारक बरक कविरद सबी लागा e're wire barn bie i al nue emforate etaut are ure ratte : feet sete et en রোবে তার পালিত ছেলের কাছেই চলে আলে। এখন দে বদক্ষিনোর বাই আর বান্তির বিরের কান্ত করে। সকালে বান্তার থেকে কিরে এসেই अर्थात के प्रतिक्रीनार कारण तार त क्रूड़े वर क्रूड़ा जार क्रिक्टिक निमा बम्बिक्टन) दिखादा कटक क्रम्बन कटक क्रम्बन (व सार या नत्म गरिक्त विरव रव स्वारमाञ्चक्क अरमिक्त कारक कात बाहे वा बरव चारन कार्ड बर्राम मान निरक्ष : इकन द्वीरमारक क्रम करत राम कार्काsife faß aubi ein ebe-mie al bremmie ern enfereit

कराता चांत्रनिक बाताइ पिरंड कांरबरि करंड अन रह से नर्गरमान जात-बांक्कों कांद्र शर्रकों किंक करतक होने मत्र : अबन चांबाड (क्रांकोंन सर्वाच कर्बाद क्रम किंग्रे गाफ (क्रांग्रह):

तम कारकृषिय कीवन बाद कृताल होता।

আনক বিন আগে, তবেৰ বিষ্ণে হৰাছত আবে সাভানিনা বে বাসছিল পেনিকে ফুঠাৰ বাছ চাল বাক—নেই অনিবিট ভাবে বৃত্তে কেৱাৰত ভাৰত আৰু অবেকটিনেত। বে কালী আটিক ভাব প্ৰবি বাঁকছিল ভাই সামে পানিবে দিবে লে প্যাবিদে ক্ষুত্র চাক্তেক ছিল, ভারপার অবলডির বালে বালে নাবতে নাবতে দে নীল, ভূতিন, বিলান, আনক পর্বার্ত্ত ভূত্রে পেটিবেছে। বালে পৌহনার করেকদিন পারেই লে ভার স্বাবীর চোকে পারে বার । নাভানিনা বে অবংশাতের চরবে নোবেছে এ কর্বাই কলতে। করে রোবেছিল ততু নিজের চোকে ভাকে বেকে ও জান হারাল। পারে লোককন বরাবরি করে ভাকে আক্ষারের নোকানে নিরে বাতে ভবে ও আনা হারাল। বিবর বাতে ভবে আক্ষারের নাকানে নিরে বাতে ভবে আক্ষারের নাকানে নিরে বাতে ভবে আক্ষারের জানার জান কিরে আনে।

সাসারিতে বাকার সমর বন মেল্ডিররা পাছ নামে সাহিনিরার এক পুৰোহিতের নামে তার খালাশ হরেছিল—বোবে দে তার প্রায় ছাতের ৰুঠোৰ মৰ্যে এলে পড়ল-বছৰাল পূৰ্বে কন্মো পুরোছিত হতে হতে নাত্তিক হরে পড়েছিল-এভনিন পরে ভার মধ্যে আবার ধর্মভাব ভাগিতে তোলার ভত্তে বন স্পান্থর চেঠার আর দেব ছিল না। আপিতে কোনো কাম না বাকার নকন বৰন প্রোকেশর ক্লান্ত হয়ে পড়ত ভখন तबह कांड्रामड कटक अक्टोन नंद अक्टो वर्ष तक्षीह वह एवं न्नाप ছকে পড়তে বিভ । ভার বৌববে দে বে এত কট প্রেছিল দে বে ভগু ভার-মাতৃ স্বয়প পবিত্র বর্ষের প্রতি ভূর্ব্যবহার করেছিল ব'লেই—এ কৰা প্রোহিতের ডর্কে প্রোক্সের বেনে নিতে বাধ্য ক্রেছিল। তথ कारे नव, निका कारण दिर्शन कारण कारण की व विकासक वार নার বহাস্থাবের বলে বলনিবোর বতো <del>হালর হেলেকে ক্রানে</del> নিতে हाबेट्डन । अ छप् क्रीक परिज नास्थानस**ये-अस्था**नी व्यास्त्रना ক্সব্যে পুৰিবীতে বধন একা হতে পড়বে তথন সৰ ছেজেছতে বিধ্য বে বেন কোনো মতে প্রবাদের জীবন বাগন করে, জার নিজর জাই ইচ্ছে। डेक्बाटन-एक अकी संरापत को चाटक-कार्ति कुमन बाहुगी, कार्याटनह পাৰিবাদ কেন দেবালৈ করে পড়ছে। অভুডাপ করার স্তিট্র केनारवाचे कावता-कन्या त्नवास विकित मात्र वाकास नासक।

এই নৰ কৰা ভবে আোকেনৰ কনবো অভ্যান হাতা বনাটা একবাং বাছিতে, বাত কুঁকো কৰে, চোৰ কুটা বত কৰে বিশ্ববিদ্ধ কৰে ভবু বলত, 'ভা বেব, ভা বেব।'

খোনো খোনো বিন আদিন বেংক বেবিছে নে কেখক সাজা নারিছা বেলা বিনার্ভার নিজির উপর বন স্পাস্থ তার আন্তে আপেকা করছে—
অন্তবিকে প্যান্তিরকের নিজির পারে রানীর বাতা হেলান বিরে
বাছিরে তার শ্রীও। বুর বেংক শ্রীও পুরোধিত কুমান কুমানর বিকে
বিরে তারে প্রাক্তিরে আছে। খতই ভাষান না কেন পুরোধিতের মুখ্
সর্বনাই বাজি পাকত, ভিনি বুর বেংক শ্রীনোকটর বিকে তাজিরে সব
সমর হাত নিরে বাজি করতে——আর বেরেটিরও বরমাথা টোটে সর্বরা
বিশ্বী একটা হানি কটে পাকত।

ব্যোদেশর আদিল বেকে নামনের দ্বোট নাইটার নেরে একবার আক্রচাবে ব্রী বে বেলিবের বাবে ইণ্ডিরে আছে কেই বিকে ভালাত তারপর নোজা পা বাজাত পুরোহিতের বিকে। কিয়া দিরারৌ পর্বন্ধ নেতে বা বেতে তর ব্রী তাকে বার কেলত—টালা চাইকে নে কিছুকেই না বল্যতে পারত না, কিছু করা করবার কথা বলুকেই স্থায় ত কুন কিরিছে বিক। পুরোহিতের কাছে পৌছনোর নামনে সংসেই ত আক বা বানকথানি ক্রিন বেতে হবে আজ ব্রীকে টালা বেতার জন্ম। হাত হুটো বয়তে ঘরতে তার স্বাভাবিক হাল-ক্রেক্তরার ক্ষেমী করে আবা বেকেই নে ব'লে উটত, 'তা কো, তা বেলা,'

विराज काल ब्रोटा गढ़ना-बहें जबकी क्या दावितन जाक वह रावान, द्वादम्य कन दाक्ता बरे जबक काला सारण वा-काकात कारण नवावर्ग विराज्य वनकिरवार जिल्हा क्यक रूपकारणम् व्ययम बानोते नव्यम सारण काहिरद्वाचारक । कारणे बण बारण हुनैय स्थाप सरस ১৯+৪ সালের ধই যার্চ ছেলেকে নিজে সমুক্রের বাজে নেজ জুনো প্রায়ে সাজানো-জন্মনা ছোট একটি স্ল্যাটে এনে উঠন।

(2)

এক বাস বিশিক্ত বনে চুটি উপভোগ করবার বড়ো আরগা বাই।
আগের বিন পর্বন্ধ এবানে বৃটি হতে গেছে কিছ এবন পরিচার আনদা
করবার করহে রোছারে, হাডারা বিচ্ছে বৃছ্ বৃছ—বন্ত বে এনে
গড়েছে ডাডে আর সন্দেহ কেই।
আর সভিঃ সভিটেই রোর ছাড়ার একটু গরেই গাড়ির জাননা বিনে বুং
বাড়িরে প্রোক্ষেত্র অক্তন করন—সভুক বার্তির ববো একটার পর
একটা দান কুলের রূপ বারে বন্ত বেন ভার সাবনে ছুটোচুটি করে
বুলোচুরি খেলারে। বী হুলা বের বন্ত বেন ভার সাবনে ছুটোচুটি করে
বুলোচুরি খেলারে। বী হুলা বের বন্ত বন বারো আরো অনেকওলো
এডিবেন স্ভিস্টিডাই ভার্তানে বনক এনেছে। পীচ গাছেওলো রতিম
আনকার্যন্ত, বনকের আবিকীরে। তেই, কত বিন পরে সে আরু লভা
ভারতে এবন।

গভীর একটা নীর্য নির্মাণ কেল্ল নে—বাঠের খোলা বিট হাওগা নির্মাণ কেবার অভিনর অহস্থতি ওকে বেন হাওাল করেঁ, ক্রলান। তার বনে হ'ল, নির্মুহ ভাগা তার উপর কিছুটা নরা ক্রন্তন্ত্রীয় আকেই এই অপারশ বৃত্ত তার চোধের সাবনে বেলে বরেছে। এক অভিনত্তীয় আন্দেশ ওয় বৃত্ত আর উঠল—কর্তনানের এই বৃত্তিবার্থা বিশ্বতি বৃত্তর বেং লোন ক্ষমানা পর বাবে ও নেই ব্যবহিন আবেকটার ক্রেল্ডেনার ওব নিকের প্রায়ের করা কেলা ভ্রম্বন্তন বাবে তার কর্তাকের, তার সার ক্রাম্যের করা কেলা ভ্রম্বন্তন এই বারায়ত্বর অস্তর্থ, তার নার ক্রম্বন্তিত করাছে বে চরিক্রন্তীনা ক্রম্বন্ত ভাকে ব্যরাহিত আক্র वक सूर्क गांविएक गांकरण निरक्ष मा फारकक कृतन। वनकिरना निकंत गीमरूप ना, जनु कांच चारवारणात बरक कांच नावाक चारवार गांकितक राज रप रत नेतरह, जांच रप वहें दूरवार प्रतिक चावित, बीचरमा वहें दूर्वर राजा—किहूरे चांच कांच मान वहेंग मां। चाव्यत कांच नव चक्कांच परते, निक गांदेरव राज वहें गुक्क मांत्र, बीज चावान, राजारणा वृद्द नावीयका, रगरवार केंच्य निर्माण। वृद्द दरव कमरमा गांदेरवा निरंक कांकिरव वहेंग:

া শভিষ্টে, বৰুৰ হতে পাছত জীবন, কিছু আৰু কোষাও নব, এই বোলা বাঠের সকুম্বের নবো। লহবের নক পানির ববো ভাগোর হিকেজা বত প্রথম, প্রধানে এই বাঠের মধ্যে তা নিকর্মই হতে পারে না। ভাগোর নির্বাভনের প্রকটা বৃত্তি ও মনে মনে তৈরি করেছিল, তার মনে হত নেই বৃত্তি—বোলা হবে গাছাবার অবলাশ ভাবে দের না, বব নারা নিছ্ করে চলতে হব তার আক্রমণের করে। এই বীজ্ঞ্যন প্রতিজ্ঞান বিশ্বাহন করে। এই বীজ্ঞ্যন বিশ্বাহন করে । এই বীজ্ঞ্যন বৃত্তি ভার বীর ।

এই জ্ঞান্তর করতে করু করে বিরে আবার ভার বীর বৃত্তি ভাবে সেয়েক।

নুবিজ্ঞ কাৰ ৰাখ ।

এই খুন্দৰ দুন্ধকে কৰু দৰে বিৰে খানাৰ কাৰ নীৰ বুৰ্তি কাৰ ক্ৰোকে 
দাবনে কেনে উঠল—সৈ জন্মভানাতি দেই ছবি বন খেকে বিলে বৃহ 
কৰে। এখন খাবাৰ সে নাইবের খণখনত লোকে ভাই বুবে 
কোৰ বাৰ আদাবন পাহাকে লগ। কেই বেন উপৰ বিলে কাৰে ভূমে 
বৰে খাক্তি—এছ হান্দৰ। লেখাছে খনেব, ভাবা বে নিকেই পাধ্যক্ত 
কৈবি ভা ব্যৱহাই হব না। এই বে বাকে কাৰে, ভাৱা বেপদ আৰু বীক্ৰের 
কৈবি ভা ব্যৱহাই হব না। এই বে বাকে কাৰে, ভাৱা বেপদ আৰু বীক্ৰের

বাদা পৰে বলে আছে, হাদদা বলেব বাবে আছে প্ৰোৰা আকৰ্মী। আৰ এই আৰো বুবে প্ৰানাট—হাৰ্যৰ আলোৰ উজ্ঞা। টোনেৰ খাদ এক বাঁক চকুই পাথি উচ্চ বেদা—গুলৰ বাধাৰ উপাৰ, আনৰ উল্লেখ চিক্টাকৈ পাথাৰ কৰু বিশ্ব একটা চিদা। চিনাৰ বিশ্ব ভাকিৰে ভাকিৰে अक्रिक शरक गामिन गांक्सरनंत क्षेत्र क्योंकि क्यारकगरनंत सम পঞ্চল—উ: কডদিন আগে ও ব্যাকরণ দেবাডো—দেই বে : ইয়া ভাই एका । अधन एक मान काम कोड तार्ड चनवानी छ-चीपानड वायन की বছৰও ৰেল আলোই কেটেছিল। নৰ প্ৰথ ভাষণ বেছিল খেৰে সে क्ष्में राजिएक क्षित्र काह्याल कारण करण क्ष्मे-

त्यारकरहरू वन चानात बारान करक तनत. निर्धावक करक रून नजन. 'ভা বেশ !'

এরকর মনের অবস্থা অবিদ্রি ভার আর বেশিকণ র্ইল না-কর্লেটে দৌশন পার হবার পর কে বঝতে পারল যে সমস্ত আসতে আর বেশি ति । कि । कि विकास करें के अप के कि के कि । बार्स के के कि । वास के कर कि অপেকা করে রইল—বে কোনো মুহুর্তে সেই বিরাট নীলের সৌন্দর্য তার क्षांचर नामरन क्यां करत । नमक नमकर क क्रांकानार--কত বছর আগে লে সমুক্ত দেখেছিল শেববার, আর একবার দেখার की बाकुन बातावरे ना दिन छाड यतन। छहे एछ। छहे एछ। एथ যার। প্রোক্ষের এত বেশি উত্তেজিত হরে উঠল বে পাড়িরে উঠে कालना नित्त पूर्व राफिटा करीय काळाड काव कानएक एन सबस्तर নোনা হাওয়ার নিংখান নিতে লাগদ। একটু পরেই ভার বাধা বুরে উঠদ, বনে পড়ে নে ছ'হাতে বুখ চাকদ।

টেন করেক বিনিটের জড়ে আনংগিও নাবে একটা ক্লাক জাই প্রত वायम--- अवहरद त्यारक्षण्य कवरना चारमिन। त्क्रेनमं ह्वेटक वहरदर पक्षीकृ त्रचा बाह, दोन त्वाद बाकात ममहोकू क छोड़े त्वाद कांग्रेशन। अस्कृ शरहरे नाकि बारण स्म्बृह्मात्त-अपन महत्र साथ आपकरन त्य नित्यान निरविष्ण, तारे नित्यात्मव त्यात्व क्यत्मा ता चाक्क -क्ट গভীর নিরোস অনেক বিন সে নেরনি।

चानित्तव त्नवानियां और हात्रे नहत्वे। नहत्व धरन चानन वस

विरवृद्धित । पंतरवह नवरक्रस्य वक बाकारव विरव रत रवीक विक रमायात नमुद्राम शांत कर कालाव त्यांते प्राप्ते भाषता यात्ता नामाद्वत छनाव छान निरक ह्यांत्रे अन्त्रि शाक्षि, अरक्पादव नवुद्धक উপরে, ভাড়া ধর পক্তে বেশি হ'লেও কোনো রক্তর চালিরে নিড়ে হবে --(व्यारक्तव वहें राजिकें त्यान क्रिक क्रम । राजारके राजिके भिष्ठम विटक भावन, अविटक शावतमहे डेएसीड आधारकीम क्यांच क्या त नर तागाहैश करन करन चारन छ।एक शाक्तक-नाहि । अधिककाव करित कोनमाठी आब गाँछ गराण माणा, श्रीरक कवीर महस्त्रह मिरकत परवट कामनाठे। किंद्र त्यांव स्थापना गयान केंद्र । कानना निरह বাইরের মিকে ভাকালে মনে হয় বে কোনো মুহার্ড সমুদ্র বেন বারের मरशाई कृत्य शक्त, मायशानकाद त्वमासूबि त्वारोहे क्रास्थ शरह मा। প্রোক্ষেত্র বাভিউলিকে ভাড়া ক্সমা বিষ্ণে বলুল বে গে কাল বেকে এলে থাকাৰ, ভাবপৰ বেডাভে বেরলো সমস্ভীরে। তাৰ ৰাভিৰ পশ্চিম ছিকেই শহরের বছ পুরোনো বোড়শ শতাবীর विताहे वर्ग । वहरूव मार्ग मार्ग क्यानकरण कारण करव लाख-নমুৱের বার থেকে দেয়ালগুলো গাঁখা। ছুর্গের তলার সমুৱের চেউ वंशास बात त्वाव नवाक के त्रशास नीतित्वत वेनर वकेशासक অপূর্ব আনত উপভোগে কাটিরে দিল। ববে বারে চিরচেল্লোর त्रवा बाह भावत्वर बाकार-पत्न वह त्वम मीम स्वत्वद वदा त्वस पार्वत मरमातम अन्छ। बीन केर्द्राह । भारता तुरव महत्रकीरवद विरक काकारण तक्यों वात बतात क्यें। कामविरक धकड़े क्यारक জাহাজে জড়ি, কল্লার বোঁরার আজ্ব আনংসিও বজর, ভার পরে धनांत जात्वर कम क्रार्वर चारमात क्म्रम क्राष्ट्—अठ नांव रा अपके। व्हांके क्रके नर्रक जीएर बरन एकरक नकरक ना। चरमप पर्छ का বিদেশ পাচীয়ে খাপে হোবে কিয়ে বাবার মার গাড়িটেই; বাবের এই কটা ভিবেক দরর কাটাবর লভে আক্ষমিও আর কেন্দুলের বাবারাকি বর্গেদ-এ বে ছক্ষম পার্ক আছে—দেইবানে বাবে ঠিক করণ।

একদিকে সকুত্ব বন আর মাঠ, অভাবিকে পাহাত্তের তলার সকুত্র—দোন বাধা বিকেশে হাঁটতে হাঁটতে নিজেকৈ ভাবি সুখী মনে হ'ল কসুযোর; মনে হ'ল এক সুখী জীবনে আর কখনো নে হরনি। পার্কে চোকবার কর্ষা থোলাই হিল, আত্মহার। হরে নে ভিতরে চুকে একটা চড়াই বাজা ধরে উপরে উঠতে উঠতে হঠাৎ কুনতে পেল পেছনে কে টেচাজে, 'বাজান, বাজান। এবানে চুকতে পেলে টিকিট স্ক্রিনতে হয়: বাজান, টিকিটের লাম বিন, পাঁচ সক্ষিধি ।

নাভার বাভার করন স্বক্ষভাবে হেছে গোছে বে নিতে বেছিক ভালাবের কছুঁছি কেনা নাজে না। অপরাপ নিজব একটা আফ্রাভরা নিবে পাইন কর্মটি নিবিত—নিবেজকার্যার ভিডারে কেনে অনুভঃ ভানাটে এক-বলবের পর পাওলা বাছ করাবেও আভাল নেই গাছেব। আর ইটিকে বাছে করাবেও আভাল। বাবা বেকে টুপিটা বুলে বে প্রস্কার বালাব্য করাবিত বাছে ভারত ভারতে ।

बह बहुब बहुब अहमत शब अम विवाह प्रकारनाव ह्यांचा कर महिन हाबनारम चक्कीय दरावर अवहे। एवं चारदर टेलरि कराहिन। देशनीयन बीजरमद इन्डिबाड नैक्टिंड हरड छाड यम गांगांडिक विचार বাইতে বেছতে পারেনি। দেই ছেলেবেলার ভার বন বাবনার ভাকে माधा विद्ववित, किन्न छात्रनंतहे ता त्यन नायन हत्त, वर्वनियान छात्र একেবারে খনে পঞ্জ ৷ আৰু ধেন তার ভাগোর নাগে হরেছে নামরিক সন্ধি-জীবন যে সভিস্থিতিই উপভোগা এই পরম সভার স্বাপাই আন্তাস আন্ত সে পাছে। অল্টেডাবেই সে সতাকে দেখতে পাছে, কারণ जा जा क्रांस अवस्थित एवं वर्षिक किसाव के निर्मेकिक किम, एन्ट्रें किसाव বেৰে আলোৱ সভানে এখনো দে বোকাৰ যাতা ছাই আসৰে কেন চ জীবনে সে কথনো জাতসারে কারো কোনো কতি করেনি বরং উল্লেট ভার দাধারত লোকের উপকারই করে এলেছে—তর জাগা ভার ছব गानि करत नवक मह जकता छाटक तका काटहे हूँ एक मासाब तकन, औ কথাই দে ভাৰতে লাগল। পুরোহিত হবার বাসনা ভাগে করে সে विवर्षे करविक्त-गृरवाहिक-वक्तीत बर्चन मारत काव किन्नकिय কোষাও কিছু বেলে না। বাপ-বা-বল অনাথ বেডেটাকে বিয়ে করে খালৰ দিৰে লে তো কিছু খড়ার করেনি—খার বেরেটার ইচ্ছাবভাই তো দে তাকে বিষ্ণে করেছিল, বে তো খোলা বনে কোনৱকৰ নাকেছের बरकान वा दश्य दिस ना करहरे छाएक बात्रत तिरङ छात्रहित।

तारें बीरे जात गर्स निवृंत वारकना करत कारक व्हरक गामात (श्रम-छाड गमको बीदन दिन नहे करत। माड अदन १ अपन দে লাই বৰতে পাবছে বে তার একমাত্র সাহনা-পুৰ সামায় इत्मध-नायना अहेक्टे त्व कांद्र द्वरतात्व कारबंद नामत्म किर्म दित ৰভাৰ ৰূপে এগিয়ে বাবাৰ নাকী হয়ে তাকে অপেকা করে বনে বাকতে श्रव । रक्त १ अहे विशव्ध बाष्ट्ररक बीचरन चारत रकाया रचरक । क्षमशास्त्र नाम १ मा, क्षमशास्त्र क्ष्यामा अहरूव हैएक हरक शास्त्र मा। ৰ্মি ভগৰান বাকেন ভাছ'লে তিনি অস্কুত প্ৰিৰীয় ভালো লোকদেং क्षति प्रवाहे करायत । ता अपनारतर चालिए विचान करा प्राप्त कार व्यवसान कहा । किनि (सहे । काइ'ल, काइ'ल (क र पृथिवीरक नाम-क्रमाह (क १ कांत्र हाराज्य मुर्द्धात्र हुई।शा लाकरम्ब बीयन १ একটা পাইন কল---স্তিট্ট কি ৫ একটা পাইন কল ৫ ইয়া, স্তিয় স্তিট্ট अक्की वस माहेन कम अहे अबह शास्त्रत साम त्यार बाम त्यारकमाउर ৰাশাৰ উপত্তে পাতে ভাব সমস্ত প্ৰাক্তের কৰাৰ দিয়ে গোল। ৰাজ পড়লে মাছিৰ বেমন ভান্ধিত হয়ে বাম বেচারা জ্যোকেলর তেমনি মিলোড পড়ে বছল। জ্ঞান ফিরে এলে সে দেখল যে রক্তে সমস্ত बाइगाडी अरक्वार खरन लाड । श्राचार क्रेमर साथ खासर माथ नवंश नवा अकेश कर त्यत्क क्यांना इस्त नक्षत व्यक्त । सर्व सक्षित चरमक करहे ता करते देखान, जाबनाइ चारच चारच नारचंत्रातीरहे अरम পৌছল। গেটের পাহারার যে বেটে খ্রীলোকট থাকে, লে ভার রক্তাক वर बाद बादा तरद किरवाद करत केंक्न : 'बीक । की ब'न स्वाबाद न de aw ferra s' নে ভার কশিত হাডটি একবার ভূম্ব, বাবার বা আনক্ষে হাসিতে क्षेत्रे अक्ट्रे रीकान, जादनद चायका चायका करत बरार दिन, 'रावे---रावे गावेन कन---रव् गावेन कम गांवा गुविवीरक बाज्य करव---

## त्नरे त्नरे भागात और तना करतात !

রীলোকট ভাকা রে লোকটা একেবারে বাবন । পানের জ্যোবি বেকে একমন গোরালাকে ভাকতে নে কুটনা—গাকের পানেই কো নাইনে বে বকুমা কাল করেই ভাবের বব্য একমনকে তেকে নিরে ভারাভারি কুমনে বিনে খাকত লোকটকে কারেই খনেনিলো বানপাভানে নিরে পোন্ট সাপাভানে প্রাক্তনাকর রাখাটা রাখ্যে কারিবে দেওবা ব'র্ন, আরপর পাচটা কর বহু লোকটিকে বাবর কি করিবে দারিক কর্মান পানার ব'ব ব্যাক্তেক এব্নি ট্রানে বেভে করে ওনে ভাকার নিক করবেন খারাটা সাক্ষে আরলা ভালো বাবরা ভিনি পারের বিন করবেন খারাট সাক্ষে আরলা ভালো বাবরা ভিনি পারের বিন করবেন খারা ভালাটারি ভার মারার পানিকর মতো করে একটা লাক্ষ ভিত্তির বিনে । সর্ব ব্যবর হবে বেল, তবন টুলিটা রাখ্যে বিত্ত বাবে রাভারিক বাবরিক ক্ষান্তির ক্ষিত্র নিরেন । সর্ব ব্যবর হবে বেল, তবন টুলিটা রাখ্যে বিত্ত বাবের হাতে করে একটা লাক্ষ ভিত্তির বিনে নার ব্যবর হেল বেল, তবন টুলিটা রাখ্যে বিত্ত বাবের বাব

(0)

'প্ৰিয় বসস্থ,

নাছৰ ভাৰের পঞ্চিকার ভোষার আনার নিন নির্মেশ করে দিয়েছে।
এ বছর মুনি যে ভার আলেই কেন একেছ, তা আমি বৃত্ততে পারতি
না। এ বছর বুব জোর নীত পড়েনি, চলে নাওরার আলে পৃথিবীর কিছু
কতি সে করে বেতে চার ; সে অবিকারও ভার আছে। ছাঁএকটা হোটবাট করু নিরে সে এখন একটু বাজ। সে চার বতকণ না এই করকলোর বোজা সে এখন একটু বাজ। সে চার বতকণ না এই করকলোর বোজা সে এখন একটু বাজ। সে চার বতকণ না এই করকলোর বোজা সে এখন একটু বাজ। সে চার বতকণ না এই করকলোর বোজা সে এটে অকুরোর হ্রতে। ভোরার ননে বাজ বালাক

भारत । छाडे ता तक नगरह, कवि चयन महरत महरत, त्यारत तारत. বিজ্ঞান বজো প্রবেশ করবে তবদ প্রবাট ভিজে বাক্সে ভোনার চোট मान ना बड़े काला जाबाबाबि करा वर्तक नारह । बहन करा सामक শীত এখনো বড়ো হয়নি, তাই লে ভোষাকে বলছে বে তার বৌধনের (एको) त्वर करत (वर्गात नवडोंकु कृति चक्क शांक। हा नंतर करत नगरह त्व डांक्डा त्वरक जब क्रिय तन करन निरंह नारन, नव चाहे त नित्यादे त्यापाइ कामात्र, नित्यादे शिरव बाटव त्रव त्राक्ष करत । वनि छिर जात हैका शूबन कम जाहरेल खबु ता तन-हे बुनि हता जा ना, আমিও চৰ না কম পশি। প্ৰসংগঞ্জমে ভোষাকে বলি একটি বৰ ভাগে। লোককে ভার জন্ম বেকেই আনি যুব বন্ধের সংগ্রে দেখান্তনো করচি। ভাবে বই বিরে কী আনস্থ বে আবি পাছি ভা ভোষার কী বলবে। এই জো কাল বে একটা খব ক্লবর পার্কে পাইন বনের ভলায় ভয়ে ভার क्षांचार वानरमात्र अटकवाटर शक्यम इट्ड केट्रीडम । यक्षा कहरार करड चामि छात वाबाद अस्ते। चन्द्र, नछ, नछ, नाडेन क्ष्म का पिनाय। ভাতেই লোকটা यद বেভে পারত किছ, खेंड वाद एहा আৰি ফেলৰ না। ভূবি তো জান ভাই, আবার পভাকার কী চিচ भीता भाष्ट । अक्ठी त्रकान अक्ठी देंब्द्र का त्याद त्यात कार्य मिरव (थला क्वरक्ष'...

খনেকবিদ খালে একটা প্রনো বইবে এই রক্তর বেকাঞ্চীপ্রউট্টা পড়েহিল-নেই ইচিচ কসনো আরমিও বেদ আলো একটা বক্তরা সিংব বেশল। আলোক বির্মুখতা বে তার প্রতি কী ইচ্ছে নেইটো কেবাবার আছে ওর বেধার এই প্রচেটা, খেল পরেরো নিন বরে সে নিজের বনের ভিতর কথাখলো আলোচনা কর্মিল; আর হিব বিধান বে তার ভাগানিকরা বনত বেশতার কারে টিক এই বরণেয়ই আন্দেম আনিকেহিলেন এবং বেবতার প্রায়ে বিক এই বরণেয়ই আন্দেম আনিকেহিলেন এবং বেবতার প্রায়ে বনে তথাত্ব গাঁকে ভাকে ভ্রতকার্য করে ছিলেন। নাবাহ কৰাৰা পাসচি এটো আোকেনৰ বৰ্ষাবিনোই বিয়ালাত পালে বলে ছিলেন। তেত কুনো কৌননে নাৰবাহ পৰ বেংকট ক্ষম ক্ষম আলে, এবলত লে ক্ষম ছাডেনি। কোৱা আক্ষমতে কাহিল হয়ে প্ৰজ্ঞান বোৰে যাকাৰ নাম ক্ষম আলত ক্ষম বাবে।

क्षि औं शक्ता, औं शक्ता, औं शक्ता ! ट्रांस नाताश किन बार fice pica an aprine wime piente cen neufe ande : मादशरबंद मनबारमा नर्बाद छंड केलिएड मिन विरक्षक, विश्वाद करवाह, बाराह गर्बन । तक तक मध्य तथ्य तक तकते। म्यका तामाह एवं मान prare aiffen afe Glere face vice se i eifere wolfele बाका क्या वह वि-क्ष कावाद कावाद केविया करवनी हैकि, हिनिश्चारकत काम (करकरक करवकरें), निकक्कक वेनकिरत करकरक कातको। शाह । नवात चार-धक तथा तथान-पढ यक तके कृता चरण ছোটো বাভিটার দেহালে প্রচত আগুরাজ করে ভারি ভার ভৃতি। এচও কড়ের বাব্য সমূত্রে ভাষাত্র বাকরে যে অবস্থা হয় প্রোক্ষেত্রের चनका ताहे देकत । श्रमीकरमा तकावा चमक्कन कर त्याव त्याक-न्काव वांचा छाटक माचना त्मवाद क्रहे। क्वडक बरहे, किन्न क्लारमा जावा वृद्ध পাছে মা ৷ চেউরের শব্দ তত বেশি কিছু নহ কিছু ঐ জীবণ হাওয়ার गर्कम-- श्र मान वास्त्र शान त्या करत श्रद क्या बनाव क्याश, ध्यम कि चत्र नित्याम (कमांत गर्कि गर्वड (वन के वॉडाटमर गर्कन (कटक निटक t देशहारक्कद चलन बीदनलाव खान क्वन खाद देशियत करते लवन मारक বাবে বাইরের গদার ওবুর দেবার করে গ্রোকেন্র এক একবার উঠে বাব-ওবের বুর্তাদ্যের বোকা আরো ভারি করবার প্রচেটার নার্সের ग्रमाव अक्रूप करवरक-त्मक करव आरक विद्यानांव।

कार्वनिक अगिरका त्यास्त्र अक कारत, वक कारत नगात त्यक्ते कहात ताम त्यवत्मदे वादे बीधान केर्ड वरम-मानवाम काल मानारक किस् विन मात्राह्य ना वन।'

বিছানার উপর উঠে বলে দে হা করে—পানার ভিতরটা লাগ হয়ে 
হলে উঠেছে। বেশি দেবার ইছে না ধাকলেও জানালার বাতাবেং
শব্দ প্রোক্ষেয়রের হাতটা কাঁলিরে বের আর তার কলে চার্লাত 
থানিকটা ওপুথ হড়িরে পড়ে—ক্ষতাগ্য বাইরের বে চোকে এক কোঁটা
পড়ে চোকটা কানা হরে বার না।

'ৰবাবে পুত্র কেন, পুতু কেনে লাভ ।' বলতে বলাতে লে বলাকিনেটি লাহে কিন্তে আনে—চোধ ছাটা এল হিংলাভাবে অলনতে বাবে। লাইলিক অসিজ—বিন্তানা, পুন কর, ভাছাড়া লোলালোড আই—ভাইন ও কা করে হেছে বাবে। লাই, বলিও ব্যু লোভ হছে তবুও এখন দে কিছুতেই গারেব না—ওঃ, এই বাতাসই একে গালদ করে তুলার। 'বহুতেই গারেব না—ওঃ, এই বাতাসই একে গালদ করে তুলার। 'বহুতেই গারেবে না—ওঃ, এই বাতাসই একে গালদ করে তুলার। 'বহুতেই গারেবে না—ওঃ, এই বাতাসই একে গালদ করে তুলার। 'বহুতেই গারেবে না—ওঃ, এই বাতাসই একে লাভ হ'ল বী হ ছ' আন্নানার লাভি আন লিভিছ হছে, বিবেলে এসে বাতির ইপুন পাওয়া বাছে না কিছুই, কিন্তেহ অল্পন, বলভিনার অল্পন গোহে বেড়ে। তথু ভাই না, ভাকে একলা ভিনজনের স্বাক্ষ করতে হছে, ববে বাবে বিনাটের অল্পন হেছে বাতার হিছে বাবেল করে হিছিল বাবেলি, কুটি করিই অল্পন হেছে আভন হিলাকে বুলারের বাবে নিজে বুল্লিভ গারেলি, কুটি উনটেই ববের বাবে বাবুল আন্তানার বাবেলি বাবুলি বা

দইজার আছে আছে কে টোকা কিছে না চ

'কে p' প্রোক্ষের বছল। বুলে বিরে অবাক হতে সেন। বাড়ের একটা বন্ধবার বালে বলে বতে চুকল সাতানিনা—লে ববহিত করে আগতে, বাজের কর্মবালে করকেই। তার রোগা হেলেকে লে একবার দেবকেই। केन्द्रवायुक्तका इदन जीएक बदन दन द्यादकनदश्य गास्त्र काट्य है।है. (बद्ध बद्ध नक्का। इंक्का इद्ध (नक्किट (पन व्यादनार । बन व्याक्की बर्द माकामिना बर्दन केंद्रेन, 'कम्द्रवा । कम्द्रवा । त्यावां हे द्वावांव । একবার বলকিলোর সংগ্রে আয়াকে বেবা করতে হাও, কুসুযো। আয়াকে

क्या कर, वेद्वार कर, काराटक क्या कर ? शावनद कांत्र कार्य स्माप्त अन कांत्राव क्या-मिकाका कार्या अन्। बर्तन व'न अ-कांब्रा धत्र चार किंद्रुएठहे बामरन ना। कांब्राव क्यांक स्थ नाता त्मर त्केरण त्केरण केंद्रण मात्रम । माझै तहरक केंद्रण क्रिट्रण है तम ताबी र'न ना, इ'साट पूर छाट बांनाए नातन कार बारकम 'ক্সমো ভূমি দেবতা, আমাকে ক্ষা কর, আমাকে উদ্ধার কর। चार का निम कारते ना चामार । यह भटर चामार स्वकिटनाटक छात्रा খার-কিছু আমি চাই না। আমি তোমার সৰ কাঞ্চ করে দেব, আমি ওর দেবা করব, ভোমার পারে পঞ্জি কন্মে-

क्की क्यांटर बटन नाम इंशांट क्यांट्सनड मूच छावन। मुच्छाकाड कारना प्रकार है कि मा. अठकरन स्कार चक्रकार नाह हर**स** अरमहरू, बरवर मरवा किछ्डे चार तथा वाटक मा। माडा छेनाममार पनी বাজলো। উচ্চছরে নার্গ আতে মাতিরার ভোত্র পাঠ করতে লাগল---এ-ছোত্ত কানে গেলেই তার যদিও বাতানিনার প্রলোভন কাটিবে

উঠতে পারবে, এই তার আলা।

পিছনের যর বেকে নলজিনোর পদার আওয়াল পাওয়া পেল। राष्ट्रिक कि ता हरक दक्क मा लाद कर लाख ता कामरह, 'राबा, बाबा "

হেলের ভাক ভবে বাতানিনা লাকিবে উঠন, প্রোকেনবের অনুরতির चरनका मा खरबड़े कोएड त्रांस त्र क करनद पत ।

CMICANS हुए करह CBRICS बार प्रदेश—कांड कारन चालाक मानम

নগদিনার বর বেকে নারের হেলেকে আবর জরীর ভাঙা-ভাঙা কর্
চুবু বাওরার পক। নাইরেও বেন কী এক অতুর্ভ পরিবর্জন এলেছ—
সন্বরের গর্জন গেছে বেবে, নাতানের আর জোর নেই—শান্তিরর সান
পৃথিবী। নাথা ছুনে অবাক হরে সে ভ্রুমতে নাগদা। বুব আছে একট,
জানলা তথানা বুট-বুট করে নকছে। ইয়া, সাক্টাই তোম-ছাভয়াবেবে সেহে হাজর। জানানার বাবে সিরে বাসানের ভাগানে হাজার
কিকে তাকিরে সে কেনে—সেনাইরের ব্যারাকের সামনে পাবং
আবালা লালে উঠেছে, আর সভিয়ই হাজরাও বেবে সেহে হঠাব।
কভালি জব্দী আইলারের করির ওব কানে তেসে একা, বাঙাঃ
নাগ্যার পার মুলি কবে ওবা বেভাতে বেবিবরের।

এতকণ ধর বনে ছিল না যে অভকার বরে সাতানিনার কাছে দলখিনে একলা রয়েছে :

ও ভাড়াভাড়ি আলো আলতে যরে চুকল।

'আৰি আৰ্লাছি আলো, আমি আৰাছি।' সাতানিনা তাড়াডাড়ি ব'লে উঠল, 'আলোঁ কোঝাৰ ৮ ও যতে ৮ আমি এখনি খ'লে আনছি।'

ক্ষা ব্যক্তার সংগোও বর থেকে বেরিয়ে গেল।

नगरितमा किन् किन् करद रहण, 'वादा, दादा, छटक चादि हाहे मा---छट भारत विक्रिटि छटमाचार सक---'

किंक क्षत्र मा, शावम, किंक कर मा ।

ভিত্ৰ বাবা, তুনি ভোগাই ব্যোগে । ও ওলে তোনার ভাষণা হ'ব কোথার ৷ তুনি এখানে খানার ভাতেই ওজা, ভনছো বাবা । । বিয়া, বাবা, তাই পোব, ভিত্র তেব না তুনি ।

চারদিকে বব চুপচাপ। কিন্তু বাভানিনা করনো কিবছে না কেন। বাভিজনো কি বুঁকে পাজে না। কী করছে বে গুরোকেসর কান পাতে বোলার ভেটা করন। ভারপত্ন হঠাও ভার বেরাল হ'ল বে, ভাব नारक जन्म कीको शक्ता जरून नागरक । चत्र मरक शंक माळाविया निका जन्म क्यांना प्रसारक नारनक परक । किन्नु एका न

তে উঠে বাছাৰ, মূপি মূপি বলজিনোর বিহানার আছু বেছে সহে এবে পা জিপে জিপে এসিরে বেদন পাপের আরুর রংজার কাছে। বারাকের বিবল নিচু জানলাটা এই খবেই। টিক খবেছে, সাভানিনা জানলা খুলে নিচু বার বাঁছিছে, নিচেও বাছিছে কে বেদ, ভার সংগো কিন্ কিন্তু করে কথা বলছে। কে নে হ কার সংগো বলছে কথা হ এবই বব্যে সাভানিনার পারতানী আবার আরক্ত হ'লে হ গোলেনার গাবের ববতা উটি বেছে, এডটুক্ত পদ না করে ওব কাছে গিছে গৌচন। পে ভনতে পেল, নাভানিনা নিচের অভিনারটাকে বলছে, গোচনা গো ভনতে পদার, আছ নহ, আছ রাতে অসজ্বর, কাল----আমি করা বিদ্ধি, নিজরুই কাল।

এই কথাগুলো খোনার সংগে সংগে প্রোক্তের আরো নিচু হবে সাতানিনার পা ছুটো ধরল, তারপর এক ঠেলার জানলা বিরে তাকে গাইরে কেলে বিরে ডিৎফার করে উঠল, 'বরুন সেকটেনট সাহেব, আন্ধানতেই তালো করে বরে নিন।'

 বাবা---সভিচ কিছু না--ভর পেরে। বা, লক্ষা । একটা টালি--হাত, থেকে একটা টালি থলে দেকতালৈকৈ নাথার পছেছে। আর কিছু না । বাইরের বরজার মূদ্ মূদ্ বাভা। বাই কোনোরকরে ভারতাভি কাপড়-চোপড় পরে নিয়ে মুটে দিরে বছলা মূলে বিল। ছাত্ম সুবিশ, একজ সুবিশ নার্কেট আর ভাবের শিস্কনে সেপাই অফিনার, বাঞ্চির বংখ চুকে পড়ল রাজার গোকের ভিড।

এত সৰ লোক দেখে তহ পেৰে বাই ভাছাভাছি বন্দ, 'একটু আপদা কল্প-আৰি আলোটা আলি---' বেৰা গেল গলছিলে। বিছানাই উপত্ত হাট্ট তেতে বলে আছে আও ভাছ বাবা ভাকে অভিনে বতে আছে ছ'ছাতে।

'এই বে পোরেছি।' একজন প্লিল চিৎকার করে উঠল, 'লিগ্সির উঠ এল জানাদের সংগো।'

প্রোক্ষের ওবের বিকে বৃথ কেরাল। পুলিবের পিছন পিছন বাব বারের মধ্যে ভূকে প্রভেছিল, ভারা ঐ ব্যাভেকের পাগড়িপর। মড়ত মডো ক্যাকার্শি মুখে বড় বড় চপর। বেবে খবাক হ'ল, ভরও পের। 'ক্যোবার বেতে হবে হ'বে বিজ্ঞানা করল।

সূচিব সার্কেন্ট ওর কাবে হাত বিরে রক্ত করে করাব দিন, 'আরার সংগে। আর, কোনো গুণ্ডাবি করার চেরা করার ্রু

আেকেসৰ বন্দল, 'ভা বেশ। কিছু আনার ছেলে। কুকুৰ্ক্ত অনুত।
কার কাছে বেশে বাব ওকে। আনাকে সব বুলে বন্ধত বিন, ক্তর--সার্কেক রেগে উঠে বাবা বিজে বন্দল, 'ভূম' করা। তোনার ছেলেবে
ইাসপাতালে পার্টিয়ে বেডরা হবে। ভূমি এক আনার সংগে।

নদাধিৰো অতে ঠকুঠক কৰে কাপছিল। প্ৰোক্ষেণ্ড ওকে আবাৰ বিহানায় ভাইছে বিল। অনেক কটে চোখের অল চেপে বেখে বারবাৰ হেনেত্র মুখে চুবু খেতে চুলি চুলি বন্ধুকে আবাল বে—এ বিস্তু লা, বিস্তুই ना, पूर चित्रविदर्दे हो सिरंद चालहरू-व्यक्तम जूनिन चरेरर्प इरह छई हाछ बरह डोन नामाम ।

--





## 47 WIE 44 (EC)

'निनकारबामा नाम्नि चारक कि १'

'हैंगा, बदबाद होका शक।'

টোকা দিরে বৃটি নারাগ্রাথনিত্ব। নরভার নারনের নর নিজির উপঃ নিখেকে সিত্তে বনক।

ঐ বিশ্বিতেই দে বংল। সারৰ লক্ষাৰ নামনেলার ঐ বছরের আরে
নানা নিঞ্চির উপারেই ডার কননার আরগা। জানিয়া-আরের হব এ-বারি
নার ৩-বাঞ্চির বাজার নামনে অভ্যন্ত হবে বংল, করনো খুনিরে করনে
নিশ্রেম্ব অঞ্যনাত করতে-করতে তার সময় কাঠে। পথের কোনে
নোক তার কোনে এক টুকরো কটি বিংবা পরনা টুডে নিলে যুব থেগে
নে মন্ত একটা জাগে না, চোবের জগত বোচে না, নেজনো চুন করে
ক্রান্ত এট ক্রান্তে হব কালে নর তো চুলতে যুক করে।

ভাঁতে বেবালে মনে হয় বুলি এক বজা বুল তেক-টিউটিটে হৈছা কাপত কি প্রীয়া কি পীত, নর্বলা লে একট বক্ত-শতাহিছে, খাঁব প্রায়া পাবে। বরলার তীত্র কুকিবুলা। তার বনলেটে মুখের উপায়া, প্রায়ার কাজান বোনা, চোবের পাতা খোলা, আর বীক্তন নাল। ক্রমাণত অব পাকে-পাকে কুলো বাবে। কিয়ানেই কুকিত বেখার মধ্যে, বজা ও অক ধ্যানের ভিতর বিধার, একখোলা উজ্জল চোব চক্তক করে। নে-চোখো বুলি বন্ধার প্রামাণিত—নেবানে বিশ্বত বৈপানের হায়া। কুনিত নাছিখালে লো চোবের উপার মনে। কিয়া নিব্যাহর মধ্যে এবন গাজীয়ভাবে কুবে বাবে বা নাহিখলোকে লো ভাষার না, এবন কি অক্টেশন কৰে না। তাৰ ওকলে আৰু চুল বাধাৰ উপত্ৰ ছুভাগ ছবে কানেব পাথে অটাৰ বাছো কুলছে। বৌৰনে বে-নৰ ভাবি বছৰা লৈ পৰেছিল ভাব চাপে কানেব ভলা ছাটা ছি'ছে গেছে। একট পতীৰ কালে ভাতচিত্ ছুখনি বাবে ছক হবে কানাৰ লোগ চাৰকা বেবে বেবে কাপা বুকেব জিনৰ ভাগৰ চাৰকাৰ।

ভিতর বছত হরেছে। (व-नव व्यादवा निकासक क्रोकार्कक केनव क्रमक्रिक क्किक्ट चाव चात्र विरक्ष किरव ठावेन ना। खालव केरकव नावरभ वरन शत्र करव कांत्रा व्याव त्यांका विनकेंकि कांक्रिय किया व्याकारकडे व्यापान्यान কোনো কালে ব্যব—কেউ কাপতে তালি বাবছে, কেউ হাঁবছে, কেউ হা बनाइ । वाक्रिकामा अकावाद बाइक चार नकर बामधाव । त्य-नावाद राक्षा देखति वाक्षिकत्मान त्याचक त्यहे भाषत्वप्रहे । एक्का विरहते क्ष चाटमा हक्टल गाँदत । छात्र अक गाँदन त्माताम, त्मबादम मात्रा किरवा बक्रवस्ता माहि ठाइनार करक गर्वरा नावि हुँक्टहा चल्रभारन मक्रामानीय माला केंद्र करते केर्द्रांट त्याचार विद्यामा । अराखाक बरवारे क्रकात्वर प्राप्ता (प्रवास भावेत विश्वा वीष्ठ कार्यंत अवधि कर कार्या मशा निक्रक, घट्डा किरना किन्टि करत बरफद पश्चिमा क्रबाब, अक्डा করে বারজোল আর কিছু চাববালের মহলাতি। দে অঞ্চল বে-লব unimit ninisten with fine, gen was eine erwalten bei कीरकारे बावनका गायर अन-अन्ते करि वेद्याताः व्यावा क मारबर बाम्बाक्क शरबर डेलड छात्राटे दरकर एएसवा स्वमाह । स्वके मुन्तुर्व केन्छ, कास्त्र वाद्य या द्यारोग-द्यारोग स्थला दिसा नार्ते । বুসিওলো ভাষের ভিতর সবাকে চুঠে কেডাকে। বাজা পুরোরওলো काश (बाद दिवादियार कात क विकृत जानकतात जिल्हा गर्छ वृक्तिक । गाइड कि मकारम विक् बारविकात बाता करन बारव कारवड कवाहै বেছেরা ভখন খালোচনা করছিল।

একজন বৰ্ণ, 'নাৰো কোৰা বউ আৰু ভিন হেলেকে কেনে পালাজে'

স্বার একজন ববর বিল, 'জিলো 'স্বরনিরা তার পাঁচ ছেলে স্বার ব্টকে জেলে চলেছে। বউটা স্বাবার পোরাতি।'

ভূতীয়খন এই কৰণ, 'কাহৰাইন হকা সভিত নাকি ভাই বাবেঃ বছরের ছেলেটাকে গছকের খনিতে কাকে লাগাবে বলে নিয়ে বাছে? হা ভগবান । বাটেন কাছে ছেলেটাকে অন্তত বেখে বাগুৱা উচিত হিল। বেয়েটাকে কেন্ট্রা কাষের এখন দু'

বিষ্কুর্বের রাজা থেকে চতুর্ব দেয়েট করণ করে বন্দ্র, 'নানংশিও নির্মোটির বাড়িছে সমত রাত বতে কী কারাটাই না স্বাই কালগ নানংশিশুর হেলে নিটো বুডর কাল থেকে কিনে এনেই ঠিক করে। নেও যাবে। কী চোথের জনটাই না কেলছে স্বাই ট

এ-খবৰে বৃত্তি মারাপ্রাথিবিয়া কারার ব্যবক বাবা বেবার অক্টে নিজেব মুখের উপর চাপুরটা: চেপে বরল। কিন্তু তার গোকের তীব্রতা ক্যনে। না, কোগা চোখের ভিতর খেকে অনর্থন অল গড়তে লাগন।

ুক্তাৰ বছৰ আগে ভাৰও ছট হৈলে আবেছিলাৰ চলে গেছে। বলে-ছিল চাৰ পাঁচ বছৰ পৰে দিবে আগৰে। কিছু নেখানে ভাৰা উন্নতি ভাৰেছে—বিশেষ বাৰ বড়টা। কলে ভাষেত্ৰ বুছি নাকে, ছুল্লে গেছে। এভাছৰ বাবেই বখন বন্ধুন একটি বল জানিব। হেতে বাছু ক্ষিকাবোগাকে দিবে বুছি চিন্তী লিখিবে দেই বলেন্দ্ৰ কাঠক বাবে আহুবোৰ জনাৰ বে-নে নিজৰ বাতে চিন্তী। ভাৰ হুই হেলেন্দ্ৰ বা কোনো একট্টকে পৌছিকে কোনা আৰম্ভ কৈই বল বখন নিজেবেৰ ভাষী পোটনাকুটিল নিজে সং কোনা আহুবাই ইন্দিনে বাবাৰ কাৰে, ভাষেত্ৰ বা বোৰ বঠনৰ কান্তা আছ হা-কুছাপের সাক্ত বোগ বিছে দেই বুটিও বুলিবদিন বীৰ্ষ পথ বাবে হলে। একবাৰ এইভাবে বেতে বেতে গে বিছাবুলীতে লক্ষ্য কাৰ্যিক একট क्षांच्या गांवी जार चाचीहरूक नगर (मानव्यकारन रावा स्वराद करक्षे इन देन-स्का करत स्वर्ण स्वरादक ।

বৃদ্ধিৰ বিকে ক্ৰেৰে লে,কৈচিয়ে বন্ধুৰ, 'কী' নো পাগদা বৃদ্ধি বালিব। ব্যবস করে দেবছ কী দু থাবার চোধ ছুটো থকে পদু,ক, তাই চাও দু'

না, নাগু, না। তোবাৰ চোধ স্থাচীকে আমাৰ হিংলে হছে। ওবেৰ বিষেই তো আমাৰ ছেলেতেৰ কেবৰে। এবান বেকে বাবাৰ কৰব আৰাছ বে-অবছা কেবলে কে-কৰা আমিও আৰু বোলো আবো বেছি কৰকে আৱ ভাৱা আমাৰ কেবল গাতে না---?

পরের বিন বাবা বাবে তাদের নিজেই পাঞার তথকে। আলোচনা চালছিল। কাচের গণিতে গাবার জিনে বাধা রেখে প্রায় টিং হবে এক বুজো নিশেকে পাইপ চানতে চানতে কবাবার্ডা গুনছিল। অক্যাথ তার কঞা-পড়া বাত বুটো ব্যবহ উপর প্রচিতে বুস্থু কেলে নক্ষণ।

'আদি রাজা হলে দেখান থেকে ক্ষানিরায় একটি চিটাও আর আগতে পিতৃত্ব না।'

'তোমার বার হোক কাকো শিনা।' এবটি বেরে টেচিরে বন্দ।
'কিছ পোড়াকপালী বা আর কটালো কোনো ববর আর বাছায়া বা পোড়াকপালী বা আর

ভাষা বছ বেশি চিট্ৰ সেছ, বে হরেছে বিগক। বিভাবিক করে ব'লে বুজো আবার বুলুঁ কেবল। 'বারেছা গতর বাইনতে পাবে আব বইকলো তো কই হলেই চলে—ছোড়াজনো কেব বে দেবানকার করেছ কবা লেখে না তাই ভাবছি! ভাবা কেবল ভালো ববরজনোই ভানায়—আব তাই ভবন এবানকার মুখ্য হোড়াবা বল বিখে হোটে। কে আবারের ক্ষেত্রে কান্ত করছে ? ভানিবাতে বাছুব বলতে আছে তো কেবল বুজো আর বেছে আর ভানায়ালা। চোখের নায়নে দেবছি আবার নারান্ত জমিকলা ক্রেক্সারে কই হবে কো। তবু এক জোড়া হাত নিয়ে কী করতে পারি আনি ? তবু তারা বাবে, তবু বাবেই ! বাক, চুলোর বাক । বাক পছুক আহাঅককলোর বাবার।"

মিক সেই বৃহত্তে বংকলা বৃষ্কা নিনকারোলা । হঠাৎ বেন সেই নাকীন
পাবে বৰ্গ উঠল । তার চৰচকে কালো চোর আর উকটকে লাল টোট।
কলু আৰু কৰাইত তার গড়ল, তার বাবো বেন বন্ধ এক উকাষতা।
লাল ও হলতে বৃষ্টি পেঙার বন্ধ একটি কবাল তার অ্লগ্যীত তানে
উপর সিটি বিরে বাবা। লানে তারী কালোলা । তার চুল কোকচা
কালো । বাবার সিমি বেই । টেনে ব্বেশ আহ্নে কাছে কাট্য কটিব টোল
পাটে । কলে আকে প্রবাধ বাবা আলো ব্যাহ্ন কাৰ কার ব্যাহ্ন

একট হোৱা দিবে গাঁখা। তার ছগোল বুংনির উপর গতীর টোল পছে। কলে, তাকে দেখার নেলা আবো বেতে যাহ, আর তার সরস্থ মুখের ভিতর চরংকার একটি ছালিয়ুলি তার স্ফাই হার ওঠে। তার বিরের ছুবছর ব্যক্ত-না-বুরতেই নিনকারোলা বিষধা হরেছিল। পাঁচ বছর আবো তার বিতীর স্বামীও তাকে কেলে আবেরিকার গালিরেছে। ক্যাট্য ক্ষম্ম কারুমই জানবার নর, কিন্তু এক বাত্তে প্রারের এক বুক্তির ক্ষমের বাগানের পাবে আর বিত্তিকি বছরা দিরে তার কাছে খ্রিমেট্রিল। কলে সম্প্রিক্তি ক্রমিরিকার কারে বির্থিত ক্ষমির কার্যিক বার্যার্যারে চাইত কিন্তু ভিতরে নিনকারোলার সৌভালোকে বিহালেও করত। নিনকারোলার উপর তালের আবো একটি রান্দের কারণ হিলেও করতেই কতক্রনি ব্যক্তির নারে বিষয়ে প্রায়ারোগ করে নে নাকি আবেরিকার তালের আনীরেকার কারে স্বায়ারোগ করে নাকি আবেরিকার তালের আনীরকোর কারে স্বায়ারোগ করে

'বঞ্চুতাটা বিচ্ছে কে বু' গনিতে নেবে এবে বে এই করণ। 'ছ, থাকে। শিলা। থাকোগুড়ো, কানিবাতে কেবৰ আবক, বেছেছা, থাককেই व्यवक जारमा २७ । व्यवसारे का हरन गाउँ उत्कृष है

णोंको निर्मात निर्मा निर्मा निर्मा त्या त्या निर्मा क्षेत्र अपू अकी। कांचरे स्वारं शंक्त चाराव का युक्त क्ष्मूल।

'की काम पूर्णा ? रज, रजाराई हरत।'

ख्यू केश-चार, चारता अकी काम ।'

ভা হলে হুটো কাছ, ভাই বন ! কিবু কেবছ তো আৰি কাৰি না।" ইয়া গো ইয়া, গে-কৰা আমাত ভানা আছে । ভোমাত প্ৰথম স্বামী নয়-

रात भरतक कृति केलिने।'

তৎকৰাৎ বুখের উপর কবাব বিল নিক্সারোলা, 'কিছ বুজো, আরি
আপে নবলে দেও কি আর একটা বিছে কবত না চু নিজ্ঞাই কবত।
যাক গে দেকখা—আয়ালের স্বাইকার হয়ে স্বাহরে বেশি কে কালে

মেখ—মারাপ্রাৎশিকা।'

বাবার চিৎ হরে গুরে জ্যাবো শিনা বিড়বিড় করে বল্ল, বুড়িটার লগ বরা দরকার ভাই দে চোথ দিয়েও জল বরার।"

গ্ৰনে মেয়ের। হাসতে লাগল। তার ভাবনা খেকে জেগে বারাজাখনির। টেচিতে উঠল:—

পূৰ্বের মতো প্ৰকাৰ ষ্টট ছেলেকে আৰি হাবিয়েছি আব তোৰৱা আমাকে ইামতেও দেৰে না p'

হ'বৰ মিনেশেছে। সভিটে ভাটী হ'বছ। ভাবেৰ ভাত কাৰা বাহ বৈদি—' নিকভাৱোগা বৰ্গ। 'সেধানে ভাষা হ'বেৰ সন্তুৱে নীভাই বিছে আহু ভোষাকে এখানে কোনে সেছে ভিথিবিদ বাভো বেতে।'

'ठावा त्म त्क्रतम् माव मानि त्म छात्तव वा,' डेक्टव वृक्ति समृण । 'मी स्टब मानाव कृत्व छाता तृबत्व १'

মাৰি কিছ বাপু এতো দ্বাৰ মাৰ চোৰের কলের কাৰণ বুকি

না,' নিনভাবোৰা অধুৰ। 'লোকে তো বলৈ ভূমিই ভাবের ব্যৱহা দিবে ভাতিকে।'

আকাৰ বেকে পড়ে বাবাঞাৎদিলা বৰ্গ, 'আৰি চ' কুৰাতে বুক চাপড়াতে-চাপড়াতে বাভিত্ৰে উঠে বৰ্গ, 'আৰি চু কে বংলছে এ-কৰা চ'

'(कडे-मा-रकडे बरमरह।'

ভাষের বুবে আওল! ভাষের বুবে আওল:—আবি : আমার জেলেবে : আবি বে…'

াধা দিয়ে একটি নৈত্ৰে বন্দ, 'কেন কান দিছে৷ গুৱ কৰায় গু বুৰতে পাৰছো না ঠাটা করছে গু'

কোৰত থেকে তার কেছকে জুলিতে-ছলিতে নিনকারোসা অনেকক-হাসন। তারপত্র এই নির্মন ঠাট্টার কতিপূহদের জড়ে নিটি হাবে প্রায় করল:

'ভালো কথা ঠানছি, ভোষার কী গরকার বলনে না তো গু' বারাপ্রাথনিয়া বুকের ভিতর কশিশত হাত চুকিরে কিন্তী সোরভান একটা কাকত ভার বাব বাব করব। নিনভারোনাকৈ সেভলি সেথিয়ে ভারত করপভাবে বইন ভাকিরে।

'पति कृमि नदानत (न-प्रकम नदा कर---'

'की बनान ? चार अक्टा किंड ?'

'वृषि कृषि वृष्ठा कटव...'

কাঠী বিজন্তি কৃষ্ণ লগ কৰল নিনকাৰোগা। কিব কিছুকেই বৃটিত হাত বেকে নিয়াত নেই কোনে ভাকে বাড়িছ যথো ভোকে নিছে গেল। এবানকাছ অঞ্চান্ত বাড়িজনোত সক্ষে এ-বাড়িজাব কোনো নিল নেই।

এথানকার অভ্যান্ত বাভিকলোর নকে এ-বাভিটার কোনো নিল নেই। বরজা বত্ত বাকলে বড় বছটা আৰু অভনার হাতে পড়ে, কারণ আলো আনুবাহ অভ্যান্ত একটি পথ হজে বয়নার উপরবার ভারতি বেজন জানালাটা। যহে লোহার বাই, ভাষাকাণক হাবাহ দেয়াক, উপস্থ বার্বেল পাথর বলানো করেকটা ক্রহার এবং আবংচাই কাঠের উপত যোগাই কাজ করা হোট একটি টেবিল। সভিয় কবা বলাভে কি আনবাব-পত্রকানা নিভাছই নাবাহব, কিছু স্পাইই বোকা বার প্রায়ে নেলাই-এট কাজ করে নিনকারোলার বা আর ভার উপর নির্ভিত করে একলো মেনার মাডা বিলাসিতা দে করাত পারে কা।

সেই কুঁকড়ে বাধারা কাগকটা ছুরারেং উপর বেখে লোরাত-কলম নিত্রে বাহিতে বাহিতেই লেখবাত কলা বে প্রক্রম ব'ল।

'ठडेलडे बट्स ट्स्स !'

'বাবাধ বাছারা'—বৃদ্ধি বলতে সুক্ত করন।

'কেনে-কেনে আমার চোগ আর করা হবে এসেছে--' একটি গ্রাছ বীর্ক-যাস জৈনে নিমকারোসা নিখে চন্দা : এই সব চিমিকে বরাবর কী থে লেখা হব মে-কথা তার কর্মন্ত :

বভি ব'লে চলল

'त्यांशासक व्यक्तक त्यां त्यां त्यां व्यक्तां करक बांबां र कार्य इति। इत्स केर्राहरू

'त्यरबा ना, (बरबा ना !' ठाका किन निम्मारवाना। 'क-नव्यवास्य करक व्यवक विशिवनाड करवर निरंपक !'

'ভৰু দেখ। জান না কি কৰাওকো কত সভিচিচ বাক, দেখ: আমাৰ বাছাবা---'

'আবার কি গোড়া বেকে ব্রহ করব ?'

না। এবাৰ মন্ত্ৰ কথা দিবতে হবে। গতকাল সৰত বাত থাব কোৰে বেবেছি। খোলো বলি: আমাৰ বাছাবা: আমি, তোমানেৰ বুডি বা, নগৰ কয়ছি—ইয়া, এইবাবে দেব—ইবনেৰ নামে শপৰ কয়ছি ভোমায় ফানিয়াত কিবে একে আমি বৈচে পাখতে পাকতেই আমাৰ केंग्र गांकिं। कामात्म्य वित्य तस्य !

হানিতে কেটে পঞ্চল নিকলারোলা। 'ভাই কুঁছে বাছিটা।' তোহাছ হেলেয়া তো ভানি কেলাহ বছনাছন। ঐ কভিত্ব ভাবা ভাগা ল্যাপটাবে। চাবটে বেরাল তালের কোন কাজে লাগবে গুরু বিকেই তো তেওে গভবে ভাগো।'

'ছ্ৰি লেখ তো,' নাহোড্ৰাজার হতো বুড়ি আবার বজ্ল। 'নিজেব লেশে চারটে ভারা পাথরের সাম বাইরের বে-কোনো রাজ্যের চেবে বেশি। লেখ, লেখ '

'लिया हरत लिएह । बाद की निवरण हरन रन है'

'এই বে বস্থি—তোষাদের গোড়াকগালী বা দীতে ঠক-ঠক করছে। ভার কিছু স্বাবাকাপদ্যের বরকার, কিছু টাকা কোথার গু তোবরা বদি বরা করে তাকে একটা গাঁচ দিবার বোট গাঠাও তা হ'লে—'

ेशस्त्राह, शताह, शताह १ नांश्यकेतन कीय करत बारत शृहरू-शृहरू निसकारतामां कहन्। वंधाहनताह क्रिक-क्रिक निरंथ शिरतिह। पार्थ तालकारी

্বি পাছ নিবার কৰাটাও লিখেছ। এতে। চটপট লেখা হবে গেল বেখে বড়ি বিভিত্ত না হবে পারণ না।

'दें। त्या दें।, नीड निहान्द क्यांडेक त्यथ करहर ।'

'টক্ষতো দিখেছ তো •ু স্বক্ষাওলো •ু'

'আ: আলাতন ৷ হাা, বদহি তো ৷'

'এই বুড়িটার ভণার বিরক্ত হরে। না, না, নারাক্রোখনিরা বন্দ্দ, 'আনার কি আর নার্থার ঠিক আছে ৮ আজকাল তো ভিনরতি বরেছে: ভগনান ভোনার বন্ধুল কলন '

চিটিটা নিবে নে বুকের ভিতর রাখন। নানংনিও নিরোচির হেলের হাতে চিটিটা নেবে ন'লে নে ট্রিক করেছে। যাকী কে'র রোজারিও শহরে হোকরা বাছে। দেবানেই ভার হেলেরা আছে। চিটিটা পৌছে দেবার বারে বৃতি কোলো।

নতে নাগাৰ বেৰেবা হে-বাৰ বাবে জিতে পোল। প্ৰায় প্ৰভোক বাজিৰ বৰজাই হ'ল বড়। কাঁহে এই নিবে হে লোকটা অৱসংখ্যক কেবো-নিনেৰ বাতি আনিবে বাব নে হাজা নক গনিকে আহ কাকৰ নাজাৰণ নেই। নেই-বৰ নিজভ জনপুত্ত অগতিকাত পথ এই বৃদ্ধ দ্লান আলোৱা কেব আবো বিগৱ কৰে ভাঠ।

কুঁ কে পাছে বুছি বারাপ্রাথসির। ইটিছিল। এক হাতে চিট্টিটা বুকে চেম্মন গরে মেন তার কেতর বাকুলেছের উন্নাপ করে বিজ্ঞান। অন্ধ হাত নিছে নে বারবার নিজ্ঞে দিঠ আরু সংগ্ চুনাজের। প্রতিবার নতুন চিট্টি গাঠাবার সংগে তার মনে নতুন আনা জেমে ডঠে—আনা হর হুবাতো এবারে তার হেলেদের মন ডিক্সাব, তার আগবে কিরে । তার চিট্টি বর্ষনাল করে, বর্ষনাল আনাকে গারবে বিগ্ঞান চেটি বর্ষনাল করে, বন আনাকে তারবে বিগ্ঞান চারবি বর্ষনাল করেছে, নিজ্ঞাই তবন সেই অ্লক্ষর ও অ্লপুন্তর সন্ধানরা তার আনাকে করেছে, নিজ্ঞাই তবন সেই অ্লক্ষর ও অ্লপুন্তর সন্ধানরা তার আনাক্ষর করেছে, কিন্তান গারবে না---

ভিত্ব এবাবে বে-চিটিটা তার বৃক্তে নিত্রে চার্যায়ন সেটা সক্ষেত্র সে সম্পূর্য বৃধি হতে পারেনি। মনে হ'ল নিনকারোনা বেন বরু থেপি ভাভাভাতি থেব করেছে। বিশেষ করে থোকে লিকে, কেবাবেট নার্যার ন্যাপান্তর বাতে পাঁচ লিরার কথাটা আছে, কেবাবটা নার্যার ভার পুঁথুপুঁকৃনি একেবারেই পেল না। নারে পাঁচ লিরা। পীতে ভালের মা ক্রান্তর করি বা পাক্ষে—ভার আহাবাশান্তর বাত কই করি টাকা পাঠাবো ভার করি হেলেবের গতে কিছুই তো নর… ইতিরবার করিয়ের বরু বরুবার ভিতর-থেকে সায়ার পদ ভেনে আনতে नानन-नादका केन्द्रक चारनद एक्टन्ट्रन करक ; काम नवादन चाल करम-नादन

কাৰণ কৰিব।, 'চিটিটাকে আবো শক্ত করে বুকে চেপে নাৰ্বাজ্ঞীখনিয়া নিক্ষের থনেই অস্ট্র আর্চনার করক—"কী করে চোরা হেছে বেচে গাবিন দু কিবনি ব'লৈ চোরা করা নিন কিছ কিবিন না-শুরে গোড়া-কালী বিবের করে জনিন না শুরের কথা দুআবার হেলেবের বাচা চোরের হেলেবার করেনা কিবন না-শক্তবার কিবনে না---

সনির মধ্যে কার পারের শব্দ ছলে একটি আলোর চলার হঠাও দে থেবে পেন। কে আনে १

বাক । আহ কেই নর, প্রাবের সেই নকুন হোকরা ভাজার, হালে দে থাসেছে। লোকে নদ্যায়ে শিলাগিরই সে নাকি চলে বাবে। তাকে দিবে বাজ চলবে না ব'লৈ নর, প্রাবের করেকজন নাতজার পোকের ছানখানে লে নাকি নেই। গরিব লোকেরা কিন্তু তাকে বেকেই ভালোকের কেলেছে। বেকতে ভাকে নেহামই একটি ছোটো ছেলের নতো কিন্তু বিভা আর বৃদ্ধিতে বে অতি বিচকণ বিজ্ঞানোক। ক্ষমৰ নে-ও নাকি আলুবিকার চলে বাবে টিক করেছে। তবু ভালোবে এবন তার আর বা নেই—একেবাবেই বে এক।।

ৰাৱাআনিদিয়া আৰু বৰদা, 'ভাজাবোৰু, একটু কি নাহাছা জুৰকো ?' বিশিত হবে তলপ ভাজাৰ বাতিব তদাৰ বাবদা : পত্নীৰ্ম জুলাই 'আছা হবে একলা হাঁটতে হাঁটতে বুড়িকে লে দক্ষাও কৰোনি?' 'কে বুবি ? এহো, তুবি--ইয়া হাঁয় জুবি কিলাই কেই--'

ভার বান পর্কশ এই ইেডাকাপড়ের বছাকে একাবিকবার দেবেছে কোনো-না-কোনো সময়-বছলার সাহনে।

'ভাকারবার, খাপনি কি নয়৷ করে এই ছোট চিটটা একবার গাড়ে শোনাবেন ৮ এটা খাবার হেলেকের কাঁছে পার্টাতে হবে i' 'বৰি দেবতে পাই,' বন্দ জাজার। তার চোৰ বারাণ। নাকের উপর চনবাটা লে ট্রক কাতে লাগল।

বুকের জিন্তর বেকে চিট্টাটা নার করে বিনক্ষাহোলাকে যে কবাঞ্চল্যা বলেছিল দেশুলো পোলবার কন্ত বারাপ্রাথিনির। আপেনা করে বইল— 'নামার বাছারা'—কিন্তু না । বহু ভাষ্টার দেখাখনো দেখাক পাক্ষে না নাম্যো কা যে দেখা আছে পাইকে লা পাইকে।

লগতে। তা বে লেখা আছে সাহছে লা সভতে।
কাগজটাকে লে চোধাৰ বুৰ কাছে নিবে এল ভাৰপৰ পাৰে আলো:
বাতে বেলি পড়ে কেডছে আৰাৰ নিবে গেল বুবে, এপিঠ কেখন, ও
পিঠ বেখন, পৰটাহ বনন :

'किंद की की किनित ?'

'পড়তে পাৰছেন না নাকি গু' তত্তে-তত্তে প্ৰস্ত কৰল বাবাঞ্জনিয়া। কথা কলে কাসতে আৰম্ভ কলে ভাঞ্জাব।

'किहू श-लगाई ताई किहू,' ता समृतः। 'कनम वितः काराँ हिकि-विकि शांत कांक्रे : अहे एक, त्याचा मा !'

'की र' करत विचार वृद्धि वार्कमात्र करत केंग्रेन।

'ঠিক তাই। বেখো একবাব। কিছু দেই। একেবাবে কিছুই কেবা দেই। 'এক কি সন্তব চ' বুড়ি চিমকার করে বন্দা। 'কি করে সন্তব চ নিনকারোগালে আবি বন্দুব, প্রভোকট কথা বন্দুব ভাবে, পরে

चंद्राप्त (बस्तून (न निवाह ।' 'का हरन निन्त्रहें (न रावाह कान करहिन,' क्षान-बोक्टि हिर्देश कांकाह

একটা হতাপাত কৰি কৰণ।

ক্ষেত্ৰ বৃদ্ধেতিৰ আছে নাবাআনিবিত্ৰা বেদ পাৰ্থহ ক্ষেত্ৰ পোদ। তাৰপ্ৰ
সংজ্ঞাতে নিজেৱ বুক চাপ্ডাতে চাপ্ডাতে সে গ্ৰুপত কৰে ব'লে
চন্দ্ৰ:

होत होत | की नवकान | की नाव्याधिक नवकान | (कन उंकान )

क्रमायां का प्र'ता (बातवा केंबर (वर ना : क्रिपेट क्रमें) नवाय जातर कारक (शीक्षविन-न्यावि या गरमकि कथरनाई स्म का स्मायविन-न्यकोई তা হ'লে আসল কৰা। ছেলেৱা ভা হ'লে জাবে না আবাৰ অবহাৰ ক্থা-ভারা ভাবে না ভাবের ভবে জেবে আমার এই ভিনারির हान---वाद बाबि कि वा छाट्टर त्याय विवे बाद छाड़गहराह, वे नकार मात्रेको किना तब तबक सामारक निरंद बढडा करत। का काराम । वा काराम । এक वक्कांचे वा'व जाक की क'रव (कर्ड अ-वस्य শহতানী করতে পারে, আমার মতো এক গরিব বৃদ্ধি মেছেবাছুবের नारण १ काव काव । की नवलाबी---की नवलाबी---काव काव !--' গুলে আন্তারের মন প্রবেদনার প্রবিক্রমার গুরে উঠল। তাকে সাধনা দেবার চেত্রা করল বে। বুভিত্ব কাছ থেকে সে জেনে নিল निमकारबाना (क. काबाद काद बाक्कि-बाक भरतर मिन बादकीरक কৰে বমকে দিতে পাৰে। তাৰ প্ৰথানী প্ৰৱাদৰ নীচৰতাকে নে বে কৰ कारता विक किंदा कथाना वारवाद त्य-कथा वाल कालाक । कारक दक्षाफ करण पात्रात करके अरक्षांकरणा बक्रव शरत त्य त्य त्यांच विरक्षण त्य क्या बान करत कृषि गठीर प्रकृताल पास्त्र कार नक्ता केलिशूर्व त চিত্ৰিজনো দেখা হতেছে আৰু পাঠান হতেছে বলে তাহ বিধান তাদেই (व-रकारना अक्किंश वित दिरमास्त्र कारक रनीक्ठ का क्रांस अध्यनार ৰে ভাষা বৃত্তিৰ কাছে কিবে মানত, এতকংগ এ-বিশুরুপ্রদী সম্পূর্ণ

তাগদর বা বটন স্থান্দেশে তা এই: ভাষ্টারকে অভিজ্ঞা করতে হ'ল পাবের দিন নতানেই সে বীর্ব একটি চিট্ট লিখে বেবে তার মেনেকে। 'বাক, বা হবার হরেছে। আর ৩-রকম হা-হতাল কোরো না। নতালে আমার কাছে এল। এখন নয়—এখন মুমুবার সময়। নতালে এল। এখন মুমুবার বাছে।

ALPENS STREET

কিছ কোনো কন হ'ন বা। প্ৰায় হুখকী পৰে কিবে বাবাহ সৰহ চাকাঁত বেখন পাৰেত আনোত ভগাৰ খনে বৃত্তি অভোৱে কৈবে চলাছে। ডাকাৰ ভাবে বৃথ বানিকটা বৃক্তি কিবে নেখন খেকে কুম্ম, ভাবপত বলানে বংখলাও বাভি কিবে খেতে। ভাব বন্ধন অনেক চাবে পাছে।

'কোৰায় বাকো ভূমি ?'

হাত, ডাজ্ঞাহবাবু---প্রানের পেবে আবার একটা,টুড়ে খর আছে। সেই প্রকান বাবীকে বিবাতে বংগছিবুর আবি ক্ষেত্র বাক্তেই দে-বাড়িটা ছেলেকের বিবে বেথ—বহি তারা কিছে আসে। তবে দে-বাড়ী ছেলেই বাতে না। বাড়িটা নাকি কজিব ওপর বাটি ল্যাপটান চার্টে বেয়াল চাতা আর কিছই নয়। কিছু আমি—-

'হবেছে, হবেছে,' আবাহ তাকে বাদিবে দিল ভাঞার ( 'এখন ভাঙে বাও, কাল বৰুৰ বাড়িডার করাও নিখে দেব। হল, ভোমাকে পৌছে দিয়ে আদি ।'

ভগবান আপনার মঞ্চন কজন। কিছু বলচেন কী ভারতারখার ৮ আঘাকে পৌছে বেবেন ৮ না-না, আপনি চকে বান। আমি একটা গবিব বৃদ্ধি, আমার কাজে আবারে আসবেন কি ৮ তা ছাজা আমি ইটি পুর বীতে। বীতে ব'

বিবাহ নিহে ডাক্টার চলে গেল। থানিকটা বাতে বারারাথসিয়।
তাকে অন্তন্তন করল। বে-বহুলা বিভে ডাক্টার জিততে চুকল স্পোনে
পৌছে বুড়ি থাবল, চালরে ভালো করে চাকল স্বান্ধ ভারণর
নবজার সাহনেকার নিজির উপার কলন। সমস্ত ডাত সেবানে সে
আপানা করে ভাটারে।

काकार कारत करते। अध्यय देशन त्यांत करक राहित्य आहा त्यां त्ययम्, युक्ति युक्तित सरहार । स्टब्सा दीन मितः रा युक्तिसदिन। कार्य, বরজা প্রতেই, ভাজারের পারের কাছে গড়িরে পঞ্চন । 'বী আক্রব। ভবি। সাগল না তো গ'

'না-না--ক্ষা কৰবেন--' তোৎসাতে-তোৎসাতে বছ কটে পাৰেব উপঃ কয় দিয়ে যে উঠে গাড়াল। তার হাত ছটো তথনো চাবরে চাকা।

ভূমি কি এবানেই বাত কাটকেছ ?'
আতে ইা---এ কিছুই বর ; আবার আতোন আছে---' বোর চাকবার
অন্ত বৃদ্ধি বাত হার উটুল। 'আর বী করতে পারি বাছা ? আনি বিব
বাকতে পারতি না---ভ-মাতী বরতানীর পর বেকে আনি বিব
বাকতে পারতি না---ভ-মাতী বরতানীর পর বেকে আনি বিব
বাকতে পারতি না---ভাজারবার, ওকে বৃদ্ধা করতে ইন্দ্রে হলে !
আনাকে বন্ধানই তো পারত আনার হরে নিখতে সে বিরক্ত হব ! তা
হ'লে তো অভ কাচক কাছে বেতে পারতুম্ব । আপনার কাছেই তো
নাসতে পারতুম, আপনার বরার পরীই---'

হিষেত্রে, হরেত্রে, একটু অপেক। কর, ভারতার বন্দ্র, আরি ঐ বহিলার বলে একটা বোকাপড়া করে আদি। ভারপর চিট্রিটা পেণ বাবে। একট বিভাগ ।

গত বাত্রে বৃদ্ধি বে-বিকটা কেখিতে কিছেছিল ভাজনার ক্রত পাবে কেমিকেট চলে গোল।

গলির ভিতর একট বেরেকে সে প্রপ্র করণ নিনকারোরার বাহি কোনটা, প্রকশেই আবিভার করণ নিনকারোগার্ভু কবি সে কণ্য কবিছে :

'আনিই দে বেলে, ডাজাখনাৰ বাদে আপনি গু'জছেন,' গাল নাল কৰে হেলে উত্তৰ বিল ভাষণৰ অভাৰ্থনা কৰে নিকে পেল ভিতৰে।

হেদেবাছুদের বতো ছব্দর ভারতারকে একাধিকবার পাশ বিরে চল বেতে এর বালে লে বেতেছে। বরাবারই ভার বাছ্য জালো বাকার, এবন কি অভ্যক্তার তাশ করাত সভ্তর না হওছার করনই তাকে ভিতকে 'মামাকে করা করনে ভাজাববার'—কথা বলতে বলতে তার মুখ্যর কালো বৃটি চোখ আবারোছা হয়ে এল, 'কিছু আপনি কি ঐ পাপনীবৃত্তির কথা তানে সতিঃ-সতিঃ আবার উপর রাগ করছেন ? এ-প্রারে
সনাই তাকে চেনে ভাজাববার, আর কেউই এবন তার কথার কান দের
না। আপনার বাকে বৃদি ভিগলেন করে দেবুল, প্রত্যেকেই বলবে তার
হুটো প্রেলে আর্বিরিটার চলে বাবার পর খেকে গতে চোম বছর বরে ও
পাগল হবে পেছে, একেবারে বছ পাগল। তার ছেলের স্থিটারিটিই
তাকে ভূলে সেছে, কিছু একথা কিছুতেই লে বানবে না। বাববার
করে তিনি বিকের ভাগ করি। আহ বারা চলে বাজে, তার এমন
ভাগ করে থেকে চিনিটা ব্যাহারে পৌহিত্তে গেবে। ঘোরার স্ব কথাই
বিশ্বাস করে। তার বতো সব লোক হলে পৃথিবীর কী যে অবস্থা হতো
একবার তেবে বেপুন, ভাজাববারু। আর ভাকেন, আন্যকেও লোকে
হতে সেছে—পারার অ্যানীই গ্রেকে পেছে আনাকে। সতি, ভাজাববারু। আর আনে লোকটা কী-ক্ষর খেলার। প্রেরারে বেরেটাকে

এই অপরীর বছরের কাছ এবং বছরের স্বাহকুতির খাদ শেষ চৰণ ভাজার তো বীভিমতো খাবড়ে গেল। চোধ নানিত্রে সে বর্গ: কিছ-শছরত টেড়ে থাকার পক্ষে মধ্যেই আগনার আছে, এবিকে এই গাবিব বভিম--!

গাৰণ মূখক''; কাৰ বৰ্ণদেন ? তাৰ ?' চপল হ'বে ব'লে উঠল নিনকাৰোগা। ইফ কৰলাই এন কি বুগেৰ কাছে এপিৰে গোৰে—তাৰ বাৰাৰ তৈটি কৰলাই, এনন কি বুগেৰ কাছে এপিৰে দেবাৰ লোকেন্ত্ৰ অতাৰ নেই— ক্ষিত্ৰ গোতা চাৰ না।'

'কী বলুবেন হ' খাবার বুধ ভূগে বিধিত হতে এর কর্ম্মজাঁজার। ভার ক্ষমর বুখে বিশবের হারা দেখে নিন্দারোনা হানিতে কেট প্রদাঃ আরু ভার বাবা অবনিত হাডের বারি কেবা পেন কেই হানির ভিতর বিধে।

হানিব জিকা হৈছে।

'সভি কৰাই বসহি। সৈ ভা চার না। ভার আবো একট হেলে
আহে—সবচেবে ছোট হেলে। সে-হেলে চার মুড়ি ভার সফে বাহুক।
মুড়ির বাতে কোনো অভাব অভাবিবে না বঠে সে বিবরেও লক্য রামতে

नांबारे (न व्यवक /

'चार असी द्वारत ! औ सुनित !'

'আজে ইয়া। তাৰ নাম মজে। জণিয়া। কিছ ভাৰ মড়ে কোনো সংগঠ বাখতে বৃদ্ধি বাজী নৱ '

'(क्स १ (क्स १'

'বুড়িটা যে একেবাৰে উন্নাহ—কানুৰ না গু বাবা ভাকে মেকে পালিয়েছে ভাবেৰ অভেই নিৰ্মাত কান্তৰ—এবিকে বে হেলে হাজভোড় কৰে বাড়াৰে ভাৱ বাছ বেকে ক্ষকুড়োও বেবে না—বাইবেব লোকেব কাছে নে হাত পাভবে—ইয়া, নেও ভাবে—ভবু নিজেব হেলেব কাছে বাবে না /

ভাজার বনে বনে আরে। বেশি অবাদ হ'ল কিছু দে-কাব আবদা না করে নিজের ক্রমবর্ডনান অবভিন্নেচাশা নেবার কম্ব কর্মী করে বন্দা:

'गक्करक अहे (करण कार गरक क्रीनशांद करतरक र'

আমার কিছ ওা মনে হব মা, নিনকারোনা বন্দা। 'বোকটাকে মেবলে বাদী মনে হব নাই, আব এ-কথাও টিক সহজে নে গুলি হব বা—কিছ জেতনটা তার ভাষো। লোকটা সর্বাং কাজ নিয়েই গাকে—কাজ, বী আর হেলেগুলে—এ-ছাড়া তার জীবনে বছ কোন লগ মেই। বলি নিজের চোধে বেংবতে চান তা হ'লে নেলি বুহ আগনাকে বেতে হবে মা। জহন, এই পথ খবে প্রায় সিলি নাইল এগিবে সান, প্রায়েক টিক বাইকে বা-দিকে বেংবলে 'কজবুর'। সোটাই তার জাবগা, লোকটা চমৎকার এক ক্ষেত্র ভালা নিরেছে। ভালোই আর হব নেগান বেকে। সোধানে গেলেই

বৃষ্ধনে আয়ার করা অকরে অকরে গতি।।'

ভাক্তার উঠে হাড়াল। কৰাওলো কনে সচিচই লে কৌছুবলী হবে উঠেছে। ভাছাড়া লেন্টেররে স্থান্তী বাতালে মনও ভার প্রকৃত্ত। वृष्टिकोड नवरक नव क्यांचे चाटक बानटक इटन । टन वब्न : 'निकड़के बान ।'

দেই বংশার ছোবাটার জড়াবো চুপকলো টিক করে নেবার অভে নিনকারোনা তার হাত ছটো বাড়ের কাছে নিরে পেল। তার আববোজা হাসি-হাসি চোবে নিররণের ইনিত এনে সে উভর দিল: 'আপনার বারা ভবে ৩৩ রোক। কোনো নরকার রুমেট ভানাবেন।'

प्रवादे केंद्रे बटन पर त्यांत करक काकात बक्के बादम । इ-मारमहे পৰিব বোকের করেকটি কভে বাভি। ভারপতেই প্রায় বেছ হরেছে। পৰিটা প্ৰাৰের বন্ধ বাজায় এনে পজেছে। চওয়া উপতাকায় উপর বিয়ে এক মাইলেবৰ বেলি একেবাৰে লোকা এগিলে গেছে এই পথ, গভীৱ ধলোর ঢাকা। ছ-পাশে ভার কনলের কেন্ড। অধিকাংশ কেন্ডেরই কনদ ৰাটা হবে গেছে। দেখানে গুৰু হলদে খড়ের গোড়াগুলো খোঁচা-খোঁচা कृत्व ब्रावास । वी-नाटनके व्यथकात निर्मन अकृति नाकेन नाक विक्रिय আছে বিরাট ছাতার বতো। ফার্নিয়ার ব্রক্তের বৈকালিক প্রমণের काइमा और। छेन्छाकात अरक्तारत त्वरत मील नाशास्त्रत नीर्व गारि দেখা,বার। তার শিছনে বারা খন বেখ, ট্রিক পৌলা ভলোর মতে। মেৰছে, যেন ৰোপের ভিতর দিবে উকি যারছে। প্রায়ই দেখা যায় এক अकड़ि तक का करक रीटर वीटर चाकारन व्यक्तिक मेरक कावनंद কাৰ্নিছাৰ পিছন খেকে ওঠা বৃত্তি বিৱেতার উপৰ বিজ্ঞ এতনৈ বার। তখন নিচেকার পাছাত এক গভীর পাল ছারার আন্তর হর, তারপর क्रीर बाबार देखन करत कर्त । नकारका शकीर संगावि बारव बारव श्रीमेक नाटक हेत्रबाद करत गांत । एक्स नाटकाळ नार्क गांबीकाना আকালে উঠতে আরম্ভ করেছে। লার্কের কাঁক, বৃদ্ধ কাঁক উপত্যকার केनव किरव बंबम केटक बाब, काबीबा कबम कमि करव । व्याखानकी चाववारक भव क्की कुकूरवह दिख किश्काद बक्कम शरह त्यामा वाह ।

श्रामात्मव कमामा (क्यक्साच शिक्ष वांगात वांगात वांगात कांगात कांगा कांगात कांगा कांगात कांगा

একটা একটা বাৰ্চান্ত (সেলা।

সাননেই নিচেৰ বিকে নে পেৰাতে পেল 'ছছকুহ' এ-নাবের ভাবণ হছে

বাডিটার একটা বোণ আটোন এক আঁক মন্দিরের ছবের উপার জব

করে বরেছে। সেই ব্যৱহা উপারের বিকটা তারা আরু চেহারাটাও অতি

আঁথ। বাডিটা আবলে কুমনিত একটা কুঁকে—নিসিনির চাইনা ভাবের

আগান সান্দানের বে নাম বিকেটা ভাবি, এ-বাডিটা টিক ভাই।

কনিবননার কম কবলে তার নিছন বিকটা চাকা, সাবনের বিকে ব্যৱহে

একজোড়া ইচল আরু বিবাট সুঁবির গাঁড়।

কৈ আছে গুৰাভিতে কেই আছু কি গুৰাক্সার থলা বাহিছে হাঁক দিলে,
কুকুরকে তার বঢ় তর, তাই দে বড়ে-পড়া শীৰ্ণ গোটের বাইছেই গাঁচিতে বহুল।

स-मन पहरत्व अवके स्केन्द्रे हाल (रविषय अव) याति था, नामहंत्र योक्स हुन (तार मूर्ड कारकारम) हाथ हुटी जार शका सून्य बद्ध गराज तरक।

'বৃত্ব আছে নাকি ?' গ্ৰন্থ করক ভাকার। 'ব্যা, কিন্ধ কিছু বলবে না। ভাবি লাভ।'

'ভূমি কি রজো কপিবার ছেলে গ্' 'আজে ইয়া '

'ভোষাৰ বাবা কোৰাৰ হ'

'बनिएक बक्टरबंद मिठे (बाटक माद मामास्क र

कृतिहास जागरमार शांकबास नारावित (इस्तावित सा । छात्र नवः (नाहत हून नीककाव्यक्त । (मारावित नाहत नहत नास्त । स्वास्त कासन गांसक (सावे ভাই। বেক্টো বনেছিল একটা ওন্টানো লোহার বাল্ডির উপর।
আব একটা হোট ছেলে নাবনের কমিতে বুলিকলোর মধ্যে পঢ়িতে
ক্যোক্তিস—ভাকে দেখে ভাবা বাংভাল না, ভবু ভূক্ষর দেখতে একটা
বোহণ বিবক্ত হবে গলা বাড়িতে বুলিটা নাজকে লাগল।

যেরটিকে লক্ষ্য করে তরুপ ভাক্তার বন্দ, বজো ক্রণিয়ার বলে একট্ লব্লার আছে। আমি প্রাবেদ্ধ নক্ষন ডাক্টার।

কৰেৰ মুহুৰ্তিও জন্ধ হোকী চিন্তিত হবে তাৰ বিকে চেবে বইল। তাৰ আনীয় সক্ষে আজাহের কী বৰকাৰ বাকতে পাৰে তেবে পোল লা বাজাটাকে দে মুখ বাওৱাজিল, খতিসটা তথকও খোলা ব্যৱহা তাৰ নাটা কাপডের গাঁটটা ভিতৰে ঠোনে, খোতাৰ লাগিতে, অতিধিক করে চেরার আনতে উঠল। ভাজাৰ কিন্তু বসল লা। মাটির উপথকার হেলেটাকে পিঠ চাপড়ে আছৰ করতে লাগল। অল্প ডেনেটা সৌচন আছৰ করতে লাগল। অল্প ডেনেটা সৌচন আছৰ করতে লাগল। অল্প ডেনেটা সৌচন আছৰ করতে লাগল। অল্প ডেনেটা সৌচন

কৰেক বিনিট পৰে শোনা গোন নাম বাংগানো তাৰি বুটোৰ পক, তাৰপথ কণিবনসার বোপের ভিতর খোক খেবিৰে একা বজা কলিছা। তাং গ্লা ছুটো নথা আৰু বছকেৰ মতো বাকা। পিছনে একটা হাত গ্লেছ চাবীবেৰ আভাবিক কাষ্টত একটু কুঁছো হাব লে কুঁটো। তাৰ বিবাট বাংক্যা নাক, অবাভাবিক কাষা উপাৰের টোট, টাহা-ছোক্ত কাৰ বুব —গৰ নিলে আনেকটা বাঁছাৰে কেখতে। তাৰ চুক্তজ্জ্জ্জালীল, আৰু কাংলাকে বুখ তৰা আঁচিক। তাৰ কোটবংক বুকুক ভোগেৰ বৃষ্টি বেৰন বাঁকা, তেনলি চুকুৰ।

কানো বোনা টুপিটাকে কণালের উপর খেকে সামান্ত পিছতে ঠেলে এক হাত জুলে ভাকালকে সে জুকিবায়ন জানাল।

'खनाव हरें। की चाका रत्न ।'

'क्यांडा बाद किंदूरे नव,' डाकार बाटक करना ''खाबार मान्य नवरक

গোটাকতক কৰা বন্তে আস্ছি।' বজা অপিয়াৰ মুখেব জাব বদলে গেক। 'ভাব কি অস্থধ চাবছে ৮'

'না, না,' তাড়াতাড়ি জনাব দিল ভাজার। 'বে বেমন খালে তেমনই আছে। কিছ কৃষি তেঃ জান দে বী ত্রকন বুক্তি হবে গেছে, জামা কাপক উক্রো-উক্রো, দেখবার কেউ নেউ...'

ভাজাবের কথা ওনতে ওনতে বজাে জাগিয়ার অভন্তি জামে বাড়াত পাগবা। শেবটার নিজেকে আর সামলাতে পারস্ক না।

'আনাকে কি আৰু কিছু বলবাৰ আছে ছাক্তাৱৰাৰূ পু বা আছা কৰ্যক ভাই কৰব। কিছু আপনি বলি আনাৰ বা-হু কথাই শোনাভে একে আকন সা চাকু বিদাহ দিন ভাগক ছিলে বাছী।'

'লোন্ তোষাত লোবে যে তার এই ছুর্গতি নত কেনবা আমি.' তাকে যাত রাখার জন্তে ভাক্তার বস্দৃদ্য 'আমি জনেছি ভূমি এখন কি---'

 লোকের সাহেই আরি নার্য আর বরাবাই বা আনার সহছে উপাইন ব'লে তাকে কথনে। নারের মতো অভি করতে শিবিনি। তর্ তাকে বরাবাই তাজি করেছি, তার বছল ভাষনা করেছি। সেই হতভাগা হেকে মুক্তা আবেরিকাছ চলে বাবার পর এ বাড়িতে তাকে কর্মী করে বানার আন্তে আনি দৌতে গিরেছিল্য। কিছু না, তা তার পছল হ'ল না প্রান্তের মধ্যে তিথিবি সাল্লতেই তার শব হ'ল, লোক হাসাল আর আনার মুব পোড়াল।

'সেই হাবাতে হেলে ছুটোর আছে গত চোম বছর বারে আমানে হে আলা-বছণার গুড়তে হরেছে দে-কর্মা করনো কুলর না আর আগনাকে বিলি গেলে ব'লে রাধন্ত্বন ডান্ডারবার, তালের মধ্যে কেট বলি কথনো ক্লানিয়ার কিছে আঁলে আমি তাকে নিকরই বুন করব। এই চার হেলে আর বৌর সামনে বাঁতিরে আগনার সালে করা কইছি এ-কর্মা ক্লেম্ন সভাত, তারা ক্লিয়েলে রে ব্যব করব দে-কর্মাও ক্লেমনি সভিত-'

রাসে কাগতে লাগদ হজে কপির। তার সুধ খারে। ক্যাফালে হয় থেছে, চোধ ছটো টকটকে লাল। হাত বিবে সে ঠোঁটের পালেকার কোনা মুছল।

ভাবে বেখনে-বেখনে সেই ভাল ভাকানের মন বিক্তার করে গোল।
'বুজাব্য' একট্ট থেনে সে বল্লা। 'এ-কারণেই তা ক্রান্ত ক্রানার মা এবানে বাকতে চার না। ভাইকের এ-রবন ধেরা কর ক্রান্তিই সে আগতে চার না এবানে। এককাশ ব্যাপারটা পরিকার হ'ন।

গ্ৰহণ না অবংশ বাংশালা প্ৰকাশ কৰিব হ'ব হ'ব কৰে বাংলা ক্ৰমিন হুবাৰ নিবে উট্লি। 'ইয়া ভাজাহৰাৰু, এখন ভাবেৰ ছোই কৰি। আবাৰ আৰু বাহ এই কুম্পাৰ কুলে ভাৱা আহে একখা তেবে আমি ভাবেৰ ছোই কৰি। (কুলেবেলাৰ ভাৱা আহে একখা তেবে আমি এই বাংলা গ্ৰহিট ভাবেৰ ভাবোৰাক্ষৰ। প্ৰতিবাবে আবাহ কৰে ভাৱা কেইল-এর যতো ব্যবহার করত। তাক জাজাবনার। তারা কেইই
কোনো চাক করতো না, প্রত্যোক্ষেত্র আরু একা আনাকে বাইতে
কোনো ৮ তারা এনে করতো চানেতর রারার কিছু নেই, নাকে ইনোন করে রাত কাটাতে হবে—তানে আনার বানার নিরে বিকুম-তারা নাতাল হবে বৃত্ত, ব্যেরার পেছনে টাকা চালত আরু আনার আন আনি বিয়ে বিকুম-তারা ব্যবহার কাল চালত আরু আনার বানা পর্বত তাবের চিরেছিল্য-এই তে। আনার বৌধেই ভিলাপেল কর্মন না—তার রুবেই সর করা তারন।

'छा हरन वह कावन की र' खाद निरक्ष कारहरे निरक क्षत्र करन

ভাক্তার। হক্তো জপিয়া ক্রকানা ছাস্তা।

'কারণ 🕆 কারণ আমার মা বলে আমি নাকি তার সন্ধান নই ।'
'কী বলুলে ৮'

'कश्वासिक केनद निर्वत कवा हाका चक्र केनाव (महे।"

আবে কিবেও ডাজারের এই অবিধাত কাহিনীর শেষটা জানবার কৌতুহল পেল না। তার বরজার নারনে বুড়ি বনে বরেছে, ঠিন বেষনটি তাকে দেখে গিরেছিল। এক বন্দম ক্লভাবেই তাকে ডাজার জিতার ভাকদ।

'তোমার ছেলের দক্ষে কথা করে একুম। তোমার যে এথানে আরো এক ছেলে আছে দে-কথা জানাগুনি কেন হ'

আগৰে বিহলদ হবে, পারে আছে ভীত ভাবেই চেহে বইল মাছাগ্রাৎসির।
কপালে আছে চুলের মধ্যে তার কন্দিত হাত চালাতে-চালাতে দে
উদ্ধা দিল:

'ও ছেলের কথা ওনলে আমার কালধান ছোটে ভাক্তারবাবু। দয়। করে ভার কথা বলবৈন না।'

'কেন বলৰ না হ' রেগে প্রাপ্ত করল ভাজনার ৷ 'সে তোমার কী কতি করেছে ৷ আমাকে বলতে হবে ৷'

'নে কিছুই কয়েনি,' তাড়াভাড়ি বুড়ি জনাব নিল। 'সভিচ কাছি সে কোনো কতি করেনি আনার। বরং সব সবরেই সে ভালো বাকার করেছে। কিছু আনি--আনি--স্থেছেন ভাজারবার সে কথা করেছে। সিলে আনার হাত কী রকন কাপছে। সে-কথা আনি উচ্চাবণ করতে পারব না! কারণ--কারণ--ভ-লোকটা আন্তর্ম ক্লেশে নব, ভাজারবার।'

क्षम काकारबर देवरवंत्र वीव टक्टड शाम ।

'কী বৰছে:—লে ভোষার হেলে নর গুজুমি বৰছে। কীণু ভোষার কি ভিষয়তি বছেছে, না কি পাগল হবে পেছণু লে কি ভোষারই সন্তাম নয় পু

ভাজারের রাগ দেখে বৃত্তি নাথা নাবিতে, রক্তাক্ত চোখের পাতা আহলোজা করে উত্তর বিদ্য: াজে হাঁয়, বোৰ হৰ আৰি বোকাই। পাগদ গুলা । হা কগৰাৰ, দৰ আৰি পাগদ হব্ব লা। তা হ'লে তো এ-অব্নিব হাত থেকে তে বেকুৰ--কিছ আপনি বে এখন নিতাছই পিড, তাই এবন তথ্যলা কথা আছে থেকলো ট্ৰিক ব্ৰতে পারবেন লা। আবাৰ চুল বা হবে গেছে, ব্ৰক্তিৰ বাৰ বহু কই পোৱাছি, অনেক কিছু দেখাছি---দৰ বৰ কিনিব হেখেছি আপনি বা বাৰগাও কয়তে পায়বেন লা।

টা এমন দেকে, কী হ বদ গু—আংবনের ছাত্র বক্ল আকার।
ালোতিক কাঞা ভারতর জিনিব গুঁ মাথা ছবিতে বুডিব পোক উপলে
টেল। 'বেকালে আপনি জ্ঞাননি, আপনার কথা তথন আছেও
গাবেনি কেউ—একদিন আগেকার কথা। তাবের আনি নিজেব
চাথে দেখেছি—আন তথন খেকেই আনার বুকের বক্ত জল করে
গাবেচ--আপনি কি ক্যানেবার্থের (গ্যারিকলির নাম নিনিনির
লোকেরা এইভাবে উচ্চারে করত ) নাম কথনো জনেক্রের গুঁ

আছে হাঁন, ক্যানেবার্ষে। আমানের দেশে এসে সহতে আরু প্রায়ে মাছ্য আর ভগবানের প্রত্যেক বিধিয়বছার বিকল্পে সে বিজ্ঞাহ কর্মেনিক। সাহ কথা কি জনসক্র স্ব

গ্যাবিবলনি প' বিশ্বিত হয়ে আক্লাব প্ৰায় কৰল।

বাহুক আৰু কৰা কি কৰেকে ব'

তিন্তিন। তাৰ বৰণ কি কৰেকে ব'

তিন, ইটা। তাৰ বৰণ কি কৰেকে ব'

তিন, ইটা। তাৰণাৰ ! বাহাৰিকাদিৰ সংক এব কী সুৰুত্ব দু'

সৰ্বত্ব আছে বৈকি বশাই। আগনি নিক্তৰই আন্দেন সেই পোৰকী—
সেই বাহাৰোবোঁ এবানে এসেই সৰজ শহরের সৰজ এজকানাৰ ব্যক্তা
বলে বিব্যেছিল। আগনি করনা করন আবাবের বেশের উপর কী
অবাজ্বকাতার কর্জই না বরে পেছে—বারা পড়, বারা বুনে, বারা

ভালত, বাহা বছরের পর বছর জেনে বর বেকে একেবারে কেবেল হিন, ভারা বছরের পর বছর জেনে বর বেকে একেবারে কেবেল হিন, ভারা হান্তা সেনা ভাবের জেনত ব্যক্তের স্কর্ম্ব হিন কোনা ন্যাবিধনি-ভালতের সর্বার সে। ভার কবলে বালা পঞ্চত कारतत्र ता कृष्टिता स्वरह स्कान स्वाह मरका, कृरण स्वन्न-थ बाद की-राज्यते। छावा बादत किना बाद क्यूकी प्रैक्ट्रा ভরা আছে কিনা ভারই ৩ব পরধ করা হছে। ধোলা জারদার দে शांकरका । अपने किया शांबात नवत मानिवाद रक्कत किराई त গিরেছিল। নতে ছিল একবল নাজপাক—ভারা নবাই চাবি। ভানের নিবে দে বুলি ছিল না, বল ভাবি করার বছে আবো অনেক লোক পুঁজছিল, আৰু বে তার চ্যালা হতে রাজী হয়নি তাকেই যেবে त्क्मिष्टिन । कथन मृत्य कामाद करतक बहुद हाँन विरव हरहरह, धरे को छात्मक छथन करवाहिन-वादा अधन बाद्यदिकात । श्रीकारणार গোলাবাড়িতে আৰম্ভ তখন বাক্তম। আমার আমী-জার আভাব শারি ভোক-কেটা ভাডা নিরেছিল। কোলা ক্যামিংসি বাবার সম ভাকেও বিষে সিমেটিল—জোর করে বরে নিমে সিমেটিল আমার शाबीतक--विन इवे शरद राष्ट्राव तम किरत वाराष्ट्र, क्रवांदा वारक्तार मछाद मछा--रम (यन चक्र अक्ट्री मानुव । छात्र कवा चांटेरक शिल-क्रिन, जांब क्रांत्वर बाबा क्रिन विकीतिकार क्षाता। विकास जार राष्ट ছাটা চেকে কেল্ল-নে-হাত বিবে ভাবে জাত করিতে বে-কার क्वारमा बरविक तारे त्याह ता काल क्राव्कित । 'क्रवा र जारि ভাকে বলমূৰ—(ভার আত্মার শান্তি ছোক)—'ক্সেন্ট্ৰ'ভূবি কী करवह र' ता क्यांव विरक्त शावन वा । 'हैंग त्या, कृषि कि फरन्य मार (बटक नानित्व अदनह ? काबादक बतान की इरव ? काबादक त धन क्यारत " चामाद यन स्त्रून की बहेदब---क्यिकिन दन चामारवद नर<sup>ह</sup> हिन, शांक इत्हें। बहेजारन कामात्र एकक इनिरंत, त्यावत निरंत कार. केश्रामत काइ तीरन, इनकान नरन पाकक-काड काथ इरके केश्रामन बरका । कांक्शव (न रजन, 'क्षव क्रांट बका कारना ।' बाव किकू ररनि-किम किम (म बुक्रिरविष्ण । क्यूबर्ट निरम (म नावेदन स्वाम-नावा

ाहिर, काक मा क्वरण करण मा। त्य टकरक विद्वारिक काक कहानी एक शर अन- चर् त कितन ना । चारि चानका कराछ शासस्य । । क्षमवान । की फारवरे ना बरमका करहि-किन्न करनि कानकुन, उक्करन गर गांगातहार नवरच (गरंदिसय-छन कास्त्र) (क कारम e स्तरका कारक व्याप कावा बारहिक-कृष्ट क्याका बरव किरव शिरव शिरव চ'দিন পরে জানতে পারকুম কোলা ক্যাহিৎসি সম্প্রতাল মন্টেলসা যাানরে হবেছে। ভারণাটা লিকছোবিরার স্রানীকের। ভারা দেবান (बाक भागित्वक्रिया। श्रीक मागामत बाखाई त्रधात्में त्रीते त्रवा । प्राकाररार (प्रतिम किन शहन यह । (प्र-रुवर वह कीराम क्याम) দেখিনি। আপনি কি কগনো হাওৱা চোখে দেখেছেন । দেখিন সভািই বেখতে পেতেন। যনে হজিল খেন সময় খুন করা লোকের আছা মালুব আৰু দেবভাকে ভেকে বলছে, প্ৰতিশোধ নাও। সেই বজের शानाके क्लानम आमि । आमारक त्यन केफिरत निरम क्लान । आमारक বেন কৃটকুটি করে কেলছিল সেই বড় আব আযার আউনাদ বড়েব হয়।বাবে ছাপিছেও লোনা বাছিল। আমি বেন উচ্চ চলবুর। আনক উচুতে, কালো পপনাবের ঝোপের তেতর সেই মঠে পৌছতে আমার रके शासकं मामन मा।

সেবানে পাচিলে-ছেবা বছ একটা উঠোন ছিল। এবনো বনে আছে একলালে কোনে আব ঢাকা ছোট ববজা দিবে জিন্তাৰ বাবাব পৰ। সাছেব পেকজনা কোনেৰ বাবাৰ বাবা কৈবিবে সৈছে। জোৰে টোকা দেবার জড়ে একটা পাবব কুড়িবে নিযুব। বাভাব পর বাবা বিষে চলমুব, কিছু কিছুতেই ভারা ব্লন না। আবি বাভা বিষেই চলমুব। পেবে ভারা ব্লন। হা জনবান। বী বৃত্ত কেবছুব। কিন্তার।

মানাপ্রাথসিরা ইাড়িতে উঠন। আততে তার সময় মুখ টুকড়ে গেছে। তার আতে চাবে উদ্যাধ দৃষ্টি। একটা হাত সে বাড়াল, আধুলকলো খানার মতো লক্ত হরে উঠেছে। তার শ্বর কর হরে এক, আর বনতে গারল না।

'ভাবের হাতে…' অনেক পরে দে বক্স, 'ভাবের হাতে…নেই শহ-ভানবের হাতে…ভাবের হাতে…'

আবার দে থামল। কে থেন চেপে ধরল তার গলা আর ছ-হাত দিছে। কিছু ছুঁড়ে কেলবার কর্মী দে করতে লাগল।

নিউরে উঠে ভাকার প্রস্ন করল, 'ভারপর ?'

'সেই উঠোনে তাবা জাঁচী খেলছিল--মাছবের মুকু নিবে পেলছিল
---গুলোর চাকা কালো বালো মুকু--চুলের মুক্তী ব্যব্ধ ফুলছিল তাবা--আর---আর সেওলোর মধ্যে ছিল একটা মুকু, আমার বামীর---কোলা
ক্যামিথিনি নিজেই নেটা ব্যবহিল--আমাকে সে দেখাল। মুক্ত ফাটিব পলা ছিঁছে আমি আঠনাদ করে উঠনুব। আতা জোবে ঠেচিরেছিল্য যে
ব্যবহা পর্যন্ত নিউরে উঠল। বামবার করে কোলা ক্যামিথিনি আমার
ক্যান্টাটিলে ব্যবল আর তারপারেই লক্ষের একটা লোক পাগারের
ক্যান্ত আক্রমণ করল তাকে। আর তাই দেখে সাহল পোরে চার্ফপার্চ্জন--হয়তো বশবনাই হবে--চার্ফিক ব্যবহ তাকে হিনে বরুলা
ব্যবহা বর্ষ আন্তর্গন বর্ষেই সরেছিল তাই তারা
ব্যবহার করণ--আর কানেন, ভাকারবাবু, আমার চোর্ড্রেক ব্যবহা করার
ক্যান্তর নাকের বাতে তার নিজের পলাটা কাটা পর্যন্ত ব্যবহা ভারি
ভবি প্রেক্ত বাতে তার নিজের পলাটা কাটা পর্যন্ত ব্যবহিন ভারি
ভবি প্রেক্ত বা

খডাত ছাত হৈরে ইাপাতে-ইাপাতে বৃতি কুপ করে চেরারে বলে প্রকা: সুবত্ত দেহ তার শিক্তরে-শিক্তরে উঠছে।

তহণ ডাজার তাকে দেবতে দাগদ। তার চোবে অছকশা, বিভূজা ও আতত-বেশান চাউনি। ক্রমণ স্বাভাবিক হবে এলে শার্ভাবে তেবেও দে কিন্তু ক্রিক বুকল ন' এই বীভংস গরের সকে তার অভ হেলে।  भी। छाएक एन शविषाय करत समुद्र समुद्र समुद्र। काम र वय निरहरे वृक्ति केवर विन : 'रव-रनावके। निरक्तात चक ন্ত আমাৰে বাঁচাতে এসেছিল ভাব নাম মাৰ্কো ক্ৰপিয়া ট

हिंदा । विचित्र करत बनन काकात । 'ट! क्'रन रहका---'

ाइबे काल,' छेखर निम माताखार्शनहा। 'काक्वादराव, कारना करह रकरव वन । चारात (व चनका शिरवरक छाउनरत्व कि क स्वाक्केरक विरव s) সম্ভব ছিল ? আমাকে পাবার করে দে কুলোকুলি করতে সাগন। ন নাস ধরে তার কাছে আমাকে রেখেছিল, আমি ঠেচাছম কামডাড়ম त चामार यथ रक कार रम खीर हाथक---किम्याम भार महकात एक बात स्वारंग वह करत ताथन, राजारमंद्रे किছ निरमत मार्था বৃদ্ধিল লোকটা। কিছ ততবিনে আমি পোছাতি চাছটি।

াক্তারবাব, আপনার গা ছুঁরে বলছি আমার ভেডরটা আৰি ছিঁছে श्वरण क्राइडिन्ड-चाराद यान इरहड़िन चारि अरू गांगरवर क्या তে চলেছি—ভার হাত থেকে বাচবার কোনো উপার নেই। মনে হ'ল हानडीएक कारमाधिम डूराठक भावन मा। जारक माहे निराठ करने आहे ত্মনার পাগলের মতো আমি আর্তনাদ করতুব। তার করাবার সময় খার को ब'रावे रहा गरविवृत्त । आमाद यां-हे (कांव आखाद शांवि रहांक) स्थानाम करता कालोहिक अकराह तबाउक वहनि। सम्राशह াৰেই তাকে গোজা তাৰ বাপেৰ ৰাজিতে বেখে এসেছিল, দেখানেই দে क्रिय---ध्यम क्राम का काकाइरावू, ता भागाव करता मह अ-क्यांके

वे विदया र

ातीत किसाब यह हिम न'रम छाउनाड व्यवस्ता रमारमा करान दिम मा गात रज्ञ-किन गाहे हाक, त्र त्वा त्वामात्रहे काल, चाह नाय की र

विद् मा र वृष्टि केंग्रद विज, 'क्दामाई छाटक बाबि हाव विहेति।

স্থিত্য বদহি ভাজাববাৰ, বহু তার প্রসংসাই করেছি: বিশ্বনুষ্ঠ গেছেন্দ্র করেছে । বিশ্বনুষ্ঠ গেছেন্দ্র করেছে । তাকে বাবার আমি কী করব ক্ষুদ্রপূত্র ভাজাববার, সে ঠিক তার বাসের কতো দেখতে হরেছে—হেহারার, গাছনে, গাছনে বাবা । তাকে কেখনেই আবার হুৎকশ হব আর কালবার হোটে । আমি কা করব বাকুল—প্রতি বাকুল বা

কৰে খা বলেছিলেন---'
কাকানি বিভে কেই বুৰক ভাগ ভাৰনাজলোকে খেন খেছে কেক্স।
ভাগৰৰ টেবিলেল নোছে কোন্তাট টেনে এনে জানাল লে প্ৰস্তত।
আধাৰ কেই খানবানে ক্ষৰে বুলি বলতে ফল কৰল:

'बाबाद नाहाताः..'

— কামাকীপ্রসাম চটোপাব্যাব







